5 point someone

चेतन भगत

bestseller 5 Point Someone का हिंदी अनुवाद

रेयान दौड़कर board के पास पहुँचा और पहली पंक्ति के नाइन पॉइंटर मुसकराए कि एक फाइव पॉइंटर क्लास के लिए योगदान देगा।

यद्यपि समीकरण सही था; रेयान board तक नहीं जाता, जब तक कि वह यह न जान ले कि वह सही है।

"बहुत अच्छा, धन्यवाद रेयान। अच्छा, पिछले टर्म paperमें स्कूटर के पेट्रोल के उपयोग पर लूब्रीकेंट की कार्य-क्षमता के बारे में तुमने ही लिखा था?"

"जी हाँ Sir."

"क्या यह सच है कि यह परिणाम तुमने अपने स्कूटर पर टेस्ट किया है?"

"हाँ मैंने किया है, Sir. यद्यपि बिलकुल सही तरीके से नहीं।"

"वह मुझे अच्छा लगा।" प्रो. वीरा ने नाइन पॉइंटर्स की तरफ देखते हुए कहा, जो रट्टू तोतों की तरह notes बनाने में व्यस्त थे-"मुझे वास्तव में अच्छा लगा।"

-इसी उपन्यास से

आज की गलाकाट प्रतिस्पर्द्धा के दौर में कैसे अपनी क्षमता, इच्छाशक्ति और कुछ हासिल करने की शिद्दत से युवा सफल हो सकते हैं-यह मूल संदेश है 5 पॉइंट समवन का। लेखन के क्षेत्र में पदार्पण करते ही अपनी सरल-सुबोध भाषा, आकर्षक शिल्प तथा किस्सागोई के कारण लाखों युवाओं को लुभा लेनेवाले बेस्टसेलर लेखक चेतन भगत का उपन्यास है 5 Point Someone.

विकट शुरूआत

इससे पहले कि मैं पुस्तक की शुरुआत करूँ, मैं आप सभी को यह साफ बताना चाहता हूँ कि यह पुस्तक किस बारे में नहीं है। यह पुस्तक कॉलेज के जीवन के मार्गदर्शन के लिए नहीं है। इसके विपरीत, यह एक उदाहरण है कि कैसे आपके कॉलेज के साल खराब हो सकते हैं। यह आपकी अपनी सोच है कि आप इससे सहमत हैं या नहीं। मैं ऐसी उम्मीद करता हूँ कि रेयान और आलोक जो पागल हैं, शायद यह पढ़ने के बाद वे मुझे मार डालें; लेकिन उसकी मुझे चिंता नहीं। मेरा मतलब है कि अगर वे चाहते तो वे अपने विचार लिख सकते थे। लेकिन आलोक तो लिख ही नहीं सकता और रेयान वैसे तो वह जो चाहे कर सकता है, लेकिन वह बहुत ही आलसी है। इसलिए यह कहना चाहता हूँ कि यह मेरी कहानी है। मैं जैसा चाहूँ वैसा बताऊँगा।

मैं एक और बात बताना चाहता हूँ कि यह पुस्तक और क्या नहीं बताती है। यह आपको IIT में प्रवेश लेने में मदद नहीं करती। मैं यह सोचता हूँ कि दुनिया के आधे पेड़ों का इस्तेमाल IIT की परीक्षा में प्रवेश करने के लिए बनी गाइड्स में होता है। उनमें से अधिकतर गाइड्स बकवास हैं, लेकिन इससे अधिक मददगार होंगी।

रेयान, आलोक और मैं शायद इस दुनिया में आखिरी होंगे, जिनसे आप IIT में प्रवेश के लिए कुछ जानकारी लेना चाहें। हम आपको यह सलाह दे सकते हैं कि आप अपने को पुस्तकों के साथ दो वर्ष तक एक कमरे में बंद कर लें और उसकी चाबी फेंक दें। अगर आपके हाई स्कूल के दिन मेरे जितने खराब जा रहे हों तो शायद पुस्तकों के ढेर के साथ रहना कोई बुरा विचार नहीं होगा। मेरे के आखिरी दो साल बहुत ही खराब थे, और अगर आप भी मेरी तरह अपने की बास्केट बॉल टीम के कप्तान नहीं हैं और आपको गिटार भी बजाना नहीं आता हो, तो आपके दिन भी उतने ही खराब होंगे। मगर मैं उन चीजों में वापस जाना नहीं चाहता हूँ।

मैं सोचता हूँ कि मैंने अपना डिसक्लेमर बता दिया और अब उपन्यास लिखना शुरू करता हूँ।

इसलिए मुझे कहीं-न-कहीं से तो शुरुआत करनी ही है और Indian Institute of Technology में मेरा पहला दिन और रेयान व आलोक से पहली मुलाकात से बेहतर और क्या हो सकता है; हम कुमाऊँ hostel की दूसरी मंजिल पर साथ-साथवाले कमरों में रहते थे। प्रथा के अनुसार आधी रात को सीनियर्स ने हमें बालकनी में रैगिंग के लिए घेर लिया। हम तीनों सावधान खड़े थे और तीन सीनियर हमारे सामने खड़े थे और मैं अपनी आँखों को मल रहा था। अनुराग नामक सीनियर दीवार पर झुककर खड़ा था। दूसरा सीनियर, जो मुझे सस्ते पौराणिक TV कार्यक्रम के दानव जैसा नजर आ रहा था, जो छह फीट लंबा, जिसका वजन 200 किलो ग्राम से ज्यादा और बड़े-बड़े गंदे दाँत ऐसे लग रहे थे कि दस वर्षों से दाँत के डॉक्टर को न दिखाए हों। वैसे तो वह खतरनाक दिख रहा था, पर बोलता कम था और वह अपने बॉस बाकू के लिए भूमिका बनाने में व्यस्त था। बाकू देखने में सूखे काटे के समान था। उसके शरीर से बदबू आ रही थी।

"अरे, तुम bloody freshers सो रहे हो? गधो! परिचय कौन देगा?" बाकू चिल्लाया।

"मेरा नाम हरि कुमार है सर, mechanical engineering student, all india rank 326." पर अगर मैं ईमानदारी से कहूँ तो उस समय मैं बहुत डरा हुआ था।

"मैं आलोक गुप्ता हूँ सर, mechanical engineering, rank 453." आलोक ने कहा, जब मैंने उसे पहली बार देखा। उसका कद मेरे जितना ही था पाँच फीट पाँच इंच-वाकई बहुत छोटा और उसने मोटे लेंस का चश्मा एवं सफेद कुरता-पाजामा पहन रखा था।

"रेयान Oberoi mechanical engineering, rank 91, Sir." रेयान ने भारी आवाज में कहा, जिससे सारी आँखें उसकी तरफ मुड़ गईं। रेयान ओबेरॉय, मैंने अपने मन में दोहराया। ऐसा लड़का जो IIT में कम ही देखने को मिलता है; बहुत ऊँचा कद, सुडौल शरीर और बहुत ही सुंदर। उसने ढीली ग्रे रंग की टी शर्ट पहन रखी थी, जिस पर बड़े नीले अक्षरों में 'GAP' लिखा था और चमकीली काले रंग की घुटनों तक की निकर पहन रखी थी। मैंने सोचा कि जरूर उसके रिश्तेदार विदेश में रहते हैं, क्योंकि सोते समय 'GAP' के कपड़े कोई नहीं पहनता।

"you bastard!" बाकू चिल्लाया, "अपने कपड़े उतारो!"

"ऐ बाकू, पहले इनसे थोड़ी बात कर लें।" दीवार की तरफ झुककर सिगरेट पीते हुए अनुराग ने रोका।

"नहीं, कोई बात नहीं करेंगे!" बाकू ने अपना सूखा हाथ उठाते हुए कहा, "नहीं, कोई बात नहीं करो, सिर्फ उनके कपड़े उतारो।"

एक दूसरा दानव थोड़ी-थोड़ी देर में अपने नंगे पेट पर हाथ मारते हुए हम पर हँस रहा था। कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था, इसलिए हम अपने कपड़े उतारकर आत्मसमर्पण कर चुके थे। बाकू भी हँस रहा था और हम सभी सहमे खड़े थे।

जब हम निर्वस्त्र खड़े थे तब हम सबके शरीरों में अंतर साफ नजर आ रहा था;

क्योंकि मैं और आलोक अपने गुब्बारे जैसे शरीर को छिपाने के लिए पैर के अँगूठों को जमीन पर दबाकर चित्र बनाने की कोशिश में लगे थे। वहीं रेयान का सुगठित शरीर बिलकुल ऐसा जैसा कि जीव विज्ञान की पुस्तकों में दिखता है। दूसरी तरफ मैं और आलोक बिलकुल बेढंगे।

बाकू ने आलोक को और मुझे आगे बढ़ने के लिए कहा, ताकि सीनियर्स हमें अच्छे से देख सकें और जोर से हँसें।

"देखो, इन छोटे बच्चों को। इनकी माँ ने इन्हें तब तक खिलाया जब तक कि इनके पेट न फट जाएँ।" बाकू ने हँसकर कहा

दानव भी उनके साथ हँसा। धुएँ के गुबार के पीछे दूसरी सिगरेट बुझाते हुए विरोध प्रभाव दिखाते हुए अनुराग मुसकराया।

"सर, प्लीज सर, हमें जाने दो, Sir. " अपने नजदीक आते हुए बाकू से आलोक ने खुशामद की।

"क्या? तुम्हें जाने दूँ? अभी तो हमने तुम सुंदरियों के साथ कुछ भी नहीं किया। ऐ तुम दोनों मोटे चलो, अपने चारों हाथ-पैरों पर झुक जाओ"

मैंने आलोक के चेहरे की तरफ देखा। बुलेटप्रूफ चश्मे के पीछे मुझे उसकी आँखें नहीं दिखाई पड़ रही थीं, लेकिन उसका रुआँसा चेहरा देखकर लग रहा था कि वह भी मेरी तरह रोने ही वाला है।

"चलो, जो वह कहता है, करो।" दानव ने धीरे से चेतावनी दी। वह और बाकू एक-दूसरे के पूरक प्रतीत होते थे। बाकू को उसकी ताकत का सहारा चाहिए था, जबकि दानव को उसके निर्देश का सहारा।

आलोक और मैं अपने हाथों व पैरों पर झुक गए। वे हमारे ऊपर और जोरों से हँसे। दानव ने पहली बार अपनी सलाह दी कि इन्हें दौड़ाओ लेकिन बाकू ने तुरंत मना कर दिया।

"कोई रेस-वेस नहीं, मेरे पास एक इससे भी बढ़िया आइडिया है। जरा रुको, मैं अपने कमरे से होकर आता हूँ। ऐ नंगी गाय, ऊपर मत देखो।"

फर्श की तरफ देखते हुए हमने तनावपूर्ण 20 सेकंड तक इंतजार किया, जब बाकू बरामदे की तरफ दौड़ रहा था। मैंने तिरछी निगाह से देखा कि आलोक के सिर के पास पानी पड़ा है और आँखों से आँसू टपक रहे हैं। इसी बीच दानव ने रेयान से उसकी मांसपेशियाँ कुलाने और लड़ाकू योद्धा जैसा रूप बनाने के लिए कहा। मुझे पूरी उम्मीद है कि वह फोटो खींचने लायक था, लेकिन मैंने उसको देखने का साहस नहीं किया।

बाकू के आने के कदमों की आहट हमारे कानों में पड़ी।

"देखो, मैं क्या लाया हूँ!" उसने अपने हाथ दिखाते हुए कहा।

"बाकू, ये किसलिए?" हम जब अपना सिर ऊपर कर रहे थे तब अनुराग ने पूछा।

बाकू के हाथों में Coke की दो खाली बोतलें थीं। दोनों बोतलों को आपस में बजाते हुए बाकू ने कहा, "सोचो, मैं क्या करने वाला हूँ।"

सख्त चेहरे और modelling pose में खड़ा रेयान एकदम से बोला, "सर, आप क्या करने की कोशिश कर रहे हैं?"

"क्या, ये तो होता ही है और साले, तुम कौन हो पूछनेवाले?" बाकू चिल्लाया।

"सर, रुको।" रेयान ने ऊँची आवाज में कहा।

"अबे साले!" अपनी पुरानी दादागिरी के खिलाफ ऐसा विरोध देखकर बाकू की आँखें फटी-की-फटी रह गईं।

जैसे ही बाकू ने बोतल सही स्थिति में पकडी, रेयान ने अपना मॉडलिंग पोज छोड़ा और कूदा। अचानक उसने दोनों बोतलों को पकड़ा और बाकू के पैरों पर कूद पड़ा। जेम्स बांड स्टाइल में बोतलें बाकू के हाथों से छूटीं और रेयान के हाथ में आ गईं। बाकू के जोर से चिल्लाने से हमें पता चला कि उसे चोट लगी है।

"पकड़ो इस सिरफिरे को!" बाकू गुस्से से चिल्लाया।

इस घटना से दानव चौंक गया और उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे। सिर्फ उसके कान में बाकू का निर्देश सुनाई पड़ रहा था और उसे पूरा करने के लिए वह आगे बढ़ ही रहा था कि तभी रेयान ने बालकनी के छज्जे पर दोनों कोक की बोतलों को पटककर मारा। दोनों बोतलें पूरी तरह से टूट गई थीं और रेयान बोतलों के टूटे हिस्से को हवा में हिला रहा था।

"आ जाओ, शैतानो!" रेयान ने गुस्से से लाल होकर कहा।

बाकू और दानव ने अपने कदम थोड़े पीछे किए। अनुराग, जो अभी तक शांत था, अचानक हरकत में आ गया।

"अरे, सब लोग शांत हो जाओ। यह सब कैसे हुआ? तुम्हारा नाम क्या है-रेयान, अरे आराम से यार! यह तो सब मजाक चल रहा है।"

"मेरे लिए यह कोई मजाक नहीं है। " रेयान गुर्राया, "यहाँ से निकल जाओ!"

आलोक और मैंने एक-दूसरे की तरफ देखा। मेरी यह आशा थी कि रेयान को पता है कि वह क्या कर रहा है। मेरा मतलब है कि जरूर वह कोक की बोतलों से हमारी जान बचा रहा था; लेकिन टूटी कोक की बोतलें भी बहुत घातक हो सकती थीं।

"सुन यार।" अनुराग ने बोलना शुरू किया। लेकिन रेयान ने उसे बीच में ही रोक दिया।

"चले जाओ यहाँ से।" रेयान इतनी जोर से चिल्लाया, जिसके झटके से बाकू मानो पीछे की तरफ उड़ गया हो। असल में वह धीरे-धीरे पीछे जा रहा था और फिर वह थोड़ा और तेज चलने लगा तथा आखिर में वह इतनी तेज-तेज चलने लगा जैसे हवा में उड़ रहा हो। दानव भी उसके पीछे-पीछे भाग निकला। अनुराग थोड़ी देर रेयान की तरफ देखता रहा और फिर उसने हमारी तरफ देखा।

"इसे काबू में रहने को कहो, नहीं तो एक दिन यह अपने साथ तुम दोनों को भी ले डूबेगा।" अनुराग ने कहा।

आलोक एवं मैं उठ गए और हमने अपने कपड़े पहन लिये।

"धन्यवाद रेयान, मैं बहुत ही डर गया था।" आलोक ने अपना चश्मा साफ करते हुए कहा जब उसने अपने हीरो (रेयान) को आमने-सामने देखा।

यही कारण है कि लोग कहते हैं कि आदमी को रोना नहीं चाहिए क्योंकि रोते हुए वे भद्दे दिखते हैं। आलोक का गंदा चश्मा और आँसू से भरी आँखें इतनी दु:खदायी थीं, जिन्हें देखकर आप भी आत्महत्या कर लें।

"हाँ धन्यवाद रेयान, काफी जोखिम उठाया तुमने वहाँ। वह बाकू तो बहुत ही गंदा था। लेकिन क्या तुम्हें लगता है कि वे हमारे साथ कुछ करते?" मैंने कहा।

"क्या पता? शायद नहीं।" रेयान ने कंधा हिलाते हुए कहा, "मगर तुम कुछ कह नहीं सकते कि कब लड़के एक-दूसरे को देखकर कुछ गलत हरकतें करने लगें। विश्वास करो मुझ पर, क्योंकि मैं boarding school में बहुत रह चुका हूँ।"

रेयान के कारनामे हमें एक-दूसरे के इतनी जल्दी इतना नजदीक ले आए जैसे कि फेवीकोल का मजबूत जोड़। उसके अलावा हम hostel में एक-दूसरे के साथ-साथवाले कमरों में रहते थे तथा एक ही engineering विभाग में थे। लोग कहते हैं कि पहली मुलाकात में आप जिसके साथ सोते हैं तो आपको उसके साथ रिश्ता नहीं जोड़ना चाहिए। हम एक-दूसरे के साथ तो नहीं सोए थे, लेकिन अपनी पहली मुलाकात में हमने एक-दूसरे को निर्वस्त्र देखा था तो उस हिसाब से तो हमें दोस्ती नहीं करनी चाहिए थी। लेकिन हमारा साथ रहना तो अनिवार्य था।

black board पर बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा था-'M-A-C-H-I-N-E'। जैसे ही हम एंपिथिएटर जैसे आकार वाले लेक्चर रूम में गए तो हम सभी को परचों के बंडल मिले। प्रोफेसर एक फूले हुए भौंरे की तरह black board के पास बैठे थे और वे हमारे व्यवस्थित रूप से बैठने का इंतजार कर रहे थे।

वे (प्रोफेसर) चालीस साल की उम्र के लग रहे थे। उनके सफेद बाल थे, जो लग रहे थे जैसे नारियल के तेल में डूबे हों। उन्होंने हलके नीले रंग की कमीज पहन रखी थी और कमीज की जेब में तीन पेन व कुछ चॉक, जो ऐसी लग रही थीं मानो बंदूक की गोलियाँ हों।

"आप सबका स्वागत है। मैं professor दूबे हूँ mechanical engineering विभाग... तो, इस कॉलेज में यह आपका पहला दिन है। क्या आप अपने आपको कुछ विशेष महसूस कर रहे हैं?" उन्होंने एक ही लय में कहा।

कक्षा शांत थी। हम अपने परचों को देखने व समझने में व्यस्त थे। यह courses था Manufacturing Processes, जिसे संक्षिप्त में manpro कहते हैं। परचों में course की रूप-रेखा लिखी थी। विषय सामग्री में manufacturing की मूल तकनीक जैसे welding, machining, casting, bending, shaping दी गई थी। परचों में रूपरेखा के साथ-साथ course के grading का तरीका भी दिया गया था।

majors-40%

minors-20%

practicals-20%

assignments (6-8) और surprise quiz (3-4)-20%

जब professor दूबे ने देखा कि उनकी बात पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया तब उन्होंने अपनी आवाज को और परिपूर्ण किया-"परचों को बाद में देखना। चिंता मत करो, ऐसे परचे तुम्हें और भी बहुत मिलेंगे-हर course के लिए एक। अभी तुम उन्हें अलग रख दो।" उन्होंने खड़े होते हुए black board की तरफ जाते हुए कहा। उन्होंने जेब से चॉक को इतनी स्फूर्ति से निकाला और 'मशीन' शब्द को छह बार रेखांकित किया जैसे कि एक आतंकवादी हैंड ग्रेनेड को खोलने में तेजी दिखाता है। फिर वह हमारी तरफ घूमे-"मशीन, एक mechanical इंजीनियर के अस्तित्व का मूल कारण है। आप जो भी सीखते हैं, उसका प्रयोग मशीनों में होता ही है। अब क्या कोई मुझे बता सकता है कि मशीन क्या है?"

कक्षा अब पहले से भी अधिक शांत हो गई। यह है पहला पाठ : शांति की अलग-अलग सीमा होती है।

"कोई भी?" प्रोफेसर विद्यार्थियों के पास आते हुए बोले।

जब सभी विद्यार्थी प्रोफेसर से आँखें चुरा रहे थे तब मैं पीछे मुड़कर अपने सहपाठियों को देख रहा था। हमारी कक्षा में करीब 70 विद्यार्थी होंगे और हर वर्ग में 300। मैंने अपने आगे बैठे लड़के को देखा, जो प्रोफेसर की तरफ ध्यानपूर्वक देख रहा था, उसका मुँह खुला था और बड़ा डरा था जैसे कि बाकू उसे कच्चा खा जाएगा।

"तुम।" professor दूबे ने मुझे अपना पहला शिकार बनाते हुए कहा।

ऐसी दशा मेरी पहली बार हुई, जब मेरा शरीर एव जीभ ठंडी हो गई और मैं पसीने-पसीने हो गया।

"तुम, मैं तुम्हीं से बात कर रहा हूँ।" प्रोफेसर ने साफ किया।

'हरि, हरि.. ' जैसे कोई मेरे अंदर मुझसे बात करना चाह रहा है। लेकिन मैं जवाब नहीं दे पा रहा हूँ। मुझे उत्तर देने की कोशिश तो करनी चाहिए थी या एक बेवकूफीवाला 'I don't know'; लेकिन लगता था कि जैसे मेरा मुँह सिल गया हो।

"अजीब... "professor दूबे ने चौंकते हुए कहा और वे दूसरे विद्यार्थियों से प्रश्न पूछने लगे।

"तुम check shirt में। तुम्हें क्या लगता है?"

अब तक check shirt वाला लड़का प्रोफेसर की आँखों से बचने के लिए कुछ लिखने का बहाना कर रहा था-" सर, मशीन सर.. एक चीज होती है, जिसके बड़े-बड़े भाग होते हैं। सर, उसके बड़े-बड़े गियर होते हैं.. "

"क्या?" professor दूबे की इतनी घृणा ऐसे दिखाई दी जैसे वे उसके ऊपर थूक रहे हों। "यहाँ का स्तर तो हर साल गिरता ही जा रहा है। अब हमारे यहाँ दाखिले के नियम कठिन नहीं रहे। " उन्होंने तेल से भरा अपना सिर हिलाया, जिसमें सारे ब्रह्मांड की जानकारी थी। मशीन की भी विस्तृत जानकारी उसमें ही थी।

"हाँ जरूर। दो साल मर-मरकर इतनी मेहनत की यहाँ आने के लिए और पहले सौ में से एक आना भी इनके लिए काफी नहीं है।" रेयान ने मेरे कान में कहा।

"शऽऽ" प्रो. दूबे ने हमारी तरफ देखते हुए कहा, "तो मशीन की परिभाषा बहुत आसान है। ऐसा कोई भी यंत्र जो हमारी मेहनत कम करे, वही

मशीन है। वह कुछ भी हो सकता है। इसलिए आपके इर्दगिर्द जो दुनिया है, वह मशीनों से भरी है।"

'जो हमारी मेहनत कम करे ', मैंने अपने दिमाग में दोहराया। यह तो सुनने में मुझे बड़ा ही आसान लगा।

"इसलिए बड़े-बड़े स्टील के कारखानों से लेकर झाड़ तक आदमी ने कई ऐसी चीजों का आविष्कार किया है, जिससे इनसान की मेहनत कम हो सके।" प्रोफेसर ने आगे बढ़ते हुए कहा और देखा कि कक्षा में उनके इस विचार से सब बड़े आश्चर्यचकित हैं।

"airplane?" पहली पंक्ति में बैठे एक विद्यार्थी ने पूछा।

"मशीन।" professor ने कहा।

"stapler." एक और विद्यार्थी ने पूछा।

"मशीन।"

यह सब बड़ा ही आश्चर्यचकित था। एक चम्मच, कार, blader, चाकू, कुरसी-इसी तरह के और कई उदाहरण विद्यार्थियों ने professor को दिए और इन सभी का एक ही जवाब था-मशीन।

"आपके आस-पास जो दुनिया है उससे प्यार करो।" professor दूबे अब पहली बार हँसते हुए नजर आए "क्योंकि तुम लोग मशीन के मास्टर बन जाओगे।"

कक्षा में चारों तरफ खुशी का माहौल था, क्योंकि हमने professor दूबे के दुःखी चेहरे को खुशी में बदल दिया था।

"सर, एक gym machine के बारे में आप क्या कहेंगे? जैसे कि एक bench press या कुछ और?"

"क्या, उसके बारे में क्या?" professor दूबे ने अब हँसना बंद कर दिया-"वह हमारी मेहनत कम नहीं करती। उसके बदले में वह तो हमारी मेहनत और बढ़ा देती है।"

कक्षा में फिर सब शांत हो गए।

"मेरा मतलब है कि.. " professor दूबे ने जवाब ढूँढते हुए कहा।

रेयान के प्रश्न में तो बड़ा दम था।

"तब तो शायद यह परिभाषा कुछ ज्यादा ही आसान है।" ऊपरी मन से सहायता का आश्वासन देते हुए रेयान ने कहा।

"तुम क्या कहना चाहते हो?" प्रोफेसर ने होंठ दबा हमारे पास आते हुए कहा,

"क्या तुम यह कहना चाहते हो कि मैं गलत हूँ?"

"नहीं सर, मैं तो सिर्फ.."

"देखो लड़के! मेरी कक्षा में सोच-समझकर बोलना।" सिर्फ इतना कहकर professor आगे बढ़ गए।

"ठीक है, बहुत मस्ती हो गई। अब हमें manpro पर ध्यान देना चाहिए।" उन्होंने black board से 'मशीन' शब्द मिटाते हुए कहा, "मेरा विषय बहुत ही जरूरी है। बाकी सब प्रोफेसर भी अपने विषयों के बारे में यही कहेंगे। लेकिन मुझे सिर्फ manpro मतलब है। इसलिए class miss नहीं करना, अपने assignments वक्त पर पूरे करना और हाँ किसी भी वक्त एक surprise test quiz या आसमान आपके ऊपर गिर सकता है, तो उसके लिए तैयार रहना।"

फिर उन्होंने टेकल casting, जो कि धातुओं के उपयोग की सबसे पुरानी तकनीक है, उसके बारे में पढ़ाना आरंभ किया। एक घंटे तक-धातु कैसे पिघलता है और फिर कारखाने के कर्मचारी कैसे उसे बालू के साँचों में ढालते हैं, इन सब की जानकारी देने के बाद उन्होंने सत्र का अंत किया।

"आज के लिए बस इतना ही। आप सभी को यहाँ रहने और पढ़ने के लिए शुभकामनाएँ। best of luck. याद रखो, जैसे कि तुम्हारे विभाग प्रमुख professor चेरियन कहते हैं कि कठिन वर्कलोड design आपसे सदैव मेहनत करवाने के लिए है। और हाँ grading system की कद्र करें। अगर आपको खराब grades मिले, तो याद रखें कि आपको न तो कोई नौकरी मिलेगी और न ही आपका कोई भविष्य होगा। लेकिन अगर आप अच्छा करते हैं तो यह दुनिया आपके कदम चूमेगी। इसलिए खराब प्रदर्शन की कोई गुंजाइश नहीं है।"

जैसे ही professor दूबे ने अपने आखिरी शब्द कहे, हम सभी के अंदर एक सनसनी-सी दौड़ गई। professor ने duster मेज पर जोर से पटका और चॉक के बादलों को पीछे छोड़ते हुए कक्षा से बाहर चले गए।

Terminator

लोग कहते हैं कि जब आप आनंदमग्न होते हैं तो समय जल्दी पास होता है। पहले semester में ही हमारे पास छह course थे, जिनमें से चार के साथ practical कक्षाएँ भी थीं, जिस वजह से समय बहुत धीरे-धीरे चल रहा था और आनंद का तो नामोनिशान नहीं था। हर दिन सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक हम आठ मंजिल की इमारत में लेक्चर, tutorial और lab में कैद होते थे। शाम के अगले कुछ घंटे हमारे पुस्तकालय या अपने कमरों में रिपोर्ट या असाइनमेंट्स खत्म करने में बीत जाते थे और इन कार्यक्रमों में हमारे test शामिल नहीं थे। हर विषय में दो छोटे test, एक बड़ा test और तीन surprise quiz थीं; गणित के हिसाब से कहें तो छह courses के छह टेस्ट मतलब हर semester में बयालीस test. ragging और settle होने में लगने वाले कुछ समय को देखते हुए प्रोफेसर ने पहले महीनों में surprise test के लिए हमें माफ कर दिया; लेकिन ragging का समय तो अब खत्म हो गया। इसका मतलब कि अब किसी भी समय quiz हो सकती है। हर class में हम प्रोफेसर के छोटे-छोटे संकेतों को देखते रहते थे, जिससे कि अगली class में quiz होने का पता चल सके।

फिलहाल, मैं रेयान एवं आलोक से और अच्छी तरह से परिचित हो गया। रेयान के पिता का हस्तशिल्प का व्यवसाय था, जिसमें वह यूरोपीय बाजार के लिए गुलदस्ते बनाते थे। रेयान के माता-पिता दोनों ही व्यस्त रहते और वे निरंतर यात्राएँ करते रहते थे, इसीलिए रेयान मसूरी के boardिंग में रहा।

आलोक का परिवार मेरे हिसाब से साधारण सा था। अगर मैं विनीत ढंग से कहूँ तो वह गरीब था। उसकी माँ परिवार में अकेली कमानेवाली थीं और जहाँ तक मैंने सुना कि स्कूल टीचर को कोई ज्यादा पैसे तो मिलते नहीं। उनकी आधी तनखाह उनके पति के इलाज में चली जाती थी। आलोक की बड़ी बहन भी शादी के लायक थी, जो कि एक गरीब परिवार के लिए एक बड़ी चिंता का विषय होती है। और आलोक को देखकर मुझे यही लगता है कि वह कोई खास सुंदर भी नहीं होगी।

मैं कुमाऊँ hostel में था, लेकिन बाकी विंगवाले लोगों से भी मेरा परिचय हो गया था। मैं उन सभी के बारे में तो बात नहीं करूँगा, पर एक कोने में था सुखविंदर या 'happy surd'; क्योंकि वह कैसा भी चेहरा बनाए पर लगता था जैसे कि वह हँस रहा है। उसके साथ के कमरे में रहता था पढ़ाकू वेंकट, जिसने अपने कमरे की खिड़कियों पर मोटे काले paperचिपका दिए थे और वह सारा दिन अंदर बंद रहता था। फिर एक 'खुजली' राजेश था, जिसके हाथ शरीर के किसी-न-किसी भाग को खुजलाते रहते थे और कभी-कभी आपत्तिजनक अंगों को भी। हॉलवे के दूसरे किनारे पर सीनियर्स के कमरे थे-बाकू, अनुराग और बाकी जानवर।

रेयान, आलोक और मैं शाम को अधिकतर एक-दूसरे के साथ ही पढ़ाई करते थे। पहले सेमेस्टर का पहला एक महीना खत्म हो गया था और हम कमरे में बैठकर quantum physics का assignment खत्म कर रहे थे।

"बकवास।" रेयान ने अपनी कुरसी से उठ कमर को आराम देते हुए कहा।

"क्या पागलपन का हप्ता था; class, assignment और हम कैसे भूल सकते हैं वो आनेवाली quiz. क्या तुम इसे जिंदगी कहते हो?"

आलोक अपनी पढ़ने की मेज पर बैठा था। उसका ध्यान पूरी तरह से physics assignment में था। उसका सिर पुस्तकों में घुसा था और उसकी आँखें पुस्तक से 2 इंच ऊपर थीं। वह हमेशा इसी ढंग से लिखता था-सिर paperके एकदम करीब, पेन उँगली के बीच में जोर से पकड़कर रखता था और उसकी सफेद worksheet उसके मोटे चश्मे में दिखाई दे रही थी।

"क्या?" आलोक ऊपर देखते हुए किसी पागल की तरह बोला।

"कैसे कहा कि क्या तुम उसे जिंदगी कहते हो?" रेयान ने इस बार मेरी तरफ देखते हुए।

मैं बिस्तर पर बैठा हुआ था। assignment को dressing board पर कर रहा था। मुझे थोड़ा आराम चाहिए था, इसलिए मैंने अपना पेन अलग रख दिया।

"तुम जो चाहो कह लो।" मैंने कहा, मगर मेरे शब्द जँभाई में दब गए "लेकिन तुम कुछ बदल नहीं सकते।"

"मुझे लगता है कि यह एक जेल है। हाँ सचमुच एक जेल।" रेयान ने दीवार पर मुक्का मारते हुए कहा।

"शायद तुम भूल रहे हो कि तुम IIT में हो, देश का सबसे प्रसिद्ध कॉलेज।" आलोक हाथ की उँगलियों को तोड़ते हुए बोला।

"तो तुम विद्यार्थियों को जेल में डाल दोगे?" रेयान ने हाथ को कूल्हे पर रखते हुए पूछा।

"नहीं। लेकिन हमें इस निर्धारित स्तर को बनाए रखना है।" आलोक ने हाथ ऊपर करते हुए कहा।

"ये ऊँचा स्तर? पागलों जैसे रात-रात भर पढ़ना। कल मैनप्रो, उससे पहले एपमेक (ApMech)-आज क्वांटो (Quanto)-ये तो कभी खत्म ही नहीं होता है।" रेयान ने झुँझलाते हुए कहा, "मुझे एक ब्रेक चाहिए यार। क्या कोई फिल्म देखने चलेगा?"

"और assignment का क्या...?" आलोक ने पूछा।

"प्रिया में 'Terminator' चल रही है।" रेयान ने हमें बताया।

"फिर हम सोएँगे कब?" आलोक ने कहा।

"तुम सच के मुग्गू हो न?" रेयान ने आलोक से कहा।

"मैं तो जाऊँगा।" मैंने अपना drawing board अलग रखते हुए कहा।

"चलो आलोक, हम बाद में पूरा कर लेंगे।"

"नहीं यार, देर हो जाएगी।" आलोक ने आधे मन से चेतावनी दी।

मैं खड़ा हुआ और मैंने उसका पेन लिया तथा geometry box में रख दिया। हाँ, आलोक के पास एक geometry box था, जैसे कि वह बारह साल का बच्चा हो।

"चलो उठो।" मैंने कहा, लेकिन तभी मैंने उसके geometry box में panting brush देखे। "अरे, ये brush किसलिए हैं?"

"कुछ नहीं।" आलोक ने धीमी आवाज में कहा।

मैंने उन ब्रश को उठाया और हवा में पेंटिंग बनाने लगा।

"फिर ये तुम्हारे पास क्यों हैं? तुम्हारे circuit diagram को रंगीन बनाने के लिए?" मैं अपने खुद के चुटकुले पर हँसने लगा और ब्रश को फिर हवा में हिलाने लगा। "क्या तुम मैनप्रो class में अपनी अभिव्यक्ति प्रकट करने के लिए इनका इस्तेमाल करते हो? या professor दूबे के अजीब चेहरे बनाने के लिए?"

"नहीं, असल में ये मेरे पिताजी के हैं। वे एक कलाकार थे; लेकिन अब उन्हें लकवा मार गया है।"

आपकी जिंदगी में कभी ऐसा समय आता है, जब आप ऐसा सोचते हैं कि काश, डायनासोर जिंदा होते, ताकि आप उनकी ओर इशारा करते और वे आपको खा जाते। मैं उसका दुःख देखकर थोड़ा सहम गया।

रेयान ने मेरा चेहरा देखा और उसने अपने दाँत दबा लिये, जिससे वह एक तरफ तो आलोक की बातों से दुःखी था और दूसरी तरफ वह मेरी तरफ हँसने से भी अपने आपको रोक रहा था।

"सच आलोक! यह तो बड़े दुःख की बात है। मुझे इसका दुःख है।" उसने आलोक के कंधे पर हाथ रखते हुए कहा। उसने आलोक का मन जीत लिया और मैं ऐसे ही खड़ा रहा।

"अरे, ठीक है यार। यह तो बहुत पहले की बात है। अब तो हम उन्हें ऐसा देखने के आदी हो गए। " आलोक ने फिल्म देखने जाने के लिए उठते हुए कहा; जबकि मैं आशा कर रहा था कि मँ वहाँ से भाप बनकर गायब हो जाऊँ।

जब हम कमरे से बाहर निकले तब रेयान आलोक के साथ था और मैं उनसे दो कदम पीछे था।

"मैं तो जिंदगी भर boardिंग स्कूल में ही रहा हूँ इसलिए मैं तो शायद इन बातों को न समझ पाऊँ। लेकिन तुम्हारे लिए तो यह बहुत ही कठिन होगा। मेरा मतलब है कि तुमने सब कैसे किया?" रेयान ने आगे बढ़ते हुए कहा।

"बड़ी मुश्किल से इसका प्रबंध किया। मेरी माँ एक biology teacher हैं। यही एकमात्र आय है। बड़ी बहन अभी भी कॉलेज में है।"

मैंने अपना सिर हिलाया। मैं भी उसे दिखाना चाह रहा था कि मैं भी उसके लिए दुःखी हूँ।

"तुम्हें क्या लगता है कि मैं IIT में कैसे आया? मैं तो पिताजी का पिछले दो साल से खयाल रख रहा था।" आलोक ने कहा।

"सच में?" मैंने पहली बार बातचीत में भाग लेते हुए कहा।

"हाँ हर दिन के बाद मैं उनकी देखभाल करता था और अपनी पढ़ाई करता था।"

रेयान के पास एक scooter था, जिसकी वजह से हम 'प्रिया' बड़ी आसानी से जा सकते थे। तीन लोगों का एक साथ उस पर बैठकर जाना वैसे तो नियम के खिलाफ था, लेकिन यदि पुलिसवाले ने पकड़ लिया तो वह 20 रुपए से ज्यादा नहीं लेता था। हमारे पकड़े जाने के कम अवसर थे- शायद 10 में से 1, इसलिए रेयान ने कहा कि scooter से जाना सस्ता होगा।

रात में 'प्रिया' सिनेमा की हमारे शांत campus के विपरीत एक अलग दुनिया थी। परिवार, पति-पत्नी और नवयुवकों के झुंड उस समय की प्रसिद्ध फिल्म देखने जुट जाते थे। हमने सबसे आगे की पंक्ति की टिकटें खरीदीं, क्योंकि आलोक कम पैसे खर्चना चाहता था। मेरे हिसाब से तो शायद उसे देखने में परेशानी थी, इसलिए वह आगे बैठना चाहता था। फिल्म साइंस फिक्शन पर आधारित थी। यह शायद रेयान की पसंद थी। वह हमेशा साइंस फिक्शन फिल्में देखता था। मैं तो science fiction फिल्मों से घृणा करता था; लेकिन मुझसे कौन पूछता?

"वाह!" जैसे ही फिल्म में एक खलनायक ने rocket चलाया, रेयान ने अपने हाथ को मुँह पर फेरते हुए कहा।

"अरे, तुम्हें ऐसी फिल्मों में क्या अच्छा लगता है?" मैंने फुसफुसाते हुए कहा।

"अरे, इन सारे यंत्रों को तो देखो।"

"पर ये सब काल्पनिक हैं।"

"हाँ शायद हम एक दिन इन सब चीजों को बना सकेंगे।"

"समय यात्रा? क्या तुम्हें सच लगता है कि हम समय यात्रा कर सकते हैं?"

जब रेयान उत्तेजित हो जाता है तब वह कुछ भी उलटा-सीधा बोलने लगता है।

"शांत, वैसे भी मुझे इसकी बात की लय समझ में नहीं आती है।" आलोक ने विरोध किया।

जब हम आधी रात कुमाऊँ hostel वापस पहुँचे, यह देखकर बड़े ही परेशान और भयभीत हो गए कि वेंकट से सुखविंदर तक सब अपने-अपने notepads लेकर इधर-उधर दौड़ रहे हैं।

"surprise quiz. एक अफवाह थी कि कल एपमेक पर surprise quiz होने की आशंका है।" happy surd ने अपने notes पलटते हुए कहा। एपमेक या applied mechanics नीलगिरि hostel का कोई विद्यार्थी शाम को प्रोफेसर के आफिस में assignment देने गया था और जब वह वहाँ गया था, प्रोफेसर ने उसे notes दोहराने को कहा, अपनी भौंहों को चढ़ाते हुए जिससे hostel में यह अफवाह आग की तरह फैल गई कि शायद कल quiz हो सकती है।

"सच! अब हमें appmech (applied mechanics) के लिए पढ़ना पड़ेगा। इसमें तो घंटों लग जाएँगे।" आलोक ने दुःखी होते हुए कहा।

"और हमें quantum का assignment भी तो खत्म करना है।" मैंने याद दिलाते हुए कहा।

मेरे सभी मित्र मेरे कमरे में पढ़ने के लिए इकट्ठे हुए। रात के दो बजे थे। तब आलोक ने कहा, "यह फिल्म देखने जाने का विचार बहुत ही गलत था। मैंने कहा था...।"

"मुझे क्या पता था कि यह सब होगा? वैसे तुम इतनी tension क्यों ले रहे हो?" रेयान को बुरा लगा।

"यह बेकार की चिंता नहीं है। यहाँ पर रिलेटिव ग्रेडिंग है और अगर बाकी पढ़ेंगे और हम नहीं, तो नुकसान हमारा ही होगा।" आलोक ने 'नुकसान' शब्द पर अधिक जोर देते हुए कहा।

तभी एक चूहा मेरे पलंग से बाहर निकलकर आया।

"क्या तुमने उसे देखा?" रेयान ने विषय बदलते हुए कहा। उसने अपनी चप्पल निकाली और चूहे की ओर मारने के लिए निशाना लगाया। लेकिन चूहे के अलग विचार थे। वह मेरे बिस्तर के नीचे दोबारा घुस गया।

"हाँ मेरे कमरे में बहुत सारे चूहे हैं। " मैंने प्यार से कहा।

"क्या तुम चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिए इन्हें मार दूँ?" रेयान ने मदद करने के इरादे से कहा।

"यह इतना आसान नहीं है। ये बहुत चालाक व तेज हैं।" मैंने कहा।

"चलो, लगी शर्त।" रेयान ने कहा।

"मैं तुम दोनों शैतानों से विनती करता हूँ कि यह सब अभी मत करो और क्या अब हम पढ़ाई कर सकते हैं?" आलोक ने हाथ जोड़ते हुए कहा। वह बहुत ही नाटकबाज है।

रेयान अपनी कुरसी पर आराम से बैठ गया और उसने अपनी चप्पल पहन ली। उसने अपनी एपमेक किताब खोली और मुँह से लंबी साँस छोड़ी।

"हाँ सर, अब हम बैठकर रट्टा मारते हैं, वरना हम इस महान देश के महान इंजीनियर कैसे बनेंगे?" रेयान ने खीझते हुए कहा।

"चुप रहो।" आलोक ने कहा, और उसका मुँह किताब में समा गया था। रेयान उसके बाद चुप ही रहा, लेकिन वह बार-बार पलंग के नीचे झाँककर देखता ही रहता था। मुझे यकीन है कि वह कम-से-कम एक चूहे को मारना चाहता था, लेकिन वे छोटे प्राणी बड़ी चतुराई से छिपे बैठे थे। हमने अपना क्वांटो असाइनमेंट एक घंटे में खत्म किया और फिर हमने एपमेक के notes 5 बजे तक दोहराए जब तक रेयान के खर्राटे सुनाई दे रहे थे, मैं भी और नहीं जाग पा रहा था और आलोक की आँखों में से भी पानी आने लगा था। लेकिन अभी भी हमारा एक-तिहाई course बाकी था; लेकिन सोना भी जरूरी था। इसके अलावा quiz एक अफवाह ही रहेगी या होगी भी, हमें नहीं पता था।

लेकिन वह अफवाह, जो आपको डरानेवाली या खतरनाक होती है, वह अकसर सच हो जाती है। एपमेक class के आधा घंटा बाद professor

सेन ने दरवाजा बंद कर लिया और अपना काला बैग खोला।

"अब समय है कुछ मजा करने का। यह है बहुविकल्पवाले प्रश्नों की एक छोटी सी quiz।" उन्होंने कहा।

professor सेन ने आगे बैठे विद्यार्थियों को परचे थमाए और उन्होंने लेकर आगे बढ़ा दिए। असल में, कक्षा में सभी को उस अफवाह के बारे में पता था और यह quiz एक ऐसा आश्चर्य था जो कि साइबेरिया में बर्फ गिरने के समान है। मैंने प्रश्न-पत्र लिया, सवालों को देखा और पड़ा। अधिकतर सवाल हाल ही में हुए लेक्चर में से थे, जिसके notes हम दोहरा नहीं पाए थे।

"क्या बकवास! पाँच प्रश्नों के बाद के प्रश्न तो तैयार ही नहीं कर पाए।" मैंने आलोक से धीरे से कहा।

"हमारी हालत बहुत खराब है। कम-से-कम शांत तो बैठे रहो।" आलोक ने हमेशा की तरह अपने सिर को उत्तर पुस्तिका पर रख लिया।

उस दिन कुमाऊँ hostel लौटने पर हमने quiz के बारे में कोई बात नहीं की। बाकी लड़के बड़े ही उत्साह के साथ कुछ प्रश्न course से बाहर से आने की बातें कर रहे थे। हमें रिजल्ट के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा। professor सेन ने दो दिनों के बाद उत्तर पुस्तिकाएँ बाँट दीं।

"पाँच! मुझे बीस में से पाँच मिले।" मैंने आलोक से कहा, जो class में मेरे साथ बैठा था।

"मुझे सात। धत, सात।" आलोक ने कहा।

"मुझे तीन मिले। इसका क्या? एक, दो, तीन।" रेयान ने उँगलियों पर गिनते हुए कहा।

professor सेन ने quiz के परिणाम का सारांश black board पर लिखा-

औसत (Average): 11/20

उच्च (High): 17/20

कम (Low): 3/20

उन्होंने थोड़े समय तक सारांश black board पर लिखे रहने दिया, जिसके बाद अपना लेक्चर शुरू किया cantilever बीम्स।

"मेरे सबसे कम हैं। क्या तुमने देखा?" रेयान ने cantilever beams पर ध्यान न देते हुए मुझसे फुसफुसाते हुए कहा। उस समय रेयान क्या सोच रहा था, यह बताना बहुत मुश्किल था। वैसे तो बड़ा शांत, गंभीर था; लेकिन मैं यह कह सकता था कि वह अपने रिजल्ट से बहुत दु:खी था। उसने अपना quiz paperफिर से देखा, लेकिन उससे उसका score नहीं बदला।

आलोक तो किसी दूसरी ही दुनिया में था। उसका चेहरा रैगिंगवाले दिन जैसा घबराया हुआ दिख रहा था। उसे उत्तर पुस्तिका कोक बोतल जैसी डरावनी लग रही थी। उसके मुँह पर दु:ख एवं परेशानी साफ दिख रही थी। ऐसे में आलोक सबसे ज्यादा टूट-सा गया था। उससे थोड़ा भी कुछ बोलो तो वह रोने लगता था।

मैंने अपनी उत्तर पुस्तिका देखी। प्रोफेसर ने मेरा score बड़े लेकिन लापरवाह ढंग से लिखा था। अब मैं कोई आइंस्टाइन तो हूँ नहीं, लेकिन ऐसा मेरे साथ कभी स्कूल में भी नहीं हुआ था। मेरा score था बीस में से पाँच या 25 प्रतिशत। इससे पहले मैंने अपने जीवन में कभी भी 75 प्रतिशत से कम अंक हासिल नहीं किए थे। आउच, IIT में यह पहली quiz बड़ी दुखदायी थी।

लेकिन अब रेयान का score देखिए। मैंने सोचा, क्या उसके लिए पूरी रात पड़ने का कोई मतलब था? मैं उससे दो अंक आगे था, एक मिनट, यानी 66 प्रतिशत आगे, यह जानकर मुझे थोड़ी राहत महसूस हुई।

हम तीनों में आलोक का प्रतिशत सबसे ज्यादा था; लेकिन मैं यह कह सकता हूँ कि हमारे उससे कम अंक होने से उसे कोई खुशी नहीं थी। हमने अपना score देखा और फिर board पर average score पढ़ा। मैंने उसके चेहरे की तरफ देखा, जो कि अपने गलत उत्तरों को देखकर बना रहा था। हमने अपनी उत्तर पुस्तिका, जो कि हमारे खराब प्रदर्शन का नतीजा थीं, उन्हें हमने अपने बैग में रखा और हम धीरे-धीरे कुमाऊँ की तरफ चलकर आ गए। हम रात के भोजन के लिए मेस में मिले। खाना हमेशा की तरह बकवास था, और आलोक ने हरे रंग की कोई चीज, जिसे mess वाले भिंडी मसाला कहते हैं, नाक सिकोड़ते हुए उसे अपनी प्लेट में डाला। उसने दो रोटियों को स्टील की प्लेट में पटका, बाकी चीजों दाल, रायता और पुलाव को नजरअंदाज कर आगे चला गया। रेयान और मैंने सबकुछ लिया, वैसे तो हर चीज का स्वाद एक-सा था, पर कम-से-कम हमारी प्लेटों में रंगों की बहार थी।

"आखिरकार आलोक ने खाने की मेज पर quiz के बारे में बोलना शुरू किया।

"तो, अब तुम्हारे पास कुछ नहीं है कहने के लिए?"

रेयान और मैंने एक-दूसरे की तरफ देखा।

"क्या कहूँ?" मैंने कहा।

"यह सब कितना बकवास है!" आलोक ने कहा।

"यह खाना।" मैंने कहा, जबकि मुझे पता था कि आलोक के कहने का क्या मतलब था।

"नहीं यार, यह बकवास खाना नहीं।" आलोक ने कहा, "यह Appmac quiz."

उसका व्यवहार उनके दुःखी भाव के व्यवहार से गुस्से में बदल गया। मुझे उसका यह रूप पहलेवाले से बेहतर दिखाई दिया।

"quiz के बारे में क्या? मुझे पता है कि हमारा result बहुत खराब था। उसके बारे में बातें करने में क्या रखा है?" रेयान ने पूछा।

"ओ, अच्छा, हमारा result खराब है! क्या तुम्हें इसमें कोई शक है?" आलोक ने कहा।

मेरा खयाल है कि आलोक एक शब्द को लेता है और फिर उसे इतनी बार इस्तेमाल करता है कि उस शब्द का असर खत्म हो जाता है। उसके वाक्यों में 'बकवास' शब्द कुछ ज्यादा ही होता है।

"तो फिर छोड़ दो न। वैसे भी, तुम्हें हमसे अच्छे अंक मिले। इसलिए तुम खुश रहो।"

"खुश? हाँ मैं खुश हूँ। एवरेज है 11, किसी को 17 मिले। और यहाँ एक मैं, बकवास 7। हाँ, मैं टर्मिनेटर देखकर खुश हूँ!" आलोक ने गुस्से से कहा।

मैंने कहा था, आलोक बात या शब्द का असर खत्म कर देता है। मैं उससे कहना चाहता था कि उसे 'बकवास' शब्द के प्रयोग को रोक देना चाहिए; लेकिन शायद मेरी अंतरात्मा ने मुझे यह कहने से रोक दिया, क्योंकि इस समय यह बोलना ठीक नहीं था।

"क्या? क्या कहा तुमने?" रेयान ने चम्मच प्लेट में रखते हुए कहा, "क्या तुमने टर्मिनेटर कहा?"

"हाँ यह बेवकूफी भरा विचार था। हाँ तुम्हारा बेवकूफीवाला बकवास विचार।" आलोक ने कहा।

रेयान यह सुनकर जैसे जम गया। उसने आलोक की तरफ ऐसे देखा जैसे कि वह किसी दूसरी ही भाषा में बोल रहा हो। फिर वह मेरी तरफ घूमा।

"क्या तुमने सुना, उसने क्या कहा? हरि, तुमने सुना? यह तो मेरी सोच से बाहर है।"

मैंने आलोक की बातें सुनी थीं। मेरे कानों में कोई खराबी नहीं थी। लेकिन मुझे बाकी बातें कम सुनाई पड़ी, सिवाय उसके 'बकवास' शब्द के, जो मैं गिन रहा था।

"हरि, क्या लगता है कि मेरी वजह से quiz खराब हुई?" रेयान ने धीरे से पूछा।

मैंने आलोक और रेयान के चेहरों को देखा।

"रेयान, तुम्हें तीन score मिला है। क्या तुम फिर भी यह जानना चाहते हो कि मैं तुम्हें बताऊँ कि तुम्हारी वजह से quiz खराब हुई या नहीं?" मैंने उससे दोबारा प्रश्न पूछा।

"नहीं। मेरा मतलब है कि आलोक यह कह रहा है कि मेरी वजह से quiz खराब हुई, क्योंकि मैं तुम दोनों को लेकर फिल्म देखने गया। क्या तुम भी यह सोचते हो?"

"मैंने तो यह नहीं कहा।" आलोक ने बीच में बात काटी, जबकि रेयान ने शांत रहने को कहा।

अब मैं रेयान का प्रश्न समझ गया, लेकिन मुझे यह नहीं पता चल पा रहा था कि बिना किसी का पक्ष लिये उत्तर कैसे दूँ।

"लेकिन उससे कैसे..."

"नहीं, हरि, तुम मुझे बताओ। क्या तुम अपने सबसे अच्छे दोस्त से ऐसी बात की उम्मीद रखते हो?" रेयान ने पूछा।

"वह बात महत्वपूर्ण नहीं है। इसके अलावा तुमने हमें जबरदस्ती तो फिल्म देखने के लिए नहीं खींचा था!" मैंने अपने आपसे कभी ऐसी साइंस फिक्शन फिल्म न देखने का वायदा करते हुए कहा।

रेयान मेरे उत्तर से संतुष्ट हो गया और उसने अपने हाथ को आराम दिया तथा मुसकराते हुए कहा, "देखो, अब तुम सही बात कर रहे हो।"

"लेकिन आलोक भी सही है। हमें अपनी मौज-मस्ती पर नियंत्रण तो करना पड़ेगा। हम इस सिस्टम के साथ ज्यादा छेड़छाड़ नहीं कर सकते; क्योंकि अगर हम गंभीर नहीं हुए तो वह हमारे लिए घातक हो जाए जिसका उदाहरण है यह quiz।"

"धन्यवाद सर!" आलोक ने कहा, "मैं यही तो कहना चाह रहा था।"

सही है, इस बार तो किसी तरह इस स्थिति से आसानी से बाहर निकल गया। कभी-कभी अगर आप दूसरों की जो बहस है, उसको संक्षिप्त में

वापस बोल दें तो वह भी खुश और आप भी।

नाजुक पैर और कार

quiz की बरबादी के बाद हमारा पढ़ाई की तरफ़ रुझान और बढ़ गया। अब जब हम अपने कमरों में पढ़ाई करते थे तो रेयान पहले से ज़्यादा चुप रहता था। क्योंकि अब उसने अपने मनपसंद विषयों-फ़िल्में देखना, समाचार, science fiction फीचर-के बारे में बात करने की इच्छा को नियंत्रित कर लिया था, जिस वजह से हमारे पढ़ाई वाले समय का अच्छा सदुपयोग हो रहा था। वैसे तो हमारे score average के ज़्यादा नजदीक पहुँच गए थे, लेकिन फिर भी कुछ देर के बाद assignment करना बड़ा दर्दनाक हो सकता है और इसलिए तुम्हें एक ब्रेक की जरूरत पड़ सकती है। रेयान बहुत बार assignment करते हुए सो जाता था या दीवार पर एकटक देखने लगता और जब भी वह कोई नई पुस्तक खोलता तो धीमी आवाज में बड़बड़ाता।

"तो फिर ठीक है।" उसने अपना assignment staple करते हुए और लंबी साँस लेते हुए कहा, "मैंने आज का यह बकवास काम खत्म कर दिया। क्या तुम लोग और रट्टा मारने वाले हो?"

"तुम इसे बकवास क्यों कह रहे हो?" आलोक ने चौंकते हुए कहा।

"अनुमान क्या है?" रेयान ने अपना assignment मेज पर इस्तेमाल के बाद tissuepaperकी तरह फेंकते हुए कहा।

"लेकिन क्यों?" आलोक ने कहा, "मेरा मतलब है कि तुमने IIT में दाखिले के लिए बहुत पढ़ाई की ही होगी न?"

"हाँ लेकिन सच कहूँ तो इस जगह ने मुझे निराश किया है। यह science और technology का सबसे बेहतरीन institute तो है, जैसे वे बताते हैं अपने बारे में, पर है क्या?"

मैंने अपनी पुस्तक बंद करते हुए वार्तालाप में भाग लिया।

"boss, IIT का टैग पाने की क़ीमत है रट्टा मारना। तुम रटोगे तो पास होगे, तभी तुम्हें नौकरी मिलेगी तो तुम किस निराशा के बारे में बात कर रहे हो?"

"यही तो मुश्किल है। एक तो ऐसा बेवकूफी भरा सिस्टम है और उसके ऊपर तुम जैसे लोग भी।"

मैं रेयान से घृणा करता था। जब वह बातें करता है, तब सब बेवकूफ़ बन जाते हैं।

"लगातार रट्टा टेस्ट, assignment. यहाँ नए विचारों को सोचने का समय कहाँ है? बस, पूरा दिन यहाँ बैठे रहो और हरि की तरह मोटे होते रहो।"

रेयान को रटना पसंद नहीं, इसलिए मैं बेवकूफ और मोटा बन जाता हूँ। लोग समझते हैं कि जैसे वह भगवान की देन है इस दुनिया में। और इससे बुरी बात और क्या हो सकती है?

"मेरे पास न तो कोई नए विचार है और न ही मैं इतना मोटा हूँ। क्या मैं हूँ?" मैंने आलोक की तरफ़ देखते हुए कहा। उसे देखकर मुझे बेहतर लगा।

"मोटे, अपने आपको शीशे में जाकर देखो, तुम्हें अपने मोटापे के बारे में कुछ करना चाहिए।"

"यह मेरे जीन में है। मैंने एक TV वृत्तचित्र में देखा था।" मैंने अपने आपको बचाते हुए कहा।

"जीन, कुछ नहीं। मैं तुम्हारा दस किलो ग्राम वजन तो ऐसे ही घटा सकता हूँ।" उसने चुटकी बजाते हुए कहा।

मैं नहीं जानता था कि रेयान इन सब बातों से किस ओर जा रहा था, लेकिन मुझे पता है कि वह मेरे लिए कोई ख़ुशी की बात नहीं हो सकती थी। मेरे लिए मोटा होना institute की बस के पीछे भागने या बिल्डिंग की सीढ़ियों को पचास बार उतरने-चढ़ने से ज़्यादा सुखदायक था।

"रेयान! मेरे बारे में तो भूल जाओ। अगर तुम इस समय यहाँ नहीं रहना चाहते तो क्या हम canteen में पराँठे खाने चलें?"

"boss, यही तो परेशानी है-हर समय खाना और कोई व्यायाम नहीं। मैंने फैसला किया है कि हरि को व्यायाम नियमित रूप से करना पड़ेगा।"

रेयान ने उछलते हुए कहा, "तो फिर हम कल सुबह से ही शुरू करते हैं।"

रेयान हमेशा दूसरों के लिए निर्णय लेता था। मुझे नहीं पता कि यह उसकी सुंदरता या उसके मिथ्या अभिनय की वजह से था तो इसी वजह से वह जो चाहे करता था।

"रुको रेयान, तुम..." मैंने बोलना शुरू किया।

"दरअसल, आलोक! तुम्हें भी आना चाहिए। क्या तुम भी आना चाहते हो?"

"भाड़ में जाओ।" आलोक ने किताबों में मुँह डालते हुए बड़बड़ाना शुरू किया।

मैंने दस किलो ग्राम वजन कम करने के बारे में सोचा है। पूरी ज़िंदगी लोगों ने मुझे मोटा कहा है, इसलिए मोटापा मेरी पहचान बन चुकी है। हाँ मुझे अपनी इस तरह की पहचान से घृणा थी। रेयान को पता था कि वह क्या कर रहा था और उसका खुद का शरीर तो सुडौल था। इसलिए मैंने सोचा कि कोशिश करने में क्या बुराई है।

"तो मुझे क्या करना पड़ेगा?" मैंने आत्मसमर्पण करते हुए कहा।

"सुबह campus में लगभग चार किलोमीटर की दौड़ लगानी पड़ेगी।"

"नहीं, मैं यह नहीं करूँगा। मैं चार किलोमीटर तो चल भी नहीं सकता।" मैंने इस विचार को बरखास्त करते हुए कहा।

"तुम कोशिश तो करो। बाद में तुम्हें बहुत ही अच्छा महसूस होगा।" रेयान ने कहा।

पक्के इरादे से रेयान ने निर्दयता के साथ अगले दिन सुबह पाँच बजे मेरे कमरे के दरवाजे पर ज़ोर से लात मारी। मैं रेयान से घृणा करता हूँ। फिर भी मैंने दरवाजा खोला, जहाँ रेयान मेरा shorts और t-shirt में आने का इंतजार कर रहा था।

"चार किलोमीटर?" मुझे नींद आ रही थी और मेरी स्थिति दयनीय थी। "कोशिश करो, जरा कोशिश तो करो।" रेयान ने स्फूर्ति से कहा। जब मैं कुमाऊँ hostel से बाहर निकला तो अँधेरा ही था। इस छोटी दया के लिए मैं बहुत ही ख़ुश था। कोई भी अस्सी किलो ग्राम के ग्लोब जैसे एक आदमी को सड़क पर उछलता हुआ नहीं देख सकता था। चार किलोमीटर के इस चक्कर को खत्म करने का मतलब था-campus के दूसरे छोर तक पहुँचना। hostels, मैदान, intitute building और teachers colony से गुज़रते हुए। मैंने सोचा कि मैं चालाकी से छोटे रास्ते से जाऊँ, लेकिन मैं रेयान को एक मौका देना चाहता था, लेकिन मैं फिर भी उससे घृणा करता था।

मेरा पूरा शरीर दर्द से चीख रहा था, क्योंकि उन मांसपेशियों में भी दर्द हो रहा था जिन्हें मैं जानता ही नहीं था। दस मिनट बाद ही मैं oxygen की कमी महसूस कर रहे mount everest पर चढ़ने वाले आदमी की तरह हाँफने लगा और पंद्रह मिनट बाद मुझे लगा कि दिल का दौरा पड़ने वाला है। थोड़ी देर तक मैंने आराम किया और फिर दौड़ना शुरू किया, तब तक मैं insti building के पास से गुजर कर teachers colony में पहुँच गया।

दिन निकल आया, साफ कटे lawn और अत्याचारी अध्यापकों के बंगले दिखने लगे। मैं professor दुबे के घर के सामने से गुज़रा। उन्हें कक्षा के बाहर घर में TV देखते और dining table पर खाना खाते हुए सोचना आश्चर्य की बात थी। अब मैं पसीने में पूरी तरह भीग चुका था और मेरा मुँह अब लाल से बैगनी रंग का हो गया था।

मैं हांफते-हांफते रुक गया, जब मेरे घुटने में कुछ लगा। अचानक लगे झटके से मैं लड़खड़ा गया। मैं आगे को गिरने लगा। गिरने से बचने के लिए मैंने अपने हाथ सही समय पर आगे बढ़ाए। मैं घबराया और सड़क पर बैठ गया। झटके से उबरते हुए मैंने साँस ली और पीछे मुड़ कर देखा।

अपराधी एक लाल मारुति थी। मैं वहीं रुका और गाड़ी के शीशे में से ड्राइवर को गौर से देखने की कोशिश की। मुझे मारने की कोशिश कौन कर रहा है, जबकि मैं पहले ही मर रहा हूँ?

मुझे आश्चर्य हुआ, जब मैं अपनी सांसों को ठीक से लेने की कोशिश कर रहा था।

"I am so sorry." किसी लड़की की आवाज सुनाई दी। एक जवान लड़की लगभग मेरी उम्र की, जिसने ढीली टी-शर्ट और घुटनों तक के shorts कपड़े, जो साधारणतः घर में पहने जाते हैं, पहने हुए थे। वह कूदी और पागलों की तरह मेरी ओर बढ़ी, जो शायद मेरी तरफ़ दौड़कर आना चाहती थी। मैंने देखा कि वह नंगे पैर थी।

"I am so sorry. क्या आप ठीक हैं?" अपने बाल एक कान के पीछे करते हुए उसने पूछा।

मैं ठीक नहीं था और यह सब उसकी गलती थी। लेकिन जब कोई जवान लड़की किसी लड़के से पूछे कि आप ठीक हैं, तो वह कभी नहीं कहेगा कि वह ठीक नहीं है। "हाँ, शायद...। " मैंने अपनी हथेली को मोड़ते हुए कहा।

"क्या मैं आपको कहीं छोड़ सकती हूँ?" उसने डरते हुए अपना हाथ मुझे उठाने के लिए देते हुए कहा।

जैसे ही वह मेरे पास आ रही थी, तब मैंने उसकी तरफ़ ध्यान से देखा। शायद मैं बहुत समय के बाद एक लड़की को देख रहा था, इसलिए वह मुझे बहुत सुंदर लगी। उसके लुक ने मुझे बहुत प्रभावित किया। सिर्फ लड़कियाँ ही अपनी night dress में सुंदर लग सकती हैं। जैसे कि आलोक अपने फटे बनियान व पाजामे में एक बीमार मरीज जैसा लगता है।

"असल में मैं दौड़ रहा था।" मैंने कहा। उसका हाथ पकड़कर धीरे-धीरे उठते हुए और यह महसूस कराते हुए कि मैं उसका हाथ देर तक पकड़ना चाहता हूँ। एक सुंदर लड़की का हाथ कौन छोड़ना चाहता है? जो भी हो, खड़े होने के बाद मुझे उसका हाथ छोड़ना ही पड़ा।

"हाय! मेरा नाम नेहा है। सुनो, मैं वाकई दुःखी हूँ।" उसने कहा। अपने बालों को फिर से उसी हाथ से सँवारते हुए जिसे अभी मैंने पकड़ा था।

"हाय! मेरा नाम हरि है। अभी तक ज़िंदा हूँ इसलिए सब ठीक है।" मैं हँसा।

"हाँ मैं गाड़ी चलाना सीख रही हूँ।" उसने गाड़ी के शीशे पर बने चिह्न की तरफ उँगली दिखाते हुए कहा। यह बात समझ में आती है, मैंने सोचा-

आपको गाड़ी चलाना सीखते हुए लोगों को टक्कर मारने की इजाजत है, क्योंकि आप दिखने में अच्छी हैं। सच बताऊं, मुझे चोट-वोट नहीं लगी थी। वह दो किलोमीटर प्रति घंटे की गति से गाड़ी चला रही थी। मैं समझता हूँ कि मेरा मोटापा टक्कर के झटके को बाकी व्यक्तियों के मुकाबले में अच्छी तरह झेल जाता है। फिर भी, मैं इस मौके का पूरा फायदा उठाना चाहता था।

"क्या पक्का, आपको lift नहीं चाहिए? मुझे बड़ा ही बुरा लग रहा है।" उसने अपने हाथों को जोर से पकड़ते हुए कहा। "वास्तव में, मैं कुमाऊँ hostel तक जाने के लिए लिफ्ट लेने का इच्छुक हूँ।" मैंने कहा।

"हाँ जरूर। अंदर आ जाओ।" उसने हँसते हुए कहा, "अगर तुम्हें मेरी driving पर भरोसा है तो।"

हम कार के अंदर बैठ गए। मैंने उसे ड्राइवर सीट पर बड़ी सावधानी से बैठते हुए देखा जैसे कि वह starship enterprise या उसके जैसा कुछ चला रही हो। फिर उसने अपना नंगा पैर accelerator पर रखा। एक लड़की की नंगी त्वचा धातु पर बड़ी ही सेक्सी लगती है। उसके पैर के अँगूठे पर लाल रंग की nail polish लगी थी। उसके पैर की उंगलियों में एक-दो चाँदी के छल्ले थे, जो सिर्फ लड़कियों पर ही अच्छे लग सकते हैं। मैं तो सिर्फ उसके पैरों को ही देखना चाहता था, पर उसने बातचीत शुरू कर दी।

"कुमाऊँ hostel, तो तुम एक छात्र हो, हाँ?"

"हाँ पहला साल mechanical engineering।"

"अच्छा है। तो तुम्हें यह कॉलेज और सबकुछ कैसा लग रहा है? मज़ेदार?"

"ज़्यादा कुछ नहीं, ज़्यादा समय भाग-दौड़ करनी पड़ती है।"

"तो तुम्हें बहुत पढ़ाई करनी पड़ती है? उसे क्या कहते हो तुम लोग-mugging."

"हाँ हमें रटना पड़ता है। कुछ बकवास प्रोफेसरों को छात्रों को परेशान करने में बड़ा ही आनंद आता है।"

"मेरे पिताजी प्रोफेसर हैं।" नेहा ने कहा।

"सचमुच?" मैंने अपनी सीट से उछलते हुए कहा। मैं भाग्यवान था कि मैंने प्रोफेसर पर अपने सारे विचार उसे नहीं बताए थे। मैं मन-ही-मन भगवान से मना रहा था कि वह professor दूबे की बेटी न हो।

"हाँ मैं teachers colony में रहती हूँ!" उसने कहा। गाड़ी housing blocks से गुजर चुकी थी। अब हम insti building के पास थे।

"और वह है मेरे पिताजी का दफ्तर। " उसने कमरों में से एक कमरे की तरफ उँगली उठाते हुए कहा।

"वाकई!" मैंने फिर कहा, और मैं सोचने लगा कि कहीं मैंने कुछ गलत तो नहीं कह दिया, जिससे कोई परेशानी हो जाए।

"उनका नाम क्या है?" मैंने ऐसे ही पूछा।

"professor चेरियन। शायद तुम उन्हें नहीं जानते, तीसरे वर्ष में जाने तक वे तुम्हें नहीं पढाएँगे।"

मैंने अपना सिर हिलाया। मैंने नाम सुना है, professor चेरियन को देखा नहीं। तब मुझे अपनी पहली class याद आई।

"क्या वे mechanical engineering के head हैं?" मैंने कहा, उसके पैरों से नजर हटाते हुए।

मेरी चिंता को महसूस करते हुए उसने मेरे हाथ पर हाथ मारा, जब वह गाड़ी को तीसरे गियर में डाल रही थी।

"हाँ वही। लेकिन परेशान न हों। प्रोफेसर वे हैं, मैं नहीं। इसलिए आराम से बैठो।" और वह ज़ोर से हँसी, जैसे कि वह समझ गई हो कि मैं उसके पैरों पर मोहित हो गया हूँ।

हमने insti hostel रोड पर थोड़ी देर तक और बातचीत की। उसने अपने कॉलेज के बारे में बताया, जहाँ वह फैशन designिग पढ़ रही थी। वह इस campus में दस से अधिक वर्षों तक रही थी और ज़्यादातर professors को जानती थी।

जब हम कुमाऊँ hostel के नज़दीक पहुँचे तो उसने एक बार फिर माफी माँगी और पूछा कि क्या वह मेरे लिए कुछ कर सकती है?

"नहीं, सब ठीक है। " मैंने उसको आश्वासन दिया।

"सच हरि, क्या तुम मुझे फिर मिलोगे, जब घूमने जाओगे?"

"मुझे उम्मीद है।" मैंने कहा, रेयान की ट्रेनिंग के दूसरे दौर का सामना करते हुए।

"बहुत ख़ूब। हाँ कभी फिर। मैं तुम्हें campus के बाहर deer पार्क में ले जा सकती हूँ। यहाँ बहुत सारे joggers आते हैं। और वहाँ सुबह का चाय-नाश्ता बहुत अच्छा मिलता है। मेरी तरफ़ से तुम्हारी दावत पक्की है।" उसने कहा।

मैं अपने head of department की बेटी से दोबारा मिलने की बात से घबरा रहा था। लेकिन उसका यह प्रस्ताव और वह खुद भी बहुत लुभावने थे।

"बहुत अच्छा!" मैंने गाड़ी से निकलते हुए कहा, "मुफ्त के खाने का हमेशा ही स्वागत है। मुझे टक्कर मारते रहना।"

वह मुसकुराई , उसने हाथ उठाकर bye किया और छोटी लाल कार चली गई। जब मैं कुमाऊँ lawns पहुँचा तब भी उसका चेहरा मेरे दिमाग में घूम रहा था। रेयान वहाँ पहले से ही इंतजार कर रहा था और दंड-बैठक कर रहा था। उसने मुझे कार से निकलते हुए देख लिया था और घटना की पूरी जानकारी माँगी। बाद में यही बातें मुझे आलोक को भी बतानी थीं। हालांकि उन्होंने खूब उत्साह दिखाया और पूछा कि वह कैसी लग रही थी आदि, उन्होंने मुझसे कहा कि उससे दूर रहना, क्योंकि वह प्रोफेसर की बेटी है।

लेकिन न तो उन्होंने उसे देखा था और न ही उससे बात की थी। मैं उससे दोबारा मिलने के लिए तड़प रहा था और उससे दोबारा टक्कर खाने का इंतजार कर रहा था, ताकि उसके दो नंगे पैरों को दीवानों की तरह फिर देख सकूँ।

सीमा रेखा

पहले semester के एकदम बीच में रेयान का scooter आ गया। उसके माता-पिता ने क्रिसमस के उपहार के रूप में उसे एक डॉलर चेक भेजा, क्योंकि यूरोप में उनके आस-पास के लोग भी वैसा ही कर रहे थे। रेयान ईसाई नहीं था और क्रिसमस भी नहीं मनाता था; लेकिन उसने चेक ख़ुशी से लिया और भुनाया। सुंदर scooter, एक चमकदार नीले रंग का सुंदर kinetic Honda scooter।

जब रेयान उसे कुमाऊँ लाया, सब लड़के सम्मान प्रदर्शन करने के लिए उसके चारों ओर इकट्ठे हो गए; लेकिन मुझे और आलोक को ही उस पर बैठने का मौका मिला। यह दो आदमियों के लिए था, लेकिन रेयान हम दोनों को बैठाकर ले जाता था; हम उससे class, canteen, कभी-कभी सिनेमा देखने भी गए जैसे कि 'terminator'। रेयान kinetic को ख़ूब तेजी से उड़ाते हुए ले जाता था, ताकि लोग उसे ईर्ष्या से देखें और scooter हमारे कुल वजन के नीचे दयनीय स्थिति में घूँ-घूँ करता।

इसी बीच पढ़ाई चौपट हो गई, professors ने पढ़ाई का दबाव बनाए रखा और छात्रों ने औसत से अधिक नंबर लाने के लिए कड़ी मेहनत की, जिससे औसत और बढ़ गया। हम अभी भी साथ-साथ पढ़ते थे, लेकिन एकाग्रता से पढ़ाई करने का हमारा संकल्प टूटता जा रहा था। कुछ विषयों में हमें औसत grade मिल गए लेकिन भौतिकी बहुत ख़राब हुआ। एक रात आलोक के घर से फोन आया। उसके पिता बहुत बीमार थे, उन्हें तुरंत अस्पताल पहुँचाना था। आलोक की माँ ने यह सब पहले नहीं किया था और वह इतनी सहमी हुई लग रही थीं, जैसे उन्हें भी अस्पताल ले जाना पड़ेगा।

भौतिकी की एक quiz होने की अफवाह थी, लेकिन आलोक के पास कोई दूसरा रास्ता नहीं था। रेयान ने अपना scooter देने की पेशकश की, जिसको कि आलोक चला नहीं सकता था। इसलिए रेयान को भी साथ जाना ही पड़ा। मैं अकेला नहीं रहना चाहता था, इसलिए मैं भी उनके साथ चला गया।

पहली बार मैंने आलोक का घर देखा। मैंने आपको बताया था कि वह गरीब है, मेरा मतलब उतना गरीब भी नहीं कि भूखे मर रहे हों; लेकिन उसके घर में बस जरूरत भर की चीजें थीं। उसके घर में बिना लैंप शेड की लाइट, बिना सोफे का living room और black and white TV था। आलोक के पिता living room में रहते थे और TV के एक-दो चैनल से अपना मनोरञ्जन करते थे। जब हम वहाँ पहुँचे तब वे लगभग बेहोशी की हालत में थे। आलोक की माँ पहले से ही हमारा इंतजार कर रही थीं और साड़ी के पल्लू से अपने आँसू पोंछ रही थीं।

"आलोक, मेरे बेटे! देखो, तुम्हारे पीछे तुम्हारे पिताजी को क्या हो गया!" उन्होंने इतनी दयनीय आवाज में कहा कि हिटलर भी रोने लगे। मैं समझ गया कि आलोक इतना समझदार कैसे बना। जो भी हो, मैंने एक auto बुलाया, जिसमें रेयान और आलोक ने पिताजी को बैठा दिया। फिर हम अस्पताल गए और उन्हें भरती कराया तथा मरीजों से भरे मुफ्त का इलाज करनेवाले एक अस्पताल के दुर्भाग्यशाली डॉक्टर जिसने आलोक के पिता को देखा-का इंतजार किया। अस्पताल की दुर्गंध से परेशान और थके-मांदे हम रात को तीन बजे कुमाऊँ पहुँचे।

हाँ आप सोच सकते हैं कि अगले दिन क्या हुआ होगा। भौतिकी का quiz हुआ और हमने अपना समय बरबाद किया। हमें 20 में से 2 या कुछ ऐसे घटिया नंबर मिले। आलोक ने professor से quiz को दोबारा लेने को कहा। professor ने उसको ऐसे घूरा जैसे उनसे उसके दोनों गुरदे माँग लिये हों।

उस भौतिकी quiz की घटना ने आलोक को तोड़ दिया। अब वह रेयान के पढ़ाई से ध्यान हटाने की कम परवाह करता था।

"क्या आप लोगों को मालूम है कि IIT का पूरा system बीमार है?" रेयान ने घोषणा की।

"इसने फिर शुरू कर दिया।" मैंने अपनी आँखें घुमाईं। हम सब मेरे कमरे में थे।

मैं सोच रहा था कि आलोक रेयान की उपेक्षा करेगा, लेकिन इस बार उसने बात आगे बढ़ाई, "क्यों?"

"क्योंकि, मुझे बताओ, कितने महान इंजीनियर या वैज्ञानिक IIT से निकले हैं?"

"तुम्हारा क्या मतलब है? बहुत सारे CEO और उद्योगपति।" मैंने कहकर गलती की, क्योंकि रेयान ने अपनी बात पूरी नहीं की थी।

"मेरा मतलब है कि यह भारत का सबसे अच्छा कॉलेज है, एक अरब भारतीयों के लिए सबसे बढ़िया प्रौद्योगिकी संस्थान। लेकिन क्या IIT ने आज तक कोई आविष्कार किया है? या भारत के लिए कोई तकनीकी योगदान दिया है?"

"क्या यह engineers पैदा करने में योगदान नहीं करता?" आलोक ने अपनी पुस्तक बंद करते हुए कहा। मैं जानता था कि हम उस दिन पढ नहीं सकते. क्योंकि आलोक हमें रोक नहीं रहा था। मैंने सुझाव दिया कि हम लोग बाहर जाकर sussies के परॉठे खाएँगे, mess का खाना नहीं खाएँगे। सब मान गए।

रेयान का विचार-विमर्श अभी भी चल रहा था, "IIT ने पिछले तीस वर्षों में कुछ बुद्धिमान विद्यार्थियों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम करने को ट्रेनिंग दी है। मेरा मतलब है कि अमेरिका के MIT की बात ही कुछ और है।"

"यह अमेरिका नहीं है।" मैंने कहा और sussies के वेटर को इशारा करके तीन प्लेट परॉठे लाने को कहा। "MITs का बजट लाखों dollar में होता है।"

"छोड़ो यार, कौन परवाह करता है! मुझे एक डिग्री चाहिए और एक अच्छी नौकरी।" आलोक ने कहा।

sussies IIT hostel गेट के सामने सड़क पर एक गैर-कानूनी खस्ताहाल ढाबा था। यह खुला ढाबा टेंट से बना था और उसमें बैठने के लिए स्टूल थे। मीनू में परॉठा, limca, सिगरेट आदि सब मिलता था। लड़कों के हिसाब से भी दो रुपए में एक बटर परॉठा अच्छा सौदा था। ढाबे के मालिक को mess के खाने की गुणवत्ता के बारे में पता था, इसलिए वह hostel के हज़ारों छात्रों को खाना खिलाता था, जिससे कि उसका धंधा अच्छा चल रहा था। हमने तीन प्लेट परॉठे मँगवाए। उस पर डाला हुआ बहुत सारा मक्खन पिघल गया था, जिससे उसकी ख़ुशबू आ रही थी।

"देखो, हर चीज पैसे पर आधारित नहीं है।" रेयान ने कहा। "इसलिए IIT space research नहीं कर सकते; लेकिन हम सस्ते उत्पाद तो बना सकते हैं? और सही मायने में, पैसा तो बस एक बहाना है। अगर उत्पाद में कुछ दम है तो उद्योग-धंधे, IIT में भी अनुसंधान के लिए पैसा देंगे।"

"तो फिर क्या गलत है?" मैं अब तंग आ गया था। मैं सचमुच चाहता था कि रेयान अब चुप बैठे, क्योंकि अब खाना आ चुका था। मेरा मतलब है कि अगर उसे नहीं पढ़ना है तो ठीक है, कम-से-कम हमें लेक्चर तो न दे। उससे खाना पचाना मुश्किल हो जाता है।

"जो गलत है वह है यह system।" रेयान ने एक स्थानीय नेता की तरह दावा करते हुए कहा। अगर कुछ पता न चल पा रहा हो तो पूरे system पर दोष लगा दो।

लेकिन रेयान के पास और भी कुछ था कहने के लिए-"यह relative grading और छात्रों को ज़्यादा लाभ देने का system। मेरा मतलब है कि यह तो तुम्हारे सबसे मज़ेदार वर्षों को मानो मार देता है। लेकिन यह और भी कुछ मार देता है। यहाँ अपनी खुद की सोच के लिए कोई जगह है? यहाँ रचनात्मकता के लिए समय है? यह तो सरासर गलत है।"

"यह गलत है के बारे में क्या नहीं है? मुझे इससे नौकरी मिलती है-और मुझे क्या लेना-देना?" आलोक ने कंधे उठाते हुए खाना बीच में छोड़ कर कहा।

"वाह, यह बात कुछ जमी।" मैंने कहा।

"तुम्हारी ऐसी मानसिकता एक अलग समस्या है। भूल जाओ, तुमको यह नहीं मिलेगा।" रेयान ने कहा।

"यह बात भी जानते हैं।" मैंने व आलोक ने कहा और मैं हँसने लगा। मैं जानता था कि मैं रेयान को बुरी तरह से चिढ़ा रहा था; लेकिन मैं वाकई यह चाहता था कि वह या तो चुप हो जाए या कम-से-कम विषय बदल दे। किंतु वह आलसी बिना किसी कारण के भी शुरू हो जाता था।

"Screw you." रेयान ने इशारा किया और फिर खाना खाने लगा था।

"छोड़ो।" मैंने कहा, "इस रविवार का क्या प्रोग्राम है?"

"कुछ नहीं, क्यों?" आलोक ने ऊपर की तरफ़ देखा।

"हाँ, अब हमारे पास scooter है।"

रेयान चुप रहा।

"ऐ लड़कियों की तरह रूठना बंद करो।" मैंने उसको कुहनी मारी, जब तक कि वह हँसा नहीं।

"हाँ हम जा सकते हैं, पागल। cannaught place?"

"क्यों?" आलोक ने दोबारा पूछा।

"ठीक है, वहाँ पर एक सस्ता ढाबा है, जहाँ अच्छा बटर चिकन बनता है, वहाँ एक अच्छी फिल्म भी देख सकते हैं और बाद में बाजार में कुछ लड़कियों को देखेंगे।" रेयान की आँखें पूरी कामुकतापूर्ण थीं।

"अच्छा है।" मैंने कहा। लड़की का नाम आते ही मैं नेहा के बारे में सोचने लगता हूँ। मेरी उससे दोबारा टक्कर नहीं हुई थी, मुझे फिर से jogging करने जाना चाहिए। "आलोक, तुम भी हमारे साथ चलोगे न? या सारा दिन रट्टा लगाओगे?"

"ओह हो.. यह appmech worksheet भी है... छोड़ो, गोल करके फेंक दो.. हाँ मैं चलूँगा।" आलोक ने आत्मसमर्पण कर दिया।

हम उस रविवार को cannaught place गए और ख़ूब मजा किया। फिल्म आम हिंदी फिल्मों जैसी ही थी, जिसमें लड़का लड़की से मिलता है। लड़का गरीब व ईमानदार और लड़की का बाप अमीर पर बदमाश है। जो भी हो, हीरोइन नई थी और दर्शकों को ख़ुश करना चाहती थी, इसलिए बरसात में भीगी, मिनी skirt में टेनिस खेला और disco जाने के लिए चमकदार गाउन पहना। क्योंकि उसकी आदतों में कम व पारदर्शी कपड़े पहनना शामिल था, इसलिए दर्शकों ने उसे ख़ूब सराहा। लड़की के बदमाश पिता ने उस लड़के को लगभग मार ही दिया था, जो उसकी सेक्सी लड़की को आकर्षित कर रहा था; लेकिन अंतत: हीरो के प्यार और वासना की जीत हुई। हीरो के पास न तो कोई पूरा करने के लिए बकवास assignment था और न ही गरदन-तोड़ पागल professor। मैं जानता हूँ ये हिंदी फ़िल्में सब बकवास हैं; लेकिन ये दिमाग को जीवन की आपाधापी से बख़ूबी दूर रखती हैं।

अब फिल्म के बाद खाना। ढाबा बहुत बढ़िया था, जैसे कि रेयान इन मामलों में कभी भी गलत नहीं होता। उसने सबके लिए order किया, जैसा कि वह हमेशा करता था। और उसने हमेशा की तरह दिल खोलकर boneless चिकन, दाल, पराँठे और रायता आदि का order दिया। इस बिगड़ैल लड़के ने महँगे कोक का order भी दिया। मेरा मतलब है, restaurant में छात्र कहाँ कोक का order करते हैं? जो भी हो, खाना बहुत स्वादिष्ट था और desert cooler हमारे चेहरों पर पानी फेंक रहा था तथा माहौल को ठंडा रखे हुए था।

भूखे UNICEF बच्चे की तरह रोटी तोड़ते हुए आलोक बातें करने लगा।

"यह बहुत ही बढ़िया है। चिकन तो कमाल का है।"

"तो बताओ, मोटे, क्या आज तुमने मजा लिया या नहीं?" रेयान ने पूछा।

"हूँ हूँ।" आलोक ने कहा। मुँह खाने से पूरा भरा हुआ था, लेकिन उसका मतलब था हाँ।

"तो मुझे बताओ, तुम इन किताबों में अपनी जान क्यों खपाना चाहते हो?"

"अरे, क्या तुम फिर से बहस नहीं कर रहे हो?" मैं चिल्लाया। अब तक मेरा दिन अच्छा गुज़रा और इन जोकरों का फिर से शुरू हो जाना कुछ समय बाद अच्छा नहीं लग रहा था।

"हम बहस नहीं कर रहे हैं।" रेयान ने कहा, जैसे कि अब वह मुझसे बहस कर रहा है। उसने एक लंबी साँस ली।

अच्छा, यह बात है। मैं सोचे जा रहा था।

कृपया हमें माफ करो, मैं सोच रहा था। लेकिन बहुत देर हो चुकी थी।

"दोस्तो, यह हमारे जीवन का सबसे अच्छा समय है। मेरा मतलब है, खासकर आलोक जैसों के लिए।"

"क्या, मेरे लिए ही क्यों?" आलोक सलाद की प्लेट से मिर्च उठाकर चबाते हुए चौंक गया।

"इससे तुम्हारी आँखों में पानी आता है।" मैंने मजाक किया, जब वह मसालेदार खाने की वजह से खाँसा।

"क्योंकि," रेयान ने आलोक से कहा, "पहले के अपने जीवन पर नजर डालो। मेरा मतलब, मुझे मालूम है कि तुम अपने पिता से प्यार करते हो। लेकिन तुम पिछले दो सालों से उनकी सेवा कर रहे हो और पढ़ रहे हो। और पढ़ाई खत्म करने के बाद शायद तुम्हें फिर उनके साथ ही रहना पड़े, ठीक?"

"मैं दिल्ली में ही नौकरी करूँगा।" आलोक ने सिर झुकाया। वह थोड़ा चिंतित था, हालांकि अभी भी उसके दिमाग में बटर चिकन ही चढ़ा हुआ था।

"बिलकुल ठीक, इसलिए फिर से वही जिम्मेदारी। मेरा मतलब तुम, पैसा कमाओ और शायद एक नौकर रख सकते हो। लेकिन फिर भी, क्या तुम इस तरह की मौज-मस्ती कर पाओगे?"

"मैं अपने माता-पिता को प्यार करता हूँ रेयान! यह कोई जिम्मेदारी नहीं है।" आलोक ने कहा और खाना खाना बंद कर दिया। इससे वह प्रभावित हुआ। नहीं तो मोटे अपने जीवन में चिकन खाना नहीं छोड़ेंगे।

"ठीक है, तुम उन्हें प्यार करते हो। " रेयान ने हाथ हिलाते हुए कहा, "मेरा मतलब है, मैं समझ सकता हूँ कि उसके बाद भी मैं अपने माता-पिता को प्यार नहीं करता।"

"क्या?" मैंने कहा। हालांकि मैं नहीं चाहता कि मैं उनके इस वार्तालाप का हिस्सा बनूँ।

मैंने कहा, "मैं अपने माता-पिता को प्यार नहीं करता। क्या यह कोई बड़ी बात है?"

आलोक ने अपनी भौंहें चढ़ाते हुए मुझे देखा। मेरा मतलब, जब आलोक अपने बीमार पिता को, जो हिल-डुल तक नहीं सकते, उन्हें प्यार करता है तो यह बिगड़ैल अपने माता-पिता को प्यार क्यों नहीं कर सकता? और इसके माता-पिता बहुत अच्छे हैं। मेरा मतलब उन्होंने उसे हर चीज दी-नीला scooter, 'GAP' के कपड़े और restaurant में महँगा कोक पीने के लिए पैसा।

"screw you." मैंने आशीर्वाद दिया।

"screw you. तुम मुझे सुनते भी नहीं।" रेयान ने कहा। ठीक है, जबकि मैं पूरा समय उस मंदबुद्धि लड़के की बातें सुनता था।

"क्यों?" वापस अपने खाने को निपटाते हुए आलोक ने कहा।

"मुझे नहीं पता, क्यों। मेरा मतलब है, जब मैं छह वर्ष का था तब से मैं boarding स्कूल में पढ़ रहा हूँ। सही में, मैं भी हर बच्चे की तरह उस boarding से घृणा करता था और बहुत चिल्लाया था, जब मेरे माता-पिता ने मुझे वहाँ छोड़ा था। लेकिन उसके बाद, उसी boarding स्कूल से मैंने बहुत कुछ सीखा। मैंने अपनी पढ़ाई अच्छे ढंग से की, खेल-कूद में भी नाम कमाया, सीखा कि कैसे जीवन में ख़ुश रहा जा सकता है और अच्छे दोस्त बनाए इसलिए मुझे उनकी कोई खास याद नहीं आती। मैं उनके बिना जी सकता हूँ। हाँ हम छुट्टियों में मिलते हैं और वे मुझे चिट्ठी, पैसा और सब कुछ भेजते हैं; लेकिन.."

"लेकिन?"

"लेकिन मुझे उनकी याद नहीं आती।"

"इसलिए तुम समझते हो कि यह गलत है?" आलोक ने दाँत कुरेदते हुए कहा।

"अरे छोड़ो! मेरा मतलब है, मेरे लिए मेरे दोस्त ही सबकुछ हैं। वे ही मेरा परिवार हैं। माता-पिता अच्छे हैं, लेकिन मैं उन्हें प्यार नहीं करता, जिस तरह से मैं अपने दोस्तों को प्यार करता हूँ। मेरा मतलब है, मैं उन्हें बिलकुल प्यार नहीं करता; लेकिन मैं अपने दोस्तों को प्यार करता हूँ।"

"ओह! तो तुम रेयान के मुकाबले हमें प्यार करते हो? मैं तुम्हें प्यार करता हूँ।" आलोक ने बनावटी आवाज में कहा। वह उससे

पूर्णतः, सहमत हो गया था। उसका हँसी-मजाक करना उसके इस व्यवहार में बदलाव का सबूत था।

"up yours, मोटे गधे, मैं तुम्हें प्यार करता हूँ।" रेयान ने कहा और जिससे कुछ लोग हमारी तरफ़ देखने लगे।

रेयान वापस अपने पुराने विषय पर आ गया था।

"तो मेरा विचार यह है कि यह हमारा सबसे मज़ेदार वर्ष है। इसलिए या तो हम रट्टा कर-करके अपने आपको मार दें या system को भाड़ में जाने को कहें।"

"हम system को भाड़ में जाने को कैसे कहेंगे?" मैंने पूछा।

"मेरा मतलब है कि पूरी तरह से रट्टा बंद नहीं करें, लेकिन हमें सीमा निर्धारित करनी चाहिए। हम एक दिन में दो-तीन घंटे पढ़ सकते हैं, लेकिन हम दूसरे काम भी करेंगे, जैसे खेल-कूद। क्या तुम लोगों ने कभी squash खेला है? या हम कुछ events में भाग ले सकते हैं। debates, scrabble या कभी-कभी फिल्म देख सकते हैं। हम insti में बहुत कुछ कर सकते हैं।"

"हाँ, लेकिन बहुत ही कम लोग ऐसा करते हैं और वे ऐसे हैं, जिनके GPA बहुत ही गंदे हैं। " आलोक ने कहा।

"देखो, मैं यह नहीं कह रहा कि हमें रट्टा बंद कर देना चाहिए। हमें सिर्फ समय-सूची बनानी चाहिए। दिन भर की classes, फिर दिन में तीन घंटे की पढ़ाई और बाकी सारा समय हमारा। चलो, कोशिश तो करते हैं, सिर्फ इस semester तक क्या यह ठीक नहीं? पढ़ाई से थोड़ा दूर जाना भी तो जरूरी है।" आलोक और मैंने एक-दूसरे की ओर देखा। रेयान की बात में दम था। अगर मैंने कॉलेज में squash नहीं खेला तो शायद कभी न खेल पाऊँ। अगर मैंने अब scrabble में भाग नहीं लिया तो जब मैं नौकरी करूँगा तब क्या लूँगा।"

"मैं कोशिश करूँगा।" रेयान की बात से सहमत होते हुए मैंने कहा। नहीं तो वह कभी चुप ही नहीं बैठता।

"लेकिन तीन घंटे काफ़ी नहीं हैं।" आलोक दुविधा में था।

"ठीक है, हमारे सुपर रट्टू के लिए साढ़े तीन घंटा।" रेयान ने कहा, "ठीक है?"

आलोक मान गया, लेकिन उसकी आवाज इतनी धीमी थी कि वह ऐसी सुनाई दे रही थी कि जैसे उसने अभी जो चिकन खाया, वह अंदर से बोल रहा हो।

रेयान बहुत ख़ुश था, और वह वापस कुमाऊँ ले गया। scooter की रफ्तार इतनी तेज थी कि यातायात पुलिस वाले भी चक्कर खा गए। किसी ने हमें नहीं रोका, या हम रुके नहीं। मैंने नंबर प्लेट अपने पैरों से ढक ली, इसलिए पुलिस वाला नंबर नोट नहीं कर पाया। आख़िरकार यह पढ़ाई की समय सीमा निर्धारित करने पर ख़ुशी का मौका था।

इसी बीच एक दिन campus के बुक स्टोर पर मुझे नेहा दिखाई पड़ी। मैं उससे तब से नहीं मिला जब से उसने मुझे टक्कर मारने की कोशिश की थी और वह किसी एक की गलती नहीं थी। देखा जाए तो पूरा jogging विचार ही एक बुरा विचार था। उससे मिलने के विचार से भी मैं सुबह जल्दी नहीं उठ पाता था। मैंने एक बार फिर कोशिश की, लेकिन देर हो गई थी और उसकी कार नहीं देख पाया। इसके बाद मेरा मन ऊब गया और रेयान ने मुझे उठाना छोड़ दिया।

तो मैं यह कहना चाह रहा हूँ कि मैंने नेहा को दोबारा देखा तो वह एक बड़ा आश्चर्य था।

"हाय!" मैंने अपना हाथ उठाकर उसे आकर्षित करते हुए कहा। उसने मेरी ओर देखा और फिर देखती रही। उसका चेहरा भावहीन था। उसने ऐसा दिखाया जैसे कि वह मुझे पहचानती नहीं है। फिर उसने अपनी notebook के पत्तों को पलटना शुरू कर दिया। अब यह तो हद है, मेरा मतलब है कि अगर आप एक पब्लिक प्लेस में हैं और आप एक लड़की को 'हाय' कहते हैं और वह आपके साथ ऐसा व्यवहार करती है जैसे कि पहले कभी मिली ही न हो।

दुकानदार ने मेरी तरफ़ देखा और कुछ बाकी खरीदादारों ने भी मेरी तरफ़ देखा। मुझे बड़ा ही अजीब लगा, लेकिन मैंने एक बार और कोशिश करनी चाही। मेरा मतलब है, थोड़े हफ्ते पहले ही तो वह बहुत ही सहानुभूति शील और मैत्रीपूर्ण थी।

"नेहा, मैं हूँ! क्या तुम्हें वह सुबह हुई कार दुर्घटना याद है?" मैंने पूछा।

"माफ करना।" उसने जल्दी से कहा और वहाँ से चली गई।

इस बार दुकानदार ने मेरी तरफ़ ऐसे देखा जैसे कि मैं कोई मनचला हूँ। उस लड़की ने मुझे टक्कर मारी और लिफ्ट भी दी। मैं चिल्लाना चाहता था, तब मैंने अपनी पेंसिल व sheets खरीदी। हाँ मैं ज़्यादा आकर्षक. नहीं हूँ लेकिन यह कोई कारण नहीं किसी को जनता के सामने न पहचानने का। शायद इसका कारण यह है।

मेरे साथ ऐसा ही स्कूल में भी होता था, इसलिए मेरे लिए यह नई बात नहीं थी। मेरा मतलब है, मेरे साथ स्कूल में एक बार ऐसा ही हुआ था। लेकिन मैं इन सब चीजों में पड़ना नहीं चाहता; पर मुझे फिर भी बहुत अजीब लग रहा था। मुझे पता नहीं, लेकिन नेहा उस तरह की लड़की तो मुझे नहीं लगी थी।

मैं दुकान से जितनी जल्दी हो सका, बाहर निकला; क्योंकि मैं अपमान से बचना चाहता था। मैं स्वयं को अपराधी महसूस कर रहा था। मेरा मतलब है, उसे कम-से-कम 'हाय' तो कहना चाहिए था, मैंने सोचा। मैं जानता हूँ मैं मोटा हूँ और यदि मैं लड़की होता तो शायद मैं भी अपने आपसे बात नहीं करता। मैं bookshop से hostel जाने वाले रास्ते पर अकेला चला जा रहा था, तभी किसी ने मेरे कंधे को थपथपाया। मैं घुमा और सोचा, कौन हो सकता है?

"हाय।" नेहा ने कहा।

भाड़ में जा-मेरे दिमाग में अचानक विचार आया। लेकिन मैं उसे देखने के लिए घुमा, वह बहुत सुंदर दिख रही थी। और उसके हर बार हँसने के साथ ही दाहिने गाल में पड़ते dimple.. अब बोल उसे भाड़ में जा।

"हाय नेहा, right?" मैंने कहा, इस बार धीरे से और बहुत सावधानी पूर्वक।

"हाँ। मैं वाकई, वाकई, वाकई बहुत दुःखी हूँ कि मैं वहाँ तुमसे ठीक से बात नहीं कर सकी। उसका एक कारण है।" वह उतावली होकर बोली।

लड़कियाँ तो यह हमेशा ही करती हैं। वे सोचती हैं कि एक विशेषण कई बार बोलने से अधिक प्रभावी होता है। तीन वाकई माफ़ीनामा बन जाना चाहिए।

"क्या कारण?" मैंने कहा।

"बस ऐसे ही, मेरा मतलब.. छोड़ो, इसे भूल सकते हैं।"

"नहीं, मुझे बताओ, क्यों?" मैंने ज़ोर से कहा।

"वह दुकान वाला मुझे और मेरे पिताजी को दस वर्षों से जानता है और वे हमेशा मिलते रहते हैं।"

"तो?"

"मेरे पिताजी का मेरा लड़कों से बातें करना क़तई पसंद नहीं। वह इस बारे में काफ़ी सख्त मिजाज हैं और अगर उन्हें पता लगा कि किसी लड़के से मेरी दोस्ती है तो वे गुस्से से पागल हो जाएँगे।"

"सच?" किसी का अभिवादन जैसा करते हुए मैंने पूछा।

"वे ऐसे ही हैं। और campus में तो अफवाहें बहुत तेजी से फैलती हैं। कृपया मुझे माफ करना।"

वह थोड़ी बेतुकी लग रही थी। लेकिन मेरे जैसे जानते हैं कि वह कहाँ से आई है। कुछ लड़कियों के पिता तो काफ़ी संवेदनशील होते हैं, और campus में एक हज़ार से भी ज़्यादा जवान लड़के उनके लिए चिंता का कारण होंगे।

"यानी अब मैं तुमसे नहीं मिल सकता, ठीक?"

"campus के बाहर मिल सकते हो।"

"हम यहाँ रहते हैं!"

"हाँ लेकिन बाहर भी एक दुनिया है। हम हौज खास मार्केट जा सकते हैं। तुम ice-cream वग़ैरह पसंद करते हो?"

किसी सुंदर लड़की या ice-cream को मना करना काफ़ी मुश्किल है; लेकिन जब दोनों एक साथ मिलें तो मना करना असंभव है। मैंने हाँ कर दी, और उसने मुझे कहा कि campus गेट के बाहर जाओ और दो block के बाद एक ice-cream parlour है। वह भी वहाँ आएगी। उसने मुझे पाँच मिनट पहले चलने को कहा और कहा कि वह मेरे पीछे-पीछे आएगी।

इस तरह से अकेले चलना एकदम विचित्र था। मैं सोच रहा था कि अगर वह पार्लर में नहीं आई तो मैं कितना मूर्ख बनूँगा। मैंने सोचा, चलो, कम-से-कम एक ice-cream तो खाऊँगा। खाना भी लगभग लड़कियों के जैसा अच्छा ही होता है।

नेहा वहाँ पहुँची। cadburies ice-cream पार्लर के अंदर वह एक अलग तरह की लड़की थी।

"तो Mr. jogger, उस दिन के बाद दिखाई नहीं पड़े। क्या तुम मुझसे बहुत डर गए थे?" वह ही-ही करके हँसने लगी। लड़कियाँ हमेशा ऐसा करती हैं। थोड़ी हँसी की बात करती हैं और खुद ही उस पर हँसती हैं।

"नहीं, सुबह-सुबह जगना बहुत मुश्किल होता है।"

"हाँ मैं तो तुमसे मिलने की उम्मीद कर रही थी।" उसने दिल से कहा।

"हाँ bookshop पर ऐसा ही लग रहा था।"

"मैंने माफी माँग ली, हरि।" उसने कहा और मेरी बाँह को छुआ, जैसा उसने पहले भी छुआ था। मुझे बहुत अच्छा लगा, मेरा मतलब किस लड़के को अच्छा नहीं लगेगा, आपके पास एक सुंदर हंसमुख और माफी माँगने वाली, बाँह छूने वाली लड़की है, आपको बताऊं, ice-cream से अच्छी है।

दिल्ली में दो तरह की सुंदर लड़कियाँ हैं। एक आधुनिक किस्म की, जो छोटे बाल रखती हैं, जींस या skirt और कानों में छोटी बालियाँ पहनती हैं; दूसरी पारंपरिक किस्म की, जो सलवार-कमीज, बहुरंगी बिंदी और कानों में बड़ी-बड़ी बालियाँ पहनती हैं। नेहा पारंपरिक (रूढ़िवादी) किस्म की ज़्यादा थी, और उसने हलके नीले रंग का चिकन सूट तथा उससे मिलती हुई बालियाँ पहनी हुई थीं। लेकिन वह किसी दबाव में पारंपरिक तरह की लड़की नहीं थी, जैसे कि मोटी लड़कियों के पास भारतीय कपड़े पहनने के अलावा और कोई चारा नहीं होता। नेहा अच्छी थी-और वास्तव में मेरे लिए बहुत अच्छी। उसके लंबे हलके भूरे बाल, जिन्हें वह ज़्यादातर खुला रखती थी, उसके माथे पर लटकती बालों की एक लट। उसका चेहरा बिलकुल गोल था, इसलिए नहीं कि वह कुछ मोटी थी, बल्कि एक प्राकृतिक सुंदर चेहरा। मैं उसे देखे जा रहा था और मेरी strawberry ice-cream पिघल रही थी।

"दोस्त!"

"मुझे ऐसा लगता है। पता है, जब वहाँ तुमने मेरी उपेक्षा की तो पहले मैंने सोचा, क्योंकि मैं ऐसा ही हूँ।"

"तुम किस तरह के हो?"

"बुरा नहीं मानना।" मैंने कहा।

मैंने नेहा को अपनी खरगोश रूपी पढ़ाई की योजना बताई।

"तीन घंटे? बड़े बहादुर हो। लगता है, तुम्हें professors और उनके assignments से प्यार का अनुमान नहीं है।" उसने कप में बची हुई ice-cream को खुरचते हुए कहा।

मैंने अपने कंधे ऊपर की तरफ़ हिलाए। "अच्छा, तुम अपने बारे में बताओ। कार चलाना सीख लिया?"

"हाँ और मुझे लाइसेंस भी मिल गया।" उसने बारीक आवाज में कहा और मुझे लाइसेंस दिखाने के लिए उसने अपना बैग खोला। उसने अपने हैंड बैग से सामान निकालना शुरू किया, जिसके दौरान कई चीजें बाहर आई, lipstick, lip-balm, cream, बिंदियाँ बालियाँ, pen, शीशा, गीले tissue और दूसरी अन्य चीजें, जिनके बिना जिया जा सकता है। अंत में उसे मिल ही गया, जो वह ढूँढ रही थी।

"वाह! नेहा समीर चेरियन, स्त्री, 18 वर्ष।" मैंने उसका नाम ऊँची आवाज में पढ़ा।

"ऐ बस करो। तुम्हें महिलाओं की उम्र जानने का अधिकार नहीं है।"

"वह 60 साल की महिलाओं के लिए होता है, तुम युवा हो।" मैंने उसका लाइसेंस उसे दे दिया।

"अब भी, मुझे वीर पुरुष पसंद हैं। " उसने अपनी वे ढेरों चीजें हैंडबैग में रखते हुए कहा।

मुझे पता नहीं कि उसका क्या मतलब था। मेरा मतलब, क्या वह मुझे बताना चाहती थी कि उसे कैसा आदमी पसंद है, या वह मुझे वैसा देखना चाहती है जैसा आदमी उसे पसंद है या मैं उसे अच्छ लगा। कौन जानता है? औरत को पहचानना manpro quiz को top करने से भी कठिन काम है।

"समीर, क्या यह एक लड़के का नाम नहीं है?"

"यह मेरे भाई का नाम है। जब लाइसेंस बनवाया तो मैंने इसे अपने नाम के साथ रखने का निश्चय किया था।"

"वाकई? आपका भाई क्या करता है?"

"कुछ ज़्यादा नहीं।" उसने अपने कंधे हिलाए। "वह अब इस दुनिया में नहीं है।"

ऐसा तो मैंने नहीं सोचा था। मैंने सोचा कि उसे ऐसे लड़कों वाले नाम के लिए चिढाऊँगा, लेकिन यह तो भारी पड़ गया।

"ओह!" मैंने कहा।

"उसकी एक साल पहले हुई है। हम में सिर्फ दो साल का अंतर था। तुम सोच सकते हो कि मुझे उससे कितना लगाव था!"

मैंने अपना सिर झुकाया। उसके सुंदर चेहरे पर उदासी छा गई थी और मैंने चाहा कि विषय को बदलने के लिए कुछ मसख़री करूँ।

"यह कैसे हुआ?" मैंने अपना दु:ख प्रकट करने के लिए पूछा।

"बस एक असामान्य दुर्घटना। वह रेलवे लाइन पार कर रहा था और ट्रेन की चपेट में आ गया।"

मैंने सोचा कि मैं उसका हाथ पकड़ने का साहस करूँ, जैसे थोड़ी देर पहले उसने पकड़ा था। मेरा मतलब मैं कितना शरमीला था। उसका गला रुँध-सा गया था, लेकिन मैं उसको सिर्फ अपनी बात कहने के बारे में सोच रहा था।

मैं अपना हाथ उसके क़रीब ले गया, लेकिन उसके फिर से बात शुरू कर देने ने मुझे रोक दिया।

"बस जिंदगी ऐसे ही चलती रहती है।" उसने दोहराया, मुझसे ज़्यादा अपने लिए।

मैंने अपना हाथ खींच लिया। मुझे आभास हो गया कि यह उचित नहीं है।

"ice-cream? चलो, एक-एक और लेते हैं।" उसने अच्छे से कहा और इंतजार किए बिना काउंटर तक पहुँच गई। वह दो बड़ी sundae ice-cream ले आई। वह फिर से मुसकुरा रही थी।

"तो उसका train accident दिल्ली में हुआ था।"

"हाँ, तुम नहीं सोचते कि ऐसा हो सकता है?" उसने चुनौती देते हुए कहा।

"नहीं।"

"छोड़ो, अपने hostel के बारे में कुछ अच्छी बातें बताओ। " मैंने उसे रेयान के scooter और हमने उसे तेज स्पीड से कैसे चलाया आदि के बारे में बताया। यह मज़ेदार नहीं था, लेकिन इससे बातचीत का विषय बदल गया। शाम होने तक हमने इधर-उधर की ख़ूब बातें कीं। समय का पता ही नहीं चला।

"मुझे जाना है।" वह चिंता के स्वर में बोली। "हम पैदल चलें?"

"हाँ, लेकिन अलग-अलग, ठीक?" मैं समझ रहा था।

"हाँ, sorry please." उसने बच्चों की तरह नकल करनेवाली आवाज में कहा, जैसा लड़कियाँ थोड़ा सा भी चिढ़ाने पर करती हैं।

मैं खड़ा हो गया।

"तो हरि!"

"तो, क्या?"

"क्या तुम मुझसे पूछने वाले नहीं हो?"

उसके प्रश्न ने मुझे चकरा दिया। मेरा मतलब, मैं तो पूछना ही चाहता था, लेकिन सोचा कि वह मना जरूर करेगी और फिर मैं पूरी रात अपने आपको मूर्ख कहता रहूँगा। मैं तो ice-cream और बातों से संतुष्ट हो गया होता, लेकिन यह तो बहुत अच्छा हुआ। वैसे भी अब मेरे पास कोई दूसरा रास्ता नहीं था।

"ओह जरूर। नेहा, क्या तुम... मेरे साथ आना पसंद करोगी?"

उसने यह मेरे लिए काफ़ी सुरक्षित बना दिया था; लेकिन मैं आपको बताऊं, पहली बार किसी लड़की से डेट के लिए पूछना सबसे मुश्किल काम है। लगभग उतना ही तनाव पूर्ण जितना कि मौखिक परीक्षा देना।

"हाँ मैं जरूर आऊंगी। अगले शनिवार को मुझे इसी पार्लर में इसी समय मिलना।" मैं झुका।

"और अगली बार IIT के शरमीले लड़के की तरह नहीं रहना, बिना हिचकिचाए पूछना।"

मैं मुस्कुराया।

"तो अब किसके लिए इंतजार कर रहे हो? अब जाओ।"

मैंने स्त्री के दिमाग की यांत्रिकी पर विचार करते हुए धीरे-धीरे hostel की ओर कदम बढ़ाए।

लड़ाई नहीं, पढ़ाई

अमेरिका की missiles Iraq पर तनी हुई थीं, वैसे ही जैसे हम semester के अंत की परीक्षा के पहले शिकार होते हैं। हमारे campus से हज़ारों किलोमीटर दूर एक ताक़तवर तानाशाह ने दूसरे छोटे ताक़तवर तानाशाह के देश को अपने साथ जोड़ लिया। संयोग से दोनों ही देशों के पास तेल के बड़े भंडार थे और पूरे विश्व को इसका एहसास हो गया। अब विश्व के सबसे ताक़तवर देश ने तानाशाह से भाग जाने को कहा। बड़े तानाशाह ने इनकार कर दिया और जल्दी ही यह बात साफ हो गई कि उस पर हमला होगा।

आप सोच रहे होंगे कि IIT में हम तीनों का इससे क्या लेना-देना। अगर यह रेयान की एक बेकार सी रहस्यमयी वैज्ञानिक फिल्म होती तो हम तीनों एक षड्यंत्र में शामिल हुए होते, जिसमें हम IIT की प्रयोगशाला का इस्तेमाल करके CIA को आधुनिक हथियार आदि उपलब्ध कराते होते। लेकिन यह कोई रहस्यमयी वैज्ञानिक फिल्म नहीं थी। हम तीनों ने तो manpro welding का assignment समय से पूरा कर लेने पर अपने आपको भाग्यशाली समझा, आधुनिक युद्ध तकनीक उपलब्ध कराना तो बहुत दूर की बात है।

नहीं, gulf की लड़ाई ने व्यक्तिगत रूप से हमें आकर्षित नहीं किया, लेकिन वह एक बड़ा धमाका था, जो हमारे पहले semester की अंतिम परीक्षा को खा गया, हमारे प्राकृतिक पौरुष की प्रतियोगिता में उत्प्रेरक था।

लेकिन उससे पहले मैं आपको कुछ ही दिन प्रभावी रही 'लक्ष्मण-रेखा' की नीति के गौरवशाली दिनों के बारे में बता दूँ। योजना के अनुसार हम हर रोज़ तीन घंटे पढ़ते थे, ज़्यादातर देर रात में, मतलब शाम का खाली समय मौज-मस्ती करने के लिए।

"आज तक के सबसे बढ़िया खेल की खोज।" रेयान ने कहा, जब वह हमें squash कोर्ट की तरफ़ ले जा रहा था, बावजूद इसके कि आलोक और मेरे जैसे दिखने वाले लोग कभी squash कोर्ट के नज़दीक भी नहीं गए।

"यह खेल आपके दिमाग को आराम देगा और थोड़ा मोटापा कम करेगा।" रेयान ने, जो अपने स्कूल का squash captain रह चुका था, कोर्ट में warm-up shots लगाते हुए कहा।

अगर आप champion जैसे नहीं हैं तो शायद इस खेल की मुश्किलें नहीं समझ सकते। मेढक की तरह गेंद ऊपर-नीचे जाती है और आप उसके आस-पास अपने बल्ले से उसे मारने के लिए उछलते हैं। रेयान तो इसे बहुत समय तक खेलता रहा था, पर मैं और आलोक तो बेकार थे। लगातार पाँच बार मैं बल्ले से गेंद को नहीं मार पाया और आलोक ने तो अपनी जगह से हिलने की कोशिश भी नहीं की। थोड़ी देर के बाद मैंने भी हार मान ली। रेयान ने और खेलने का प्रयत्न किया-और तो अतिरिक्त खंभों की तरह कोर्ट पर खड़े थे।

"come on यार, कम-से-कम कोशिश तो करो।" रेयान ने चिल्लाते हुए कहा।

"मैं यह नहीं कर सकता।" आलोक ने कहा और वह कोर्ट पर बैठ गया। वह बड़ा ही निकम्मा है। मेरा मतलब है कि मुझे भी squash खेलना बिलकुल नहीं आता था, लेकिन मैं हार मानकर कोर्ट पर तो नहीं बैठा।

"हम कल फिर से कोशिश करेंगे।" रेयान ने आशापूर्वक कहा। वह हमें दस दिनों तक कोर्ट पर खींचकर ले जाता, लेकिन मुझ में और आलोक में कोई सुधार नहीं दिखा। हमें तो गेंद दिखती भी नहीं थी, उसे मारना तो दूर की बात है।

"रेयान, हम यह नहीं कर सकते यार।" आलोक ने हांफते हुए कहा, "अगर तुम यह खेल खेलना चाहते हो तो अपने लिए दूसरे partner क्यों नहीं ढूँढ लेते?"

"क्यों? अब तुम लोग बेहतर खेल रहे हो।" रेयान ने कहा।

हाँ, क्यों नहीं, शायद तीस साल में-मैंने सोचा।

"तो क्या तुम्हें इसमें मजा नहीं आता?"

रेयान क्या सोच रहा था? मजा! मजा! मेरा मन तो उस गेंद को पचास टुकडो में फाड़ने का हो रहा था।

"ज़्यादा कुछ नहीं।" मैंने हलका सा जोखिम उठाते हुए कहा।

"ठीक है फिर, हमें यह करने की आवश्यकता नहीं। मेरा मतलब है कि मैं squash खेलना छोड़ सकता हूँ।" रेयान ने कहा।

"नहीं, मेरा मतलब यह नहीं.. " आलोक ने कहा।

रेयान ने निर्णय कर लिया था और उसके साथ बहस करने का कोई मतलब नहीं था। यह उसका 'जहाँ मेरे दोस्त जाएँगे, मैं वहीं जाऊँगा' मूल-मंत्र था और मुझे उसके मनपसंद खेल से उसे दूर करने में दु:ख हो रहा था।

"तुम दूसरों के साथ खेल सकते हो।" मैंने सुझाव देते हुए कहा।

"बाकी मेरे दोस्त नहीं हैं।" रेयान ने भारी आवाज में कहा, जो कि पत्थर की लकीर थी। आलोक एवं मैंने कंधे उचकाए और वहाँ से चले गए।

squash के बाद नंबर आया एक थोड़े से विनम्र और कम क्रियाशील खेल का, जो था शतरंज।

आलोक और मुझे इसके प्रति थोड़ी सी जिज्ञासा हुई, क्योंकि squash के विपरीत हम मोहरों को छू और हिला तो सकते थे। लेकिन ज़्यादातर जीत रेयान की ही होती थी, और मुझे उसकी तरह मोहरों को विस्थापित करने में कोई आनंद नहीं आता था।

शतरंज के अलावा हम अपने खाली समय में रेयान के scooter पर सवारी करते थे जब हम scooter पर तेज रफ्तार में जाते थे, तब हम हवा की तेज रफ्तार का एहसास अपने बालों में भी करते थे। हमने हर नई फिल्म देखी। दिल्ली की हर एक जगह गए सबकुछ किया।

ज़्यादातर हम अपनी तीन घंटों की पढ़ाई में सब अच्छे से व्यवस्थित कर लेते थे। कभी-कभी assignments को पूरा करने में कुछ ज़्यादा समय लग जाता था, जिससे revision के लिए कोई समय नहीं बचता था। इस बात से आलोक चिंतित था, इसलिए क्योंकि हमारी semester end की परीक्षा पास थी और उसने पढ़ाई का समय बढ़ाने के लिए सुझाव दिया। और हम ऐसा करते भी, लेकिन नहीं कर पाए एक चीज की बदौलत : पहले बताया गया-gulf war.

अब लड़ाइयाँ तो समय दर समय होती ही रहती हैं और भारत ने बहुत सारी लड़ाइयाँ लड़ी हैं। लेकिन gulf war अलग था, क्योंकि यह TV पर आ रहा था। CNN-एक अमेरिकी news चैनल-जिसने अभी-अभी भारत में अपने पैर जमाए थे, वह Iraq के रेगिस्तानों को सीधा हमारे TV room में ले आया।

"CNN आपके सामने बगदाद की गलियों का आँखों-देखा हाल दे रहा है। आसमान पहले हवाई हमले की वजह से जगमगा उठा है।" एक समझदार व्यक्ति ने कहा।

आलोक, रेयान और मैंने शतरंज की बाजी से ध्यान हटाकर TV की तरफ़ देखा। यह सनसनीखेज, चौंका देनेवाले और कभी पहले TV पर न देखे गए नज़ारे थे। यह सब अजीब था, क्योंकि यह उस समय की बात थी जब भारत में केबल व निजी चैनल आए भी नहीं थे। अब तक हमारे पास सिर्फ दो बेढंगे सरकारी चैनल थे, जिनमें औरतें सदियों पुराना वाद्य (बाजा) बजाती हैं और सुस्त आदमी पागलों व अनिद्रा रोगियों के लिए खबर पढ़ते हैं। रंगीन टेलीविजन दो साल पहले ही आए थे और अधिकतर कार्यक्रम अभी भी black and white ही थे। फिर एक ही सप्ताह में आ गया रंगीन और आँखों-देखा CNN.

"क्या यह सच है? मेरा मतलब है कि क्या वास्तव में हो रहा है।" आलोक चौंकता नजर आ रहा था।

"अरे मोटे, तुम्हें यह कोई नाटक लग रहा है क्या?" रेयान ने खिल्ली उड़ाते हुए कहा, जब दो अमेरिकी pilots ने घंटों की बमबारी के बाद एक-दूसरे को हाई-फाई किया। एक CNN संवाददाता ने उनके मिशन के बारे में उनसे सवाल पूछे और उन्होंने एक गोदाम पर बमबारी करने तथा एक पावर स्टेशन को उड़ाने के बारे में बताया, जिससे बगदाद को बिजली मिलती है।

"वाह, अमेरिकी तो इसे जीत लेंगे।" आलोक ने कहा।

"इराकियों को कम न मानो, जो दस साल से लड़ाई लड़ रहे हैं। अमेरिकी तो सिर्फ हवाई हमले कर रहे हैं।" रेयान ने कहा।

"हाँ लेकिन अमेरिका बहुत ही शक्तिशाली है। सद्दाम के पास उसका कोई जवाब नहीं।"

लड़ाई ने हमें दलदल की तरह अपने अंदर खींच लिया आलोक और रेयान कौन जीतेगा, इस सवाल पर बड़े ही तल्लीन और उत्तेजित हो गए। मेरा मतलब है कि ये सब तो जब हम बारह साल के होते हैं तब करना बंद कर देते हैं। (superman vs

batman?) लेकिन इन्हें रोकना असंभव था। मुझे भी लड़ाई देखना पसंद था, लेकिन मैं किसी की तरफ़ नहीं था।

उन दिनों इराक एक जाना-पहचाना देश नहीं था और इसलिए हम अमेरिका की ओर थे। IIT अमेरिका के बारे में सोचता था। हमारे यहाँ अधिकतर विदेशी मदद अमीर अमेरिकी कंपनियों से आती थी और हमारे अधिकतर पूर्व छात्र भी वही नौकरी और वजीफे के लिए जाते थे। इसलिए बिना हैरानी के हम अमेरिका की तरफ़ थे। इसलिए यह हैरानी की बात नहीं थी कि हमारा दिल अमेरिका की तरफ़ था।

उस तरफ़ लड़ाई की झलकियाँ अब ज़्यादा खतरनाक दिखने लगीं, क्योंकि अब अमेरिका इराक पर लगातार हमला कर रहा था- और मेरे हिसाब से सद्दाम ने अपने आपको किसी तेल के कुएँ में छिपा लिया था। बहुत सी बार अमेरिकियों ने आम लोगों पर हमला किया, जिससे अनेक बेकसूर लोग मारे गए। मेरा मतलब है, IIT के लिए मदद-यह सब तो ठीक है, लेकिन आप बच्चों पर बमबारी करने को कैसे उचित ठहराएँगे? लेकिन फिर सद्दाम भी एक हारा हुआ पागल जनरल था, जो अपने लोगों को ही मार देता था। ओह, इस gulf war में किसी की भी तरफ़दारी करना कठिन था। और वैसे भी यह सब तो हमारे लिए किसी काम का न था। उन्हें भी यह जल्दी ही एहसास हो जाता।

"अरे यार, हमारे majors में तो सिर्फ आठ ही दिन बाकी हैं।" आलोक ने एक दिन कहा, "हमें TV को बंद करना ही होगा।"

"लेकिन हम तीन घंटे ही पढ़ाई करेंगे।" रेयान ने भौंहें चढाते हुए कहा।

"भाड़ में गए तीन घंटे! ये काफ़ी नहीं हैं।" मैंने अपनी तरफ़ से कहा।

"मेरे हिसाब से इराक जीत जाएगा।" रेयान ने कहा।

"छोड़ो न यार, अमेरिका ने उसकी खाट खड़ी कर दी है।" आलोक ने कहा,

"इसलिए मैं तुमसे विनती करता हूँ कि अब हम पढ़ाई करना शुरू करते हैं, नहीं तो हमारी भी खाट खड़ी हो जाएगी।"

"अभी नहीं, अभी तक ज़मीनी लड़ाई नहीं हुई।" उसने अधिकारपूर्वक कहा।

भाग्यवश, semester की अंतिम परीक्षा से पाँच दिन पहले युद्ध खत्म हो गया। अमेरिका की जीत हुई और इराकियो ने ज़मीनी लड़ाई से पहले पराजय स्वीकार की। सद्दाम ने कुवैत को अकेला छोड़ दिया। अमेरिकन ख़ुश थे कि जलाने के लिए दुनिया का सारा तेल उनका था। और रेयान ने एक-दो दिन खाना नहीं खाया।

जैसे ही हमने अपने कमरे में अंतिम परीक्षा के लिए दोहराना शुरू किया, उसने चीख कर कहा, "यह उचित नहीं है। वास्तविक युद्ध ज़मीन पर लड़ा जाता है।"

"चुप रहो, रेयान। अमेरिकियों को, जो वे चाहते थे, मिल गया। क्या अब हम पढ़ सकते हैं?" मैंने कहा।

"बिलकुल गलत यार। USA स्कूल में धौंस जमाने वालों की तरह है।"

"appmech, appmech!" आलोक मंत्र की तरह बड़बड़ाया।

squash, शतरंज और युद्ध-हमारा पढ़ाई का सारा समय खा गए। परीक्षा से पाँच दिन पहले हमने तीन घंटे का नियम हटा दिया, यह तो हटाना ही था। अगर हम एक दिन में छत्तीस घंटे पढ़ते तो भी हमारा course पूरा होनेवाला नहीं था। रेयान को चुप कराना जरूरी हो गया था और हम हर रोज़ सुबह के तीन बजे तक पढ़ते थे। और semester की अंतिम परीक्षा के पहले दिन भारत युद्ध छेड़ दे, उत्साहपूर्वक यह प्रार्थना की।

परीक्षा से एक दिन पहले practical test थे। रेयान को course के इसी भाग में मजा आता था, और वह जल्दी ही हमें भौतिकी की lab में खींचकर ले गया। हम एक ही group में थे और विद्युत से संबंधित एक प्रयोग करना था और उसके बाद मौखिक परीक्षा में प्रश्नों के उत्तर देने थे। हमें resistance voltage के संबंध वाला प्रयोग करने को मिला।

मुझे practical test से घृणा थी। ज़्यादातर की मौखिक परीक्षा में झेल चुका था। मुझे मालूम नहीं कि मैंने आपको अपनी दशा के बारे में बताया या नहीं। जब कोई मेरी आँखों में देखकर प्रश्न पूछता है तो मेरा दिमाग कौंध जाता है, मेरा शरीर ठंडा हो जाता है, सिर से पाँव तक पसीना आ जाता है और अपना बोलने का तरीका भूल जाता हूँ। मुझे मौखिक परीक्षा से इतनी घृणा

थी और रेयान विद्युत वाले प्रयोग के लिए तार जोड़ते हुए उत्तेजित था। मैं उससे भी घृणा कर रहा था।

"अरे यार, यह देखो।" circuit के हिस्सों को अपने हाथ में पकड़कर रेयान ने कहा।

आलोक ने अपनी notebook छोड़ कर ऊपर देखा। रेयान ने अगले दस मिनट में resistors, capacitors, switch और cables एक-दूसरे के साथ जोड़े। हमारे प्रयोग से दूर-दूर तक इसका कोई लेना-देना नहीं था। आलोक बहुत चिंतित हो रहा था।

"रेयान, क्या तुम resistors voltage setup को जोड़ सकते हो, ताकि हम प्रयोग शुरू कर सकें?" आलोक ने कहा।

"रुक मोटू प्रयोग करने के लिए हमारे पास दो घंटे हैं। क्या इनके पास यहाँ एक speaker है?" रेयान ने पुर्जो के डिब्बे में ढूंढते हुए कहा।

"तुम्हें speaker किस लिए चाहिए?" मैंने कहा, जबकि रेयान को एक speaker मिल गया था और उसने अंतिम connection भी कर दिया था।

"इसके लिए।" रेयान ने कहा और अपना बनाया circuit चालू कर दिया। उसने कुछ connection हिलाए और जल्दी ही speaker से हिंदी संगीत आने लगा-

'घर आया मेरा परदेसी.. '

"क्या मुसीबत है!" आलोक ऐसे कूदा जैसे lab में कोई भूत आ गया हो।

"यह रेडियो है, पागल। " रेयान ने कहा, आँखों में पूरी चमक थी। मुझे मालूम था कि रेडियो बनाने के लिए हमारे पास सारा सामान है।

"रेयान!" पूरा ज़ोर लगाकर मैंने कहा।

"क्या?" "हम यहाँ semester की final परीक्षा के लिए आए हैं।" मैंने कहा। यह है रेयान। वह बड़ी चतुराई के काम करेगा, लेकिन सिर्फ गलत समय और गलत स्थान पर।

आलोक भी परेशान हो गया, "मौखिक परीक्षा शुरू होने में बीस मिनट बाकी हैं, boss."

रेयान ने अपना बनाया circuit तोड़ दिया और हमारी तरफ़ नकचढ़ेपन से देखा, जैसे हम गाने सुनने के लिए बहरे हैं, जिन्होंने Mozart का तिरस्कार कर दिया।

बस किसी तरह हमने circuit समय पर पूरा कर लिया था, जब professor गोयल अंदर आए।

"हूँ.." circuit के तारों को ज़ोर से खींचते हुए professor ने कहा।

रेयान ने circuit बनाया था; वह इसमें माहिर था। हमने उस पर विश्वास किया।

"तो रेयान, अगर में 100-ohm की जगह पर 500-ohm का resistor लगा दूँ तो क्या होगा?"

"सर, हमें सब जगह ज़्यादा voltage मिलेगी, यद्यपि साथ-ही-साथ 'ताप हास' भी होगा।"

"हूँ.. " उत्तर सुनने के बाद professor गोयल ने अपनी ठोडी में खुजली की यानी रेयान का उत्तर ठीक था।

"अच्छा आलोक, ohm resistance जानने के लिए इस resistor की पट्टियों को आप कैसे पढ़ते हो?"

"सर, लाल पट्टी 100-ohm की, फिर नीली 10-ohm मतलब 110-ohm।"

हमारा group अच्छा कर रहा था। लेकिन professor गोयल अभी संतुष्ट नहीं थे। मेरी उम्मीद के विपरीत वह मेरी तरफ़ मुड़े।

"हाँ हरि, यदि मैं 110-ohm resistor के ऊपर एक और resistor जोड़ दूँ तो विद्युत प्रवाह पर क्या प्रभाव पड़ेगा?"

दिमाग घुमाने वाला एक प्रश्न। विद्युत प्रवाह नए resistor को जोड़ने के तरीके पर निर्भर करता है, क्रम में जोड़ा गया या

समांतर। क्रम में विद्युत प्रवाह कम हो जाएगा, समांतर में यह बढ़ जाएगा। हाँ यही था उत्तर। मैं ऐसा सोचता हूँ ठीक?

मैंने उत्तर का मनन किया था। लेकिन professor गोयल जब प्रश्न पूछ रहे थे तो सिर्फ घूर रहे थे। कोई आश्चर्य नहीं, क्योंकि प्रश्न से पहले उन्होंने मेरा नाम लिया था।

"सर.. " मेरे हाथ काँपने लगे। मेरी स्थिति देखने लायक थी।

"विद्युत प्रवाह पर क्या प्रभाव पड़ेगा?"

"सर. .मैं.. .सर.. " मैंने कहा, जैसे मेरे शरीर को लकवा मार गया हो। मेरा मतलब, मुझे पूरा उत्तर मालूम था। लेकिन अगर गलत हुआ तो? मैंने याद करने की कोशिश की, लेकिन मेरा उत्तर जबान पर नहीं आया।

"सर, विद्युत प्रवाह निर्भर... " स्थिति को संभालने के लिए रेयान बीच में बोला। professor गोयल ने अपनी उँगली उठाई।

"शांत, मैं आपके group के सदस्य से पूछ रहा हूँ आपसे नहीं।"

मैंने अपना सिर हिलाया और नीचे झुका लिया। कोई फायदा नहीं था, मैंने छोड़ दिया।

"हूँ.. " अपने चेहरे का कोई भी भाग खुजलाए बिना professor गोयल ने कहा, " इस संस्थान का स्तर दिन-प्रतिदिन गिरता ही जा रहा है। तुम क्या हो, commerce student?"

IIT के student को commerce student, कहकर professor ने बहुत बेइज़्ज़ती कर दी। संस्थान विज्ञान का मंदिर था और किसी भी स्तर वाले को जाति-बहिष्कृत या commerce student कहा जाता था।

professor गोयल ने हमारे group की प्रयोग पत्रिका पर c+ लिख दिया और हमारी तरफ़ फेंक दिया। मुझे लगता है, रेयान ने उसे पकड़ा था।

भौतिकी के प्रयोग पर बहस करने के लिए हमारे पास ज़्यादा समय नहीं था, क्योंकि परीक्षा अगले दिन शुरू होने वाली थी। परीक्षा समाप्त होने तक मैंने नेहा के साथ अपनी अगली मुलाकात भी स्थगित कर दी थी। professors की directory से टेलीफोन नंबर लेकर मैंने नेहा से एक बार बात की थी।

वह एकदम से बोली, "बिना सूचना घर पर फोन नहीं करना।" पर मैं उसे कैसे सूचना दूँ? जो भी हो, मैंने परीक्षा समाप्त होने के अगले दिन उससे मिलना तय किया।

semester की अंतिम परीक्षाओं में कुमाऊँ में हर कोई पढ़ता था। कमरों में पौ फटने तक लाइटें जलती रहती थीं। लोगों का बात करना दुर्लभ था-और वह भी जीवन या जैसे विषयों पर-और पूरी रात चलने वाले mess में अनगिनत चाय पीना। रेयान, आलोक और मुझे अपने छह course जल्दी-जल्दी दोहराने थे। परीक्षाएँ लगातार तीन दिन तक थीं। टेस्ट पर विचार-विमर्श करने के लिए थोड़ा ही समय बचा। मैं जानता था कि कुछ टेस्ट मैंने अच्छे किए हैं और कुछ बिलकुल बेकार। आलोक की त्योरी हमेशा के लिए चढ़ चुकी थी और रेयान ने पूरे प्रयत्न के साथ अपना आराम बनाए रखा; कोई चुटकुले बाजी नहीं, अंतिम परीक्षाओं से अच्छे-अच्छों की हवा निकल जाती है। manpro, appmech, भौतिकी, गणित, रसायन विज्ञान और computer। एक के बाद एक हमने खत्म कर दिए। जब परीक्षाएँ खत्म हो गईं तो ऐसा लगा कि मुसीबत से पीछा छूटा, यद्यपि परीक्षाओं के परिणाम सिर्फ दो हफ्ते बाद आते हैं।

परीक्षाओं और result के बीच के वे दो सप्ताह परम आनंद के थे। हालांकि दूसरा semester शुरू हो गया था, लेकिन किसी ने भी नया-वास्तव में नया-पाठ्यक्रम पढ़ना शुरू नहीं किया, जब तक कि वे यह न जान लें कि उन्होंने पहले semester में कैसा किया है। professors tests का मूल्यांकन करने में व्यस्त थे। नए कम दे रहे थे और हमें ख़ूब फालतू समय दे रहे थे। रेयान ने हमें शतरंज से पदोन्नत कर crossword puzzles बताया। गुप्त सूत्रों से लेकर तुकांत शब्द और एक शब्द से दूसरा शब्द बनाना तक सिखाया।

इसी बीच मैं नेहा से दूसरे semester की शुरुआत में एक शाम को मिला, हालांकि वह बहुत ही गुस्सा हो गई थी, जब मैंने उसे फोन किया था। वह स्थान वही ice-cream पार्लर था।

"हे भगवान तुम पागल हो क्या, घर फोन कर दिया?" उसने मुझसे मिलते हुए कहा।

मुझे क्या बोलना था, नहीं पता था। मैंने सोचा था कि उसका नंबर professors की directory से ढूँढ लाकर मैंने बड़ा ही महान कार्य किया है।

"और किस तरह मैं तुम तक पहुँचूँ?"

"मेरे माता-पिता लड़कों के फोन आने के ख़िलाफ़ हैं।"

मैं उसे बता नहीं सकता था, 'तुम्हारे माता-पिता तो एकदम पागल हैं।' इसलिए इसके बिलकुल विपरीत मैंने पूछा, "strawberry?"

उस दिन उसने एक शालीन सफेद रंग की सलवार-कमीज पहन रखी थी। उसने मेरे से कोन लेते हुए मेरा हाथ पकड़ा। वह बहुत ही ख़ूबसूरत है। मैं शब्दों में नहीं बता सकता।

"तो मैं तुम तक कैसे पहुँचूँ?"

"मुझे 11 तारीख को फोन करना।"

मेरे कोन से ice-cream पिघलकर गिरने लगी थी, जिसको ज़मीन पर गिरने से बचाने के लिए मेरा ध्यान नेहा की तरफ़ से हट गया था।

"हाँ?" मैंने हैरानी से पूछा।

"तुम किसी भी महीने की 11 तारीख को मुझसे बात कर सकते हो।"

मुझे नेहा बहुत ही ख़ूबसूरत लग रही थी।

"क्या? 11 तारीख क्यों?"

"क्योंकि इस दिन घर पर कोई नहीं होता है। क्या है कि मेरे भाई की मौत 11 मई को हुई थी। इसलिए हर महीने की 11 तारीख को मेरे माता-पिता उस मंदिर में जाते हैं, जो उस रेलवे ट्रैक के पास है, जहाँ उसकी मृत्यु हुई थी। वे पूरा दिन वहीं रहते हैं।"

"सच? और तुम नहीं जातीं?"

"मैं जाती थी। लेकिन उससे मुझे समीर की बहुत याद आती थी। मैं उसके बाद कई दिनों तक बहुत ही उदास रहती थी, इसलिए डॉक्टर ने मुझे जाने से मना कर दिया।"

उसने यह सब बड़े ही अजीब तरीके से बताया। ऐसा लग रहा था कि जैसे वह किसी ice-cream का tests चुन रही हो। लेकिन यह उसके रोने से तो बहुत बेहतर है, जो लोग जनता के बीच रोते हैं। मैं ऐसे लोगों को सहन नहीं कर सकता।

"सिर्फ 11 तारीख को?"

"अभी के लिए तो यही एक सुरक्षित तारीख है।" उसने कहा और हँस पड़ी, "क्यों? क्या तुम और ज़्यादा बार बात करना चाहते हो?"

मैंने उसे जवाब नहीं दिया। मेरा मतलब है कि मुझे यह बात अजीब लग रही थी कि मैं उससे सिर्फ एक ही तारीख को बात कर सकता हूँ जैसे कि मेरा किसी doctor से appointment हो। लेकिन लड़कियाँ अजीब ही होती हैं, मैं यह अब ही सीख रहा था।

"तो तुम मुझे बताओ।" उसने मेरे हाथ पर हाथ मारते हुए विषय बदलते हुए कहा, "तुम्हारे majors कैसे गए?"

वह मुझे किसी भी तरह से छूती थी तो बहुत ही अच्छा लगता था। मैं उसके स्पर्श से उसका प्रश्न लगभग भूल गया।

"majors...ज्यादा कुछ खास नहीं, results एक-आध हफ्ते में आ जाएँगे।"

"तो क्या तुमने अच्छा किया है?"

"ज्यादा कुछ खास नहीं।"

"क्या तुम चाहते हो कि मैं अपने पिता से कहकर तुम्हारे नंबर बढ़वा दूँ?" उसने कहा।

"क्या तुम ऐसा कर सकती हो?" मैं अंदर-ही-अंदर खुश हो रहा था।

"मैं मजाक कर रही हूँ।"

हाँ क्यों नहीं। वह मुझ पर ऐसे हँस रही थी जैसे मुझे वाकई बेवकूफ बना रही हो। जैसे कि मैंने उसकी बात पर विश्वास कर लिया कि वह मेरे नंबर बढ़वा देगी। लड़कियों को अपने चुटकुलों पर हँसना बड़ा ही अच्छा लगता है; लेकिन हँसती हुई नेहा एक चुपचाप रहने वाली नेहा से तो अच्छी ही है।

मैं अचानक उसकी ओर झुका, अपना चेहरा उसके चेहरे के पास लाया। उसकी साँस महसूस करते हुए दमघोंटू हँसी और गुलाबी जीभ। उसने मुझे आँख फाड़ कर देखा। मैंने अपने पीछे की जेब से बटुआ निकाला और फिर आराम से बैठ गया।

"क्या हुआ?" आलस्य से मैंने कहा।

"मैंने सोचा.. जाने दो।" उसने आँखें झपझपाई।

"ओह, जाने दो!"

"result निकल गए।" आलोक ने एक शनिवार की सुबह रेयान का कंधा हिलाते हुए कहा, जैसे कि इंडिया विश्व कप जीत गया हो या निर्वस्त्र लड़कियाँ बाहर घास पर लुढ़क रही हों।

"परीक्षा परिणाम आ गए हैं।"

"मैं सोना चाहता हूँ।" रेयान ने कंबल में अंदर घुसते हुए कहा, जिसे आलोक खींचने में सफल हो गया।

हम institute पहुँचे, जहाँ लड़कों की भीड़ अपने पहले grade देखने के लिए इकट्ठी हुई थी। इससे आप अपना grade point average जान सकते थे, 10 point के स्केल पर। सर्वप्रथम का GPA 10.00 के नज़दीक, जबकि औसत 6.50 के आस-पास। हम, चाहे जैसे भी, सूची में काफ़ी नीचे थे। scientific calculator के द्वारा आलोक ने हमारे score की गणना की।

"ठीक है, हरि के 5.46 और रेयान के 5.01 और मेरे 5.88।" आलोक ने कहा।

"इसका मतलब हम five pointer हैं।" मैंने कहा। जैसे कि एक बहुत सोची-समझी टिप्पणी की हो।

"बधाइयाँ आलोक! तुम हम सब में प्रथम आए हो।" रेयान ने कहा। हम सब में प्रथम, मैंने सोचा। जैसे कि हम बहुत तेज दिमाग या कुछ ऐसे ही समाज के सदस्य थे। ये बहुत ही दयनीय grade थे। 300 लड़कों की कक्षा में ऊपर के 200 लड़कों में हमारा स्थान था। आलोक ने score की गणना फिर से की, इस उम्मीद में कि calculator कुछ चमत्कार कर देगा। लेकिन IIT में चमत्कार कभी नहीं हुए सिर्फ़ बकवास grade आते हैं।

"Screw That. नरक है, मेरे सिर्फ़ 5.88. यह तो औसत से भी नीचे है।"

"हमें यह मालूम था, ठीक? रेयान ने कहा," जो भी हो। चलो, चिकन खाएँगे और जश्न मनाएँगे।" "जश्न!" आलोक बड़बड़ाया," मैंने अमेरिका की छात्रवृत्ति या एक अच्छी नौकरी का अवसर नष्ट कर दिया और तुम जश्न मनाना चाहते हो?"

"बड़े हो जाओ, मोटू। तुम क्या करना चाहते हो? दु:ख में ज़्यादा रट्टा लगाओ।" रेयान शांत था।

"shut up!" आलोक ने कहा। यह पहला अवसर था जब उसने यह शब्द इस्तेमाल किए थे। उसके मुँह से बड़ा अजीब-सा लगा। मेरा मतलब वह अभी बच्चा है।

"तुमने?" वह मेरी तरफ़ घुमा

"मोटू ने क्या कहा?"

वह खुराफ़ाती मुझे इसमें क्यों घसीट रहा था? रेयान ने अच्छी तरह सुना था कि आलोक ने क्या कहा था। वास्तव में, हमारे आस-पास खड़े लड़कों ने भी यह सुना था।

"चलो यार, hostel में चल कर बात करेंगे।" मैंने निवेदन किया। मैं परवाह नहीं करता, यदि वे एक-दूसरे को मार भी दें; लेकिन एकांत होना चाहिए। बात खत्म करने का उनका इरादा नहीं लग रहा था और एक क्षण के लिए मैंने सोचा कि वे मेरी उपेक्षा कर रहे हैं और वे वहीं हाथापाई करेंगे। किसी तरह, मुझे मालूम था कि यह रेयान-आलोक की हमेशा की बहस नहीं थी, यह था उनकी भीतरी तह, उनके मूल चरित्र का अंतर।

"चलो, चलो।" मैंने फिर कहा और उन्होंने अपने पैर scooter की तरफ़ खींचे। रेयान संभवत: जितनी तेज scooter चला सकता था उतना तेज चलाकर हमें hostel ले गया-जानबूझकर सड़क के हर गड्ढे में डालते हुए। उसका परेशान होने का अपना अजीब तरीका है।

रात का खाना खाने के बाद हम रेयान के कमरे में बैठे। institute से आने के बाद हमने एक शब्द भी नहीं बोला था। मैंने अपने कम GPA के बारे में थोड़ा सोचा था। हाँ five pointer होना काफ़ी बकवास था। आज के बाद हर professor जान जाएगा कि मैं औसत से नीचे के स्तर का विद्यार्थी हूँ और यह मेरे भविष्य के पाठ्यक्रमों के grade को भी प्रभावित करेगा। मैं कुछ five pointers को जानता था, जो पिछले साल campus भरती के समय suspend कर दिए गए थे। यह बिलकुल बकवास था। मैं ऐसी स्थिति में कैसे पहुँच गया? क्या मैं काफ़ी smart नहीं था? रात के खाने की मेज पर अन्य लड़के या तो उदासीन थे या फिर बहुत उत्तेजित। वहाँ पढ़ाकू वेंकट था, जो कभी कमरे से बाहर नहीं निकला था और खाने के समय हमेशा शांत रहता था। आज वह हँस रहा था। उसको 9.5 score मिला था। वह आलोक से आगे बैठा था और 6 में से 4 पाठ्यक्रमों में सर्वप्रथम आने की अपनी कहानी सुना रहा था। आलोक सिर्फ उसी से बात कर रहा था और हमारी पूरी तरह से उपेक्षा। वहाँ अन्य लड़के भी थे। हमारी विंग का एक हंसमुख सरदार भी एक सम्मान जनक 7.3 score लाने में सफल मैं सोचता हूँ कुमाऊँ में हम तीनों सबसे कम scoreवाले थे। मैं अपने भविष्य के बारे में अधिक विचार कर सकता था, अन्यथा इसकी कमी पर, लेकिन रेयान और आलोक के सूजे चेहरों ने मेरी अन्तर्दृष्टि भर दी।

हम एक साथ रेयान के कमरे में घुसे और आधा-एक घंटा चुप बैठे रहे। किसी ने भी किताब नहीं खोली, न एक-दूसरे की तरफ़ देखा और न ही एक शब्द बोला। मुझे आश्चर्य हुआ कि हम कब तक ऐसे चुपचाप बैठे रहेंगे। मेरा मतलब है कि यह इतनी बुरी बात भी नहीं हो सकती थी। हम कक्षा में उपस्थित हो सकते थे, साथ में पढ़ और खा-पी सकते हैं, चूहे जैसे चुप होकर। शायद इस वजह से हमारे grade भी अच्छे हो जाते। लोगों का बात करना इतना भी आवश्यक नहीं है।

लेकिन मेरा यह आशापूर्ण भ्रम आख़िरकार रेयान द्वारा तोड़ा गया।

"तो, तुम माफी नही माँगोगे?" उसने आक्रामक तरीके से कहा।

"माफी? मैं! माफी तो तुम्हें माँगनी चाहिए रेयान।" आलोक ने कहा।

"तुम्हीं हो, जिसने पूरे insti के सामने मुझे shut up कहा।" रेयान ने कहा, "और मुझे माफी माँगनी चाहिए? हरि, क्या तुम यह मान सकते हो? मुझे माफी माँगनी चाहिए।"

'अब इस सबका मुझ से तो कुछ लेना-देना नहीं था, इसलिए मैंने रेयान की उपेक्षा की। उन दोनों पागलों को आपस में ही समझौता करने दो।

"तुम्हें बिलकुल भी समझ में नहीं आ रहा है न?" आलोक ने कहा।

रेयान चुप रहा।

"क्या समझना है?" मैंने कहा। मेरा मैं सच में यह जानना चाहता था कि इस बेतुकी बहस में क्या नहीं समझ रहा था।

"तो यह समझो। आज मुझे 5.88 का GPA मिला। बकवास है यह 5.88. 200 से भी ज़्यादा छात्रों ने मुझसे अच्छा किया है। क्या तुम यह जानते हो कि मेरे बारह साल के स्कूल जीवन में मुझे कभी second rank नहीं मिली।"

दुनिया के अधिकतर हिस्सों में यह एक बड़े ही हारे हुए इनसान का कथन होता। यह घोषित करना कि तुम स्कूल में बड़े पढ़ाकू थे, कोई गर्व की बात नहीं है। लेकिन ऐसा ही है आलोक।

"तो?" रेयान ने कहा, "तुम्हारे grades ख़राब हैं। और किसी को क्या पता कि तुमने कितना रट्टा मारा था। मैं तुमसे क्यों माफी माँगूँ उसके लिए?"

"क्योंकि damn it...क्योंकि यह तुम्हारी गलती है।" आलोक ने कहा और खड़ा हो गया।

अब यह थोड़ा ज़्यादा हो रहा था। बेचारे रेयान को सिर्फ 5 का grade मिला और अब उसे आलोक से यह सब सुनने को मिल रहा था।

"मेरी गलती?" रेयान ने कहा और हँसने लगा-"हरि, ये सुनो। मोटू ने अपने grades खुद ख़राब करे, लेकिन गलती रेयान की है। मेरी गलती। सुनो आलोक, तुम पागल हो गए हो क्या?"

"कुछ कहो।" आलोक ने मुझसे विनती की।

"क्या कहूँ?" मैं उन दोनों की तरफ नहीं देख रहा था।

"ठीक है, अगर हरि में यह कहने की हिम्मत नहीं है; पर मुझ में है। तुम और तुम्हारे विचार रेयान। कम पढ़ो, समय सीमा, सबसे अच्छे वर्षों का मजा लूटना। यह system एक मशीन है बकवास, बकवास और बकवास, हर समय।"

रेयान भी अब अपनी कुरसी से खड़ा हो गया। मुझे लगता है कि खड़े होने से आपको अपनी बहस में एक सहारा मिलता है और आप गंभीर न उद्देश्यपूर्ण हो जाते हैं।

"मुझे पता है कि बहुत दुःखी हो, लेकिन इतनी ज़्यादा प्रतिक्रिया न करो। ये सबकुछ फालतू के grades...।"

"मैं अधिक उत्तेजित नहीं हो रहा हूँ।" आलोक ने कहा और फिर वापस बैठ गया।

"और ये सिर्फ फालतू के grades नहीं हैं मेरे लिए। मेरे पास तुम्हारी तरह डॉलर में कमाने वाले माता-पिता नहीं हैं। मैं इस संस्थान में एक उद्देश्य के लिए आया हूँ। अच्छा पढ़ने के लिए एक अच्छी नौकरी और अपने माता-पिता का ख़याल करने के लिए और तुमने सबकुछ नष्ट कर दिया।"

एक और अनुचित शब्द; मेरे ख़याल से आलोक अभी तक दुःखी था।

"हर समय बकवास बोलना बंद करो। " रेयान ने कहा।

"मैं जो चाहूँ वही कहूँगा। यही तो दिक्कत है। तुम्हें कोई कुछ नहीं कह सकता। तुम कुछ भी प्रस्ताव रखते हो, हरि कुछ भी सोचे-समझे बिना मान लेता है और हम सभी को वह करना पड़ता है। तुम एक बिगड़ैल लड़के हो। ऐसे व्यक्ति हो, जो तुम चाहते हो वही करते हो-बिना अपने दोस्तों के बारे में सोचे।"

"क्या? क्या कहा तुमने कि मैं अपने दोस्तों की परवाह नहीं करता?" रेयान ने कहा। उसकी आवाज का सुर अब बहुत ही डरावना हो गया था। मैंने उसके हाथों को थोड़ा-थोड़ा काँपते हुए देखा।

"नहीं। तुम किसी चीज की परवाह नहीं करते-पढ़ाई की नहीं, इस संस्थान की नहीं, अपने माता-पिता की नहीं और न ही अपने दोस्तों की। तुम सिर्फ मजा लेना चाहते हो।"

"तुम हद पार कर रहे हो।" रेयान ने चेतावनी दी, "मैं सीमा रेखा खींच रहा हूँ। आज से मेरा तुम्हारे साथ मिलना-जुलना, बात करना, घूमना बंद! यह आधिकारिक है।"

अब यह बिलकुल साफ था कि आलोक कुछ ज़्यादा ही प्रतिक्रिया कर रहा था।

"तुम क्या कह रहे हो, यार?" मैं कहा।

"कोई drop-shrop नहीं। मैंने तुम लोगों को पूरे पहले semester में सुना और सब बरबाद कर दिया।" आलोक ने कहा।

"तो तुम क्या करने जा रहे हो?"

"जैसा मैंने कहा, रेयान के साथ अब कोई घूमना-फिरना नहीं। आज से मैं वेंकट के साथ रहूँगा। वह मुझे अपने साथ पढ़ने देने के लिए सहमत है। तुम्हें मालूम है, उसे 9.5 मिले हैं?"

मुझे बड़ी खीझ हुई। कोई भी कुमाऊँ में वेंकट से बात नहीं करता था। अगर मौका दिया जाए तो वह अपने आपसे भी बात नहीं करता। उसका तो अच्छा था, लेकिन वह बिलकुल भी इनसान जैसा नहीं था। वेंकट सुबह चार बजे उठता था, ताकि वह classes से पहले चार घंटे पढ़ाई कर सके। हर शाम वह डिनर से पहले library में होता था। फिर डिनर के बाद, सोने से पहले दो घंटे और पढ़ता था। कौन रहना चाहता है ऐसे इनसान के साथ?

"तुम एक बुरे व्यक्ति हो, आलोक!" रेयान ने कहा,

"मेरे grades मेरे लिए महत्त्वपूर्ण हैं। मेरा भाग्य मेरे लिए महत्त्वपूर्ण है। क्या यह मुझे बुरा बनाता है?"

मैं आलोक के पास गया और उसके कन्धों में बाहें डालीं। मुझे लगा कि उसे इस पागलपन के बीच कुछ आराम की जरूरत थी।

"come on आलोक, हम और पढ़ सकते हैं।"

"मुझे 'come on आलोक' बोलना क्या तुम बंद कर सकते हो?" आलोक ने मेरा हाथ फेंकते हुए कहा। उसकी आवाज काँप रही थी।

"अब बस हुआ।" उसने कहा। उसका चेहरा भी उसकी माँ की तरह परेशानियों से भरा दिख रहा था।

उसके इस आनुवंशिक गुण ने मुझे बड़ा ही मुग्ध कर दिया। कोई कैसे रोऊ जीन होता? या यह कुछ ऐसा है जो उसने बड़ा होते-होते सीख लिया। शायद उसका परिवार कभी-कभी एक साथ रोता हो। माँ बहन और वह खुद रोता हो, अपने पिता के साथ जो कि एक आँख से ही आँसू निकाल सकते हैं।

"तुम्हें यह समझ नहीं आता कि मेरे पास जिम्मेदारियां हैं। मुझे अपने परिवार को सहयोग करने के लिए कुछ अच्छा करना ही पड़ेगा। मेरी माँ की आधी तनख्वाह मेरे पिता की दवाइयों में चली जाती है। उन्होंने पाँच साल से अपने लिए एक नई साड़ी भी नहीं खरीदी है।" आलोक ने रोते हुए कहा। उसे अपनी नाक साफ करने की जरूरत थी।

रेयान आलोक को देखने के लिए बैठ गया। कुचक्र करते हुए वह एक मिनट में दस 'बकवास' तो सुन सकता था, लेकिन रोना एक अलग बात थी। और पाँच साल में एक साड़ी वाली बात के ख़िलाफ़ कुछ कहना कठिन था। मेरा मतलब है कि हम उससे बहस कैसे कर सकते हैं? एक साल में कितनी साड़ियाँ आती हैं, मुझे नहीं पता? और रेयान के पास भी कोई ठोस जवाब नहीं होगा।

"और मुझे बहन की शादी भी करानी है।" आलोक और आगे बोलता गया, "सभी को मुझसे उम्मीद है। और तुम लोगों को यह समझ में नहीं आता। रेयान को तो शतरंज खेलना है, TV देखना है और अपने समय का मजा लेता है। लेकिन मुझे मौज-मस्ती से नफरत है।"

"अगर मैं सही बोलूँ तो क्या उससे बात कुछ बेहतर हो सकती है? मेरा मतलब है कि तुम जो बोल रहे हो, उसका कोई मतलब तो है नहीं। और यह पूरा माता-पिता का मामला-तुम्हें पता है कि यह सब मुझे नहीं समझ में आता।" मुझे दिखाई दिया कि रेयान अब पिघल रहा था।

लेकिन इससे आलोक का पारा और भी चढ़ गया।

"हाँ बिलकुल नहीं। तुम कैसे समझ सकते हो? वे तो तुम्हारे पास कभी थे ही नहीं।"

"वे मेरे पास थे। मेरा मतलब है कि वे अब भी मेरे साथ हैं। लेकिन मैं उनके लिए बैठकर रोता नहीं।"

"वह इसलिए क्योंकि तुम उन्हें प्यार नहीं करते।"

"हाँ नहीं करता। लेकिन मैं तुम्हारी तरह बच्चों जैसा रोता नहीं रहता।"

"चुप रहो!" आलोक चिल्लाया और रोता रहा।

"तुम एक बच्चे हो, एक डरपोक मोटे बच्चे। माफ करना डरपोक बच्चे, अब तुम अपनी नाक साफ कर लो।" यह रेयान ने कहा और हँसने लगा। यह ऐसा कुछ है जो वह हमेशा करता है, जब वह कुछ और करने की नहीं सोच सकता, एक वार्तालाप को पूरा करने का माध्यम।

"चुप रहो तुम...तुम..।" आलोक ने कहा।

"मुझे मेरी मम्मी चाहिए।" रेयान ने आलोक की नकल करते हुए कहा।

"चुप रहो तुम, अनाथ बालक!"

कभी-कभी हम इतना अनुचित कह जाते हैं कि फिर कुछ नहीं किया जा सकता। रेयान की हँसी nano second में ही गायब

हो गई। मैं सीधा होकर बैठ गया, भ्रमित जैसा। आलोक ने भी सबके हाव-भाव में बदलाव देखे और जम-सा गया। इसके बाद आई बीस seconds की खामोशी।

"अनाथ। हरि, इसने मुझे अनाथ कहा।" रेयान ने कहा। मैं चुप रहा। आलोक भी चुप रहा।

"बाहर निकल जाओ। जाओ, वेंकट और जिसके भी पास तुम रहना चाहते हो। बस, निकल जाओ यहाँ से।" रेयान ने कहा।

"हरि, तुम्हें मुझे बताने की आवश्यकता नहीं है।" आलोक ने रोना बंद करते हुए कहा।

"हाँ!" मैंने कहा।

"क्या तुम मेरे साथ आ रहे हो?"

"कहाँ?"

"तुम मेरे साथ रहना चाहते हो या रेयान के?"

यह तो सरासर नाइंसाफी थी। मेरा इन सबसे कोई लेना-देना नहीं था। लेकिन फिर भी, मुझे अब अपने दोस्तों में से किसी एक को चुनना पड़ रहा था।

"हाँ इस हारे हुए इनसान के साथ चले जाओ, हरि। जाकर इसका हाथ पकड़ लो।"

"मैं कहीं नहीं जा रहा हूँ।" मैंने कहा।

"तो तुमने रेयान को चुना।" आलोक ने हारी हुई आवाज में कहा।

"मैं किसी को भी नहीं चुनने वाला हूँ। तुम वह हो, जो यहाँ से जाने वाले हो। तुम जो चाहे करो।" मैंने कहा। मैं दोनों से खीझा हुआ था।

और कोई शब्द नहीं बोला गया। आलोक वहाँ से चला गया। रेयान ने अपनी पूरी ताकत से दरवाजा बंद कर दिया। यह पूरी तरह से प्रतीकात्मक था, क्यों कि हम अपने कमरों के दरवाजे कभी बंद नहीं करते थे।

"तुमने देखा, उसने क्या किया, और वह चाहता था कि तुम उसके साथ जाओ, हाँ।" रेयान ने कहा।

"बकवास!" मैंने कहा।

मैं जल्दी ही नेहा से मिला, वैसे तो मैं अब उस ice-cream पार्लर तथा उस strawberry tests से ऊब चुका था। नेहा अभी भी बहुत ख़ूबसूरत लग रही थी; लेकिन मेरा उससे बात करने का मन नहीं था। वास्तव में मेरा किसी से भी बात करने का मन नहीं था।

"सब ठीक तो है?"

"किस ने कहा, सब ठीक नहीं है?" मैंने कहा। अगर मैं चाहूँ तो काफ़ी झुंझला सकता हूँ।

"तुम्हारे चेहरे पर साफ लिखा है। क्या तुम मुझे बताने वाले हो या नहीं?"

लड़कियों की यही बात है। वह तुम्हारे आधे साइज की होती है, लेकिन अगर उसे पता है कि तुम उसे पसंद करते हो, वह तुम पर अपनी मरजी चलाने लगती है। वह अपने आपको क्या समझती है कि वह कौन है?

"कोई बात नहीं।"

उसने.अपना हाथ मेरे हाथ पर रखा और मैं मंदबुद्धि ice-cream से भी जल्दी पिघल गया; जैसे कि मेरे अंदर भागते हुए बुरे मूड के कीड़ों पर किसी ने बेगॉन छिड़क दिया हो।

"नेहा, वह bloody आलोक और रेयान।"

"अपनी भाषा देखो!"

"माफ करना, मेरा मतलब है मेरे दोस्त, मेरे सबसे अच्छे दोस्त...उनके बीच एक बड़ी बहस हुई और अब हमारा group टूट गया।"

"किस बात पर बहस हुई?"

"grades के बारे में। आलोक ने कहा कि यह रेयान की गलती थी, जो कि हमने अच्छा नहीं किया।"

"सच, कितना ख़राब?"

मैंने उसे हमारे five pointer grades के बारे में बताया।

"क्या तुमने five pointer कहा?" उसने कहा।

"अपनी भाषा देखी!" मैंने कहा।

"ओह माफ करना, मेरा मतलब था कि यह insti के स्तर से काफ़ी कम है।"

देखा, यही बात है। एक बार IIT में एक GPA आ गया, सभी लोग उसके बारे में अपना एक नजरिया बना लेते हैं-तुम्हारे बारे में, चाहे वह fashion design का छात्र ही क्यों न हो।

"मुझे पता है।" मैंने कहा, "लेकिन मैं उस वजह से परेशान नहीं हूँ। इस जगह से मैं घृणा करता हूँ।"

नेहा हँसने लगी। मैंने कहा था न कि वह कभी-कभी थोड़ी पागल हो सकती है।

"इसमें हँसने की क्या बात है?" मैंने चिढ़ते हुए पूछा।

"कुछ नहीं।"

"मुझे पता है।" मैंने कहा, "लेकिन यह बड़ा ही बकवास है। मेरे पास हज़ार चीजें हैं पढ़ने के लिए और मेरे grades भी ख़राब हैं, और अब मेरे पास कोई दोस्त भी नहीं है।"

"तो आलोक पढ़ना चाहता है, इसलिए वह पढ़ाकू के पास जा रहा है।" उसने मेरे द्वारा बताई गई पूरी घटना को संक्षेप में बताते हुए कहा, "लेकिन तुमने रेयान को क्यों चुना?"

“मैंने नहीं चुना, आलोक चला गया।” मैंने उसे याद दिलाया।

“तो अब तुम क्या करोगे?”

संदेह प्रकट करते हुए मैंने अपने कंधे उचकाए।

“तुम्हें पता है कि मेरे पिता एक ten pointer थे, जब वे एक छात्र थे?”

“वे छात्र भी थे?” मैंने चेरियन को कभी भी इससे कम नहीं समझा था।

“हाँ एक class topper. वे यह जानकर ज़्यादा ख़ुश नहीं होंगे कि मैं एक five pointer के साथ घूम रही हूँ।” उसने ख़ुश होते हुए कहा।

“तो अब तुम भी मुझसे बात करना बंद कर दोगी?” मैंने कहा।

“नहीं, मैं तो सिर्फ मजाक कर रही हूँ।” उसने कहा और हँसने लगी। वह हमेशा ऐसे क्यों करती है?

“जो भी हो।”

“यहाँ आओ।” उसने पार्लर में अपनी बगल वाली सीट थपथपाते हुए कहा।

“क्यों?”

“यहाँ आओ तो।”

एक पालतू पशु की तरह मैं उसके सामने वाली सीट से उठ कर उसकी बगल वाली सीट पर बैठ गया। सुंदर लड़कियों में अपना बनाने की शक्ति होती है, आदमियों को बकरा बनाने की।

उसने मेरा हाथ पकड़ा और अपना चेहरा मेरी तरफ़ किया।

“मुझे यह five pointer पसंद है।” उसने कहा और मेरा गाल चूमा।

“एक, दो, तीन, चार, पाँच। ” उसने गिना, हर बार मेरा दाहिना गाल चूमने के बाद-“देखो, अब यह इतना बुरा नहीं है।”

बकवास, मैं फिर पिघल रहा था।

“क्या मैं तुम्हें चूम सकता हूँ?”

“नहीं, मेरे पास GPA नहीं है।” उसने इशारा किया। मैंने उन लोगों को प्यार किया है, जिनके पास GPA नहीं था। मैंने उन सबको प्यार किया है, जो IIT में नहीं थे। मैं वापस नहीं जाना चाहता था। मैंने सोचा, क्या मैं ice-cream पार्लर में काम कर सकता हूँ? सारा दिन कोन भरूँगा और कभी भी class, course, grades व आलोक-रेयान की बहस के बारे में चिंता नहीं करनी पड़ेगी।

“चलो किसी दिन फिल्म देखते हैं। अगला शनिवार कैसा रहेगा?” उसने पूछा।

“ठीक रहेगा।” उस पार्लर के दिवास्वप्न से बाहर आते हुए मैंने कहा।

“great. अब मुझे जाना है। मैं तुम्हें इस पार्लर से दो बजे ले लूंगी। matinee show.” उसने कहा और चली गई।

मैंने पाँच मिनट इंतजार किया, प्रतिदिन पाँच विशेष की सूची पढ़ी और पाँच चुंबनों के बारे में सोचा। किसी तरह मैंने अपना five-point GPA बना लिया।

अधिक GPA पाने की ऐसी इच्छा थी जैसे सिर्फ उन ice-creamy चुंबनों की!

आलोक के विचार

तुमने मुझसे मोटू, रौतड़ा, रट्टा मार, डरपोक समझा है। तुम्हारे मन में मेरी ऐसी तस्वीर है कि मैं बड़ा नहीं होना चाहता, अटूट प्रतिभाशाली, जो अपने माता-पिता को साल-दर-साल अच्छा रिपोर्ट कार्ड दिखाकर चाहता है। आप मेरे बारे में अपनी राय बनाने के लिए आजाद हैं, grade के बारे में मेरा चिल्ल-पों करना, मेरा अपने group से अलग होना, मेरा ऐप्रन की पट्टियाँ काटने पर चुप्पी साधना, अपनी माँ से मेरा अत्यधिक लगाव-जो दिल्ली के एक कोने रोहिणी से दूसरे कोने IIT campus को सहज ही जोड़ता है।

हाँ चलिए, मुझे अवसर दीजिए कि मैं अपने तरीके से आपको बताऊं कि यह है आलोक गुप्ता, और महामान्य हरि ने मुझे अपनी भावनाएँ प्रकट करने के लिए थोड़ी-बहुत जगह दी है। लेकिन यह करने से पहले मैं आपको एक कहानी सुनाता हूँ।

एक बार की बात है, दिल्ली के एक उपनगर के एक मध्यम वर्गीय परिवार में एक लड़का रहता था। हम इस लड़के को looser के नाम से बुलाएँगे-थोड़ा आसान करने के लिए जिसके माता पिता क्रमशः कला और जीव विज्ञान के अध्यापक थे। looser अभ्यांस पुस्तिकाओं एवं कलाकृतियों से भरे साधारण घर में पला-बढ़ा और जूते के फ़ीते बाँधना सीखने से पहले चित्रकला सीखी। looser पढ़ाई में अच्छा था (घर पर दो अध्यापकों द्वारा उस पर ध्यान दिए जाने के कारण), लेकिन उसे पेंटिंग करना बहुत पसंद था। आयु वर्ग के अनुसार looser हर साल कला प्रतियोगिता में भाग लेता था। और ज़्यादातर में वह जीतता था। इनाम आते रहे-दर्जनों पेंटिंग सेट, सुंदर हस्त-लेखन के सेट और बाद में stationary के कूपन। यह बात साफ़ थी कि looser चित्र कला में औसत से ऊपर था। बड़ा होने पर वह एक कलाकार बनना चाहता था, पर यह सिर्फ़ एक हवाई सपना भर था। इसके लिए भारत में एक या दो ही कलाकारों के लिए स्थान है, जो 90 साल की है (या और अच्छे, मृत)। फिर भी looser ने इसकी परवाह नहीं की। वह जानता था कि वह यह कर दिखाएगा और लक्ष्य प्राप्त करने से उसे कोई नहीं रोक सकता।

लेकिन तब पता चलता है जब ज़िंदगी व्यक्ति को मजबूर करती है। बिलकुल उसी समय पर जब आपको लगता है कि जो चाहिए वह मिल गया। looser के पिता को भित्तिचित्र बनाने का काम मिला, जिसमें एक बार अच्छी कमाई हुई। इस काम में शिक्षा विभाग के सभाकक्ष की छत में चित्रकारी करना सम्मिलित था। भित्तिचित्र बनाना अपने आप में कठिन है और छत में बनाना बहुत ही कठिन है। बांस का मचान जैसा बनाया जाता है, जिस पर लेट कर कलाकार काम करता और एक ऐसी उत्तम कलाकृति बनाने की उम्मीद करता है, जिसे दुनिया का अगर उठाकर देखे और सराहना करे।

चाहे जैसे भी, looser के पिता को लोगों ने सिर्फ़ तब देखा जब वह बांस की मचान से दस मीटर नीचे गिरे और इससे उसका रास्ता बदल गया क्योंकि; क्योंकि किसी ने गिरने से नहीं रोका।

डाक्टर ने कहा, पिता को दाहिने भाग का लकवा मार गया है। पिता का आधा शरीर बेकार हो चुका है। लेकिन इससे भी बड़ी बात यह कि उनका पूरा हस्त कौशल भी चला गया था, कलाकारी करने वाला हाथ भी और साथ में looser का सपना भी।

looser के शय्या ग्रस्त पिता घर आए और बिस्तर पर से 10 साल से नहीं उठे। उनकी एक सही आँख से अकसर आँसू टपकते थे और कभी चित्रकारी न करने का दुःख एक के बाद दूसरी बीमारी लाता गया।

जल्दी ही पेंट के डिब्बे दवाई की बोतलों में बदल गए। एक नर्स की व्यवस्था करने के लिए पैसे नहीं थे, अतः looser को सेवा के लिए लगा दिया। तब वह कक्षा सात में था और स्कूल के शेष वर्षों में स्कूल से आने के बाद अपने पिता के बिस्तर के पास बैठता था।

कुछ समय उसने चित्रकारी की, लेकिन उसने जल्दी महसूस किया कि परिवार को पैसे की जरूरत है, चित्रकला की नहीं। IIT देश का अकेला संस्थान है, जो अच्छे भविष्य की पक्की गारंटी देता है। उसकी नजर उस पर टिक गई। हाँ, इंजीनियर बनना ही गरीबी से बाहर निकलने का रास्ता था।

looser की माह हर रात रोती थीं। लेकिन उन्होंने हार नहीं माननी ज़िंदगी की गाड़ी चलाने के लिए साल-दर-साल पाचन तंत्र और प्रजनन तंत्र पढ़ाती रहीं।

'एक दिन वे इस जंजाल से आजाद हो जाएँगे।' looser ने अपने आपसे प्रतिज्ञा की, तब वह रात में अपने पिता को करवट बदलने में सहायता कर रहा था, और IIT की प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए घिरनी, चुंबकत्व और गणित की पढ़ाई कर रहा

था। दो साल तक looser ने स्कूल जाने के अलावा घर से बाहर कदम नहीं रखा। अपना पंद्रह किलो वजन बढ़ाया और घास साफ करते ये गणित के सूत्र बड़बड़ाए।

और एक दिन उसने वह कर दिखाया। वह IIT में था। उसकी मां और अपाहिज पिता कितनी ख़ुश थे। हाँ, अनुशासन के और चार साल और वह हर एक को बंधन मुक्त कर सकेगा। इस तरह वह भी रेयान और हरि से मिला। और फिर, उनके साथ रहने के चक्कर में उसने अपने grade ख़राब कर लिए और institute में सबसे कम नंबर आए।

रेयान, व्यक्ति जो इसी क्षण के लिए जीता है, जो उसके जैसा नहीं बनना चाहता? अमीर माता-पिता, सुंदर दिखने वाला, IIT में प्रवेश पाने के लिए काफ़ी smart, खेलों में अच्छा करने के लिए मजबूत शरीर और दोस्तों को आकर्षित करने की कला। रेयान संक्रामक है, और हरि इस संक्रमण का एकदम सही उदाहरण है। अगर रेयान कुछ चाहता है, हरि उसे देता है। इसी तरह, अगर रेयान पढ़ना नहीं चाहता तो हरि अपनी किताब बंद कर देगा। रेयान एक रंग-बिरंगा और 'जिसका पैसा उसकी धुन' वाला व्यक्तित्व है।

मुझे याद है, जब वह एक बार घर आया था, बाहर ले जाने के लिए उसने मेरे पिता को हाथों में उठाया था, और auto में भी उठाए रखा था। अस्पताल में अच्छा बिस्तर लेने के लिए भी उसी ने वहाँ के कर्मचारियों से तर्क-वितर्क किया और रात के तीन बजे तक हमारे साथ रहा। हाँ, रेयान अच्छा है, वह बहुत-बहुत अच्छा है। इसीलिए वह अनजान freshers के लिए टूटी कोक की बोतल मंगाता है? या अपने नए scooter पर तीन आदमी बैठा कर उसको ज़्यादा वजन से ख़राब करता है, उसमें से दो भारी-भरकम है।

लेकिन रेयान के बारे में और भी है। जैसे उसके माता-पिता उसे हर दूसरे हफ़्ते एक पत्र भेजते हैं। वह उनमें से किसी का भी जवाब नहीं देता। हाँ, वह आपको बताएगा कि व उन्हें प्यार नहीं करता या कुछ ही बकवास करेगा। लेकिन सच है कि वह हर एक पत्र को व्यवस्थित ढंग से file में रखता है। रात में जब वह अपने कमरे में अकेला होता है, वह पत्र खोलता है और उन्हें फिर पढ़ता है। मेरा मतलब अगर वह इतना अच्छा है, और सबकुछ है, वह कभी-कभार उनको पत्र का जवाब क्यों नहीं भेजता? और उन पत्रों को वह फिर बार-बार क्यों पढ़ता है? मुझे मालूम है कि रेयान की कुछ समस्याएँ है और हरि अंधा है।

देखो, यद्यपि मैं रेयान के बारे में कुछ समझ गया हूँ लेकिन हरि को तो मैं बिलकुल नहीं समझ सका। मेरा मतलब वह मेरे जैसा ही है-साधारण, बदसूरत, मोटा और सुस्त है। लेकिन वह कुछ अलग बनना चाहता है-जैसे कोई अच्छा smart और रेयान की तरह तेज। लेकिन मन-ही-मन वह जानता है कि यह संभव नहीं है। वह हमेशा एक भयभीत बच्चे जैसा रहेगा, जो मौखिक परीक्षा के समय मृत जैसा हो जाता है। जो अच्छा नहीं है वह अच्छा नहीं हो सकता। यदि वह इसे स्वीकार करे तो सीधा सोचने के लायक हो जाएगा लेकिन वह यह नहीं स्वीकारता, और इसीलिए वह operation operation के साथ गया।

जब मैं पहली बार उनसे अलग हुआ तो मैं वाकई नहीं जानता था कि मैंने सही काम किया है। लेकिन operation operation के बाद मैं निश्चिन्त नहीं हूं कि मुझे कभी वापस आना चाहिए। ठीक है, यही जीवन हैं। और यह तुम्हें तभी परेशान करता है, जब तुम यह समझते हो कि तुम इसे समझ गए हो।

एक साल बाद

मैं जानता था, आलोक को हमसे अलग हुए 365 दिन हो गए; क्योंकि तीसरे semester के परिणाम सही उसी दिन आए थे। वे कितने विसंगत प्रतीत हो रहे थे; एक बार और पाँच दशमलव कुछ। IIT समाज में एक बार फिर आपकी योग्यता की मुहर लगी। मैं और रेयान परिणाम देखने institute गए; लेकिन यह संयोग ही था, वास्तविक कारण तो यह है कि हम institute की छत पर मौज-मस्ती करने गए थे।

मुझे याद नहीं है कि इस छत की खोज हमने कब की थी, शायद हमारे भाँग की सिगरेट पीना शुरू करने के तुरंत बाद ही, जो हमारा vodka पीना शुरू करने के तुरंत बाद ही था, जो हमारा pink Floyd सुनना शुरू करने के तुरंत बाद ही था। Floyd, vodka, भाँग और institute की छत; आख़िरकार हम वह सब करने लगे, जिसके जीवन में वाकई कुछ मायने थे, वह सब चीज जिन्होंने IIT के जीवन को सहन करने की शक्ति दी, विशेषतः जब हम 'पाँच दशमलव कुछ' पर थे।

institute की विशाल building के नौ तल थे। छत पर जाने के लिए किसी को भी नौवें तल पर बनी गुप्त सीढ़ियों से जाना पड़ता था। छत पर जाने वाले दरवाजे पर एक पुराना ताला लगा था, लेकिन भगवान की कृपा से कुंडी उससे भी प्राचीन थी। रेयान ने तीन मिनट में पेचकस से उस जंग लगी कुंडी को खोल दिया और तब हम सातवें आसमान पर थे, campus का सबसे ऊँचा स्थान। यह खुली समतल छत खुरदुरे सीमेंट से बनी थी और कोई मुँडेर नहीं थी। यह ज़्यादातर खाली थी, एक घंटा घर और कुछ dish antenna, के अलावा जो computer और telecom नेटवर्क में सहायता करते थे, अँधेरा होने के बाद सिर्फ आसमान में तारे नजर आ रहे थे। यदि कोई खड़ा होकर नीचे की ओर देखे तो campus की सड़कों की street light देख सकता था और एक किलोमीटर दूर कुमाऊँ व अन्य hostel दिखाई पड़ते थे। रेयान ने vodka खोलकर रख दी, भाँग की सिगरेट और उसका छोटा लगातार चलता रहने वाला Walkman, जो हमारा सप्ताह में दो बार का नियम था।

हम छत पर लेट गए जो सूर्य की किरणों से अभी भी गरम थी। रेयान ने इयर फोन के जोड़े को इस तरह विभाजित कर दिया कि एक उसके पास था और एक मेरे पास। उसने मुझे भाँग भरी सिगरेट दी और vodka की बोतल बीच में रखी। एक बार vodka, फिर सिगरेट, vodka, Floyd को rewind करना और चलाना।

हम गानों के स्वरों में बह गए और हमें आसमान में उड़ने जैसा महसूस होने लगा, जैसे-जैसे vodka और भाँग भरी सिगरेट पीते गए।

"देखो, ये बच्चे GPA को लेकर कैसे रो रहे हैं!" रेयान ने धुएँ का छल्ला बनाते हुए कहा।

मैं सोचता हूँ कि धुआँ बहुत सुंदर है; भार-रहित और निराकार। जैसे ही इसे कोई छोड़ता है, यह शक्तिहीन होने का भ्रम कराता है। यह हमारे अंदर से आता है, फिर भी हम सभी से ऊपर उठ जाता है। बकवास, मैं कला की बात कर रहा हूँ भाँग से मुझे ऐसा होता है।

"हाँ, मैंने उसे देखा। और मैं देख रहा हूँ कि वे हमें कैसे देख रहे हैं।" मैंने कहा।

"कैसे?"

"वैसे हम वहाँ किस लिए हैं? हमारे इतने ख़राब GPA से क्या फर्क पड़ता है? जैसे कि हम उनके देखने में बाधा बन रहे हैं।"

"सताओ उनको।" रेयान ने कहा, सबकुछ जानने वाले व्यक्ति के ज्ञान के शब्द।

"हाँ यह सच है। " मैंने कहा, "हम वाकई यहाँ किसी काम के नहीं।"

"हाँ, हम हैं। हम कम GPA लाते हैं।"

"तो?"

"इसलिए हम औसत नीचे ले आते हैं। वे अच्छे दिखते हैं। इस तरह हम उनके जीवन में ख़ुशी लाते हैं।"

"बात है!" मैंने स्वीकार किया।

"लेकिन मुझे लड़कों से परेशानी नहीं है, professor से है।"

"तुम design class के बारे में बात कर रहे हो?"

"हाँ, वह professor भाटिया। मेरा मतलब, तुम वहाँ थे न? मैंने उसे अपना विचार बताया कि एक झूले वाला पुल कैसे design किया जा सकता है और वह उत्तेजित हो गया। उसने मुझे एक माप की ड्राइंग बनाकर जमा करने को कहा कि वह मुझे एक विशेष प्रशिक्षण योजना पर काम करायेगा। फिर उसने मेरा नाम पूछा और मेरा GPA ढूँढ लिया। फिर उसने मुझे बुलाया और कहा कि ड्राइंग और प्रशिक्षण के बारे में भूल जाओ। क्या तुम उस घटिया आदमी के ऊपर विश्वास कर सकते हो?" रेयान ने कहा।

हम एक-एक सिगरेट खत्म कर चुके थे। रेयान दूसरी सिगरेट बनाने बैठ गया। वह भाँग और तंबाकू को ऐसे ज़ोर से रगड़ रहा था जैसे कि वह professor भाटिया के आंतरिक भागों को रगड़ रहा हो।

"screw him." मैंने रेयान को उसके ज्ञान के शब्द वापस कर दिए। हमने अपने गिलास दोबारा भर लिये। छत पर अँधेरा होता जा रहा था।

"हाँ सभी professors को screw करो।" रेयान ने कहा।

"हाँ। हालांकि professor वीरा बिलकुल ठीक है।" वीरा तरल यांत्रिकी का professor था।

"हाँ, उसको नहीं। हालांकि मैंने सुना है कि एक और भी बुरा है। " रेयान ने दूसरी सिगरेट सुलगाते हुए कहा।

"कौन?" मैं संशय में था कि क्या मुझे दूसरी सिगरेट पीनी चाहिए? रेयान की सहनशक्ति बहुत ज़्यादा थी और वह शायद इस भाँग से पूरा खाना बना सकता है। लेकिन मुझे मालूम था कि मैं भ्रमित हो रहा हूँ। वैसे, मैंने अपने आपको पंख की तरह हलका महसूस किया; यहाँ ऊपर मैंने महसूस किया, जैसे मैं संसार के ऊपर तैर रहा था। सारे professor सारे लड़की को, सारे design assignments को screw करो।

"professor चेरियन।"

"नेहा का पिता?" कुछ होश में आते हुए मैंने कहा।

"हाँ! कहते हैं कि वह वाकई ख़तरनाक है। वह विभागाध्यक्ष है और दूसरे professors एवं लड़कों के लिए भी सनकी है।"

मैं जानता था कि नेहा का पिता सनकी था, कम-से-कम अपनी लड़की के लिए।

"तुमसे किस ने कहा?"

"यह तो सब जानते हैं, मेरे seniors से पूछो। जो भी हो, record के लिए अनुराग ने मुझे बताया।"

"तो यह सनकी हमें कब पढाएँगे?"

"अगले साल। वह तीसरे साल के course लेते हैं।" रेयान ने कहा।

"अगले साल बहुत दूर है। एक और भाँग की सिगरेट देना। इस जगह को छोड़ने में अभी दो साल और हैं। और सबसे बेकार professor तो आने अभी बाकी हैं।"

"यह लो।" रेयान ने मुझे बेडौल-सी सिगरेट देते हुए कहा।

"छोड़ो, मुझे grades और professors के बारे में कोई बात नहीं करनी। किसी और चीज के बारे में बात करते हैं। " मैंने कहा।

रेयान चुप रहा। मेरे हिसाब से, वह शायद बात करने के लिए किसी विषय के बारे में सोच रहा था।

"तो तुम्हारी वह लड़की कैसी है?" उसने अपने दिमाग पर 20 सेकंड तक ज़ोर लगाने के बाद कहा।

रेयान नेहा को ऐसे ही संबोधित करता था। वह कभी उसका नाम नहीं लेता, जैसे कि उसका 'मेरी लड़की' उसके नेहा होने से ज़्यादा जरूरी है।

"नेहा बहुत ही अच्छी है। हम अगले हफ्ते फिल्म देखने जा रहे हैं।"

"तो तुम लोग एक-दूसरे के बारे में गंभीर हो?"

"किस बारे में गंभीर?"

"मुझे पता नहीं, क्या तुम उसे प्यार करते हो?"

"मुझे नहीं पता।" मैंने कहा।

आदमी अपने संबंधों के बारे में ऐसे ही बातें करते हैं। किसी को भी कुछ नहीं पता होता-न तो सवाल पूछने वाले को और न ही जवाब देने वाले को।

"क्या उसने कुछ कहा?"

"तुम तो जानते हो, वह कैसी है। शायद इतनी मनमौजी है। कभी-कभी तो वह मुझ पर बहुत प्यार जताती है, हाथ पकड़ती है और साथ में फिल्म देखने की बात करती है। लेकिन जब मैं कुछ करने की कोशिश करता हूँ तो वह मुझे रोकती है और मुझे कैसे व्यवहार करना चाहिए और कैसे वह एक अच्छी लड़की है, उस पर भाषण देती है।"

"तुम क्या करते हो? मैं जानता हूँ तुम क्या चीज हो!" रेयान ने कहा और हँसने लगा। जो लोग तुम्हें अच्छी तरह से जानते हैं, उनकी यही बात होती है, वह तुम्हें सुनने से पहले ही तुम्हारे बारे में अपनी धारणा बना लेते हैं।

"मैं कुछ नहीं करता। मेरा मतलब है, क्या तुम्हें पता है कि हमने अभी तक चुंबन भी नहीं किया है? मैं उससे बीस बार मिल चुका हूँ; लेकिन हर बार मुझे धक्का ही मिलता है। उसकी पालिसी थोड़ी दूर रहने की ही है।"

"लगता है, लड़की बहुत अच्छी है। तुम भाग्यशाली हो।"

"अच्छी को मारो गोली। मुझे अच्छी नहीं चाहिए।"

यह सच है, अच्छे लोग बिलकुल बोरिंग होते हैं। वे भाँग की सिगरेट नहीं देते और चुंबन भी नहीं करने देते।

"तो उससे बात करो। उसको बोलो कि थोड़ी नटखट बने।" रेयान ने कहा।

"क्या तुम पागल हो? वह एक लड़की है। लड़कियाँ कभी भी बुरी नहीं बनना चाहती।"

"वे चाहती हैं। बस, हमसे थोड़ा सा कम।"

मैं कल्पना नहीं कर सकता था कि नेहा वह सब करना चाहती है, जो मैं उसके साथ करना चाहता हूँ।

"मैं तुम्हारी बात पर विश्वास नहीं करता। क्या तुम्हारी कभी कोई girlfriend थी?" मैंने पूछा।

"तो मत विश्वास करो। छोड़ो, लड़कियों के बारे में बहुत बात हो चुकी। अब एक drink लगाते हैं और टेप बदलते हैं।" रेयान ने कहा।

रेयान ने अपने बारे में कभी भी ज़्यादा बातें नहीं कीं। कभी-कभी मुझे लगता है कि कहीं वह सम लैंगिक तो नहीं। लेकिन वह नहीं था, मेरा मतलब है, मुझे पता चल जाता। वस्तुतः मैं उसके साथ रहता था। उसने तो मुझे आकर्षित नहीं किया। मैं समझता हूँ कि ऐसा होता तो मैं जान गया होता। लेकिन वह सम लैंगिक नहीं था, क्योंकि फिल्मों में अभिनेत्रियों को वह ध्यान से देखता था, सड़क पर सुंदर लड़कियों को देखकर सीटी बजाता था। शायद ज़्यादातर समय वह औरतों के बारे में नहीं सोचता था।

उसने टेप बदला और एक दूसरा pink Floyd का गाना चालू किया। बोतल का स्तर कम होता जा रहा था और रेयान अपने बैग में आज की आख़िरी भाँग की सिगरेट ढूँढ रहा था। अर्ध-चंद्र की रोशनी ने आसमान को प्रकाशमान कर रखा था और आत्म

संतुष्ट छोटे-छोटे चमकदार तारे हमारी तरफ़ ऐसे टिमटिमा रहे थे जैसे ऊँचे GPA वाले लड़कों की तरफ़ देख रहे हों।

तुम Floyd के बारे में जानते हो? यह केवल बहुत अच्छे ही नहीं, बल्कि हर एक drink के बाद और अच्छे लगते हैं, जैसे कि गायकों ने उन्हें शराब के लिए बनाया है। जैसे समोसा-चटनी, इडली-साँभर या राजमा-चावल वैसे ही Floyd और vodka के मेल की अपनी श्रेणी है।

"तुम जानते हो, आज का दिन मुझे क्या याद दिला रहा है?" रेयान ने कहा।

"क्या?"

"पहले semester के result। तुम्हें याद है?"

"हाँ मुझे याद है। वह पहला बुखार।"

"और उसके बाद?"

"क्या?"

"मोटा हमें छोड़ कर चला गया।"

रेयान अभी भी उसे 'मोटा' के नाम से बुलाता था। यद्यपि यह अपमानजनक है, लेकिन हमेशा अनुग्रह भाव से लिप्त होता था। पिछले पूरे साल रेयान ने आलोक से बात नहीं की और मुझे भी नहीं करने दी।

"उसके पास मत जाना। वह हमें छोड़ कर गया है।" उसने कहा। मुझे मालूम था कि अगर मैं उसके विरुद्ध गया तो रेयान काफ़ी नाराज हो जाएगा।

"आज आलोक की याद कैसे आ गई?" उचक कर बोतल में कितनी vodka बची है यह देखते हुए मैंने पूछा। ऐसी बात करने के लिहाज से रेयान बहुत ज़्यादा पी चुका था।

"आज मैंने उसका ज़िक्र किया। मैं अकसर उसके बारे में सोचता हूँ।"

रेयान पूरे आनंद में था। भाँग और vodka बिलकुल उचित मात्रा में मिश्रित हो गए थे। "screw हिम।" गाने की अपनी मनपसंद लाइनें सुनते हुए मैंने कहा।

"तुम क्या सोचते हो कि वह इस समय क्या कर रहा है?" रेयान ने कहा।

"कौन?" मैंने कहा, "आलोक?"

रेयान ने सिर हिलाया।

"शायद वेंकट के साथ रट्टा लगा रहा होगा। मैंने सुना है कि वह अब six pointer है।" मैंने कहा।

"हरि, तुम जानते हो, आलोक ने सही किया?"

"हाँ सही।"

"नहीं, मैं सच बोल रहा हूँ। तुम्हें भी मुझे छोड़ देना चाहिए। मैं तुम्हारे लिए अच्छा नहीं हूँ।"

अब देखो, यहाँ यह क्या चल रहा है, मैंने सोचा। क्या मैं अपना मज़ेदार नशा रेयान को अपनी जरूरत महसूस कराने में ख़राब करने जा रहा हूँ और अपने बारे में अच्छा? मेरे पास दो विकल्प हैं : एक, उसको कहूँ कि चुप रहे और गाने का मजा ले; दूसरा, जो वह कहे मैं वही करूँ।

"क्या बात है रेयान? अच्छा महसूस नहीं कर रहे हो?"

"नहीं, मैं ठीक हूँ। तुम्हें मुझे छोड़ देना चाहिए। मुझे सब छोड़ देते हैं। वे ठीक ही होंगे।"

"क्या?"

"वे सब करते हैं। डैड, मोम, आलोक... वे सब छोड़ गए।"

"भावुक होने की जरूरत नहीं है। रेयान, इस शाम का आनंद लो।"

"तुम सोचते हो, मोटा ठीक था? तुम सोचते हो, मैंने उसका ध्यान नहीं रखा?" उसने अधिकारपूर्वक पूछा।

मैं नफरत करता हूँ जब लोग सुनिश्चित होना चाहते हैं-आपके पास कोई विकल्प नहीं होता, इसको निभाने के अलावा।

"नहीं रेयान, आलोक गलत था। वह एक दिन इसका एहसास करेगा। अब अपनी आँखें बंद करो और आनंद की अनुभूति करो।" मैंने सलाह दी।

मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं। अब भाँग की सिगरेट और vodka के ऊपर मेरे अंदर के सिपाही का पूरा नियंत्रण था। मैं वह देख रहा था, जो मैं देखना चाहता था। नेहा को मैंने अपने साथ बैठे देखा, मुस्कुरा रही है और मेरे से गले मिल रही है। उसके बाल और खास तौर पर वह मुलायम लट मुझे छू रही थी। उसका गोल चेहरा चाँद की तरह लग रहा था या मैं वाकई चाँद देख रहा था?

यह भ्रांति जनक है और भाँग की सिगरेट मुझे अच्छा बना रही है; लेकिन मैं अच्छा बनना चाहता हूँ। मैं विचारों में इधर-उधर भटकता रहा, जब तक कि रेयान ने मुझे टोका नहीं।

"institute की छत के बारे में तुम सबसे अच्छी बात जानते हो?" वह मेरे सामने खंभे की तरह खड़ा हो गया।

"कि कोई नहीं जानता कि हम यहाँ हैं।"

"नहीं। सच यह है कि तुम्हारे पास हमेशा एक विकल्प है।"

"क्या विकल्प?" "तुम किनारे पर से कूद सकते हो और इस सबको खत्म कर दो।"

"चुप रहो, रेयान।" मैं मुश्किल से बैठ पाया।

"मैं सच कह रहा हूँ। वे जो चाहे कर सकते हैं, लेकिन मैं अभी भी अपने विकल्प पर नियंत्रण कर सकता हूँ।"

"रेयान, तुम बहुत पिए हुए हो। मैं वापस जाना चाहता हूँ।" जल्दी संयम में आते हुए मैंने कहा, "कभी-कभी तुम अपनी व्यावहारिक बुद्धिमत्ता से कम स्तर का काम करना चाहते हो।"

हमने चौथे semester की applied mechanics की कक्षा कभी नहीं छोड़ी और उसका कारण थे professor वीरा। और सच यह भी है कि वह कक्षा दोपहर में होती थी और हम भी तब तक ही जाग पाते थे। professor वीरा एकदम अलग थे। एक बात तो यह थी कि वे अन्य professors की तुलना में बीस साल कम उम्र के थे। तीस से ज़्यादा नहीं। jeans और टी-शर्ट पहनते थे, जिस पर अमेरिकन यूनिवर्सिटी का चिह्न बना था। उनके पास पाँच सबसे अच्छे विश्वविद्यालयों की स्नातक उपाधियां थीं MIT, कोरनेक, princeton इत्यादि और उन सभी की T-shirts. वे अपना सीडी मैन अपने साथ रखते थे। class के बाद वे ईयर पीस कान में लगाकर ही कक्षा छोड़ते थे। लड़कों ने बताया कि professor वीरा ने institute में जल्दी ही नौकरी शुरू की थी और उन्हें इतनी जल्दी पूरा पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाना चाहिए था। उन professor को हृदय रोग हो गया, जिनके वे सहायक थे। इस कारण प्रो वीरा हमें पढ़ाने लगे।

"हाय!" class में प्रवेश करते हुए professor वीरा ने कहा। उन्होंने पहली पंक्ति के विद्यार्थियों को chewing gum दी। पहली पंक्ति में सब रट्टा मार nine pointer बैठे थे, और उनके chewing gum देने पर अचंभे में पड़ गए। उन्होंने मना कर दिया। उन्होंने अपने कंधे उचकाए और एक अपने मुँह में डाली तथा black board की तरफ़ मुड़ गए।

"turbulant flows. " उन्होंने बड़े-बड़े अक्षरों में board पर लिखा।

"guys, पहले पाँच lectures में हमने साधारण बहाव के बारे में पढ़ा। जिसे laminar बहाव कहते हैं। इन बहावों के आकार और दिशा के सूत्रों व समीकरणों की सहायता से भविष्यवाणी की जा सकती है। तुम जानते हो, कौन से समीकरण सही हैं?"

उन्होंने उत्तर के लिए चारों तरफ़ देखा। दूसरे professors की तरह नहीं, वे सिर्फ पहली पंक्ति तक ही सीमित नहीं रहे। वास्तव में उन्होंने अंतिम पंक्तियों पर भी ध्यान दिया। "ठीक है, मैं सारे प्रश्न बुद्धिमान छात्रों से ही पूछने नहीं जा रहा हूँ। मैं अंतिम पंक्ति में बैठे cool dudes से पूछना चाहता हूँ।"

रेयान और मैं तो अंतिम पंक्ति में ही बैठते थे, थोड़ा छिपकर। जाति बहिष्कृत five pointers के लिए यह सबसे सुरक्षित स्थान था। लेकिन professor वीरा ने इसकी परवाह नहीं की।

"रेयान, बताओ, laminar बहाव का पहला मुख समीकरण कौन सा है?"

"सर, मैं...?" रेयान ने कहा। आश्चर्य हुआ कि professor उसका नाम जानते हैं।

"हाँ, तुम रेयान। मैं जानता हूँ कि तुम उत्तर जानते हो।"

"navier stokes समीकरण।"

"सही। तुम पूरी class के लिए लिखकर दिखाना चाहते हो?"

रेयान दौड़ कर board के पास पहुँचा और पहली पंक्ति के नाइन pointer मुस्कुराए कि एक five pointer class के लिए योगदान देगा।

यद्यपि समीकरण सही था; रेयान board तक नहीं जाता, जब तक कि वह यह न जान ले कि वह सही है।

"बहुत अच्छा, धन्यवाद रेयान। अच्छा, पिछले टर्म paperमें scooter के पेट्रोल के उपयोग पर lubricant की कार्य-क्षमता के बारे में तुमने ही लिखा था?"

"जी हाँ Sir."

"क्या यह सच है कि यह परिणाम तुमने अपने scooter पर test किया है?"

"हाँ मैंने किया है, Sir. यद्यपि बिलकुल सही तरीके से नहीं।"

"वह मुझे अच्छा लगा।" professor वीरा ने नाइन pointers की तरफ़ देखते हुए कहा, जो रट्टू तोतों की तरह notes बनाने में व्यस्त थे-"मुझे वास्तव में अच्छा लगा।"

रेयान अपनी सीट पर वापस आ गया। मैं कह सकता था कि उसे fluid mechanics बहुत पसंद था और उससे भी ज़्यादा उसे professor वीरा पसंद थे। वह कभी भी fluid mechanics की class नहीं छोड़ता था और वह professor वीरा के लिए कुछ भी करने को तैयार रहता था। लेकिन बाकी sub-tasty design के professor, solid mechanics के बहुत ही अरोचक professor, assignment पर assignment देने वाले thermo dynamics के professorयह एक अलग ही किस्सा थे। अगर रेयान का बस चलता तो उनकी आंतों को machining workshops की खराद मशीन से काट देता।

मैं fluid mechanics की class के एक हफ्ते बाद नेहा से प्रिया सिनेमा में मिला। मैं यह कहता कि मैं अपनी girlfriend से मिला; लेकिन मैं अभी इसके लिए पूरी तरह से निश्चिन्त नहीं था। मैं उसे एक साल से अधिक से जानता था; लेकिन वह मुझे अलग-अलग नामों से बुलाती थी, क्योंकि वह उसके मूड पर निर्भर था। पहले मैं सिर्फ एक दोस्त था। फिर मैं एक अच्छा दोस्त बन गया; फिर एक दोस्त जो बहुत ही खास था। फिर बहुत ही बहुत ही अच्छा और खास दोस्त और ऐसी बकवास। उसके लिए किसी को boy friend बुलाना एक बड़ी बात थी। उसके पिता ने उससे वचन लिया था कि उसका कोई boy friend नहीं होगा और वह यह वचन निभाना चाहती थी। हाँ, इसने उसको मेरे साथ हाथ में हाथ डालकर एक साल से भी अधिक समय तक दो हफ्ते में एक फिल्म देखने से नहीं रोका।

"फिर देर से?" उसने कहा। मुझे कम-से-कम दो मिनट देर से आना चाहिए था। "fluid mechanics की class थी। professor वीरा देर तक पढ़ाते रहे और हमें यह महसूस नहीं हुआ।"

"professor वीरा वही युवा व्यक्ति न?"

"हाँ तुम उन्हें जानती हो?"

"नहीं तो। पिताजी उनका ज़िक्र करते हैं। मुझे लगता है, पिताजी उनसे घृणा करते हैं।"

"तुम्हारे पिताजी एकदम ... लगते हैं।"

उसने अपनी भौंहें चढ़ाई।

"चलो, अंदर चलें। मैं ट्रेलर नहीं छोड़ना चाहता।"

फिल्म थी 'total recall', एक और विज्ञान से भरपूर ड्रामा। दिल्ली के सिनेमा घरों की अंग्रेज़ी फिल्मों की यही कहानी है। वे या तो action drama या वयस्क फ़िल्में दिखाते हैं। मैं वयस्क फ़िल्में देख सकता हूँ लेकिन आप अपने साथ लड़की नहीं ले जा सकते। खास तौर पर नेहा जैसी अच्छी भारतीय परम्परावादी लड़कियाँ। तो आपके पास दो विकल्प हैं-एक अंग्रेज़ी की विज्ञान से भरपूर बकवास ड्रामा या हिंदी फिल्म। कोई भी आत्मसम्मान वाली लड़की डेट पर हिंदी फ़िल्में देखने नहीं जाएगी। इसलिए मैं फिर Arnold का मांसपेशियाँ दिखाना और भूलोक को फूँक से उड़ाना देखने गया।

"तुम्हें वैज्ञानिक फ़िल्में पसंद हैं?" उसने अपनी सीट पर बैठते हुए कहा।

"हाँ मुझे पसंद हैं।" मैंने कहा। लेकिन मेरे पास विकल्प ही क्या है।

"ठेठ IIT इंजीनियर।"

हाँ सही। ठेठ IIT इंजीनियर, मेरी मित्र, बकवास फ़िल्में देखने के लिए अपनी design class नहीं छोड़ता।

मैं सोच रहा था कि और बुरा न हो, पर हो गया। नेहा और मैंने बालकनी में अपनी सीटें ले लीं (35रुपए प्रति टिकट, पूरी फटी हुई सीट) और ट्रेलर शुरू होने का इंतजार किया। लेकिन नए सरकारी नियम के अनुसार सिनेमा घरों को सबसे पहले परिवार नियोजन की छोटी फिल्म दिखाना जरूरी था।

अच्छा, तो भारत की इतनी ज़्यादा जनसंख्या है। इसलिए लोगों को कुछ परिवार नियोजन के तरीके अपनाने चाहिए ताकि जनसंख्या न बढ़े। सीधी बात है, तो आप भी ऐसा सोचते हैं। साफ तौर पर कोई भी व्यक्ति गर्भ-निरोधक का इस्तेमाल नहीं करना चाहता, इसलिए सरकार लोगों को बच्चे पैदा न करने का एक सही उपाय सुझाना चाहती है।

वृत्तचित्र शुरू हुआ; सरकारी अस्पताल में एक doctor सुंदर मुस्कुराहट के साथ अपना परिचय देता है। परिवार नियोजन में उसे आपका दोस्त होना दिखाया गया था, यद्यपि मुझे लगता है कि वह यमराज था, विशेषतः जब वह नसबन्दी की सलाह देता है।

वृत्तचित्र में दिखाया गया कि एक कारखाने में काम करनेवाला व्यक्ति, जिसके पास एक आदर्श मजदूर का घर है, जहाँ वह अपनी हर समय खाना बनाने वाली पत्नी तथा अपने दो बच्चों के साथ दिखाया गया है। एक दिन वह सोता है और सपने में उसे छह बच्चे दिखाई देते हैं। बच्चों को ज़्यादा खाना, शिक्षा, खिलौने चाहिए तथा अपने पिता से और ज़्यादा की माँग करते हैं;

लेकिन पिता कारखाने के काम से थका हुआ होता है और टूट जाता है। तब परिवार नियोजन में जो हमारा दोस्त था यमराज प्रकट हुआ।

doctor के पास चार्ट है, जिसमें कि पुरुष की शरीर-रचना की तसवीर है। वह उसे खोलता है और पूरा सिनेमाघर, विशेषतः आगे की पंक्ति में बैठे लोग, शोर करना शुरू कर देते हैं।

सिनेमाघर class lecture के विपरीत होते हैं, जहाँ पर अगली पंक्तियों में ही मजा आता है।

जो भी हो, यह सब चल रहा है, जब मैं अपनी प्रेमिका के साथ हूँ। मैंने नेहा के साथ कभी भी सेक्स के बारे में बात नहीं की थी। लेकिन अब यमराज आते हैं और नसबन्दी करने का सही स्थान दिखाते हैं, ताकि पुरुष प्रजनन अंग नियंत्रण में आ जाए। बालकनी में बैठे अन्य सभी व्यक्तियों की तरह मैं भी शर्मिन्दा हो रहा था।

नेहा ने मेरी तरफ़ देखा, जब मैं अपनी सीट पर बेचैन था।

"क्या तुम ठीक हो?"

"तुम्हें नहीं लगता कि यह कुछ ज़्यादा है? इन्हें ऐसी असभ्य बातें क्यों दिखानी पड़ती हैं?"

"क्या यह शिक्षाप्रद है?"

"हाँ ठीक है। मुझे इसकी आवश्यकता है, जब मुझे फिल्म देखने आना होता है।"

"छोड़ो, हरि। मैं तो सोचती हूँ कि यह काफ़ी हास्यास्पद है।"

परदे पर पत्नी doctor की बात ध्यान से सुनती है और मुस्कुराती है सेक्स के बाद कोई परिणाम न आने के लिए। मैं सोचता हूँ कि doctor और पत्नी में कुछ चल रहा था, लेकिन यह सिर्फ मेरी कल्पना ही थी।

वृत्तचित्र के आधे घंटे के खत्म होने के बाद लोगों ने राहत की साँस ली। मिल मजदूर जागता है और महसूस करता है कि उसे अपने परिवार को सीमित रखना चाहिए और नसबन्दी कराने के लिए कागज़ पर हस्ताक्षर कर देता है। वृत्तचित्र ख़ुशी-ख़ुशी समाप्त होता है तथा पत्नी व बच्चों के मुस्कुराते हुए चेहरे, जो कार्टून में बदल जाते हैं और जनसंख्या नियंत्रण विभाग का उलटा 'त्रिकोण' आता है। गोली चलाकर ख़ुश होनेवाले Arnold के परदे पर आने से पहले हमारे ऊपर बुद्धिमत्ता का अंतिम नारा 'छोटा परिवार सुखी परिवार' फेंका गया।

जैसे ही फिल्म शुरू हुई, नेहा ने मेरा हाथ पकड़ लिया। वह ऐसा आराम से करती हुई ही बड़ी हुई है और इससे और अधिक की आशा मैं नहीं कर सकता था। मुझे रेयान के साथ हुआ पिछला वार्तालाप याद आया। क्या नेहा हाथ पकड़ने से कुछ ज़्यादा गोपनीय रूप से करना चाहती थी? क्या मैं उससे पूछ सकता था? क्या मुझे निडर होकर बोलना चाहिए?

फिल्म के बाद हम खाना खाने 'Narula's' गए।

"तो मुझे बताओ, professor वीरा कौन है?" बराबर हिस्से में बंटे order दिए गए pizza को खाते हुए नेहा ने कहा। लड़कियों को मेज पर खाना सजाना अच्छा लगता है।

"वे वाकई कुछ अलग हटकर हैं। " मैंने कहा। "जैसे कि वे नाइन pointer व five pointer में अंतर नहीं करते। और उन्हें मूलभूत विचार पसंद हैं। उनके assignment भी आपको अधिक सोचने पर मजबूर करते हैं।"

"कैसे?"

"जैसे कि उन्होंने टर्म paperमें विद्यार्थियों से fluid mechanics से संबंधित एक engineering की समस्या पर सोचने के लिए बाध्य करनेवाला प्रश्न पूछा। ज़्यादातर professor कह देते हैं-अध्याय 10 के अंत में दिए गए सभी प्रश्न कर लेना। लेकिन professor वीरा नए-नए विचार पूछते हैं।"

"अच्छा लगता है। क्या वह देखने में सुंदर हैं?"

"मुझे ऐसा लगता है।"

"तब तो मुझे उन्हें देखने की कोशिश करनी चाहिए। मैं पिताजी से कहूंगी कि उन्हें घर पर आमंत्रित करें।" उसने कहा और हँसी।

मेरे अंदर ईर्ष्या की एक भावना पैदा हो गई। अब professor वीरा मुझे बिलकुल अच्छे नहीं लग रहे थे।

"भाड़ में जाओ।"

"ऐ तुम ईर्ष्या कर रहे हो?"

"नहीं, मैं ईर्ष्या क्यों करूँगा? मैं तुम्हारा प्रेमी नहीं हूँ।"

नेहा बहुत ज़ोर से हँसी। उसे सिर्फ चुटकुले ही अच्छे लगते हैं। मैं खीझ उठा, ऐसा मन कर रहा था कि उसकी वह सुंदर बालों की लट को काट दूँ।

"मैं तो मजाक कर रही हूँ महाशय।" उसने कहा, "मेरे पिता तो इसके लिए मुझे मार डालेंगे। और वे वैसे भी उनसे घृणा करते हैं। लेकिन आप लोगों का पढ़ाई की तरफ़ ध्यान देना देखकर मुझे अच्छा लगता है।"

"मैं तो नहीं...।"

उसने मेरा हाथ पकड़ा, यद्यपि उसने हँसना बंद नहीं किया था। ऐसा क्या है कि लड़कियाँ हमेशा हँसती रहती हैं? और अभी भी मुझे इतनी सुंदर क्यों लगती हैं? और मैं उन्हें चूम क्यों नहीं सकता?

उसने हँसना बंद कर दिया और अपनी शांत मुद्रा में आ गई।

"माफ करना, हरि। बुरा मत मानना, तुम मेरे बहुत ही प्यारे और विशेष मित्र हो।"

अब यह क्या है? पखवाड़े के लिए एक और शीर्षक? वह मेरा गाल चूमने के लिए आगे की ओर झुकी। मैंने सोचा, अब मेरा मौका है। उसे भ्रमित करो कि तुम परवाह नहीं करते और फिर जैसे ही उसका मुँह गाल के पास आए एकदम से अपने होंठ सामने कर दो। एक अच्छी भारतीय नारी को चुंबन करने का सिर्फ यही तरीका है, रेयान ने मुझे बताया था।

"तुम क्या कर रहे हो?" नेहा पीछे हट गई।

मैंने निर्दोष दिखने की कोशिश की।

"क्या तुम मेरे होंठों का चुंबन लेने की कोशिश कर रहे थे?"

"नहीं।"

"हरि, तुम जानते हो, मैं ऐसी नहीं हूँ।"

"तो तुम्हें क्या पसंद है? मज़ेदार चुटकुले, या तुम्हारे घमंडी पिता?"

"क्योंकि यह गलत है। यह... क्योंकि यह गलत महसूस होता है। तुम लड़की नहीं हो, इसलिए नहीं समझ पाओगे।"

हाँ मैं कुछ कहना चाहता था, तुम एक लड़का नहीं हो, इसलिए तुम नहीं समझोगी। तो, क्या हम अपना pizza खाएँ और घर जाएँ? मैंने कुछ नहीं कहा। मैंने अपना मौका गँवा दिया और उसी वक्त अपनी इच्छा भी। साथ ही उसका चेहरा भी उदास हो गया। मैं उसे परेशान नहीं करना चाहता था। क्योंकि हमने मिलने की अगली तारीख खाना खत्म होते-होते निश्चित कर ली थी।

"यह पिल्ला बहुत अच्छा है।"

"तुम अगले बृहस्पतिवार को मिलना चाहते हो?"

"जरूर।"

"मुझे अपनी दोस्त के जन्मदिन के लिए एक उपहार खरीदना है। क्या तुम मेरे साथ कनॉट प्लेस आओगे?"

मैं सहमत हो गया। मैं प्रिया और उसके महँगे dating उपहारों से तंग था।

"हरि, मैं कार लेकर आऊंगी और तुम्हें ice-cream पार्लर से ले लूंगी।" उसने कहा।

मैंने बिना मुँह ऊपर उठाए pizza की प्लेट में पड़े छोटे-छोटे टुकड़े खाए।

"वेंकट, मेरी कुछ जिम्मेदारियां है...।" आलोक ने कहा।

"लेकिन वे मेरी समस्याएँ नहीं हैं। इस महीने यह तीसरी बार है। यह समय के बारे में है और मैंने ऐसी चीजों के बारे में सुनना बंद कर दिया है।" वेंकट ने उसे रोकते हुए कहा।

वह फरवरी की एक बहुत ठण्डी रात थी। वेंकट के कमरे के अंदर से आवाज आई। हम अपने hostel के बरामदे में थे, canteen का भ्रमण करने के बाद लौट रहे थे।

"वे इतने ज़ोर से क्यों बात कर रहे हैं?" रेयान ने कहा।

"मुझे क्या पता? रट्टू वेंकट का कमरा ज़्यादातर शांत रहता है।"

रेयान ने वेंकट के कमरे के दरवाजे पर कान लगाए।

"तुम क्या कर रहे हो?" मैंने कहा।

"लगता है, ये लोग बहस कर रहे हैं।"

"हमें इससे क्या लेना-देना? चलो, चलें।" मैंने कहा।

"शऽऽ... यहाँ आओ।" रेयान ने कहा।

मैं भी बहस के बारे में जानने का इच्छुक हो गया था। क्या कोई बहुत बड़ी बात थी? यह किस बारे में थी? मैंने अपने कान दरवाजे पर लगाए और हर शब्द बिलकुल साफ-साफ सुनाई दे रहा था।

"आलोक, यह तो हद हो गई। मेरा मतलब, मुझे अपने GPA का स्तर बनाए रखने के लिए दस घंटे तो पढ़ना ही होगा। कम-से-कम मैं अपने सहपाठियों पर भरोसा कर सकता हूँ।" वेंकट कह रहा था।

"मेरे पिता बेहोश हो गए हैं। मुझे चिंता है, उन्हें दिल का दौरा पड़ा है। घर से दो बार फोन आ चुका है...।" आलोक ने कहा।

"सुनो, तुम्हारी माँ हमेशा तुम्हारे पिताजी की बीमारी को बढ़ा-चढ़ाकर बताती हैं। वे ठीक हो जाएँगे। तुम्हारे वहाँ जाने से क्या होगा?"

"मैं घर में अकेला पुरुष हूँ वेंकट। मैं जाना चाहता हूँ। क्या इस बार तुम अकेले नहीं कर सकते?"

"वाकई नहीं। मुझे दूसरे विषयों के class notes भी पढ़ने हैं। मुझे नहीं लगता कि तुम यह समझ पाओगे। मेरा मतलब तुम five point something वाले इसे कैसे समझ सकते हो।" वेंकट ने कहा।

"समझ पाओगे क्या?" आलोक ने कहा।

"यह कि मुझे अपना पहला स्थान बनाए रखना है। तुम्हें पता है कि हमारे विभाग में दूसरे स्थान वाला लड़का मुझ से सिर्फ 0.03 से पीछे है। अब तुम्हीं बताओ कि मैं यह group assignment पूरा करूँ या अपने notes पढ़ूँ?" वेंकट ने कहा या समझो, चिल्लाया।

"साला रट्टू। " रेयान मेरे कान में फुसफुसाया।

मैंने उसे चुप रहने का इशारा किया।

"वेंकट, तुम हमेशा ही पढ़ते रहते हो। क्या तुम जरा सा.. " आलोक ने कहा।

"मैं नाइन pointer हूँ। क्या तुम यह समझते हो, मुझे अपना पहला स्थान बनाए रखना है?" आलोक को कहने के बजाय अपने आपको ज़्यादा याद करते हुए वेंकट ने कहा।

"लेकिन क्या मैं तुम्हारा दोस्त नहीं हूँ? तुम जानते हो कि मुझे अपने पिताजी की देखभाल भी करनी है।" आलोक ने कहा, इस

बार विरोध की बजाय याचना करते हुए।

"बस!" वेंकट ने कहा, "यह assignment दस प्रतिशत का है। आलोक, तुम नहीं जा सकते।"

"वेंकट, please!" आलोक ने कहा और उसकी आवाज उसकी माँ से मिलने लगी, अर्थात् वह जल्दी ही रोने वाला था।

"यह तो ज़्यादा हो गया, मैं अंदर जा रहा हूँ।" रेयान ने लात मारकर दरवाजा खोलते हुए कहा। मैं उसे रोकने की कोशिश कर सकता था, लेकिन उसने द्रुतगति से कार्यवाही की।

आलोक वेंकट के सामने खड़ा था और वेंकट कुरसी पर बैठा था। वे आश्चर्यचकित होकर हमारी तरफ़ मुड़े।

"क्या.. " वेंकट ने कहा, "रेयान, तुम यहाँ क्या कर रहे हो?"

यह प्रश्न विचारणीय है। एक five pointer नाइन pointer के कमरे में क्या कर रहा है? वेंकट ने रेयान की तरफ़ ऐसे देखा जैसे मधुशाला ढूंढनेवाला व्यक्ति मंदिर में आ गया हो।

"क्या,समस्या है?" रेयान ने वेंकट की पूरी तरह उपेक्षा करते हुए कहा।

मैं वेंकट का कमरा देखते हुए चुपचाप खड़ा रहा। एक बिस्तर और कुछ कपड़ों के अतिरिक्त वहाँ सिर्फ किताबें, किताबें और किताबें थीं।

"रेयान, इससे तुम्हारा कुछ लेना-देना नहीं।" आलोक ने कहा।

मैं कह सकता हूँ कि रेयान को देखकर वह आश्चर्यचकित था, फिर भी मन-ही-मन उसने सोचा कि मसीहा आ गया है। 'किसी भी समय रो पड़नेवाले' दयनीय हाव-भाव गायब हो गए।

"मैंने कहा, क्या समस्या है?" रेयान ने पूछा।

"मैं तुम्हें बताउंगा कि समस्या क्या है?" वेंकट ने कहा, "कल हमें thermo assignment जमा करना है। आलोक और मैं एक ही group में हैं। यह दस प्रतिशत का है। फिर भी यह घर जाना चाहता है।"

"मैं कहीं घूमने नहीं जा रहा हूँ। पिताजी सख्त बीमार हैं।" आलोक ने कहा।

"क्या तुम चाहते हो कि मैं जाऊँ?" रेयान ने पूछा।

मैं चकरा गया। एक साल तक कोई बातचीत नहीं और अब अचानक सहायता करने का प्रस्ताव।

क्या रेयान वाकई आलोक के साथ हाथ मिलाना चाहता था या वह यह सिद्ध कर रहा था कि वेंकट एक काँटा है।

"मैं जानता हूँ तुम कहाँ रहते हो और मैं पहले भी तुम्हारे पिता को अस्पताल लेकर गया हूँ। मेरे पास scooter भी है और हम वहाँ जल्दी पहुँच सकते हैं। या अगर तुम्हारा ही जाना जरूरी है तो मैं assignment पूरा करने में तुम्हारी सहायता कर सकता हूँ। बस, मैं तुम्हारे इस रट्टू बेकार दोस्त के साथ काम नहीं करना चाहता।" रेयान ने 'दोस्त' शब्द पर ज़ोर देते हुए कहा।

यह कुछ ज़्यादा ही था। रेयान आलोक के लिए mother Teresa की तरह बात कर रहा था। आलोक, जो बेइज़्ज़ती करके हमें छोड़ आया, आज हर समस्या का समाधान करनेवाला देवता बन गया था। मैंने वेंकट की तरफ़ देखा, जो institute में अनुबंध पर रखे गए सेवानिवृत्त professor की युवा प्रतिलिपि लग रहा था, जो कुमाऊँ का पूरा खाना बनाने के लिए पर्याप्त होता और माथे पर पूजा की राख का तिलक लगाया था। फिर भी, उस पर रेयान ही देवता जैसा लग रहा था।

"सच?" आलोक ने कहा।

"तो मैं जाऊँ?" रेयान ने कहा और खड़ा हो गया।

आलोक ने झुककर सहमति दी और रेयान कमरे से बाहर चला गया।

हम एक मिनट के लिए चुप थे। रेयान ने एक समस्या हल कर दी थी, जिससे एक बीमार आदमी की जान और एक रट्टू nine

pointer का भविष्य बच सका।

"अच्छा, तब यह तय हुआ। तुम assignment पूरा करो।" मैंने कहा और कमरे से बाहर जाने के लिए खड़ा हो गया।

"रुको।" आलोक ने कहा।

"क्या?" मैंने कहा।

वह मेरे साथ कमरे से बाहर आया। समय न गंवाते हुए वेंकट ने thermo dynamics की किताब निकाली और सरसरी निगाह से देखा, जिसका मतलब था-जल्दी वापस आना।

"धन्यवाद।" आलोक ने कहा।

"धन्यवाद रेयान को।" मैंने कहा।

"हाँ, मैं कहूँगा। क्या यह अभी भी मुझसे नाराज है?"

"नहीं यार, अगर होता तो तुम्हारे घर ही क्यों जाता?"

"हाँ, यह चिल्ला सकता है; लेकिन इससे क्या फर्क पड़ता है। इसका बाद में धन्यवाद कर देना।" मैं आलोक से बहुत खिन्न हो रहा था। मैं नहीं समझता कि उसे यह कहने का अधिकार है कि वह अब रेयान को नहीं जानता, निश्चित ही इतना नहीं जितना मैं।

"हरि!" आलोक ने कहा, "तुम्हें लगता है कि मैं वापस आ सकता हूँ?"

"कहाँ वापस आना?" मैं चौंक गया था।

"पता है, फिर हम तीनों...।"

"क्यों? वेंकट के साथ तुम्हारा नहीं जम रहा क्या?"

"मुझे नहीं मालूम यार, कि मैं क्या कर रहा था। मैं वापस आना चाहता हूँ।" मुझे अपने कानों पर विश्वास नहीं हुआ। एक जिद्दी नाइन pointer के साथ एक साल रहने से इतना बदलाव!

"पक्का?"

"हाँ बिलकुल पक्का।" आलोक की आवाज धीमी थी। और फिर, भावुक मित्रों की तरह हम गले मिले। मुझे लगता है कि आलोक रोने के लिए तरस रहा था और उसने कुछ आँसू बहाए जिन्हें वह हमेशा बचाकर रखता है। मैं भी उदार हो गया था। मैंने कभी सोचा नहीं था कि हम तीनों फिर एक साथ रह सकेंगे। मुझे मालूम था कि रेयान कुछ नाटक जरूर करेगा; लेकिन अंत में मान जाएगा, यदि वह आलोक के अध मरे पिता की सेवा में घंटों लगा सकता है तो जरूर उसने इसके लिए कुछ महसूस किया होगा।

"बहुत अच्छा! तो वापसी पर स्वागत है।" मैंने कहा।

"हाँ, बस इस बकवास थर्मल assignment के बाद।" आलोक ने कहा और हम पहली बार एक साल के बाद एक साथ ज़ोर से हँसे।

तंत्र का दबाव

उम्मीद के अनुसार रेयान ने आलोक की वापसी पर होंठ बिचकाए लेकिन बहुत देर तक नहीं, क्योंकि यह अर्थहीन था। आलोक के थोड़ा और आँसू बहाने के बाद हम सब गले मिले और ऐसा लग रहा था कि हमारा पुराना group वापस बन गया। वेंकट के फुंकारी अभिशापों की हमने ख़ुशी-ख़ुशी उपेक्षा की, और उसके साथ उसकी किताबों की भी, लेकिन हम एक-दूसरे के साथ थे।

इस ऐतिहासिक घटना को यादगार बनाने के लिए रेयान ने दावत दी। उसने सारे इंतजाम खुद किए जिसमें कमरे की सफाई भी सम्मिलित थी, जो अपने आप में बहुत बड़ा काम था; क्योंकि महीनों से चढ़ रही धूल की परतों को उसने कभी छेड़ा नहीं था।

"रेयान, इसे माइस पार्टी क्यों कह रहा है?" आलोक थोड़ा हैरान हुआ।

"नहीं मालूम। उसका अपना एक नया विचार है, जिसे वह पेश करने जा रहा है।" मैंने कंधा उचकाया।

पार्टी शुरू होने से पहले रेयान ने हमारा कमरे के आस-पास जाना प्रतिबंधित कर रखा था। मैंने उसे आलोक पर छह बार 'मोटे बोलो' चिल्लाते हुए सुना। मेहमानों की सूची में मैं, आलोक, सुखविंदर, अनुराग एवं वैभव थे, जो हमारे फ्लोर के आख़िरी कमरे में रहते थे। हमेशा उसके कमरे में vodka होती थी। रेयान के लिए वह अच्छी दोस्ती के लायक था। मैं बाद में ही समझ सका कि मेहमानों की सूची बनाने का आधार क्या था; सभी five point something की श्रेणी के थे, गौण प्रतियोगी थे और उसी विंग में रहते थे। हम सब दस बजने और मिस्टर रेयान के कमरे का दरवाजा खुलने का उत्सुकता से इंतजार कर रहे थे।

"अंदर आ जाओ।" कमरे के बाहर लगभग एक घंटा इंतजार करने के बाद रेयान ने हमें बुलाया।

हमने प्रवेश किया। वहाँ अँधेरा था। रेयान ने कमरे के साधारण बल्बों को लाल रंग के बल्बों में बदल दिया था, ताकि मेज पर गहरे लाल रंग की रंगत छा जाए जो अब मधुशाला जैसी लग रही थी। रेयान ने vodka और रम की बोतलें, ठेले पर से लिया हुआ जूस, canteen से मँगाया गया कोक, नीबू बर्फ़, चीनी और भांग की सिगरेट मेहमानों के लिए सजा रखी थीं। जब बनी-बनाई भाँग की सिगरेट मेहमानों को पेश की जाए तो आप जान सकते हैं कि मेजबान हर चीज का कितनी बारीकी से इंतजाम करता है।

ये ही सबकुछ नहीं था। निर्वस्त्र औरतों की तस्वीरों से दीवारें सजी थीं, अमेरिका की पत्रिकाओं से निकाले गए निर्वस्त्र पोस्टर, जो अमेरिकन विश्वविद्यालयों की तुच्छ प्रवेश पत्रिकाओं के बीच में रखकर कुमाऊँ में पूर्व विद्यार्थियों द्वारा डाक से भेजे गए थे। सुनहरे बालों वाली, गोरे रंग और काले बालों वाली, लाल बालों वाली, पतली, कामुक, ठिगनी, सजी-धजी-सब रेयान के कमरे की दीवारों पर सजी थीं।

आलोक ने पोस्टरों को घूरा। उसका मुँह ऐसे खुला था जैसे रसोई में कोई UFO आ गया हो।

"ये औरतें बिलकुल नग्न हैं।" यह कहने में सफल हुआ।

"ज्ञान बढ़ाने के लिए धन्यवाद, आलोक।" वेंकट के साथ अच्छा समय बिताने के कारण वह काफ़ी चीजों से वंचित रह गया।

हम सब रेयान के कमरे के फर्श पर बैठ गए जहाँ पर उसने हर एक मेहमान के लिए तकिए लगा रखे थे। पहला drink रीति के अनुसार 'cheers' और बोतल खाली करने की चुनौती और pink Floyd के गाने से शुरू हुआ। हमने पहला drink जल्दी खत्म कर दिया, रेयान ने तुरंत drink बना दिए और फिर दुबारा। मुझे मालूम था कि मुझे शराब चढ़ चुकी है, जब मैं भाँग की सिगरेट पीने गया। तीन peg लेने के बाद मुझे हमेशा सिगरेट पीने की इच्छा होती थी।

सरदार के मदहोश होने का अपना ही तरीका था, कुछ ज़्यादा ही प्यार दिखाने का, एक-दूसरे के ऊपर गिरते-पड़ते रहना। वह आलोक के पास बैठ गया और उसके कंधे पर हाथ रखा; कभी-कभी कंधे दबाता, रगड़ता।

"मस्त पार्टी यार। आलोक, क्या तुम ख़ुश हो?" सरदार ने अपेक्षा पूर्वक पूछा।

आलोक ने गरदन हिलाई, धीरे से सरदार का हाथ हटा दिया और बोलने के लिए आगे बढ़ा।

"तो रेयान, वह क्या बड़ा सिद्धांत है, जिसे तुम आज पार्टी में पेश करने जा रहे हो?"

“आलोक अनुराग और वैभव के साथ हमारे सामने बैठा था।

“पहले थोड़ा आनंद ले लो।” रेयान ने कहा।

“मुझे बहुत अच्छा लग रहा है, यार।”

“चलो, बताओ।” सरदार ने कहा और आलोक के कंधे पर फिर से हाथ रख लिया।

“हाँ-हाँ, चलो बताओ।” अनुराग और वैभव एक साथ बोले।

“मेरे सिद्धांत को mice theory कहते हैं। लेकिन मेरे यह बताने से पहले तुम सबको एक प्रश्न का उत्तर देना है।”

“कैसा प्रश्न?” अनुराग ने कहा।

“तुम मुझे यह बताओ कि तुम्हें जीवन में यथार्थत: क्या चाहिए?”

“हाँ, कुछ भी।” मैंने कहा, “तुम बस अपना सिद्धांत बताओ, यार।”

मैं रेयान की दिखावटी चालों से परिचित था। साथ ही मेरे दिमाग को ऐसे गहरे प्रश्न का उत्तर देने के हिसाब से शराब कुछ ज़्यादा हो गई थी।

“चलो यार, मिलकर इसका उत्तर खोजते हैं।”

रेयान ने कहा, “तुम इस बात की ज़्यादा प्रशंसा करोगे, अगर तुम पहले अपने जीवन के बारे में सोचो तो। बस एक प्रश्न-तुम्हें जीवन में क्या चाहिए? दो मिनट के लिए इसके बारे में सोचो।”

हम सब शांत हो गए। थोड़ी देर के लिए अपने सिद्धांत से अलग हटकर रेयान ने सबके drink फिर से बना दिए। मैं चौथा पैग ले रहा था और जीवन के बारे में इससे ज़्यादा सूत्र-विहीन मैं कभी नहीं हुआ। मैंने सबको सोचते हुए देखा।

“okay समय समाप्त।” रेयान ने कहा, “सरदार, तुम क्या चाहते हो?”

सरदार ने आलोक को जकड़ कर पकड़ा और अपनी तरफ़ खींचा। फिर उसने आलोक के मुँह पर एक चुंबन लिया और आत्मीयता से फुसफुसाया, “बता दूँ क्या?”

आलोक ने निश्चय करके अपने आपको उसकी प्यार भरी और नशे वाली पकड़ से छुड़ाया तथा गरदन झुका कर ‘हाँ’ का इशारा किया।

“बस, मैं अमेरिका जाना चाहता हूँ। इस GPA के साथ यह असंभव है; लेकिन कैसे भी, कहीं भी, किसी भी तरह मुझे नहीं मालूम, बस मैं अमेरिका जाना चाहता हूँ।” सरदार बड़बड़ाया।

अनुराग computer की कुछ नई भाषा की खोज करने के बारे में बड़बड़ाया और वैभव अपना व्यवसाय शुरू करना चाहता था।

मुझे मालूम था कि रेयान की दूसरों के जीवन की महत्वाकांक्षाओं के बारे में ज़्यादा रुचि नहीं थी. फिर भी उसने विनम्रतापूर्वक सबके सामने अपनी गरदन झुकाई। वह आलोक और मुझसे जानना चाहता था।

रेयान ने आलोक की तरफ़ गरदन झुकाई।

“तुम्हें तो मालूम ही है।” आलोक ने कहा।

“फिर से बता दो।”

“मैं दिल्ली में एक नौकरी करना चाहता हूँ ताकि अपने माता-पिता की देखभाल और पैसे की समस्या का समाधान कर सकूँ।”

“वास्तव में?” रेयान ने कहा, जैसे कि उसे उत्तर विश्वास जनक नहीं लगा।

"बिलकुल।" आलोक ने ज़ोर देकर कहा।

"वास्तव में?" सरदार ने फिर कहा, अपना प्यार दिखाते हुए न कि अन्य किसी बात के कारण।

"तुम हरि?" रेयान ने कहा।

"मैं नहीं जानता।" मुझे वास्तव में पता ही नहीं कि मैं जीवन में क्या करना चाहता हूँ। मैंने प्रश्न के बारे में सोचा था। मैं five pointer GPA नहीं जानता था, और मैं मोटा व बदसूरत नहीं बनना चाहता था। मैं हर semester में होनेवाली बकवास मौखिक परीक्षा में घबरा कर कुछ भी न बोल पाना भी नहीं चाहता था। यानी मुझे पक्का मालूम था कि मैं क्या नहीं करना चाहता-यह सब उस विभाग में मेरे पास था। लेकिन मैं क्या चाहता हूँ यह जान पाना मुश्किल है।

"बिलकुल, तुम जानते हो। चलो यार, साहसी बनो।" रेयान ने निवेदन किया। 'साहसी', यह रेयान का शब्द है। वह हमेशा साहसी रहा है। और हमेशा पतला और आकर्षक रहा है, हमेशा आत्मविश्वासी बेपरवाह है। मैं रेयान से घृणा करता था। फिर भी उस समय मैंने महसूस किया कि मैं वाकई क्या चाहता था-मैं रेयान जैसा बनना चाहता था।

"कुछ ज़्यादा नहीं।" मैंने प्रश्न का उत्तर सोचने की कोशिश करते हुए कहा। मैंने किसी को नहीं बताया कि मैं रेयान जैसा बनना चाहता हूँ इस सबके बावजूद रेयान कभी भी कोई और नहीं बनना चाहेगा।

"फिर भी, कुछ तो कहो, यार। ताकि हम वह सिद्धांत सुन सकें।" आलोक ने कहा।

"मैं अपनी प्रेमिका का चुंबन लेने योग्य बनना चाहता हूँ और जब चाहूँ उसका चुंबन ले सकूँ। और इससे भी ज़्यादा करूँ, जैसे कि उसके साथ सभी सीमाएँ पार करूँ।"

मुझे आज भी मालूम नहीं कि मैंने क्या कहा और क्यों कहा? मेरा मतलब है, यह सच ही था। हाँ मैं नेहा का चुंबन या और सबकुछ, लेकिन मैं कुछ अलग करना चाहता था।

"कौन है तुम्हारी प्रेमिका?" सरदार ने कौतूहल से मेरी तरफ़ देखा।

"इससे तुम्हारा कोई मतलब नहीं।" रेयान ने तुरंत कहा।

"जो भी हो, सर, अब हमें सिद्धांत बताओ।" आलोक ने दो पैग पीने के बाद कहा। उसने सरदार की बढ़ती हुई हरकतों को नजर अंदाज किया और चश्मे के पीछे छिपे हारे चेहरे व पुरुषत्व के साथ बैठ गया।

"सज्जनो!" बिस्तर पर बैठे हुए रेयान ने कहा। वह हमसे ऊपर बैठा हुआ था और हमारे सिरों पर अपने महान ज्ञान की वर्षा कर रहा था-' आज शाम यहाँ पधारने का धन्यवाद। मुझे विश्वास है कि तुम जान गए होगे, तुम इस विंग में सबसे कम GPA वाले हो। सज्जनो, हम गौण प्रतियोगी हैं। गौण प्रतियोगियों के लिए cheers."

यद्यपि रेयान हमारा बेशर्मी से मजाक उड़ा रहा था। IIT के grading system में फेल होने के बावजूद हम खास महसूस कर रहे थे और ज़ोर से 'cheers' करने के लिए हमारे हाथ ऊपर उठे हुए थे।

"और यह IIT system और कुछ नहीं, लेकिन एक mice race है। ध्यान रखो, यह रैट रेस नहीं है, क्योंकि rats तो थोड़े चतुर और चालाक लगते हैं। तो यह उसके बारे में नहीं है। यह तो बुद्धिहीनता से चार साल तक रेस में दौड़ने के बारे में है-हर एक class में हर एक assignment में, हर एक टेस्ट में। इस रेस में professor हर दस कदम पर तुम्हारी जाँच करते हैं, हर semester में तुम्हारे ऊपर GPA की एक मुहर लगा देते हैं। professor ऐसे हैं जिन्हें विज्ञान और पढ़ाई के बारे में कुछ भी मालूम नहीं है। हाँ professors के बारे में मैं ऐसा समझता हूँ। मेरा मतलब है, IIT ने इस देश को क्या दिया है? पिछले तीस वर्षों में की गई एक खोज का नाम बताओ।"

जैसे ही रेयान का भाषण गंभीर हुआ, कमरे में पूर्ण शांति छा गई। मैं सोच रहा था कि रेयान को पूरी चढ़ गई है, अन्यथा किसी जश्न में ऐसा भाषण देने का कोई और कारण नहीं हो सकता था।

"कैसे भी।" रेयान ने जारी रखा, "professors को डंडा करो। यह system एक अनुचित दौड़ है। यदि तुम एक चूहे हो, जो सोचते हो या दूसरे दौड़ते हुए साथियों को दोस्त बनाने के लिए रुकते हो या तुम जीवन में क्या करना चाहते हो-को जानने के

लिए रुकते हो, या पुरानी बातों पर विचार-विमर्श करना चाहते हो।" रेयान ने आलोक की तरफ़ देखते हुए कहा, "तो तुमको पीछे धकेल दिया जाएगा। जैसे हमें अल्पबुद्धि वेंकट जैसे द्वारा पीछे धकेल दिया गया है।"

सरदार ने हाथ से चुंबन का इशारा किया। मेरा अंदाज है कि वह इससे सहमत है।

"लेकिन हम सब इसे बदल सकते हैं।" रेयान ने कहा।

"कैसे?" अनुराग ने कहा। कम-से-कम कोई तो इस बकवास को सुन रहा था।

"अपने हिसाब से जी कर। रैट बनकर, mice नहीं, एक साथ मिलकर काम करो और system को मात दे दो। मैं अपने दोस्तों को इस system में नहीं जाने दूँगा, बल्कि मेरी दोस्ती इस system को मात देगी।"

"कैसे?" अनुराग ने दोबारा कहा।

"यह सब मेरे और मेरे घनिष्ठ मित्रों के लिए है। तुम्हें सिर्फ system मिलेगी; लेकिन मैं तुम्हें practicals के बारे में कोई मदद नहीं कर सकता।"

"हम तुम्हारे दोस्त नहीं हैं?" सरदार ने भावुकता भरी आवाज में पूछा।

"बिलकुल तुम मेरे दोस्त हो। लेकिन यह मैं सिर्फ अपने घनिष्ठ मित्रों के साथ ही करूँगा।"

किसी ने भी विरोध नहीं किया। यदि और कुछ नहीं तो रेयान का सिद्धांत पार्टी में मनोरञ्जन का मुख हिस्सा था। vodka की एक बोतल, भाँग की दस सिगरेटें और बाद में Floyd के तीन कैसेट तथा भाषण तो उस शाम का छोटे सा हिस्सा था। रात्रि के एक बजे अन्य सभी चले गए। साफ-सफाई करने के लिए मैंने और आलोक ने मदद की।

"यह एक अच्छी पार्टी थी।" आलोक ने कहा।

"मुझे पता है, मोटे! बकवास वेंकट के साथ रहने से तुम इस सबसे वंचित रहे।" रेयान ने कहा और लड़खड़ाकर चलने लगा।

"तो सिद्धांत के कार्यान्वियन के बारे में क्या विचार है? यह कैसे होता है?" मैंने आदर्श भाव से कहा।

'C2D." रेयान ने कहा

"क्या बकवास है?" यह वैज्ञानिक फिल्मों के सूत्र की तरह लग रहा था।

"cooperate." रेयान ने कहा और जानबूझकर अपने बिस्तर पर गिर गया।

"cooperate?"

"हाँ, cooperate to dominate, C2D..." रेयान ने कहा और अपनी आँखें बंद कर लीं। vodka ने अपना असर दिखा दिया था। वह मूर्च्छित हो गया।

"चलो, साथी mouse अपने कमरे में चलें।" आलोक ने कहा। पार्टी समाप्त हो गई।

मैं रेयान के साथ machining की lab में था, तब मुझे अगले दिन की नेहा के साथ डेट याद आई। इस बार मैडम ने एक उपहार के लिए कहा था। यह पूरी कहानी उसने बनाई थी कि कैसे मैंने उसे कभी कुछ भी नहीं दिया, जबकि वह मुझे कुछ-न-कुछ देती रहती थी-और वह भी बिना कुछ ज़्यादा खर्च किए। इस वियोग के बाद एक उपहार माँगने की हिम्मत एक लड़की ही कर सकती है, क्योंकि उन्हें आख़िरकार अलग तरह का बनाया गया है। जो भी हो, मैंने उससे वायदा किया था कि मैं बिना उपहार के नहीं आऊँगा-और मैं इसके बारे में पूरी तरह से भूल गया।

"कल सुबह तक।" रेयान ने कहा, "तुम उपहार का इंतजाम कैसे करोगे?"

"मुझे नहीं पता, बस मैं भूल गया। यार, वह रूठ जाएगी। मैं कुछ chocolate खरीद लूँगा, हालांकि वे भी महँगी हैं।"

"ही लेकिन chocolate? लेकिन यह बिलकुल भी नई चीज नहीं है। कोई आश्चर्य नहीं होगा कि वह तुम्हें एक भी न दे।" रेयान

ने कहा।

"जो भी हो। तुम्हारे पास कुछ अच्छे विकल्प हैं।" मैं उसके निष्कर्ष पर खिन्न हो रहा था, जो शायद ठीक थे!

"सोचो यार, सोचो।" हमने कई मिनट तक सोचा और बहुत सारे विकल्प सामने आए-कपडे बहुत महँगे, perfume बहुत तुच्छ, किताबें अवैयक्तिक हैं और इसी तरह के और। मेरे पास न तो समय था और न ही काम चलाने के लिए कोई विकल्प।

"उसके लिए कुछ बना लो।" रेयान ने अपनी उँगली चटकाई।

"क्या?"

"जैसे यहीं lab में कोई चीज बना लो। एक इंजीनियर के हाथों बना एकदम original, कितना बढ़िया विचार है यह?" यह एक अच्छा विचार लग रहा था, यद्यपि पूरी तरह से अव्यावहारिक था। और शायद वह उम्मीद कर रही हो कि मैं कुछ ज़्यादा रुपए खर्च करूँ।

"क्या बनाऊं?"

"मुझे नहीं पता। किसी साधारण उपकरण के बारे में सोचो, जिसे वह इस्तेमाल कर सके।"

मैंने नेहा के जीवन के बारे में सोचने की कोशिश की। उसके पास बहुत सारी चीजों से भरा एक बड़ा बैग है।

"उसके लिए lipstick रखने का एक छोटा बॉक्स कैसा रहेगा? जब वह अपने बैग से कोई चीज निकालती है तो उसकी lipstick लुढ़क कर बाहर गिर जाती है।"

"अब तुम ग्राहक की आवश्यकताओं के बारे में सोच रहे हो। okay lipstick box. लेकिन अधिकतम कितनी lipsticks के लिए?"

"तीन...चार।"

"और एक lipstick की माप?"

"कुछ पता नहीं। शायद तीन इंच ऊँची, एक इंच लंबी और एक इंच चौड़ी।"

"बहुत अच्छा। समझो, हम दो के ऊपर दो रखें... और फिर हम मोटाई की धातु की पत्ती से design बनाएं!"

मेरे मूर्खतापूर्ण lipstick बॉक्स के लिए मैंने रेयान को एक अश्रद्धालु IIT के गौण प्रतियोगी से एक भाव-विह्वल वैज्ञानिक में बदलते देखा। पहली बार उसने ध्यान से engineering drawing बनानी शुरू की, जैसे कि वह वाकई बनाना चाहता है। उसने अन्य जरूरी बातें भी सोची, जैसे सहसा ही खुलने वाला ढक्कन, एक छोटा शीशा (दर्पण) और सबसे ऊपर उसका नाम उकेरना।

design के बाद उसने इस काम को हिस्सों में बाँट दिया-काटना, मोड़ना, polish करना : वे सारे विचार जो हमें class में एकदम बोरिंग लग रहे थे, अब अचानक बड़े ही रोमांचक लगने लगे। हम उस दिन के अपने वास्तविक assignment के बारे में भूल गए क्योंकि वैसे भी हमें अपने grades की परवाह नहीं थी।

तीन घंटे बाद मैंने आख़िरी थोड़े अक्षर नेहा चेरियन के मेड इन IIT lipstick बॉक्स पर उकेरे।

"यह काफ़ी अच्छा है।" मैंने कहा, उसके चिटक कर खुलने की प्रक्रिया से प्रभावित होकर-"उसे यह बहुत पसंद आएगा। धन्यवाद, रेयान!"

"किसी को कोई दिक्कत नहीं।" उसने अपना अँगूठा सहमति में उठाया। हाँ मैं सच में रेयान जैसा बनना चाहता था, जिसे मैं अधिकतर पसंद करता था। कम-से-कम मैं उससे अपने से कम घृणा करता था।

मैंने ice-cream पार्लर में नेहा को वह उपहार दिया।

"क्या? क्या कहा तुमने कि यह क्या है?" उसने उस धात्विक सिगरेट के डिब्बे जितने बड़े केस को अपने हाथों में घुमा कर

देखा।

"यह एक lipstick होल्डर है।" मैंने कहा।

"सच में! मैंने इसके बारे में कभी सुना नहीं। "

मैंने उससे उसकी lipstick माँगी। उसके पास पाँच थीं, जिसका मतलब था कि हमारा design क्षमता से कम था। फिर भी, मैंने चार lipstick लीं-लाल, तांबे के रंग की, भूरे रंग की और गुलाबी (लड़कियाँ अपने बदन पर यह रंगीन मोम क्यों लगाती हैं, यह मेरे लिए एक रहस्य है) और उन्हें बॉक्स में डाल दिया। आराम से फिट, चिटक कर खुलने वाला कवर-हमारा design एकदम सही तरीके से काम कर रहा था। एक सतह पर शीशा था, जिससे कि इस्तेमाल करनेवाला lipstick को सही तरह एवं सही जगह पर लगाए और गलती से अपने कान को न पेंट कर डाले।

"लेकिन यह lipstick केस क्यों?"

"मुझे नहीं पता। शायद मुझे तुम्हारे होंठ पसंद हैं।" मैंने कहा।

"बहुत विचित्र हो! क्या तुमने इसे खुद बनाया?" उसने कहा।

"हाँ रेयान के साथ मिलकर। देखो, इस पर तुम्हारा नाम भी अंकित है।" मैंने बॉक्स को घुमाया और उसकी निचली सतह दिखाई-'नेहा चेरियन', दुनिया का सबसे सुंदर नाम सबसे सुंदर अक्षरों में लिखा हुआ था।

"वाह!" नेहा ने धीरे से कहा और फिर IIT, दिल्ली के machining lab में बने उस lipstick होल्डर के साथ ऐसे खेलने लगी जैसे वह कोई छोटी बच्ची हो।

"वाह!" उसने दोबारा कहा।

पर मैं उस एकाक्षरिक 'वाह' से ज़्यादा प्रशंसा की उम्मीद कर रहा था।

"कभी किसी ने मेरे लिए ऐसा कुछ नहीं किया।" नेहा ने कहा। और यही पल था जब तुक्के से मैंने सही समय पर सही निशाना साधा। "मुझे नहीं पता कि यह मेरे दिमाग में कैसे आया, बस आ गया।"

"वैसे मेरे लिए भी मेरी ज़िंदगी में इससे ज़्यादा कोई मायने नहीं रखता।"

शायद यह पूरी तरह सच नहीं था। लेकिन यह पूरा भी नहीं था। वैसे भी, मुझे लगता है कि लड़कियों से सही बात करनी चाहिए चाहे वह सच हो या नहीं। वैसे भी मैं हरि हूँ हरीश चंद्र नहीं।

"सच?" नेहा ने पूछा।

"हाँ।"

"thank you. देखो, मैं अभी इसका इस्तेमाल करती हूँ।" उसने कहा।

मैंने नेहा को अपने होंठ पर lipstick लगाते हुए देखा। वह इतनी तल्लीनता के साथ lipstick लगा रही थी, जितनी तल्लीनता के साथ आलोक क्यूंटी के सवाल हल करता था।

"तुम्हें कितने बजे घर जाना है?" मैंने पूछा।

"नौ बजे तक।" नेहा ने कहा, "मैंने घर में कहा है कि मैं अपनी सहेलियों के साथ डिनर पर जा रही हूँ।"

"वाह, यह तो उनकी उदारता है।" मैंने व्यंग्य पूर्वक कहा।

"वे जानते हैं कि मैं दोबारा समीर के बारे में सोचकर दु:खी थी।"

"सुनो, क्या मैं तुम्हें एक गुप्त जगह पर ले जा सकता हूँ?" मैंने कहा।

"कहाँ?"

"insti की छत पर।"

"क्या? क्या तुम पागल हो? insti के ऊपर, जैसे कि इससे बुरी कोई जगह हो ही नहीं सकती।"

"वहाँ कोई नहीं होगा। रेयान और मैं वहाँ हज़ारों बार गए हैं। वहाँ बाहर का जो नजारा दिखता है वह बहुत ही ख़ूबसूरत है।"

मुझे लग रहा था कि नेहा छत पर जाने के लिए उत्सुक थी। मुझे उसे मनाने और समझाने में थोड़ा समय लगा। मैंने उससे कहा कि हम उसकी स्टैंडर्ड पाँच के अतिरिक्त वाली नीति ऊपर जाने में अपना सकते हैं।

"मैं चलूँगी, लेकिन आज नहीं। अभी नौ बजने वाले हैं। क्यों न हम अगली बार चलें, और उस दिन मैं समीर के लिए पूरा दिन रोऊँगी, ताकि घर वाले मुझे ग्यारह बजे तक बाहर रहने की अनुमति दे दें।"

बाहर रहने के लिए भाई को हथियार बनाने का उसका विचार मुझे कुछ अच्छा नहीं लगा था। लेकिन उसके माता-पिता भी प्रमाणित मूर्ख थे और शायद वे ऐसे दाँव-पेंच का इस्तेमाल करने के ही लायक थे।

"अगली बार हम छत पर मिलेंगे, साढ़े आठ बजे।"

"हाँ ठीक है।" उसने कहा, "तुमने कहा कि वह जगह सुरक्षित रहेगी, है न?"

"हाँ मेरा विश्वास करो।" मैंने आँख मारते हुए कहा।

सहयोग का प्रभाव

ये लो, हर एक के लिए एक कॉपी। " रेयान ने हमें paperबाँट, जिनका शीर्षक था-C2D plan.

मैं C2D के बारे में भूल ही गया था, लेकिन रेयान बिलकुल नहीं भूला था। वह इस औपचारिक दस्तावेज पर काम कर रहा था। हम sussies में बैठे थे और आलोक अपने पराँठों की दूसरी प्लेट में व्यस्त था, जब रेयान ने हमारे बाकी IIT के सफर के लिए यह plan निकाला।

"यह क्या है?" आलोक की चिकनी उँगली के निशान उस कागज़ पर आ गए। वास्तव में उसे IIT plan की बजाय एक tissue paperकी जरूरत थी। आलोक के खाने के साथ कुछ तो बात थी, जिसे देखना बहुत ही वैयक्तिक था।

मैंने उसकी विषय-सूची पढ़ी।

C2D. IIT का system अनुचित है, क्योंकि-

1. वह प्रतिभा और व्यक्तिगत मनोदशा को कुचल देता है या दबा देता है।
2. वह देश के सबसे तीव्र बुद्धि वाले छात्रों से उनके सबसे बेहतरीन वर्ष छीन लेता है।
3. वह तुम्हारा कठोर GPA system से अनुमान लगाता है, जो कि रिश्तों-नातों को नष्ट कर देता है।
4. professor विद्यार्थियों की परवाह भी नहीं करते।
5. IIT ने देश के लिए कोई योगदान नहीं किया है।

"तुम्हारे पास यह सब करने के लिए वक्त है?" यह था आलोक का जवाब, जो बेवकूफी भरा था; क्योंकि रेयान के पास तो दुनिया का सारा समय था।

मैंने आगे पढ़ा-इसलिए इस अनुचित system से मुकाबला करने का एक ही उपाय है, जो कि है अनुचित साधनों का इस्तेमाल करना-जो कि है C2D और इसी plan का आलोक, हरि, रेयान institute में अपने आगे वाले समय में इस्तेमाल करेंगे। मुख सिद्धांत हैं-

1. हर assignment मिल-जुल कर किया जाएगा-हर व्यक्ति को बारी-बारी से assignment करने होंगे। बाकी सब उसकी नकल करेंगे। समय बचेगा और प्रयास का प्रतिलिपी करण होना भी बचेगा।
2. हम course की जिम्मेदारियों को बाँट देंगे। उदाहरण के लिए ऊपर semester में छह course हैं, तो हम में से हर कोई सिर्फ दो के ऊपर ध्यान देगा। उसे उस course की सारी classes पूरी करनी पड़ेगी, जिसका वह जिम्मेदार है; लेकिन वह बाकी सब courses की class छोड़ सकता है। (नोट-रेयान को professor वीरा के सारे course मिलेंगे) अपने course की हर एक class में-जो तुम पूरी करोगे-उसके अत्यधिक notes बनाने पड़ेंगे। बाकी सब उनकी नकल करेंगे।
3. हम अपनी प्रयोगशाला के प्रयोगों के निरीक्षणों को एक-दूसरे के साथ बाँटेंगे।
4. हमारी दोस्ती GPA से ऊपर है। जो भी अतिरिक्त समय मिलेगा, हम उसमें अपनी ज़िंदगी पूरी तरह से आनंद पूर्वक जीएँगे।
5. हम अपने hostel के कमरों को एक living unit में बदल देंगे-एक साझा bedroom, एक पढ़ाई का कमरा और एक fum room.
6. हम vodka की क़ीमत आपस में बाँटेंगे, बिना यह परवाह किए कि किस ने कितनी drink पी।

रेयान ने हमारी तरफ़ ऐसे देखा जैसे कि वह यह आशा कर रहा था कि हम उसके लिए ताली बजाएँगे। हम चुप रहे, यह सोचते हुए कि वह हमें समझाए कि वह इसके साथ क्या करने वाला था।

"तो तुम लोग इसके बारे में क्या सोचते हो?" उसने पूछा।

"क्या है यह? किसी तरह का teenage club या ऐसा कुछ?"

"अगर तुम इससे सहमत हो तो इस पर हस्ताक्षर कर दो। अपने खून से हस्ताक्षर करो।"

"हाँ क्यों नहीं!" मैंने कहा, "हम कितने बड़े हैं-बारह साल के?"

"मैं इस संबंध में गंभीर हूँ।" रेयान ने कहा और उससे पहले कि हम कुछ कहते, उसने अपनी जेब से एक रेजर blade निकाला और एक झटके में उसके अँगूठे से खून की बूँद बाहर आ गई।

"रेयान, क्या तुम पागल हो?" आलोक चकराया। इस दु:साहसिक कदम पर उसने अपना नाश्ता छोड़ दिया।

"नहीं-नहीं, मैं सिर्फ अपना पक्ष बताना चाह रहा हूँ। तुम निश्चय करो कि तुम्हें क्या करना है।" रेयान ने कहा, फिर उसने toothpick अपने खून में डुबोई और उससे हस्ताक्षर किए।

"क्या हम इसके बारे में पहले चर्चा कर सकते हैं?" मैंने कहा।

"इसमें चर्चा करने की कोई बात नहीं है। मैं किसी को बाध्य नहीं करता।"

"जैसे कि यह सब निरीक्षण और assignment करना, ये सब धोखा नहीं है?" आलोक ने कहा।

मैं आलोक से सहमत था; लेकिन मैं इस समय vodka की क़ीमत से ज़्यादा उसके बारे में चिंतित था, क्योंकि रेयान हमेशा हमसे ज़्यादा पीता था।

"यह धोखा नहीं है समझौता है। उन्होंने हमें हमारे GPA से विभाजित कर दिया है। हम सिर्फ साथ मिलकर इसके ख़िलाफ़ लड़ रहे हैं।"

"मुझे तो ऐसा कुछ नहीं दिख रहा।" मैंने कहा।

"तुम हस्ताक्षर कर रहे हो या नहीं?" रेयान ने अपने हाथ कूल्हे पर रखे।

मैंने C2D के बारे में आख़िरी बार फिर सोचा।

"ठीक है, मैं इस पर हस्ताक्षर तो कर दूँगा, लेकिन मैं अपने आपको काटने-वाटने वाला नहीं।"

"सिर्फ एक सेकंड लगता है।" रेयान ने कहा और इससे पहले कि मैं 'न' कह पाता, उसने मेरी उँगली पर blade मारा और खून बाहर आ गया।

"तुम जल्लाद...।"

रेयान हँसा और बोला, "माफ करना, यार। अपना चेहरा तो देखो। कुछ अच्छी भावना दिखाओ और हस्ताक्षर कर दो।"

मैंने रेयान की तरफ़ खीझते हुए देखा और हस्ताक्षर कर दिए।

आलोक वहीं बैठा रहा। इतना डरा हुआ था जितना कि एक मुरगा कसाई की दुकान पर। अगर पुराना आलोक होता तो वह रेयान के विरोध में खड़ा होता; लेकिन नया और बेहतर आलोक, जो अभी-अभी हमारे साथ वापस आया था, वह दोबारा लड़ाई नहीं करना चाहता था। आलोक ने कहा, "मैं अपनी उँगली अपने आप काटूँगा।"

और जल्दी ही उसकी छोटी अंगुलि से खून निकला और उसने C2D पर आदिवासियों की तरह हस्ताक्षर कर दिए। यह बहुत महत्त्वपूर्ण था। मैंने जो किया, उसके बारे में निश्चित नहीं था; लेकिन यह बहुत ही रोमांचक लगा। हमने उसी दिन अपने तीनों कमरों को एक apartment में बदल दिया। रेयान का कमरा बन गया पार्टी room, आलोक का कमरा पढ़ाई का कमरा-तीन मेज व कुरसी के साथ मेरे कमरे में तीन बिस्तर थे।

"तो तुम तीनों दोस्त अब एक साथ रहने लगे।" नेहा ने कहा। हम insti की छत पर जाने के रास्ते में थे, जैसा कि तय हुआ था। वह मुझे शाम को आठ बजे मिली। उसके माता-पिता इस बारे में अनजान थे। उसके किसी सहेली के जन्मदिन की पार्टी में जाने की कल्पना कर रहे थे।

"हाँ कुछ इस तरह ही। हमने अपने कमरों को एक living unit में बदल दिया।" मैंने हांफते हुए कहा, जब हम इमारत की पीछे की सीढ़ियों पर चढ़ रहे थे।

"काफ़ी मज़ेदार है।" उसने अपनी आँख से पलक का बाल हटाते हुए कहा।

जब हम छत पर पहुँचे तब तक अँधेरा हो चुका था। और हमेशा की तरह वहाँ कोई नहीं था।

"वाह, उन सितारों को देखो।" नेहा ने कहा।

"हाँ।" मैंने गर्व महसूस करते हुए कहा, जैसे कि मैंने ही यह आसमान रँगा हो।

"और ये सब हमारे हैं। campus का दृश्य देखो। देखो-देखो, यह वह जगह है जहाँ हम रहते हैं।" मैंने इशारा किया। हम ज़्यादा कुछ नहीं देख पा रहे थे living room की लाइट को छोड़ कर।

"वाह, हम इनके पास हैं, पर फिर भी कितने दूर हैं।" नेहा ने सीमेंट वाले फर्श पर बैठते हुए कुछ ऐसे कहा जैसे कि वह स्वप्नलोक में थी। "तो?"

"तो क्या?" मैंने कहा।

"vodka कहाँ है? क्या तुम लड़के यहाँ पीते नहीं?"

"हाँ, लेकिन तुम तो नहीं पीतीं! क्या तुम पीती हो?"

"ऐसा कौन कहता है? मैं पीऊँगी, अगर तुम भी कुछ पीयो तो।"

"हम घंटी के नीचे एक बोतल छिपाते हैं। मुझे देखने दो।" नेहा के निवेदन पर आश्चर्यचकित होते हुए मैंने कहा। वह एक अच्छी लड़की थी, मैंने ऐसा सोचा था। अच्छी लड़कियाँ नहीं पीतीं। लेकिन मैं थोड़ी पी सकता था, इसलिए बोतल के साथ वापस आ गया। "अच्छा है।" dish antenna के सहारे लेटते हुए उसने कहा, "ऊपर उन सितारों को देखो, कितने ख़ूबसूरत हैं! काश, मैं एक चिडिया होती!"

जब लोग चिड़िया बनना चाहते हैं, साधारणतः उन्हें चढ़ जाती है। लेकिन वह तो पीने के विचार से ही ऐसा व्यवहार कर रही थी।

"ओह! जी चाहता है, यहाँ हमेशा के लिए लेट जाऊँ। मुझे एक और drink दो।" उसने कहा।

"ज़्यादा मत पीयो।" मुझे उसे सावधान करना पड़ा।

"हाँ, नहीं पीऊँगी। अगर मेरे पिता ने सूँघ लिया तो वे मुझे मार डालेंगे।"

"बिलकुल, तुम्हारे मुँह से उसकी गंध तो आएगी ही।"

"ज़्यादा नहीं, यह देखो।"

उसने अपना पर्स खोला। दस चीजों के बाद उसने इलायची का एक पैकेट निकाला।

"देखो, इसमें से एक खाकर मैं घर बिना किसी दुर्गंध के जा सकती हूँ।

"सच में, एक तो अभी खाओ और.."

"क्या? क्या मेरे मुँह से दुर्गंध आ रही है?" वह सीधे होकर बैठ गई।

"नहीं, मैंने ऐसा तो नहीं कहा।"

उसने मेरा हाथ पकड़ते हुए अपनी ओर खींचा-" मेरी आँखों में देखो और देखकर

बताओ कि मेरे मुँह से दुर्गंध आ रही है या नहीं?"

"मुझे नहीं पता, मैं तुम्हारे मुँह के इतने पास कभी नहीं आया।" मैंने सत्यता से कहा, वैसे हमारे मुँह के बीच में अंतर अब कुछ मिलीमीटर भी नहीं रहा।

"भाड़ में जाओ!" वह हँसी और मुझे धकेल दिया।

"देखो, तुम एकदम डरपोक हो, एकदम डरपोक।"

"नहीं, मैं नहीं हूँ। देखो मुझे, एक professor की बेटी-insti की छत पर शराब पीए वह भी five point वाले एक loafer के साथ।"

अगर वह हँस नहीं रही होती तो मैं उसके कहने पर नाराज होता, पर मैंने अवसर का लाभ उठाने का निश्चय किया।

"loafer? तो क्या मैं एक loafer हूँ?" मैंने कहा।

"हाँ लेकिन.."

"लेकिन क्या?"

"लेकिन मैं अपने loafer से प्यार करती हूँ।" उसने कहा और फिर से अपनी ओर

मुझे खींचा। फिर से हमारे मुँह कुछ ही मिलीमीटर दूर थे। उसने अपना सिर एक तरफ़ झुकाया। क्या वह मुझे चुंबन करने वाली थी? या वह मुझे दो vodka पीने के बाद वाला चुंबन करने वाली थी?

"हमें शिक्षा की जरूरत नहीं है।" एक मोटी गाती हुई आवाज ने हमें आलिंगन से जगाया। कोई insti की छत पर आ रहा था।

"क्या है?" नेहा ने कहा, "तुमने तो कहा था कि यहाँ कोई भी नहीं आता।"

"मुझे नहीं पता, श-श. .चुप रहो।" एंटिना के पीछे छिपने की कोशिश करते हुए मैंने कहा।

मैंने अंत में रेयान की आवाज को उस बेसुरे गाने से पहचाना और उसे हमारे vodka छिपानेवाली जगह पर जाते हुए देखा।

"यह तो रेयान है!" मैंने राहत और चिड़चिड़ाहट भरी आवाज में कहा।

"रेयान!" मैं चिल्लाया।

"हरि!" हमारी तरफ़ चल कर आते हुए वह दोबारा चिल्लाया।

"शैतान, तुम यहाँ पर हो और मैं तुम्हें हर जगह ढूँढ रहा था। क्या तुम्हारे साथ कोई है?" "रेयान, मैं चाहता हूँ कि तुम इससे मिलो!"

"यह तो एक लड़की है।" रेयान ने चिल्लाते हुए ऐसे कहा जैसे कि उसने मुझे मरे हुए खरगोश के साथ देखा हो। नेहा अभी भी मेरे पीछे छिप रही थी, ताकि वह पहचानी न जा सके।

"यह तो नेहा है।" मैंने कहा।

"नेहा, रेयान से मिलो। रेयान, अब अच्छे बनो और नेहा से 'हैलो' कहो।"

रेयान की आवाज तुरंत धीमी पड़ गई। आदमियों की क्या बात है, लड़की के संगत में वे अलग ही आदमी बन जाते हैं।

"हाय नेहा!" रेयान ने जिसके बारे में बहुत सुना हो, उसकी ओर ज़्यादा घूरने को उपेक्षित करते हुए कहा।

"हाय!" नेहा ने कहा, अभी भी संदेह में है कि रेयान पर भरोसा किया जा सकता है या नहीं।

"मैं तो सिर्फ हरि को एक assignment करने के लिए ढूँढ रहा था।" रेयान ने कहा।

"छोड़ो न रेयान! हम लोग यहाँ drink के लिए आए हैं।" मैंने कहा।

"सच?" रेयान ने कहा, जैसे कि वह सोच रहा था कि नेहा के पंख लगे होंगे और प्रकाश-चक्र से होगी या ऐसा ही कुछ, "लेकिन मैंने सोचा था कि नेहा ऐसी नहीं होगी।"

"वैसी कैसी?"उसने तुरंत पूछा।

"कुछ नहीं।" रेयान ने कहा और गरम ज़मीन पर बैठ गया।

"तो क्या सुना है तुमने मेरे बारे में?" नेहा ने कहा।

"काफ़ी कुछ।" रेयान ने कहा और उसे हमारी पहली सभी मुलाक़ातों के बारे में विस्तार से बताने लगा। वे लोग घंटों तक बातें करते रहे और मैं सिर्फ पीता गया। रेयान के पास कोई computer जैसी याददाश्त थी और उसने वे सब बातें बताई जो मैं खुद भी भूल चुका था।

"उस दिन तो मैंने परिवार नियोजन वाले वृत्तचित्र के बारे में बताया।" नेहा ने ही-ही करते हुए कहा।

"बिलकुल, वह मुझे सबकुछ बताता है।" उसने गर्वित होते हुए कहा।

मैं सोच रहा था कि मैं और नेहा चुंबन कर चुके होते और बाकी कुछ भी, अगर रेयान यहाँ नहीं आया होता। मैंने उसे insti की छत से धक्का देने के बारे में सोचा, लेकिन फिर सोचा कि उससे तो मूड ख़राब हो जाएगा।

"तो तुमने यह क्यों कहा कि मैं उस तरह की लड़की नहीं हूँ?" नेहा ने कहा।

"मतलब यह पूरी vodka वाली चीज। तुम तो एक...जाने दो।" रेयान ने कहा।

"क्या? बताओ मुझे।" नेहा ने ऐसी शक्ति से कहा, जो सिर्फ ख़ूबसूरत महिलाओं के पास ही होती है।

"तुम तो एक अच्छी लड़की हो। मतलब, नहीं तो तुम उसे कुछ करने क्यों नहीं देतीं? तुम लोग एक साल से एक साथ हो, फिर भी एक चुंबन नहीं। सिर्फ यह अच्छी-अच्छी professor की बेटी।"

"इसने तुम्हें ऐसा बताया?" नेहा ने चरमराते हुए कहा।

"बिलकुल! तुम क्या सोच रही हो, तुम एक लड़के के साथ हो या किसी यौन-विमुख के साथ? तुम्हें नहीं लगता कि उसकी भी कुछ जरूरतें हैं।"

"चुप रहो, रेयान!" यह मेरी ओर से था।

"चलो यार, कभी तो हिम्मत दिखाया करो। यह तुम्हारे ही अच्छे के लिए है।"

"जरूरतें?" नेहा ने दोहराया, स्तब्ध।

"हाँ हर आदमी की जरूरतें होती हैं और तुम्हारी जैसी सुंदर लड़कियाँ या तो उनके बारे में जानती नहीं या पावर games के लिए मना करती हैं।"

"पावर?" नेहा ने दोहराया।

मैं रेयान से कहना चाहता था कि मैं अच्छी तरह से एक जगह पर पहुँच रहा था, धन्यवाद, जब वह वहाँ सीटी मारते हुए पहुँच गया।

"हाँ पावर। और क्या?" रेयान ने थोड़ा शांत होते हुए कहा।

“मैं पावर को चाहती हूँ? अब यह तो एक मजाक है। तुम लड़के कभी लड़कियों को नहीं समझते न!” नेहा ने vodka से मिले साहस से कहा, जिससे वह रेयान तक से टक्कर ले सकती थी।

“हाँ।” रेयान ने साबित करते हुए कहा कि वे वास्तव में लड़कियों को नहीं समझते।

उसके बाद नेहा को जल्दी घर जाना था, इसलिए हमने उस विषय पर बहस बंद कर दी। बाद में मैं रेयान पर चिल्लाना चाहता था, लेकिन उसने मेरे लिए दो सिगरेट बना दी थीं और मुझे कुमाऊँ तक scooter से ले गया, इसलिए मैंने उसे जाने दिया। वैसे भी, नेहा ज़्यादा गुस्से में नहीं दिख रही थी।

मुझे यह अन्तर्ज्ञान हो रहा था कि शायद रेयान ने मेरी मदद कर दी हो!

उपहार

मैं अंदर से बहुत ही बुरा आदमी हूँ और मैंने यह तब सिद्ध किया जब आलोक ने सुबह की class में जाने का काम किया, उसकी वेंकट के साथ के दिनों की जल्दी उठने की आदत का प्रमाण देते हुए मैंने यह इसलिए किया, क्योंकि मेरी और रेयान की सुबह उठने की आदत पर भरोसा नहीं किया जा सकता।

C2D बहुत ही महान था, यह मैंने जाना; क्योंकि पूरे semester में सिर्फ दो courses की जिम्मेदारी ही मेरी थी। और बाकी सब course के लिए आलोक एवं रेयान मुझे सारे assignment (जिन्हें मैं कॉपी करता था) और उनके notes (जिन्हें मैं photocopy कराता था) देते थे। और मैं इसके बदले में अपने courses की सामग्री उन्हें देता था। अब हमें सिर्फ एक या दो घंटे प्रतिदिन पढ़ाई करनी पड़ती थी, और इस वजह से हमारे पास अब फिल्म देखना, scooter चलाना, restaurant, शतरंज, scrabble, indoor क्रिकेट, सोने के लिए, squash, (हाँ, रेयान फिर से कोशिश कर रहा था) और हाँ शराब व सिगरेट के लिए भी बहुत सारा समय था। उस semester से पहले minors बड़ी ही आसानी से पूरे हो गए। हम कक्षा में अव्वल या कुछ भी आएं लेकिन हमारी उम्मीदें कम थीं-सिर्फ हमारे five point GPA को बनाए रखना। यह प्रशंसनीय है कि कोई अपनी स्वयं की कम उम्मीदों से इतना ख़ुश हो सकता है।

एक दिन मैं design class में था, एक course जिसकी जिम्मेदारी मेरी थी। रेयान ने मेरे साथ class की। मेरे ख़याल से वह समझता है कि वह बहुत ही बड़ा designer या कुछ है। professor वोहरा हमें पढ़ा रहे थे।

"class, यह प्रश्न उतारो और मैं चाहता हूँ कि तुम अगले पंद्रह मिनट में इसे खत्म करो। puncture हुई कार आदि के chassis को उठाने के लिए एक कार जैक का design बनाओ। एक साधारण design चित्र के द्वारा।"

professor वोहरा एक हट्टे-कट्टे आदमी थे, जो लगभग पचास साल के थे, जिनका चेहरा एक professor की छवि से अलग असामान्य एवं दयालु था। लेकिन उनके चेहरे का भोलापन उनके व्यवहार से मेल नहीं खाता था। एक semester में छह term papers और एक घातक लाल pen, जो एक के बाद एक design सब मिशन को काटता रहता था तो 'दयालु' शायद ही वह शब्द होगा, जो कि उनके बारे में अपना मत व्यक्त करे।

यह मेरा course था, इसलिए मुझे ही कार जैक का स्कैच बनाना पड़ेगा और रेयान उसकी नकल करेगा। professor वोहरा ने हमें इतना तो पढ़ाया ही था कि हम एक basic screw (पेंच) के जैसा design बना सकें। मैंने बनाना शुरू ही किया था तो रेयान ने कहा, "क्या तुम भी वही बकवास चीज बनाओगे, जो बाकी सब बना रहे हैं?"

"हाँ सर, मैं Thomas Edison नहीं हूँ।" मैंने कहा, "और यह मेरा course है, इसलिए तुम-चुप बैठो और मेरी नकल करो।"

"मेरे पास एक और विचार है।" रेयान ने कहा।

मैं रेयान को बताना चाहता था कि वह अपना दूसरा विचार लेकर भाड़ में जाए और सीधे-सीधे मेरे screw जैक की नकल करे। लेकिन मैं उसे कभी कुछ नहीं कहता था, और वैसे भी वह कभी किसी की बात सुनता नहीं था।

तो रेयान ने अपना संशोधित screw जैक बनाया, जिसमें हमें एक साथ जैक को खोलना व उठाना नहीं पड़ता। Tyre puncture का मतलब यह नहीं है कि इंजन ख़राब हो गया है, उसने कहा, इसलिए हम पारंपरिक जैक पर एक मोटर लगा सकते हैं और उसे कार बैटरी तक जोड़ सकते हैं। अगर हम गाड़ी को चालू करते हैं तो फिर मोटर उससे पावर ले सकती है।

"तुम क्या कर रहे हो?" मैंने कहा। रेयान के गाड़ी की बैटरी के sketch से चिंतित, जो कि अभी दिए हुए काम से बिलकुल ही भिन्न था।

"तुम रुको और देखो। professor इसे बहुत ही पसंद करेंगे।"

मैं अपने पारंपरिक screw जैक पर ही डटा रहा, बाकी class की तरह। course का नाम design था-न original design.

professor वोहरा class की पंक्ति में चल रहे थे-परिचित designs को देखते हुए जो कि उनके विद्यार्थी साल दर साल बनाते हैं-साधारण screw jack. उनका चलना हमारी मेज के पास आकर खत्म हुआ।

"यह क्या है?" professor वोहरा ने अपना सिर घुमाते हुए जिससे कि वे रेयान की अपरिचित design का मतलब समझ सकें, कहा।

"सर, यह एक संशोधित screw jack है। " रेयान ने कहा, "यह गाड़ी की बैटरी से जोड़ा जा सकता है।"

"क्या यह electronic engineering की class है?"

"नहीं सर, लेकिन इसकी अंतिम आवश्यकता एक ही है।"

"क्या यह एक आंतरिक ज्वलन इंजन की class है?"

"सर, लेकिन..."

"अगर तुम्हें मेरी class में नहीं रहना या मेरी बात नहीं सुननी तो तुम जा सकते हो।"

professor वोहरा का चेहरा अब दयालु नहीं था। अगर रेयान चुप बैठता तो वे वहाँ से चले जाते।

"सर, यह एक नया design है।" रेयान ने कहा, जैसे कि वह स्पष्ट नहीं था। "सच है और तुम्हें ऐसा करने के लिए किस ने कहा?"

रेयान ने जवाब नहीं दिया, सिर्फ अपनी assignment शीट उठाई और एक ही झटके में उसे दो हिस्सों में फाड़ दिया।

"यह लीजिए यह अब बेकार है।" रेयान ने कहा।

professor वोहरा का चेहरा ऐंठने के साथ और लाल हो गया-" मेरी class में ज़्यादा होशियार मत बनो।"

"माफ करना, Sir." मैंने कहा, लेकिन यह मेरे कहने के लिए नहीं था। लेकिन उससे तनाव खत्म हो गया। professor वोहरा ने साँस बाहर निकाली और आगे चले गए रेयान बैठ गया।

"यह जो तुमने किया, वह ठीक नहीं था। तुम जानते हो, वह तुम्हें फेल कर सकते हैं।" मैंने रेयान से class के बाद कहा।

"मुझे फर्क नहीं पड़ता। मैं तो इस बकवास जगह से जल्द-से-जल्द निकलना चाहता हूँ।" उसने scooter के स्टैंड को किक मारते हुए कहा, जैसे कि वह professor वोहरा का चेहरा हो।

यह वैसे भी रेयान का course नहीं था। उसने इसके बाद design की और कोई class attend नहीं की। उसने सीधे मेरे assignment से उत्तर लिखे बिना कोई दिमाग लगाए और प्रश्नों को देखने की कोशिश भी नहीं की। हाँ, हमारे सबसे बेहतरीन designer ने हार मान ली।

हम तीनों अपने पढ़ाई के कमरे में थे, आलोक के थर्मल science के assignment की नकल कर रहे थे।

"तो professor वोहरा तुमसे बहुत नाराज हैं।" आलोक ने कहा।

रेयान चुप रहा।

"बिलकुल, वह तो होंगे ही। तुम्हें उनका चेहरा देखना चाहिए था।" मैं भी सहयोग करते हुए बोला।

आलोक सिर हिलाते हुए हँसने लगा।

"वह ज़्यादा-से-ज़्यादा मुझे फेल कर सकता है।" रेयान ने कहा।

"यह मुद्दा नहीं है।" आलोक ने कहा।

"मोटे, तुम्हें तो मुद्दा कभी समझ में आएगा ही नहीं, इसलिए छोड़ दो। वैसे professor वीरा ने मुझे lubricant assignment के बारे में बात करने के लिए बुलाया था।"

"सच!" आलोक और मैंने एक साथ कहा, यह सोचते हुए कि क्या professor वीरा ने हमें नकल करते हुए पकड़ लिया था?

"चिंता करने की कोई बात नहीं है, यार। मैंने उन्हें अलग से एक paper दे दिया। वह एक अंतिम assignment नहीं था।"

"तुम्हारे पास अलग paper बनाने का समय है।" मैंने कहा।

"मैं जो करना चाहता हूँ उसके लिए मेरे पास समय है। मेरे पास विभिन्न चीजों के मिश्रण से scooter इंजन के lubricant की योग्यता का पता करने के लिए कुछ प्रयोग करने के विचार थे।"

"कहाँ?" मैंने कहा।

"वैसे तो fluid mechanics की class में। लेकिन उसके लिए हमें चाहिए scooter इंजन और बाकी सामान खरीदने के लिए कुछ पैसे। उससे पहले कुछ प्रयोग मैंने अपने scooter पर किए।"

"वाह! तुम तो अपना scooter बरबाद करने पर तुले हो। हम कैसे घूमेंगे?" मैंने कहा।

"मैं विज्ञान के लिए शायद कुछ करना चाहता हूँ। वैसे मैंने mileage पता करने के लिए कई तरह के तेलों का मिश्रण बनाया। मेरे ख़याल से मैं साधारण lubricant को 10 प्रतिशत तक हरा सकता हूँ।"

मुझे कहना पड़ेगा कि मैं रेयान से बहुत ही प्रभावित था। सभी की हर मुश्किल के ख़िलाफ़ यह आदमी हमारे पेट्रोल बिल में कमी लाने के लिए मेहनत कर रहा था। मैंने उन अतिरिक्त पराँठों के बारे में सोचा, जो कि हम 10 प्रतिशत पेट्रोल की बचत से खरीद सकते हैं।

"professor वीरा ने तुम्हें क्यों बुलाया था?" आलोक ने पूछा।

"उन्होंने कहा कि वे मुझे institute से प्रयोगशाला में प्रयोग करने तथा अनुसंधान लिए पैसा दिलवाने में मदद करेंगे।"

"वाह! तुम तो एक scholar बन जाओगे, यार।" आलोक ने कहा।

"हाँ, जो भी हो।" रेयान ने उपेक्षा प्रकट करते हुए अपने कंधे उचकाए।

"यह इतना आसान नहीं है। हमें पहले तो एक प्रस्ताव देना पड़ेगा professor चेरियन को। इसमें बजट, लाभ, समय और ऐसी सब बकवास के बारे में विस्तार से बताना पड़ेगा, फिर एक कमेटी बनेगी। इसमें महीनों लग जाएँगे।"

"लेकिन अगर तुम इसमें कामयाब हो जाते हो... " आलोक ने तेजी से आँखें झपझपाई "बहुत खूब, यार।"

"मुझे प्रस्ताव बनाने के लिए अगले कुछ हफ़्तों में बहुत मेहनत करनी पड़ेगी। चिंता मत करो, मैं अपने courses जारी रखूँगा लेकिन कोई मौज-मस्ती या फिल्म नहीं।" रेयान ने अगर यही बात आलोक ने कही होती तो रेयान गुस्से से पागल हो जाता। लेकिन यह रेयान था और हम उसे कभी कुछ नहीं कहते थे। और वैसे भी मुझे काफ़ी ख़ुशी थी कि वह कुछ ढंग का काम करने जा रहा था।

"ठीक है, हम तुम्हें बता देंगे, जो तुम्हारा काम अधूरा रह जाएगा।" मैंने कहा और आलोक की तरफ़ आँख मारी। "हाँ लेकिन अब यह तुम्हें रट्टू बना देगा।" आलोक ने कहा। "मैं रट्टू नहीं हूँ। रट्टू तो तुम्हीं हो, वेंकट बॉय।" रेयान ने तुरंत ही मुँह तोड़ जवाब दिया।

मुझे यह कहना पड़ेगा कि मुझे आलोक के घर जाना पसंद नहीं था। उसके घर पर जाने का ख़याल ही मुझ पर दवाइयों की बदबू, टूटती हुए दीवारें, सीमेंट व खाने की बदबू और उस पर एक महिला, जो सब चीजों पर रोती रहती थी, प्रहार करते थे। फिर भी एक ऐसा शनिवार था आलोक के साथ सिर्फ इसलिए, क्योंकि रेयान अपने research प्रस्ताव में व्यस्त था। रेयान को इतना काम करते हुए देखना बहुत ही आश्चर्यजनक था और वह हफ्ते में तीन रातें computer सेंटर या library में बिताता था। और उस पर अपना पूरा दिन fluid mechanics lab में lubricant मिश्रण बनाने और फिर अपने scooter पर प्रयोग करने में बिताता था। मैंने उसे 'प्रिया' में लगी उस फिल्म के बारे में बताया, जिसमें छह अश्लील दृश्य थे और उसने मुझे सिर्फ खाली नजरों से देखा। मैंने उसे नई cocktail की सभी विधियों से लुभाने की कोशिश की, लेकिन वह हर रात अपनी छह कप कॉफी पर अडिग रहा। उद्देश्य बनाना, किफायती बजट तैयार करना, research, पुरानी research उसके प्रस्ताव के हर क्षेत्र में मानो एक अरब पेज हों। वह professor वीरा को अपने draft देता था, जो हमेशा उससे और अधिक करवाना चाहते थे।

इसलिए जब आलोक ने मुझे अपने घर पर लंच के लिए बुलाया, मैंने अब तक scooter चलाना सीख लिया था और उस दिन रेयान का scooter खाली था (लेकिन रेयान ने हमें आने और जाने तक के किलोमीटर को नोट करने का काम दिया था)।

दिल्ली की सड़कें एक बुरे सपने जैसी हैं और मैं तो रेयान के जितना तेज चलाने के बारे में सोच भी नहीं सकता। आलोक और मैं 50 के ऊपर जा ही नहीं सके, आलोक बातें करता रहा, जब मैं गाय और पुलिस वालों से बचते हुए उपनगर क्षेत्र में जा रहा था।

"क्या तुम्हें लगता है कि रेयान को medical मिलेगा?" पीछे बैठे हुए आलोक ने कहा।

"मुझे ऐसा लगता है। उसका प्रस्ताव ही 80 पन्नों का है, जो अपने आप में ही एक medical है। मेरा मतलब है कि यह सारा उसका खुद का मौलिक कार्य है।"

"हाँ लेकिन तुम्हें तो पता है कि उसे अपने प्रस्ताव पर एक कवर सीट लगानी होगी।"

"तो?"

"cover seat पर विद्यार्थी का नाम और GPA होता है। तुम्हें लगता है कि वे लोग किसी five pointer को खर्चा देंगे?"

"क्यों नहीं! वे लोग प्रस्ताव पढ़ कर निश्चित करेंगे ना!"

"वे लोग professor हैं। " आलोक ने कहा, "और तुम्हें तो पता ही है कि वे किस प्रकार सोचते हैं।"

"professor वीरा उसके साथ हैं।"

"हाँ देखते हैं।"

हम आलोक के घर एक घंटे में पहुँच गए। मैंने वहाँ दवाई की बदबू से बचने के लिए मानो साँस लेना ही बंद कर दिया। लेकिन oxygen के बिना ज़्यादा देर तो नहीं रहा जा सकता था। पर भाग्यवश जल्दी ही आलोक की माँ ने खाना परोस दिया।

"आलोक, देखो, मैंने तुम्हारे व तुम्हारे दोस्त के लिए पनीर बनाया है।" उसकी माँ ने कहा।

एक गरीब परिवार के हिसाब से आलोक का परिवार काफ़ी अच्छे से खाता था। मेरा मतलब है कि खाने में चावल था, रोटी थी, दाल, गोभी-आलू आम की चटनी, रायता और हाँ, मटर-पनीर भी। शायद इससे उनके परिवार के मोटापे के बारे में पता चलता है।

"खाओ बेटा, खाओ। शरमाओ मत।" आलोक की माँ ने मुझसे कहा।

खाना तो लाजवाब था लेकिन वार्तालाप एकदम फीका था। आलोक की माँ अपने पिछले हफ्ते की बातें दोहरा रही थीं, जो कि समस्याओं से भरी थीं। मजे की बात यह है कि उसकी सारी समस्याओं का एक ही समाधान था-ज़्यादा पैसा। सोमवार को पाँच बार ठीक कराया हुआ गीजर ख़राब हो गया और नया खरीदने के लिए पैसा नहीं था। बुधवार को TV एंटीना भी ख़राब हो गया, जो बहुत ही महँगा था। जब तक वह कुछ पैसा नहीं बचा लेते तब तक उन्हें TV के ख़राब प्रदर्शन से ही काम चलाना पड़ेगा। शुक्रवार को आलोक के पिता बिस्तर से गिर गए तो doctor को घर बुलाना पड़ा, जिस वजह से सौ रुपए और खर्च हो गए।

और भी बहुत सी कहानियाँ थीं-राशन की दुकान पर चीनी महँगी हो गई और हफ्ते में दो बार नौकरानी नहीं आई।

"माँ, क्या तुम मेरे दोस्त को बोर करना बंद करोगी?" आलोक ने कहा।

"नहीं, कोई बात नहीं।" मैंने और दाल लेते हुए कहा। असल में जो जीवन आलोक की माँ बिता रही थीं वह मुझे चकित कर रहा था। मेरे मन में पिछले एक साल से उनका यही रूप छाया हुआ था कि वे कैसे अपनी साड़ी के पल्लू से अपने आँसू पोंछ रही थीं। लेकिन अब मुझे एहसास हुआ कि उनकी भी एक ज़िंदगी थी।

वे जीवन में जितनी चुनौतियों का सामना करती थीं, वे lubricant research के प्रस्ताव जैसी तो नहीं थीं, लेकिन महँगे टमाटरों जैसी थीं।

"और तुम जानते हो कि सोफे के स्प्रिंग भी बाहर आ रहे हैं।" वे बोल रही थीं, जब आलोक ने उन्हें टोका।

"माँ क्या तुम अब चुप रह सकती हो? मैं एक महीने के बाद घर आया हूँ और तुम्हारे पास मुझे बताने के लिए केवल यह सब है?"

वे आश्चर्यचकित थीं, " मैं अपनी समस्याएँ और किसे बताऊं? मेरा एक ही तो बेटा है।"

"बस माँ।" आलोक ने कहा। उसका चेहरा एक महँगे टमाटर जैसा लाल हो गया था।

"मैं चुप रहूँगी।" आलोक की माँ सहमत हो गईं और खाना खाते-खाते अपने आपसे बड़बड़ाने लगीं, "इनके लिए कमाओ, फिर नौकर की तरह इनके लिए काम करो और ये तुम्हारी बात सुनना भी नहीं चाहते। भौतिकी टीचर श्रीमती शर्मा कहती हैं, आजकल बेटे अपने माता-पिता को भूल जाते हैं।"

टन-टन की आवाज हुई। आलोक ने अपनी प्लेट ज़मीन पर फेंक दी। खाना ज़मीन पर फैल गया और वह वहाँ से चला गया।

मुझे क्या करना चाहिए था? अपने दोस्त के पीछे जाऊँ, जो मुझे यहाँ लाया था? या वहाँ बैठकर आलोक की माँ को साड़ी से आँसू पोंछते देखूँ? मैंने ठान लिया कि मैं इसमें से कुछ नहीं करूँगा। बस, अपना ध्यान मटर-पनीर पर रखूँगा। खाना अच्छा था और मैं इसीलिए यहाँ आया था, अपने आपको यह कहता रहा प्लेट को ध्यान से देखते हुए।

कहने की जरूरत नहीं कि यह एक अच्छी मुलाकात नहीं थी। आलोक थोड़ा ठंडा हो गया और living room में वापस आकर सोफे पर बैठ गया। आलोक की माँ ने अपना आंसुओं का कोटा पूरा किया और खीर लेने के लिए रसोईघर में चली गईं।

"हरि, तुम इस समस्या से दूर ही रहो। तुम नहीं समझोगे।"

हाँ, सही है, मुझे इससे दूर ही रहना चाहिए मैंने सोचा। लेकिन वही तो मुझे वहाँ लेकर आया था।

"उन्होंने तुम्हारे लिए खीर और इतना कुछ बनाया है। तुम्हारी समस्या क्या है?"

"यह मेरी समस्या है। तुम नहीं समझोगे, चुप रहो और खीर के लिए इंतजार करो।"

हमने खीर के लिए इंतजार किया, जो कि स्वादिष्ट थी। मैं निश्चिन्त था कि आलोक का परिवार अपनी आधी समस्याओं का समाधान कर सकता था, अगर वह खाने में थोड़ा कम खर्च करे, लेकिन अच्छा खाना उनके लिए अधिक महत्त्वपूर्ण था, TV के प्रसारण से भी अधिक महत्त्वपूर्ण। यह उनकी समस्या थी, इसलिए मैं इससे बाहर ही रहा, तब तक हम वहाँ से चले।

"मैं जानता हूँ तुम क्या सोच रहे हो?" आलोक ने कहा।

"क्या?"

"कि मैं इतना निर्दयी कैसे हो सकता हूँ?"

मैंने आलोक के बारे में सिर्फ एक ही बात सोची थी कि उसका दिल कितना दुःखी इतना मोटापा देने वाले भोजन की वजह से।

"नहीं, तुम्हें पहले कभी ऐसे नहीं देखा।" मैंने मुनीरका crossing का चक्कर लगाते हुए तथा एक मूँगफली बेचने वाले को बचाते हुए कहा।

"वे सिर्फ इसी के बारे में बात करती हैं-समस्या, समस्या और समस्या।" आलोक ने कहा, "और मैं क्या करूँ उनके बारे में?"

"यह तो सच है।" मैंने कहा, यह सोचते हुए कि आलोक मुझे ऐसी समस्या के बारे में बता रहा है, जिसके बारे में मैं कुछ नहीं कर सकता।

मौखिक परीक्षाएँ-मेरे विद्यार्थी जीवन के सबसे अप्रिय और भयभीत कर देने वाले पल। मैं उनसे ऐसे पीछा छुड़ाता था जैसे मैं सड़क पर पूँछ झटकती गायों से छुड़ाता था। लेकिन दिल्ली के यातायात में गायों की तरह कभी-कभार आपको उनका सामना करना ही पड़ता है। इस बुधवार को design की मौखिक परीक्षा थी। C2D के अन्तर्गत यह मेरा course था और इसलिए प्रश्नों के उत्तर देने में मुझे सबसे आगे होना था। मैंने आलोक और रेयान को अपनी मदद करने के लिए आश्वस्त करने की कोशिश की; लेकिन उन शैतानों पर कुछ असर नहीं हुआ और वे पिछली रात 10 बजे ही सो गए मुझे रात भर रटने और संभावित प्रश्नों को तैयार करने के लिए अकेला छोड़ दिया। लेकिन उससे कुछ फायदा नहीं हुआ, क्योंकि मेरे लिए सिर्फ उत्तरों को जानना ही काफ़ी नहीं था।

"हरि, मजबूत ढाँचे को बनाने के लिए सी-40 स्टील सी-20 स्टील से बेहतर क्यों मानी जाती है?"

सी-40 में ज़्यादा कार्बन इसलिए ज़्यादा सख्त स्टील, ऐसा मैंने सोचा। और लागत के हिसाब से भी वह सस्ता होता है। सी-20 मुलायम या और आसानी से झुक सकता था। मुझे उत्तर पता था... यदि professor वोहरा मेरी आँखों में देखना बंद कर देते।

"सर, सी-40 स्टील...। " मैंने कहा, रेयान और आलोक की ओर पीछे मुड़ कर देखते हुए कि उनकी तरफ़ से कुछ सहायता की उम्मीद की जाए।

"मेरी ओर देखो, हरि।" professor वोहरा ने कहा, "मैं तुमसे पूछ रहा हूँ।"

मैं उनकी तरफ़ नहीं देखना चाहता था, लेकिन मैं उत्तर देने के लिए भी उत्सुक था। लेकिन मैं अपने चेहरे और बाँहों से पसीने की बड़ी-बड़ी बूँदें ही निकाल पाया।

चार बार कोशिश करने तथा तीन अलग-अलग प्रश्नों के पूछने के बाद professor वोहरा ने हार मान ली।

रेयान ने अपना सिर हिलाया और हँसने लगा, जैसे कि उसे पहले ही पता था कि यह होने वाला है। आलोक चुप रहा। वह अपने मन में यह हिसाब लगाने लगा कि हमने कितने नंबर खो दिए होंगे।

"माफ करना, यार!" मैंने डिनर पर कहा, "मैंने तुम लोगों को फिर निराश किया। मुझे मौखिक परीक्षाओं से घृणा है।"

mess के कर्मचारियों ने ऐसी रोटियाँ सेंकी, जिनसे आप जींस बना सकते हैं; मैंने एक को ज़ोर से तोड़ा। मैंने सोचा, इससे मेरी परेशानी कुछ कम हो जाएगी।

"मुझे नहीं पता। जब भी कोई मुझसे एक तनाव पूर्ण स्थिति में प्रश्न पूछता है, मैं कुछ कह नहीं पाता।"

"कब से?" आलोक ने कहा।

"हाई स्कूल से।" मैंने कहा।

"कुछ हुआ था क्या?" रेयान ने कहा।

"नहीं... मेरा मतलब है कि हाँ कुछ नहीं।" मैंने कहा।

"क्या?"आलोक ने पूछा।

"जाने दो। मुझे जरा चावल पकडाना। मैं इन रोटियों को हजम नहीं कर पा रहा हूँ। ये रबड़ जैसी हैं।" मैंने कहा।

नेहा का जन्मदिन 1 दिसंबर को था और मैं हमेशा की तरह असमंजस में था कि उसके लिए क्या उपहार लूँ। "तुम्हें उसके लिए कुछ खास करना होगा।" रेयान ने कहा। हम लोग class छोड़ कर canteen में लंच कर रहे थे।

"खास, लेकिन कैसे? मेरे पास तो पैसे ही नहीं हैं। इस समय तो मैं टूथपेस्ट भी नहीं खरीद सकता।" मैंने कहा।

"तुम अपने दाँत साफ नहीं करते?" आलोक ने ऊपर देखते हुए कहा।

"नहीं यार, मैं रेयान का इस्तेमाल कर रहा हूँ।" मैंने कहा।

"ठीक है, अब विषय पर आओ मोटू अब मुझे क्या करना चाहिए?"

"सोचो।" रेयान ने अपने सिर पर हाथ मारते हुए कहा, जैसे कि वह nuclear physics के किसी प्रश्न का उत्तर सोच रहा हो। वह एक कृपालु शैतान है।

"मैं तो कुछ भी नहीं सोच पा रहा हूँ।" मैंने कहा।

"खुद के बनाए उपहार अब और नहीं; lipstick बॉक्स के साथ हम पहले ही ऐसा कर चुके हैं, इसलिए अब उसका अच्छा असर नहीं होगा। और मैं इतना कंगाल हूँ कि उसे कोई महँगा उपहार भी नहीं दे सकता।"

"क्यों न कोई उपयोगी और सस्ती चीज दो, जैसे रूमाल।" आलोक ने कहा।

"चुप रहो, आलोक।" रेयान ने कहा।

मुझे ख़ुशी थी कि रेयान ने मेरी तरफ़ से कहा। आलोक को रोमानी उपहार के बारे में उतना ही पता था जितना उसकी माँ को उसके बारे में।

"रेयान, मुझे क्या करना चाहिए?" मैं घबरा रहा था।

"देखो, उसका (उपहार) महँगा होना जरूरी नहीं है, जब तक कि वह एक surprise हो। surprise किसे पसंद नहीं?"

"जैसे कि...?" मैंने कहा।

"जैसे कि उसे बधाई देने वाले तुम सबसे पहले होओ।" रेयान ने कहा।

रेयान की रूपरेखा काफ़ी स्वाभाविक और सस्ती थी; उसके जन्मदिन की पहली रात को खिड़की से उसके कमरे में घुसना। आधी रात में मैं उसे सबसे पहले मुबारकबाद दूँगा और यह surprise उसे पूरी तरह मोह लेगा (और इसलिए यह एक महँगे उपहार की आवश्यकता को खत्म कर देगा)। पर यह एक मूर्खतापूर्ण विचार था, क्योंकि हम सिर्फ प्रेमिका के घर में नहीं घुस रहे थे बल्कि एक professor के घर में, वह भी एक विभागाध्यक्ष के। लेकिन रेयान ने इसे thermodynamics के assignment से भी आसान बताया-और मैं उससे सहमत हो गया।

तो एक ठण्डी रात के साढ़े ग्यारह बजे रेयान, आलोक और मैं चुपके से कुमाऊँ से बाहर निकले। रेयान हमें faculty housing complex तक अपने scooter पर लेकर गया और scooter को नेहा के घर से लगभग पचास मीटर दूर खड़ा कर दिया। पूरी सड़क एकदम सुनसान व शांत थी, कुमाऊँ के बिलकुल विपरीत। वहाँ assignment और रटना तो अभी शुरू ही हो रहा था। professor आराम से सो रहे थे, जबकि उनके चाटुकार रात भर काम कर रहे थे।

"रेयान, क्या तुम निश्चित हो कि हम इसे पूरा कर पाएँगे?" मैंने आख़िरी बार पूछा, जब हम professor चेरियन के घर के बगीचे के पास पहुँच रहे थे।

"श, श... हाँ हम कर सकते हैं; लेकिन अगर तुम चुप रहो तो।" रेयान ने चेरियन के दरवाजे की कुंडी खोलते हुए कहा।

शांति, सिर्फ दरवाजे के खुलने की थोड़ी सी आवाज, जैसे हम best and the beast की गुफा में घुसे।

मैंने नेहा की खिड़की की तरफ़ देखा और सोचा कि वह शांति से सो रही होगी और उसका चेहरा अँधेरे में चमकता होगा। मेरे दिल की धड़कन तेज हो गई।

"आलोक, पहले तुम चढ़ जाओ। अब पाइप पर चढ़ो।" रेयान फुसफुसाया।

"यह तो नामुमकिन है।" आलोक ने कहा।

"मैं तुम्हें सहारा देता हूँ।" रेयान ने कहा।

जब वह स्टील के पाइप से ऊपर चढ़ रहा था तो वह एक बाँस के पेड़ पर लटके हुए गौरिल्ले जैसा लग रहा था। पाइप के टूटने का खतरा था, उसके वजन और लंबाई (देखा, हमारी engineering का ज्ञान कभी-न-कभी तो काम आता है) को मद्दे नजर रखते हुए इसलिए हमने उसके छत तक पहुँचने का इंतजार किया।

आलोक के बाद मेरा नंबर था, उसके बाद रेयान का, जो कुछ सेकंड में ही पाइप पर चढ़ कर आ गया। आधी रात से दस मिनट पहले हम professor चेरियन की छत पर थे। वहाँ घोर अँधेरा था। रेयान ने एक बैटरी जलाई और पानी की टंकी व सूखते कपड़ों के बीच रास्ता ढूँढने का प्रयत्न किया।

"उसका कमरा कहाँ है?" रेयान फुसफुसाया।

मैंने इशारे से दिखाया और हम छत के किनारे की तरफ़ बढ़े।

"ये रहे फूल।" रेयान ने अपनी कमीज के अंदर से सूरजमुखी के फूल बाहर निकालते हुए कहा।

"तुम ये कहाँ से लाए?" मैंने पूछा।

"अभी, चेरियन के बगीचे से।"

"तुम पागल हो क्या?" मैंने कहा।

"इससे अच्छा प्रभाव पड़ेगा।" रेयान ने कहा, "अब तैयार रहो।"

हमने नेहा की खिड़की पर छत पर पड़े पत्थर फेंककर खटखटाया। पहले पत्थर पर कुछ नहीं हुआ, दूसरे व तीसरे पर भी कुछ नहीं हुआ। "काम नहीं बन रहा है, शायद वह बहुत गहरी नींद में सोती है।" आलोक ने कहा।

"कोशिश करते रहो।" रेयान ने कहा।

हम बेवकूफों की तरह छोटे-छोटे पत्थर फेंकते रहे। शायद हमारे कुछ पत्थरों के बाद हमें एक प्रतिक्रिया मिली। कमरे में रोशनी हुई और खिड़की चमकने लगी।

पाइप पर चढ़ना तो कठिन था ही, लेकिन अगला कदम उससे भी कठिन था। मुझे अपने आपको खिड़की के किनारे से लटकाना था, आलोक और रेयान ने मेरे हाथ पकड़े हुए थे। लेकिन पहले नेहा को खिड़की खोलनी थी।

"जल्दी, उसका नाम बोलो, इससे पहले कि वह डर के मारे चीखने लगे।" रेयान ने कहा।

"नेहा, मैं हूँ।" आधे घंटे में पहली बार न फुसफुसाते हुए मैंने कहा।

"हरि!" नेहा ने अपनी खिड़की खोलते हुए कहा, "तुम यहाँ क्या कर रहे हो?"

"बताउंगा, पहले मुझे अंदर आने दो।" मैंने कहा और मैं लटक गया।

"क्या तुम पागल हो?" उसने कहा और अपनी आँखें मलने लगी, जबकि मेरे पाँव उसके सामने हवा में लटक रहे थे।

"रेयान, सँभल कर।" मैंने कहा।

"और कौन है वहाँ?" नेहा ने कहा। अब वह पूरी तरह से जग चुकी थी और आश्चर्यचकित भी थी।

"कोई नहीं... मेरा मतलब कि सिर्फ आलोक और रेयान।" मैंने खिड़की से अंदर घुसते हुए कहा।

"सँभल कर।" उसने कहा, जैसे ही मैं कालीन पर रखे तकियों पर गिरा, ख़ूबसूरत और नाजुक, वैसे ही जैसे एक लड़की के कमरे में हो सकते हैं।

मैंने अपने दोस्तों को अँगूठा दिखाया (जो कि संतुष्टि का संकेत था) और खिड़की बंद कर ली।

"हरि, तुम यहाँ क्या कर रहे हो?" नेहा ने कहा, "अगर पिताजी जाग गए तो?" उसने अपने बाल ठीक किए। उस समय मैंने उसके night suit को देखा। उसने बिना बाँह की सूती साधारण सी nighty पहन रखी थी, जिस पर छोटे-छोटे तिकोने बने थे। हमेशा की तरह वह बहुत ही ख़ूबसूरत लग रही थी।

"happy birthday, नेहा।" मैंने कहा और अपनी कमीज के अंदर से फूल निकाले।

फूल पहले ही टूट और मुरझा चुके थे, लेकिन फूलों और लड़कियों की कुछ एक ही बात है। किसी तरह पौधों के जीवन के ये प्रजनन बहुत ही कमाल कर देते हैं। ये उन्हें बहुत ही सुकून पहुँचाते हैं। नेहा का गुस्सा गायब हो गया और मैं यह कह सकता था कि हमारा उद्देश्य अपना काम कर चुका था।

"सूरजमुखी।" नेहा ने कहा, "ये तुम कहाँ से लाए?"

"तुम्हारे बगीचे से ही।"

"क्या?" नेहा ने कहा और एक टहनी मेरे ऊपर फेंकी-" तुम loafer, तुम कितने चीप्पो हो!"

मैंने जवाब में एक तकिया उठाकर उसकी ओर फेंका। मैं उन फूलों और तकियों की लड़ाई का मजा ले ही रहा था कि उसने उस लड़ाई को जनमते ही नष्ट कर दिया।

"उन तकियों से मत उलझो, उनके कवर पर मैंने हाथ से पेंटिंग की है।"

तकियों के कवर पर हाथ से पेंट करना, लड़कियाँ अपना समय ऐसे ही बेतुके कार्यों में कैसे ख़राब कर सकती हैं? मेरा मतलब है, रेयान और मेरे पास तो तकिया के कवर भी नहीं हैं, पेंटिंग की तो बात छोड़ो।

"तुम क्या सोच रहे हो?" नेहा ने पास आकर मेरा हाथ पकड़ते हुए कहा।

"कुछ नहीं। मैं तुम्हें इस तरह से जगाने और डराने के लिए माफी चाहता हूँ।"

"कोई बात नहीं, मुझे अच्छा लगा।" नेहा ने कहा, "मेरे ख़याल से यह काफ़ी स्पेशल है। आओ बैठो।"

उसने मुझे अपने बिस्तर पर बिठाया। मैं जितना हो सकता था उतना उसके क़रीब जाकर बैठ गया। मेरी आँखें उसकी छाती की तरफ़ जा रही थीं। लेकिन उसके साथ ही मैं professor चेरियन के अंदर आने के वारे में भी सोच रहा था।

"तुम क्या सोच रहे हो? मेरी आँखों में देखो!" नेहा ने कहा।

"हूँ... कुछ नहीं, happy birthday." मैंने कहा।

"तो क्या तुम मेरा चुंबन नहीं करोगे?" मेरी आँखें उड़न तश्तरी जैसी हो गईं। वह पीछे हट गई।

"एक मिनट रुको। तुम करना चाहते हो न?"

"हाँ बिलकुल।"

"तो अब...।" उसने कहा।

"अब क्या?" मैंने कहा।

"तो अब तुम मुझे चुंबन करने वाले हो या नहीं?" शायद ये फूलों की वजह से था, या फिर मेरा उसके कमरे में आने की उत्तेजना या शायद अब वह बड़ी हो चुकी थी। मैं आगे की ओर बढ़ा, वैसे तो मैंने फिल्मों में हज़ारों चुंबन दृश्य देखे थे, मैं यह नहीं बता

सकता कि पहली बार चुंबन करना कितना मुश्किल होता है।

"उफ, इतने ज़ोर से नहीं।" उसने कहा, "आराम से, छोटे-छोटे चुंबन पहले।"

वहाँ से उसने सबकुछ नियंत्रण में लिया। वाकई मैं बहुत उत्तेजित था और ज़्यादा अच्छा करने के लिए डर रहा था। लेकिन मैंने चुंबन किया, वह भी professor चेरियन के घर में।

"श-श... पिताजी पानी पीने के लिए उठे हैं।" उसने मुझे दूर हटाते हुए कहा।

"अब क्या?"

"कुछ नहीं, वह ऊपर नहीं आएँगे; लेकिन अब तुम्हें जाना चाहिए।"

"लेकिन मुझे और देर रुकना है।"

"अब जाओ यहाँ से।" उसने मुझे बिस्तर से धक्का देते हुए कहा, जो कि उसके कुछ मिनट पहले प्यार वाले व्यवहार के अनुरूप नहीं था।

आगे और आग्रह करना उचित नहीं था। और वैसे भी मेरे अंदर का एक भाग वहाँ से जल्द-से-जल्द निकलने को कह रहा था।

"तो कैसा था?" रेयान ने मुझे छत पर वापस खींचते हुए कहा।

"अच्छा था, बहुत अच्छा!" मैंने कहा और मेरे चेहरे पर एक बड़ी मुस्कान आ गई, जिससे सबकुछ जाहिर हो गया। पाइप से नीचे उतरना भी उतना ही मुश्किल था जितना कि ऊपर चढ़ना; लेकिन असली मुसीबत तो तब आई जब हम बगीचे में पहुँचे। किसी ने living room की लाइट जलाई थी।

"रोशनी कैसे हो गई?" आलोक ने कहा।

"पता नहीं। मेरे ख़याल से चेरियन पानी पीने के लिए उठ गया है।" मैंने कहा।

"हमें रेंगते हुए बाहर निकलना पड़ेगा।" रेयान ने कहा। हमें कोई देख न सके, ऐसे हम खिड़की के नीचे झुके घास पर रेंगते हुए चले। आलोक की वजह से एक बालटी ज़ोर से गिर गई, इतनी ज़ोर से कि अब हमारी फुसफुसाहट भी बेकार थी।

"कौन है वहाँ?" एक आदमी की आवाज उधर से आई और हमने उसके कदमों की आवाज भी सुनी।

"ओह, यह तो professor चेरियन हैं। भागो, जान छुड़ा कर भागो यहाँ से।" रेयान ने कहा। हमने अपना धीमा रेंगना बंद किया और तेजी से वहाँ से भाग निकले। अगर चेरियन ने हमें वहाँ देख लिया होता तो वह हमें उसी समय कॉलेज से बाहर फेंकवा देता।

हम दरवाजे से बाहर बस निकले ही थे, जब अंदर का दरवाजा खुला और चेरियन अपनी पत्नी के नाइट गाउन जैसे कुछ कपड़े पहने बाहर निकले। "कौन है वहाँ?" अपना चश्मा ठीक करते हुए वह चिल्लाए।

"तुम्हारा बाप!" रेयान चिल्लाया और हम वहाँ से भाग निकले।

मैं नहीं जानता कि चेरियन ने हमारा पीछा किया था या वह ऐसा करने से डरते थे, लेकिन रेयान के scooter तक पहुँचने तक हम भागते रहे।

"तुम मूर्ख हो क्या? तुमने ऐसा क्यों कहा?" मैंने वहाँ से उसके scooter से भागते कहा।

"हाँ क्यों नहीं। मुझे यह कहना चाहिए था न-सर, मैं तो सिर्फ आपका दामाद हूँ अपने दोस्तों के साथ आया था। और वह हमारी ख़ातिरदारी करता न!"

नेहा के विचार

प्यारे भैया

मैं नहीं जानती कि आप कैसे और कब इसे पढ़ेंगे, इस पत्र को, जो मुझे लिखना ही है। मैं आपके आखिरी पत्र के लिए हमेशा जवाब लिखती रहती हूँ वह पत्र जो आपने सिर्फ मुझे लिखा था; हाँ, मैं ज्यादा खुश नहीं हूँ। लेकिन मैंने यह तो आपसे पहले भी बहुत बार कहा है।

ठीक है अब मैं उस लड़के के बारे में बताती हूँ, जिससे मैं मिली। आप हरि को मेरा प्रेमी बुला सकते हैं, जबकि मैं नहीं बुलाती. वह एक छात्र है। क्या आप विश्वास कर सकते हैं? क्या आपको याद है कि हम कैसे campus में रहनेवाले IIT छात्रों से घृणा करते थे? हम एकदम ही अजीब तरह से मिले, उसके अंदर कुछ बात थी जो कि उसकी पहली ही मुलाकात ने मुझे उसकी ओर आकर्षित किया।

देखने में ज्यादा अच्छा नहीं है, न ही वह सुपर smart है; लेकिन वह ऐसा ही है, एक पागल फूहड़। जैसा कि आप सोच सकते हैं पिताजी और माँ को कुछ पता नहीं है, जो कि मैंने आपके जाने के बाद करना सीख लिया है। लेकिन आप तो कल्पना कर सकते है कि क्या होगा, अगर पिताजी को पता चल गया। क्या आपको याद है कि उन्होंने कैसे पुलिस को बुलाया था उस आदमी को गिरफ्तार करने के लिए जिसने मुझे देखकर campus bus stop पर सीटी मारी थी? और वह घटना जब उन्होंने घर का फोन नंबर बदल दिया था जब class के एक लड़के ने मुझे notes के लिए फोन किया था? वह अपनी बेटी को सही तरीके से बड़ा करना चाहते हैं। मैं उनके जीवन का मिशन हूँ। वे दोबारा वही गलती नहीं करना चाहते। क्या आपको मेरे साथ ऐसा करना था, भैया? मैं आपको हमेशा यह बताना चाहती हूँ कि मेरे बारे में चिंता मत करो। मैं जानती हूँ कि लड़कियों को अच्छा होना चाहिए। कभी-कभी मुझे लगता है कि यह लड़का सिर्फ शारीरिक संयोग करना चाहता है। दूसरी लड़कियाँ, जिनके boyfriend है वे मुझे बताती हैं कि सभी लड़के एक जैसे होते हैं, सभी की एक ही चीज चाहिए होती है। लेकिन क्या मैं आपको कुछ बता सकती हूँ? मैं भी वही चाहती हूँ। नहीं, मैंने अभी तक कुछ नहीं किया है। लेकिन फिर, में समय-समय पर जिज्ञासु हो जाती हूँ और यह सोचना शुरू कर देती हूँ कि हरि क्या करेगा, अगर मैं उसे कुछ करने दूँ? क्या यह सोचना एक बुरी बात है?

ओह नहीं, मैं फिर से आप पर प्रश्नों की बौछार करने लगी। अब मैं आपको हरि के बारे में और बताती हूँ। उसके दोस्त हैं आलोक और रेयान। वे दोनों एकदम पागल हैं। आप यह मत सोचना कि मैंने IIT के लड़कों को पसंद करना शुरू का दिया या ऐसा कुछ। बात सिर्फ यह है कि ये लड़के कुछ अलग हैं। सबसे पहले तो ये मुश्किल से छात्र कहलाए जा सकते हैं, अगर इनके five pointer GPA देखें तो।

मैं जानती हूँ कि आप क्या सोच रहे हो कि ये उस तरह के छात्र हैं जिनसे पिताजी घृणा करेंगे, और आप यह सोच रहे होंगे कि यह उसी कारण की वजह से उनके साथ हम-प्याला या हम-निवाला हो रही हूँ। आप गलत, हैं भैया। क्या आप जानते हैं कि मेरे पिछले जन्मदिन पर ये मेरे घर में घुस आए थे, ये loafer, जिनके बारे में मैं बात कर रही हूँ। हरि मेरे कमरे में घुस आया और मुझे हमारे ही बगीचे से तोड़ कर फूल दिए। मैं आशा करती हूँ कि पिताजी इसके बारे में गलत तरीके से न सोचें। और मैं आशा करती हूँ कि मैं उससे हमेशा मिलती रहूँ। वैसे ऐसा बहुत कुछ है जो मैं अभी हरि के बारे में नहीं जानती।

मेरा इरादा है कि जिस दिन हरि की नौकरी मिलेगी उस दिन मैं पिताजी से उसे मिलवाऊँगी। मेरा मतलब हैं कि पिताजी थोड़ा बौखलाएंगे, पर तब हरि के पास कुछ तो कहने के लिए होगा। इस समय वह थोड़ा पराजित व्यक्ति है, अगर आप मुझसे पूछें। मुझे माफ करना, अगर मै अमर्यादित हो रही हूँ। एक चीज तो यह है कि वह रेयान पर मुग्ध है। मुझे नहीं लगता कि यह रेयान इतना भी अच्छा हें। वह महँगे कपड़े पहनता है-सिर्फ इसलिए क्योंकि उसके माता पिता अमीर हैं। मैं यह सोचती हूँ कि हस लड़के के उद्दंडतापूर्ण व्यवहार के पीछे उसके अंदर का खालीपन छिपा है।

इन IIT के लड़कों और इनके कॉलेज के बारे में एक बात हें। ये हमेशा दीवारों के पीछे की रहते हैं और इसलिए हम यह नहीं जान सकते कि वे क्या हैं और क्या चाहते हैं। मैं उनसे यह कहना चाहती हूँ-इससे पहले कि तुम भविष्य के बारे में इतने उत्तेजित हो जाओ, उससे पहले अपने भूत और वर्तमान के बारे में सोचो; लेकिन यह सब उनके लिए ऐसा है जैसे कि कोई दादी माँ भाषण दे रही हो और मैं तो अभी इतनी छोटी हूँ।

अभी के लिए मैं इतना ही लिखूंगी। मैं वादा करती हूँ कि मैं फिर लिखूंगी और मैं यह भी वादा करती हूँ कि मैं हमेशा अच्छी बनी रहूँगी। लेकिन आप माता-पिता को मत बताना कि मैं क्या बड़बड़ा रही है। देखो, मैंने, आपका आख़िरी वायदा निभाया और आपके द्वारा लिखे गए पत्र के बारे में किसी को नहीं बताया, चाहे जितना भी उसने मुझे अंदर से तोड़ा हूँ। इसलिए आप भी वादा निभाना। हाँ मैं जानती हूँ कि माँ इस सबको सहन नहीं कर पाती। वह वैसे भी इन दिनों मुश्किल से ही थोड़ी बहुत बात करती है।

आप हमें छोड़ कर क्यों गए, भैया? यह न्याय नहीं है, यह आप जानते ही हैं न?

आपकी याद में

नेहा

एक और साल बाद

हम insti की छत पर पी रहे थे। अब हम तीसरे वर्ष के छात्र थे। शराब अब हमारे लिए कोई नई चीज नहीं थी। इसका मतलब था कि हम कम पी सकते थे और हर बार उलटी नहीं करते, जो यह साबित करता है कि हम एक अच्छा समय बिता रहे थे। हम आज अपने दुखों को कम कर रहे थे। जिनके दो कारण थे-पहला यह कि files पर एक साथ काम करने के बाद, mechanical engineering विभाग ने आसानी से रेयान के लूब medical को खारिज कर दिया और दूसरा यह कि मैंने एक मौखिक परीक्षा चौपट कर दी। जब मौखिक परीक्षा को चौपट करवाना हो तो उसके लिए सबसे सही आदमी मैं ही हूँ।

“लूब medical को गोली मारो। मैंने उस पर बहुत समय नष्ट किया है। लेकिन तुम्हीं देखो, हरि। तुम्हारे बारे में यह कितना विचित्र है। तुम्हारी बोलती क्यों बंद हो जाती है?” रेयान ने कहा, जिसकी नसों में लाल रक्त कणिकाओं से ज़्यादा आत्मविश्वास की रक्त कणिकाएँ बह रही थीं।

“काश, हमें पता होता!” मैंने हताश होते हुए तिरछी नजर से देखा।

“तुम मौखिक परीक्षा के प्रश्नों के उत्तर जानते हो न। तुम उत्तर जानते हो, है न?” आलोक ने कहा।

मैंने अपना सिर हिलाया। यह अर्थहीन था। मौखिक परीक्षा देने के बाद भी मेरा डर कम नहीं हुआ।

“रेयान, तुम जानते हो कि मैं मौखिक परीक्षा से घृणा करता हूँ। लेकिन यार, तुम्हें तो बहुत बुरा लग रहा होगा।” मैंने कहा।

“क्या बुरा? मैंने सिर्फ दस रातें ही तो medical पर बिताई, कुछ संशोधित प्रस्ताव और कुछ सौ घंटे प्रयोगशाला में बिताए। लेकिन अंत में professor चेरियन ने उसे खारिज कर दिया। ‘बहुत ही आशावादी और कल्पना-प्रसूत’, चेरियन ने कहा। मैं उसका गला दबाना चाहता था।” रेयान ने घोषणा की।

“लेकिन तुम जानते हो कि तुम्हारा विचार अच्छा है।” आलोक ने साफ-साफ कहा।

“बिलकुल, यह एक अच्छा विचार है। professor वीरा भी ऐसा ही सोचते हैं। लेकिन चेरियन ऐसा नहीं सोचते और वह विभागाध्यक्ष हैं। ख़ैर, जाने दो।”

“तो क्या यह प्रस्ताव पूरी तरह से खत्म है?” मैंने कहा।

“मेरी तरफ़ से professor वीरा शायद private छात्रवृत्ति के लिए कोशिश करें। लेकिन मेरे हिसाब से तो यह खत्म ही समझो।” रेयान ने कहा।

आलोक चुप बैठा था, नाक में उँगली डाल रहा था और vodka पी रहा था। यह खीझ पैदा करनेवाला था, लेकिन मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह आश्चर्यजनक है कि कैसे एक आदत आपको निरापद बना देती है।

मैंने ठीक से आलोक को देखा, “कम-से-कम तुम तो ख़ुश हो!”

“ख़ुश?” आलोक ने दोहराया, “अच्छा मजाक है।”

“अब क्या हुआ?” मैंने कहा।

“कुछ नहीं। कभी कुछ अच्छा होता ही नहीं मेरे जीवन में। इसलिए मैं कभी ख़ुश नहीं रहता। बहन की शादी करनी है, यह नई समस्या है मेरे सामने।”

आलोक की बात में सच्चाई थी। एक त्रस्त घर, बेकार grades और हताश दोस्त-शायद ही ख़ुशी तक पहुँचने का रास्ता था। कम-से-कम उसे अपने दोस्तों के सामने नाक में उँगली करने से ख़ुशी तो मिलती थी।

“नेहा कैसी है?” आलोक ने पूछा।

“वह ठीक है। एक व ही तो है, जिसकी वजह से मैं IIT में रुका हूँ।” मैंने कहा।

"हाँ ठीक है। लेकिन क्या तुमने और आगे कुछ किया?" रेयान ने कहा।

"मैंने अब उसे चुंबन भी किया है।" मैंने कहा।

"हाँ, लेकिन कुछ साल पहले। इससे और कुछ ज़्यादा भी होता है। तुम जानते हो न? या उसके सामने भी तुम्हारी बोलती बंद रहती है?"

आलोक ही-ही करके हँसने लगा।

"भाड़ में जाओ रेयान।" मैंने कहा, "नेहा उस तरह की लड़की नहीं है।"

"लेकिन तुम तो उस तरह के लड़के हो। तो तुम उसे उस तरह की बना दो।" उसने कहा।

"कैसे?"

"मैं तुम्हें सबकुछ नहीं बता सकता।"

अँधेरा होने पर हमने कुमाऊँ लौटने का फैसला किया। समय बीता और मैं उसके लिए भगवान को धन्यवाद करता हूँ। तो इसका मतलब यह था कि हमारे यहाँ और कम दिन बचे थे।

"मैं ख़ुश होऊंगा, जब कॉलेज खत्म हो जाएगा।" मैंने कहा।

"कम-से-कम हमने C2D को परिपूर्ण कर लिया है।" आलोक ने कहा।

"बिलकुल।" रेयान ने कहा और आपत्तिजनक ढंग से मुस्कुराने लगा, "वह आख़िरी समय कब था, जब हमने अपना assignment खुद किया था?"

"मुझे अब भी कभी-कभी इससे डर लगता है।" मैंने कहा।

"क्यों? professor जो हमें बकवास assignment करने को देते हैं, वे उसे कभी भी ध्यानपूर्वक नहीं पढ़ते। उसका उन्हें कभी भी पता नहीं चल पाएगा।" रेयान ने हमेशा की तरह अहंकारी भाव को खारिज करते हुए कहा।

"लेकिन-मैंने सुना है कि professor चेरियन बहुत ही सख्त हैं।" आलोक ने कहा।

हमें जल्दी ही पता चलने वाला था; अब समय आ गया था, जब चेरियन हमें industrial engineering and management या indam पढ़ाने वाले थे।

"हाँ अब वे हमें पढाएँगे। मैं तो उसकी किसी भी class में नहीं जानेवाला।" रेयान ने कहा।

"तुम्हें ऐसा करने की आवश्यकता नहीं। C2D के अनुसार यह हरि का course है।" आलोक ने कहा और आँख मारी, "हमारा लड़का अपने पिता को प्रभावित करना चाहता है।"

"कभी-कभी तो मैं चाहता हूँ कि नेहा अपने पिता को मेरे बारे में बताए। यह अच्छी शुरुआत नहीं होगी, अगर मैं उसकी सारी कथाएँ छोड़ दूँ।" मैंने कहा।

"मैं उनसे घृणा करता हूँ।" रेयान ने साफ-साफ कहा।

किसी ने भी चेरियन की पहली class नहीं छोड़ी। किसी ने नहीं मतलब रेयान के अलावा किसी ने नहीं। मैं उन शैतान को अपनी आँखों से देखने के लिए उत्सुक था, जिन्होंने मेरी प्रेमिका और मेरे सबसे अच्छे दोस्त को पीड़ित किया। बाकी देखने गए थे देश के सबसे प्रसिद्ध कॉलेज के mechanical engineering के विभागाध्यक्ष को। लोग कहते हैं कि चेरियन अपने IIT जीवन में ten pointer था। मुझे उस आदमी के बारे में कुछ ज़्यादा नहीं पता था, सिवाय इसके कि उसकी बेटी मेरे लिए perfect ten थी।

मैं पाँच मिनट जल्दी पहुँच गया था और तीन साल में पहली बार मैंने पहली पंक्ति में जगह ली। मुझे पता नहीं क्यों, लेकिन मैं

उसके course में बहुत ही अच्छा करना चाहता था। शायद grade indam में अच्छा प्रभाव डालता, जिससे नेहा को मेरा परिचय देने के लिए एक अच्छा रास्ता मिल जाता। यह सुनने में अच्छा लगता-'पिताजी, हरि से मिलिए-वह लड़का जिसने आपके indam course में top किया।' न कि यह 'पिताजी, हरि से मिलिए जो आपके course में सी grade ला पाया।'

professor चेरियन ठीक नौ बजे class में घुसे और अपने साथ किताबों का एक बड़ा सा बंडल लाए जैसे कि अभी वे किसी library से चोरी करके आ रहे हों।

"सब लोग ध्यान दीजिए हम lecture शुरू करते हैं।" उन्होंने कठोर आवाज में बोलना शुरू किया।

अपनी प्रेमिका के माता-पिता को पहली बार देखने की बात ही कुछ और होती है। मैं चाह कर भी अपने आपको नहीं रोक पा रहा था कि कैसे चेरियन नेहा की एक बहुत ही बुरी प्रतिकृति थे। जैसे कि नेहा के मोम के पुतले को पहले तो फुला दिया गया हो और फिर ऊटपटाँग तरीके से पिघला दिया हो। उनका जबड़ा और गोल चेहरा नेहा के जैसा था; लेकिन उनका चेहरा दोगुना बड़ा था, जिस पर बड़े-बड़े माँस के टुकड़े ढीली तरह से लटक रहे थे, जिन जगहों पर नेहा के बहुत ही मुलायम, कसे हुए और साफ-सुथरे गाल थे। नेहा के लंबे और ख़ूबसूरत बालों की जगह चेरियन के सिर का गंजा भाग, जो Narula के hamburger से भी बड़ा था। अगर नेहा किसी डरावनी फिल्म के लिए सजती तो अपने पिता जैसी ही दिखती।

"समय और गति का अध्ययन करना ही indam का सार है। इंजीनियर होकर तुम्हारा काम यह है कि तुम इनसानी गतिविधियों को परिमय कामों में परिवर्तित कर सको और वहाँ तीसरी पंक्ति में बात करना बंद करो।" चेरियन ने chalk का एक टुकड़ा दो छात्रों, जो अपने किसी मजाक पर हँस रहे थे, उन पर फेंकते हुए कहा।

"मिलो अपने ससुर से।" आलोक ने फुसफुसाते हुए कहा।

"ऐसा लगता है, यह मुझे कच्चा ही चबा जाएगा।" मैंने कहा।

चेरियन को फुसफुसाने की आवाज सुनाई दी और उसने board पर लिखना बंद कर दिया। वह घूमे और उन्होंने डस्टर मेज पर मारा-"अगले साठ मिनटों तक कोई बात नहीं करेगा।" उन्होंने स्पष्ट आवाज में घोषणा की, ऐसी आवाज जिससे सद्दाम हुसैन भी डर जाए "यह तुम्हें समझ में आ गया?"

chalk की धूल की वजह से एक बादल-सा बन गया, जैसे कि चेरियन ने class में कोई granade फोड़ दिया हो। उनके पीछे उनके ऐंठे हुए चेहरे को शायद ही कोई देख पा रहा था। मैंने सोचा कि नेहा ने अब तक की अपनी सारी ज़िंदगी इनके साथ कैसे बिताई है, मैं उसको उसी समय बचाना चाहता था। मैंने उसके साथ भागने के बारे में सोचा-उसे छत पर से भगा ले जाऊँ, जब चेरियन सो रहा हो। लेकिन मैं उसे लेकर जाता भी कहाँ? hostel तो एक अच्छी जगह नहीं थी, क्योंकि हम सभी एक ही कमरे में सोते थे।

चेरियन का समय और गति विषय का सबसे पहला उदाहरण एक shirt factory का था। "मानो वहाँ पाँच कर्मचारी थे। अब या तो हर एक आदमी एक शर्ट बना सकता है या तो हम एक शर्ट बनाने का काम उनमें बाँट सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, पहला कर्मचारी कपड़ा काट सकता है, दूसरा पहली सिलाई कर सकता है, तीसरा बटन लगा सकता है इत्यादि।

"कामों के इस विश्लेषण को assembly line कहते हैं। लेकिन तुम्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि हर एक काम को समान समय दिया जाए-किसी भी तरह की बाधाओं से बचने के लिए।

"इसलिए अगर कपड़ा काटने में छह मिनट लगते हैं और पहली सिलाई के लिए तीन तो दो कर्मचारी पहला काम कर सकते हैं। इस तरह हमें एक तेज assembly line मिल सकती है। कर्मचारी केंद्रित रहते हैं तथा अपने कामों में और अधिक कुशल हो जाते हैं। और इतना ही नहीं, हमें अतिरिक्त उपकरणों की भी जरूरत नहीं पड़ती, जैसे कि पाँच कैंचियों के बजाय हमारा एक कैंची से काम हो सकता है।" चेरियन ने कहा।

यह सुनने में बहुत ही किफायती लगा। आख़िरकार इंजीनियर्स का काम तो यही है न? कर्मचारियों को यह बताया कि काम दक्षतापूर्वक कैसे करें, अपने साधन बचाने के लिए और उचित तरीके सोचें।

"उसकी बातों में दम है।" मैंने कहा।

"सिर्फ notes बनाते हुए। quiz में कुछ भी आ सकता है।" आलोक ने कहा। मैंने सोचा, मोटू हमेशा कमजोर ही रहेगा,

सिवाय उसकी नाक के, जहाँ उसकी मूँछ का हिस्सा पर्याप्त रहता था। मेरा मतलब है कि मैं कोई बहुत बड़ा विचारक या उसके जैसा तो नहीं हूँ लेकिन कभी-कभार किसी class में ध्यान से सुन सकता हूँ। लेकिन इस लड़के को सिर्फ रटना और परीक्षा में उसकी उलटी करके आना आता है। मैंने indam को रेयान के साथ बहस करने के बारे में सोचा।

साठ मिनट के बाद चेरियन ने अपनी chalk को नीचे रखा। उन्होंने अपनी शर्ट वाले उदाहरण को दस बार संशोधित किया, विभिन्न साधन और समय, विनिधान करने के संयोजनों को दिखाने के लिए। लेकिन खास IIT के ढंग में यह साधारण उदाहरण किसी तरह जटिल equation में बदल गया। professor ने equations का इस्तेमाल करते हुए अगली class के लिए एक assignment दिया, जिसका मतलब था कि उस रात library के कम-से-कम दो घंटे लगने वाले थे।

"क्या तुम बेवकूफ हो? तुम्हें यह indam की बकवास रोचक लगी।" रेयान ने कहा, जब मैंने उसे class के बारे में बताया।

"क्यों? सोचो इसके बारे में। एक आदमी के काटने और फिर सिलाई करने की वजह.."

"तो तुम एक टेलर को एक कपड़ा काटने वाले या बटन टाँकने वाले में तबदील करना चाहते हो क्या? क्या है वह, कोई robot?"

"नहीं, सिर्फ थोड़ा smart. देखो, अगर तुम optimization equation का इस्तेमाल करोगे।"

"equation गई भाड़ में! तुम क्या चाहते हो कि कर्मचारी अपने घर पर क्या कहे? यह कि मैंने आज दस shirts बनाईं? या यह कि मैंने पचास कपड़े काटे? तुम्हें अंदाजा भी है कि हर काम कितना दिमागी परेशानी देनेवाला बन जाएगा।"

"यह तो बेवकूफी है।" मैंने कहा, "यहाँ बात योग्यता और प्रसिद्धि की है।"

"लेकिन क्या ऐसा हो सकता है कि हर कर्मचारी अपनी शर्ट खुद बनाना चाहे और फिर उसका design प्रसिद्ध करना चाहे? यह तो वही चेरियन की पुरानी बकवास है, इनसानों को मूर्ख मशीनों की तरह समझो।"

"मुझे लगता है कि तुम्हें उनकी class में जाना चाहिए रेयान। मैं अभी नहीं समझा सकता। लेकिन उनकी बात में तर्क था।"

"जाहिर है, उनकी बातें तुम्हारे लिए तर्क बनाती हैं। तुम उनकी बेटी के साथ रहना चाहते हो।"

"ऐ चुप रहो, सिर्फ सीधे से class में आओ, ठीक है। अब बहुत हो गया है। अब तुम्हें system को एक मौका देना चाहिए।"

"यह एकदम बेतुका system है इसलिए और कोई तरीका नहीं। अब मुझे assignment दे दो, ताकि मैं उसकी नकल कर सकूँ।"

मैं नेहा से insti गेट के बाहर एक walk date के लिए मिला। walk date वह होती है, जिसमें आप अपनी प्रेमिका के साथ एक लंबी walk पर जा सकते हों, थोड़ी ताजा हवा और एक अच्छे वार्तालाप के लिए। walk dates की सबसे बढ़िया बात यह होती है कि एकदम free होती है। मेरे लिए जो एकदम कंगाल है, क्योंकि आख़िरी बार रेयान के scooter में पेट्रोल भरवाने की बारी मेरी थी, यह एक प्रत्यक्ष विकल्प था। नेहा ने रास्ता चुना था-एक पाँच किलोमीटर (आना व जाना) का, जो campus के आस-पास वाले गाँवों से होते हुए था।

"तो फिर मुझे बताओ, क्या सोचा तुमने मेरे पिताजी के बारे में?" नेहा ने ऐसे कहा जैसे उसने सोचा हो कि मैं यह सुनकर उत्सुकता से उछलूँगा।

"मैं उनके बारे में कुछ भी नहीं जानता, लेकिन मेरे ख़याल से वह बहुत ही सख्त मिजाज हैं। तुम उनके साथ कैसे रहती हो?"

"तुम जानते हो, वे अच्छे छात्रों से बहुत प्रभावित होते हैं। मैं आशा करती हूँ कि तुम उनके course में बहुत अच्छा करोगे।"

"मैं कोशिश कर रहा हूँ। लेकिन मुझे कभी भी 'A' नहीं मिला है। और वे एक सप्ताह में एक दर्जन assignment देते हैं। और यहाँ मौखिक परीक्षा का भी एक घटक है, जिससे मुझे घृणा है।"

"अगर तुम्हें 'A' मिलता है तो मैं शायद उन्हें बता दूँगी कि हम दोस्त हैं।"

"हाँ-हाँ, मैं कोशिश कर रहा हूँ। वैसे हम कहाँ जा रहे हैं?"

"बस चलते रहो, मेरे दिमाग में एक जगह है।"

मैं चुप रहा, यह आशा करते हुए कि उसने एक सुनसान जगह सोची होगी। वही एक जगह है, जिसकी जरूरत होती है, जब कोई dating कर रहा हो-एक खाली जगह जहाँ कुछ करने के लिए भी न हो और कोई आदमी भी न हो। फिर भी, हम देखते हैं कि हर जगह खाने-पीने की दर्जनों दुकानें होती हैं, सिनेमाघर और ice-cream पार्लर, सभी dating को बढ़ावा देते हैं। इसके बजाय वे ढेर सारे खाली कमरे क्यों नहीं बनवा देते?

नेहा मुझे एक कच्चे रास्ते से ले गई, जो कि कटवारिया गाँव तक जाता था। कुछ अध नंगे बच्चे हमें गौर से देख रहे थे, जैसे कि हम किसी दूसरी दुनिया से आए हों। दो भैंसें भी अपनी शाम की सैर पर थीं और उनमें से एक हमारा पीछा कर रही थी।

"क्या तुम्हें पक्का पता है कि हम कहाँ जा रहे हैं?" मैंने शंका जताते हुए पूछा।

"बिलकुल, मैं जानती हूँ। इस रास्ते के अंत में जो मंदिर देख रहे हो, वो वहाँ।"

मैंने अपनी आँखें मिचमिचाईं। वहाँ एक मंदिर पर झंडा था-क़रीब एक किलोमीटर दूर।

कुछ देर बाद जो भैंस हमारा पीछा कर रही थी, उसने अब हमारा पीछा करना बंद कर दिया और अब हम अकेले थे।

हम मंदिर तक पहुँच गए और वहाँ की उपेक्षित सीढ़ियों पर बैठ गए। एक कुत्ता, जो वहाँ सो रहा था, ने अपनी एक आँख खोलकर हमारी ओर देखा। मंदिर के सामने एक रेलवे लाइन थी। मेरे ख़याल से वह दिल्ली रिंग रेलवे के लिए इस्तेमाल होती थी, local सिटी ट्रेन जिसे ज़्यादा कोई इस्तेमाल नहीं करता था। इसलिए वे सिर्फ हर घंटे में दो चलती थीं।

"यह मंदिर यहाँ ऐसे अज्ञात स्थान पर क्यों है?" मैंने उसका हाथ उठाते हुए कहा। कुत्ते को कोई फर्क नहीं पड़ा था। वहाँ और कोई नहीं था।

"मेरे ख़याल से सिर्फ कुछ गाँव वाले कुछ खास दिनों में इसे इस्तेमाल करते हैं। लेकिन मुझे यहाँ अच्छा लगता है।" नेहा ने सहारे के लिए मुझसे सटकर बैठते हुए कहा।

हमने चुंबन किया। मुझे पता नहीं किस ने शुरुआत की थी। एक नियमित प्रेमिका होना एक अच्छी बात है। तुम्हें हर बार जब चुंबन करना पड़े तो सोचना नहीं पड़ता। लेकिन नेहा के साथ सिर्फ इतनी दूरी तक ही जा सकते हैं। मैंने सहारे के लिए अपना हाथ उसके कंधे पर रखा और फिर एकदम सोचे-समझे, लेकिन फिर भी अनभिप्रेत लगने वाले तरीके से मैंने अपना हाथ उसकी छाती की ओर जाने दिया। मैंने सोचा कि शायद उसकी प्रतिक्रिया पहले की तरह कठोर नहीं होगी।

"नहीं।" नेहा ने कहा, जिस पल मैं थोड़ा रोमानी होने लगा था।

उसने मुझे धक्का देकर हटाया और उठ कर बैठ गई।

"तुम कितनी ख़ूबसूरत हो!" जितना हो सके उतना उदार होते हुए मैंने कहा।

"चुप रहो।" उसने कहा और हँसने लगी, "तुम्हारी ये दकियानूसी बातें तुम्हें कुछ हासिल नहीं करा सकतीं। थोड़ी शर्म करो, हम एक मंदिर के पास हैं।"

हाँ क्यों नहीं! मैंने सोचा, जैसे कि मंदिर के पास चुंबन करना तो ठीक है, लेकिन जो मैंने किया वह गलत था। मैं क्या बताऊं, नेहा तो विपरीतता की रानी है।

मैंने उसके पास जाने की दोबारा कोशिश की, लेकिन विवाद करना बेकार था।

"सिर्फ चुंबन। तुम्हें पता है, यह सब गलत है।" उसने चेताया। हमारी प्यार करने की प्रक्रिया खत्म हो गई, या वस्तुतः मेरे प्यार करने के प्रयत्न का आधे घंटे का समय, जिसके बाद उसे घर जाना था। हम खड़े हुए वहाँ सोते हुए उस कुत्ते को आख़िरी बार देखा और घर की तरफ़ चल पड़े।

"क्या तुम्हें पता है कि मेरे भाई की मृत्यु दुर्घटना में उन पटरियों पर हुई थी।" उसने कहा।

"नहीं, मुझे नहीं पता था। कैसे हुआ यह?"

"मुझे आज भी वह दिन याद है, 11 मई। भैया टहलने के लिए गए थे। हमें दोपहर में जानकारी मिली। मेरा मतलब है, पिताजी को बताया गया। उन्होंने हमें शाम को ही बताया और मुझे तो मृत शरीर को देखने भी नहीं दिया गया।" उसकी आवाज काँपने लगी।

हम गाँव के पास पहुँच रहे थे, इसलिए मैं निश्चिन्त नहीं था कि उसे अपने कंधे पर रोने दूँ या नहीं। लेकिन उसने कुछ ही ऐसा करने का सोचा तो मैं मना नहीं कर पाया।

"नेहा, कोई बात नहीं।" मैंने कहा, मुझे पता था कि दो नटखट बालक हमें देख रहे थे। शायद एक लड़के और लड़की को प्रेम करते हुए उन्होंने सिर्फ फिल्मों में देखा होगा। नेहा दूर तब हुई जब बच्चों की संख्या आठ तक पहुँच गई।

"अरे, ये इतने सारे बच्चे कहाँ से आ गए?" उसने अपने आँसू पोंछ लिये। वे आठ बच्चे ज़्यादातर नंगे, हमारी तरफ़ इतने ध्यान से देख रहे थे जैसे कि कोई फिल्म देख रहे हों।

"देखो, यह एक हीरोइन है।" मैंने बच्चों से कहा।

"रवीना टंडन।" भीड़ में से पाँच साल के एक बच्चे ने कहा।

नेहा हँसने लगी, जिससे मुझे काफ़ी राहत मिली; क्योंकि ज़्यादातर उसका मूड ठीक होने में समय लगता था।

हम आगे चलने लगे, जब तक कि हम campus के क़रीब आ गए जहाँ हमने अलग-अलग रास्ते अपनाए।

"शायद किसी दिन तुम्हें अपने पिता को उनके course के topper की तरह मिलवा पाऊँगी।" उसने आँख मारी और आगे चलने लगी। मैंने अपने निर्धारित पाँच मिनट तक इंतजार किया और फिर campus की तरफ़ चल पड़ा। क्या मैं उससे प्यार करने लगा था? मैंने चलते हुए आगे पड़े पत्थर को ठोकर मारी-काश, वह हर समय इतनी अच्छी न होती!

vodka

आलोक बुरी तरह से बौखलाया और परेशान-सा घर से लौटा।

"तुम्हारे माता-पिता कैसे हैं?" उसकी sussies पर गंभीर चुप्पी से डरते हुए मैंने पूछा, उसमें डेली स्पेशल में क्या है वह भी नहीं पूछा।

"हर बार की तरह त्रस्त। पिछले हफ्ते घर पर एक और बहुत बड़ा ड्रामा हुआ। मेरी बहन के लिए एक और अच्छा रिश्ता है, लेकिन हमारे पास उसके लिए पैसा नहीं है। इसलिए या तो हम न कह दें या बांड पर हस्ताक्षर कर दें, जिसका मतलब है कि हमें बाद में देना होगा, जब मैं कॉलेज पास कर लूँगा और मुझे नौकरी मिल जाएगी।"

"यह तो मुश्किल है।" रेयान ने ध्यान देते हुए कहा, जो नींद से जागता हुआ अभी हमारे पास आया था।

"लेकिन यह मेरा कर्तव्य है, यार और मैं उन्हें प्यार करता हूँ। और मैं उन्हें परेशानी में नहीं देख सकता।" आलोक ने कहा।

"तो तुम किस तरह की नौकरी करोगे?" मैंने कहा।

"जिसमें कि सबसे ज़्यादा पैसा मिलता हो।" आलोक ने कहा।

"यह तो बकवास है। क्या तुम ऐसा कुछ नहीं करना चाहते, जो तुम्हारा मन चाहे?"

"मुझे पैसा पसंद है।" आलोक ने अपना खाना खत्म करते हुए कहा। जब तक उसके पास पैसा नहीं आता तब तक वह पराँठे से ही काम चलाएगा।

हम semester के बीच में थे और थोड़े-थोड़े समय के बाद मैं अपने लक्ष्य के बारे में सोचने लगता था-indam में अच्छा करना है। तीसरा साल आते-आते IIT के हर विद्यार्थी को अपनी औकात पता चल जाती है। हम अब five pointer ही बनकर रह गए थे। हमारी आशाएँ ज़्यादा नहीं थीं और हमारे grades हमें कभी निराश नहीं करते थे। लेकिन indam में मुझे 'A' चाहिए था, ऐसा जो मेरी marksheet पर कभी नहीं था।

आलोक ने मुझे मेरी ऊँची महत्त्वाकांक्षा के बारे में बताया, "चेरियन तुम्हें कच्चा चबा जाएँगे। तुम आजकल बहुत कम सोते हो। तुम जानते हो कि वह सिर्फ 2 या 3 A देता है, है न?"

"मैं जानता हूँ। लेकिन मुझे पूरी लगन के साथ मेहनत करनी होगी। यह एक grade मात्र नहीं है, बल्कि यहाँ नेहा दाँव पर है।"

"तुम्हें अब तक assignment में कितने नंबर मिले हैं?"

"चालीस में से तैंतीस। मैंने उन पर दीवाने की तरह काम किया है।"

"हाँ सही है। तुम्हें 'A' लाने के लिए कुल अस्सी नंबर चाहिए।"

"मैं जानता हूँ जिसमें से मौखिक दस का है और majors पचास के।"

"तो जब तक तुम्हें majors में पूरे नंबर नहीं मिलते, तुम्हें मौखिक में अच्छा करना ही होगा।"

"मैं जानता हूँ। इसलिए इस बार मुझे यह करना ही होगा।" मैंने उस विचार से घबराते हुए कहा।

"शांत यार, B grade भी इतना बुरा नहीं होगा।"

"ऐ आलोक, मुझे ए चाहिए।"

"ठीक है फिर, शुभकामनाएँ।" आलोक ने कहा और sussies ने और पराँठे परोसे।

"तुम्हारी प्रेमिका कैसी है?" रेयान ने कहा।

"नेहा ठीक है। वह मुझे उस जगह ले गई थी जहाँ उसके भाई की दुर्घटना हुई थी। क्या यह अजीब नहीं है?" मैंने कहा।

"शायद इसलिए क्योंकि तुम खास हो। और उसके लिए उस जगह का कुछ खास महत्व है।" आलोक ने कंधा उचकाते हुए कहा।

"मोटू सही कह रहा है। वह तुम्हें चाहती है, यार।" रेयान ने कहा, "उसके भाई की मौत वैसे कब हुई?"

"लगभग तीन साल पहले 11 मई को।" मैंने और अधिक स्पष्ट करते हुए कहा, "वह टहलने गया था, जब उन्हें दोपहर में बताया गया कि रिंग रेलवे की ट्रेन ने उसे कुचल दिया।"

"अरे, यह तो आश्चर्यजनक है।" आलोक ने कहा, "और मैंने सोचा कि रिंग रेलवे का तो इस्तेमाल ही नहीं होता।"

"वह उनका इस्तेमाल नहीं कर रहा था, मोटे। वह तो उससे कुचला गया।" रेयान ने स्पष्ट करते हुए कहा।

"हाँ, काफ़ी दुर्भाग्य पूर्ण है। " मैंने कहा।

"वैसे उबलती गरमी की सुबह कौन टहलने जाता है!" रेयान जानना चाहता था। "चुप रहो, यार। वह अब मर चुका है और तुम उसका मजाक उड़ा रहे हो। " मैंने आपत्ति व्यक्त करते हुए कहा।

"नहीं, मेरा मतलब यह नहीं था। मेरा मतलब है कि सुनो मोटे, पहली रिंग रेलवे कितने बजे चलती है?"

"मुझे नहीं पता।" आलोक ने कहा, जो अपने पराँठे खाने में व्यस्त था और थोड़ा गुस्सा भी था; क्योंकि रेयान बार-बार उसे 'मोटे' बुला रहा था।

"मैं जानता हूँ दस बजे शायद। क्यों?" मैंने कहा।

"इस बारे में सोचो, मई के महीने में सुबह के दस बजे, मेरे हिसाब से तापमान 40 डिग्री हो जाता है। और यह काफ़ी गरम होता है। मई की सुबह कौन टहलने जाता है।"

"वह गया था, नहीं तो वह मरता नहीं, है न?" आलोक ने झुँझलाते हुए कहा। वह कभी खुद टहलने गया क्या, मेरे ख़याल से इसलिए वह इसके बारे में ज़्यादा नहीं जानता था।

"मैं जानता हूँ कि वह मरा; लेकिन मेरा तर्क यह है कि.." रेयान ने कहा, "ख़ैर, जाने दो।"

"क्या, मैं जानना चाहता हूँ?" मैंने कहा।

"मेरा मानना है कि वह एक दुर्घटना थी ही नहीं।"

चेरियन के मौखिक परीक्षा वाले दिन मैं सिरदर्द के साथ उठा। majors शुरू होने में अभी दो हफ्ते बाकी थे, लेकिन आज मेरे indam के भाग्य का फैसला होना था। सोने की कोशिश करो, सोने की कोशिश करो, मैंने पिछली रात यह हज़ारों बार दोहराया; लेकिन उससे कुछ फायदा नहीं हुआ।

"हे भगवान! तुम तो एकदम परेशान लग रहे हो।" रेयान ने मुझे bathroom में कहा, जब हम साथ में दाढ़ी बना रहे थे।

"मैं ठीक से सो नहीं पाया। मैं जानता हूँ कि यह (मौखिक) बहुत ही ख़राब करने वाला हूँ।" मैंने कहा और अपने चेहरे पर पानी डाला।

रेयान ने अपने Gillette shaving gel के nozzle को दबाया और अपने दो blade वाले sensor razor को तैयार किया। उसके माता-पिता ने शायद उसे ये सारे उपकरण और सुंदर दिखने के लिए भेजे हैं, जैसे कि उसे और अधिक सुंदर दिखने की जरूरत है। उसे आलोक की तरह समय-दर-समय फुंसियाँ क्यों नहीं होतीं?

"सुनो हरि!" रेयान ने अपने गालों पर razor चलाते हुए कहा, "तुम वैसे भी इस course के लिए बहुत मेहनत कर चुके हो। अगर तुमने आज यह ख़राब कर दिया तो तुम्हारे लिए आगे कोई आशा नहीं बचेगी। और शायद तुमसे ज़्यादा बेहतर जवाब और कोई नहीं जानता।"

"उत्तरों को जानने की समस्या कब से बन गई? और वह चेरियन हैं, साधारण लड़के भी इनसे डरते हैं।" मैंने कहा।

"देखो, मैं तो इस मौखिक परीक्षा के लिए नहीं जा रहा हूँ। लेकिन अगर तुम डरे तो मेरे पास उसका एक समाधान है।"

"तुम नहीं आ रहे हो, रेयान? यह 10 प्रतिशत का है। और चेरियन पागल हो जाएँगे, अगर कोई छात्र उनकी परीक्षा के लिए नहीं आएगा तो।"

"मैंने कसम खाई है कि जहाँ तक हो सके, मैं उनका चेहरा नहीं देखना चाहूँगा। बात 10 प्रतिशत की है तो मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे थोड़े ही किसी के पिता को प्रभावित करना है।"

"तुम्हारी मरजी। लेकिन फिर भी मुझे लगता है कि तुम्हें आना चाहिए। वैसे तुम्हारा इरादा क्या है?"

"मैं नहीं जानता कि यह काम करेगा या नहीं।"

"मुझे बताओ, यार। मैं अभी बहुत परेशान हूँ।"

रेयान ने अपना चेहरा तौलिए से पोंछा। उसने अमेरिका के किसी महँगे after shave की बोतल खोली और अपने गालों पर अत्यधिक मात्रा में लगाया।

"vodka हर समस्या का समाधान।"

"क्या? vodka? मैं मौखिक परीक्षा के बारे में बात कर रहा हूँ रेयान! मैं यहाँ किसी पार्टी की तैयारी नहीं कर रहा हूँ।"

"मैं जानता हूँ। लेकिन तुम जानते हो कि vodka कैसे हमें संयमित बना देती है और हमसे ज़्यादा बात करवाती है? कौन जानता है। दो बड़े-बड़े घूँट ले लो, तुम्हारे काम आएँगे।"

"तुम पागल हो! मौखिक परीक्षा सुबह ग्यारह बजे है। यह पीने का कोई समय है।"

"अगर तुम्हें उनके मौखिक में शून्य मिले तो तुम क्या सोचते हो कि नेहा कभी तुम्हें अपने पिता से मिलवाएगी?"

शून्य मिलने या indam में 'B' या 'C' grade मिलने का ख़याल मेरे दिमाग में आया।

"कितना?"

"बस, सिर्फ दो घूँट। चलो, मेरी अलमारी में थोड़ी पड़ी है।"

मैं रेयान के कमरे में गया, जहाँ उसने महँगे कपड़ों में शराब की बोतलें छिपाई थीं। बोतल के पास थे बहुत सारे लिफाफे, सभी

अमेरिका के टिकट वाले।

रेयान ने स्टील के गिलास को एक-तिहाई भरते हुए उसमें vodka डाली।

"वे लिफाफे कैसे हैं?" मैंने पूछा।

"कुछ नहीं। यह लो, पहला गिलास... एक, दो, तीन।" रेयान ने कहा।

मैं विश्वास नहीं कर पाया कि ये लिफाफे इतने महत्त्वपूर्ण नहीं थे। मेरा मतलब है कि वहाँ कम-से-कम सौ लिफाफे थे।

"तुम्हारे माता-पिता के भेजे हुए पत्र हैं न?" मैंने अंदाज करने का जोखिम उठाते हुए कहा।

"हाँ। यह लो एक और।" रेयान ने कहा।

"तुम्हें विश्वास है कि यह ज़्यादा नहीं हो जाएगी। "

"नहीं, बल्कि यह लो तीसरा गिलास। यह लो, मैं तुम्हारा साथ देता हूँ।"

उसके बाद मेरे तीसरे गिलास के साथ रेयान ने भी मेरा साथ दिया। मेरे खाली पेट में चोट लगाती हुई, मेरी आंतों को चीरती हुई vodka मेरे अंदर एक आग के गोले की तरह गई।

"ठीक है फिर, मैं चला daddy से मिलने।" मैंने ख़ुशी से कहा।

"all the best, हरि! और हाँ सुनो, इन लिफाफों के बारे में आलोक से कुछ मत बताना।"

"क्या बताऊं?" मैंने कहा। मैं वैसे भी उनके बारे में कुछ नहीं जानता था और अगर रेयान उसकी चर्चा नहीं करता तो भी बतानेवाला नहीं था।

"कुछ नहीं, सिर्फ उनके बारे में बात न करना। वे हर हफ्ते मुझे पत्र लिखते हैं और महीने में एक बार एक चेक भेजते हैं। मैं कभी उनका जवाब नहीं देता, बस यही है।"

"तुम क्यों नहीं जवाब देते?" मेरे अंदर आए हुए जोश से मजा लेते हुए पूछा।

"क्योंकि मैं उनसे घृणा करता हूँ। वास्तव में मैं उनके बारे में नहीं सोचता। मेरा मतलब है कि वे भी मेरे बारे में ज़्यादा चिंता नहीं करते, तो नाटक किस बात का करना?" रेयान ने कहा।

"रेयान, तुम जानते हो कि ये जो तुम बड़ी-बड़ी बातें अपने माता-पिता के बारे में करते हो कि तुम उनकी परवाह नहीं करते...?" vodka मेरे लिए बात कर रही थी।

"हाँ उसके बारे में क्या?"

"मुझे नहीं लगता कि यह सच है। मेरा मतलब है कि यह सच कैसे हो सकता है?" मैंने उसके शत्रुतापूर्ण रुख की परवाह न करते हुए कहा। मैं जो कह रहा था, मैं उससे सहमत था। वे सारे Gillette, after shave, जो उन्होंने भेजे हैं, वह उन्हें प्यार कैसे नहीं कर सकता था?

"यह सच है। तुम ज़िंदगी में एक बच्चे हो यार, बस जाओ और अपनी परीक्षा देकर आओ।" रेयान ने कहा और एक सिगरेट जलाई। सिगरेट पीना आदमी को और गंभीर बना देता है।

"मैं जा रहा हूँ। लेकिन अगर यह सच होता तो तुम वे सारे पत्र क्यों रखते?" मैंने थोड़ा पीछे हटते हुए कहा।

चेरियन पहले ही class में थे। मेरी बारी दस मिनट में आने वाली थी और मैं आलोक के पास बैठ गया।

“रेयान कहाँ है?" उसने फुसफुसाते हुए अपने notes को आख़िरी बार पढ़ते हुए कहा। आलोक हमेशा आख़िरी समय तक notes दोहराता है।

"वह नहीं आनेवाला। " मैंने कहा।

“क्या? वह एक पागल है। " उसने अपना सिर हिलाते हुए कहा।

“वह कहता है कि उसे फर्क नहीं पड़ता। उसी तरह जिस तरह उसे अपने माता-पिता के बारे में..." मैंने कहा। वाक्य का जो दूसरा भाग था वह vodka की वजह से कहा गया। “क्या तुम ठीक हो, हरि? तुम थोड़े अस्पष्ट सुनाई दे रहे हो। और वह बदबू क्या है...? क्या तुम पीकर आए हो?”

“श-श. .चुप रहो। सिर्फ थोड़ी सी। रेयान ने कहा था, इससे थोड़ी मदद मिलती है।”

“रेयान! क्या तुम कभी अपने बारे में भी सोचते हो?” आलोक ने कहा।

“हरि!” इससे पहले कि मैं आलोक को उत्तर दे पाता, professor चेरियन ने मेरा नाम पुकारा। जिस पल का मुझे इंतजार था, वह आ गया था। मेरा पहला ‘A’ अगले पाँच मिनट में तय होने वाला था।

“तो बताओ, उत्पादन करने का वह कौन सा system है, जिससे कि विस्तृत सूची को कम किया जा सकता है?” professor चेरियन ने हमेशा की तरह बिना किसी शुभकामना के शुरुआत की। सिर्फ एक सीधी कठोर आवाज, जैसे कोई मशीन बात कर रही हो।

“good morning, Sir.” मैंने कहा।

“good morning हरि, अब मेरे सवाल का जवाब दो।” उसकी आँखें नेहा की बड़ी और फूली हुई आँखों का रूप ही दिखाई देती थीं।

“good morning, sir.” मैंने फिर से कहा, अपने दिमाग को शुरू करने के लिए।

“वह सब ठीक है, हरि। अगर तुम्हें कोई दिक्कत न हो तो तुम इसका उत्तर दो।”

“Sir, जापानी विस्तृत सूची को कम करनेवाला system.. ” मैंने शुरुआत की।

“हाँ, वही। तुम उसको जानते हो या नहीं?” professor चेरियन ने कहा। उनकी आवाज थोड़ी तेज हो गई।

“मैं Sir. .मैं Sir.. ” मैंने कहा।

‘उसका जवाब है-JIT या just in time. मैं विश्वास नहीं कर सकता कि आजकल के छात्र इतने आसान प्रश्नों का उत्तर भी नहीं दे सकते। अगला, assembly line और batch manufacturing में क्या अंतर है?”

“सर, यह तो बड़ा ही आसान सवाल है, हि?.. ” मैंने कहा।

“तुम इस तरह से क्यों बात कर रहे हो? और यह दुर्गंध कैसी है? क्या तुमने पी है, Mr. हरि? क्या तुम मेरी class में पीकर आए हो?”

“नहीं सर.. सर, मैं सचमुच प्रश्न का उत्तर जानता हूँ।” मैंने बौखलाते हुए दोहराया।

“तुमने सच में पी रखी है। इन आजकल के छात्रों की हिम्मत तो देखो जरा।” professor चेरियन ने कहा और मेरी ओर एक chalk का टुकड़ा फेंका। वह टुकड़ा मेरी छाती पर लगा, जिससे मुझे थोड़ा दर्द भी हुआ। पीने के बाद भी मुझे पता था कि कुछ गलत हो रहा है। मैं वास्तव में एक मौखिक परीक्षा में बोल रहा था, लेकिन उसका कोई मतलब नहीं बन रहा था। “सर!” मैंने कहा।

"मेरी class से इसी समय बाहर निकल जाओ। बाहर निकलो अभी!" professor चेरियन का चेहरा लाल हो गया था और उन्होंने अपनी file मेज पर दे मारी।

मैंने जाने के लिए अपनी notebook उठाई, तब चेरियन मेरी तरफ़ आए। उन्होंने एक लाल pen निकाला और मेरी शीट पर एक गोला बनाया। और फिर उसके ऊपर एक और गोला बनाया।

"शून्य, तुम्हारे लिए यही उचित है। काश, मैं तुम्हें नेगेटिव अंक दे पाता!" उन्होंने

कहा, "और तुम अपने majors में बहुत ही अच्छा करना, मैं तुम्हें इन सबसे इतनी जल्दी नहीं छोड़ने वाला।"

मैं चुप रहा। उतने सारे vodka के घूँट सिर्फ एक शून्य के लिए वह तो मैं vodka के साथ या उसके बिना भी अपने आप ही हासिल कर लेता।

"उफ!" रेयान ने अपनी मुट्ठी को दूसरे हाथ में मारते हुए कहा, जब उसने कुमाऊँ में इस कहानी के बारे में सुना।

"क्या उफ! किस ने कहा था तुम्हें ऐसा ऊटपटाँग विचार बताने के लिए?" आलोक ने कहा।

"मैंने सोचा कि यह काम करेगा; लेकिन vodka थोड़ी ज़्यादा हो गई। " रेयान ने कहा। वह एक basket ball के साथ खेल रहा था, बोल को बार-बार दीवार पर मार रहा था। "क्या तुम यह आवाज बंद कर सकते हो?" आलोक ने कहा, "तो अब तुम क्या करोगे, हरि?"

"क्या करूँगा? 'A' लाना तो असंभव था और चेरियन सोचते हैं कि मैं एक शराबी हूँ। अच्छा तरीका चुना है उसकी बेटी के प्रेमी ने।" मैंने अपना चेहरा अपने हाथों में छिपाते हुए कहा।

थप-थप। रेयान चुप रहा और उसकी तरफ़ से जो आवाज आई वह सिर्फ बोल की थी।

"रुको!" आलोक ने कहा, रेयान से बोल छीनते हुए "और अब कहो कुछ।"

"आलोक!" किसी ने बाहर से आवाज लगाई। वह नीचे का चौकीदार था।

"आलोक के लिए फोन है!" चौकीदार ने चिल्लाते हुए कहा।

"जरूर घर से होगा।" आलोक ने कहा, "चलो हरि, indam पर अब बहस का कोई फायदा नहीं।"

मैं आलोक के साथ नीचे आया-और किसी के लिए नहीं, बल्कि अपने आप को indam की पूर्ण विफलता से ध्यान बँटाने के लिए।

"हैलो अम्मी! हाँ कैसी हो आप? हाँ मैं जानता हूँ कि मैं बहुत समय से घर नहीं आया हूँ।" आलोक ने फोन पर बात करते हुए कहा।

"क्या, दीदी की सगाई हो गई! वाह, मेरा मतलब है कि लड़के वाले मान गए।" आलोक ने कहा। उसकी आवाज में ख़ुशी सुनाई देने लगी।

"हाँ मैं बहुत ख़ुश हूँ। पिताजी कैसे हैं? मैं जानता हूँ... बिलकुल, बस एक बार मुझे नौकरी मिल जाए मैं सबके लिए करूँगा माँ... हां तो आप उपहार देने के लिए कर्ज ले रहे हो..."

मैं आधा वार्तालाप ही सुन पाया, लेकिन पूर्णतः समझ गया कि क्या हो रहा था। आलोक के माता-पिता आख़िर में अपनी बेटी का हाथ किसी को देने में सफल हो गए। उसने बाद में बताया, लड़के के परिवार को एक मारुति कार दहेज में चाहिए थी। लेकिन वह उसे आलोक की पढ़ाई पूरी करने और नौकरी करने तक देने के लिए सहमत हो गए। शादी भी तभी होने वाली है, लेकिन अब कम-से-कम उनका रिश्ता तो पक्का हो गया।

"मुबारक हो, तुम्हारी बहन की शादी हो रही है। तो क्या तुम्हारा परिवार खुश है? या दुःखी है कि वह चली जाएगी?" मैंने आलोक से फोन के बाद कहा।

“उन्हें इससे काफ़ी राहत मिली है। मैं आशा करता हूँ कि मुझे एक ऐसी नौकरी मिल जाए जिससे कि मैं यह खर्च पूरा कर सकूँ। कार के अलावा एक दावत भी तो होगी।”

“तुम लोग उसकी शादी बाद में क्यों नहीं कर देते? इतनी जल्दी क्या है?”

“जितनी उसकी उम्र बढ़ेगी, लोग उतना ही दहेज माँगेंगे। अभी रुकने का मतलब बाद में ज़्यादा खर्च। मैं ख़ुश हूँ कि यह रिश्ता तय हो गया।”

यह तो credit कार्ड जैसा लग रहा था, अगर तुम अभी नहीं चुकाओगे तो यह बाद में तुम्हें अधिक चुकाना पड़ेगा। उनका राहत लेना समझ में आता है।

“लड़का क्या करता है?” मैंने पूछा।

“यह तो मुझे नहीं पता, मैं पूछना भूल गया।” आलोक ने कहा।

कई सप्ताह बीत गए हम कुमाऊँ के mess में खाना खा रहे थे। वह गुरुवार का दिन था शायद, क्योंकि उस दिन कुमाऊँ में continental dinner दिया जाता था। लेकिन वास्तव में यह सिर्फ mess के कर्मचारियों का हमें असली खाना न देने की माफी थी। मीनू सुनने में तो बहुत अच्छा था noodles, french fry, toast और soup. लेकिन इनका स्वाद बहुत ही ख़राब था। रसोइए noodles गोंद जैसे पदार्थों से बनाते थे-वे आपस में चिपक कर एक संयोजित ढेर के जैसे लगते थे। french fry एकदम ठंडे थे और या तो कच्चे थे या इतने जले हुए जैसे कोयले खा रहे हों। mushroom soup की क्रीम को आप कीचड़ के पानी के समान समझ सकते हैं, फर्क इतना था कि वह गरम और नमकीन था।

"यह तो बड़ा ही बेकार है, यार।" आलोक ने कहा, जब उसके noodles ने fork से अलग होने से इनकार कर दिया, "मैंने तुमसे कहा था न कि हमें बाहर जाकर खाना चाहिए।"

"मुझे पता नहीं था कि यह इतना बेकार होगा। और semester भी अब खत्म हो गया है। मैं पूरी तरह से कंगाल हूँ।"

"हाँ वास्तव में यह सही है।" आलोक ने कहा।

"हमें majors के लिए अब पढ़ाई शुरू कर देनी चाहिए। अब दस दिन भी नहीं बचे हैं।"

"हाँ, लेकिन अब मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। indam की बरबादी के बाद मैं हर course में पास होने की ज़्यादा परवाह नहीं करता।"

"रेयान, मुझे लगता है कि तुम्हें indam पर केंद्रित होना चाहिए। तुम्हारा मौखिक परीक्षा में न जाना चेरियन को अच्छा नहीं लगा। जब वह तुम्हारा नाम class की हाजिरी में बुलाते हैं तब आपत्तिजनक ढंग से मुस्कुराते हैं।"

"मैं जानता हूँ। " रेयान ने अपना आधा खाया हुआ french fry गुस्से में फेंकते हुए कहा, "मुझे quiz में चालीस में से सोलह मिले और मौखिक में शून्य। मुझे पास होने के लिए majors में पचास में से चौबीस चाहिए।"

"यह इतना आसान नहीं है।" जो हकीकत थी, उसे बताते हुए मैंने कहा।

"इससे ज़्यादा ख़राब क्या हो सकता है, मैं फेल हो जाऊँगा। तो क्या?" रेयान ने कहा और soup पीना चाहा। सभ्यता के बारे में थोड़ा भी न सोचते हुए उसने सूप पिया और वापस प्याले में उगला।

"चेरियन तुम्हें दोबारा करवाएँगे, क्योंकि महत्त्वपूर्ण course है।" आलोक ने कहा।

"उस soup की तरह जिसे तुमने वापस उगला है।"

"बकवास!" रेयान ने कहा। मैं निश्चित नहीं था कि उसका यह कहना खाने पर निशाना था या चेरियन के course को दोबारा करने के आसार को देखते हुए करने का था।

"यार, अगर मुझे सिर्फ एक 'A' मिल जाता तो नेहा मेरी हो जाती।" मैंने कहा।

"मुझे लगता है कि हम अभी भी कुछ कर सकते हैं।" रेयान ने कहा।

"क्या? इतनी पी लूँ कि नेहा को भूल जाऊँ?" मैंने खिल्ली उड़ाते हुए कहा।

"नहीं। अगर तुम majors में पूरी तरह सफल हो जाते हो तो तुम हासिल कर सकते हो, है न?"

"मुझे चालीस में से तैंतीस मिले हैं, 'A' पाने के लिए अस्सी चाहिए। majors पचास के होते हैं। मुझे पचास में से छियालीस कैसे मिलेंगे?"

"कोई अवसर नहीं है, यार। रेयान, अब इसे और तंग मत करो। सब खत्म हो गया है।"

"कुछ खत्म नहीं हुआ है, मेरे दोस्तो, कभी सबकुछ खत्म नहीं होता। अगर मैं तुम्हें बताऊं कि तुम्हें majors में अच्छा score मिल सकता है तो क्या तुम मेरी बात मानोगे?"

"पागल मत बनो। मुझे indam पर एक दिन में बीस घंटे लगाने पड़ेंगे और फिर भी शायद सफल न हो सकूँ। चेरियन का

majors test आश्चर्यचकित करने वाले प्रश्नों से भरा होगा। मेरी तो वाट लग गई...!" मैंने शोक व्यक्त करते हुए कहा।

"क्या हो, अगर तुम प्रश्न पहले से ही जानते हों?" रेयान ने कहा।

"क्या होगा, क्या होगा? रेयान, क्या तुम सपना देख रहे हो?" आलोक ने कहा।

"नहीं, मैं सपना नहीं देख रहा, मोटे। मैं अपने दोस्त की मदद करने की कोशिश कर रहा हूँ। मुझे लगता है कि हमें majors का paper किसी तरह मिल सकता है।"

"कैसे?" मैं स्तब्ध था।

"उसे चेरियन के दफ्तर से चुपके से निकालकर।" रेयान ने कहा।

आलोक और मैं पूरे एक मिनट के लिए शांत पड़ गए कितना समय उसकी बेतुकी बातों और अस्वादिष्ट खाने को पचाने में लगा।

"तुम्हारा मतलब है कि हम उसे चोरी कर लें? एक IIT के professor के majors paper को चोरी कर लें? क्या तुमने यही कहा है?" आलोक ने कहा।

"इसे इतना कौतूहल पूर्ण तरीके से बताने की कोई आवश्यकता नहीं है। यह इतनी भी बड़ी.."

"क्या तुम पागल हो? बताओ मुझे, क्या तुम पागल हो?" आलोक ने कहा और mess से बाहर चला गया।

मैं भी वहाँ से बाहर चला गया। नेहा के साथ आने वाली मुलाकात के बारे में तल्लीन, खासकर मैं professor चेरियन के साथ हुए पिछले हादसे को कैसे अस्वीकृत कर सकता हूँ?

operation operation

अगले दिन कुमाऊँ के lawn में रेयान अपने हमेशा वाले मिजाज में था। "तुम लोग मेरी बात तो सुनो।"

"कोई अवसर नहीं है, तुम यह नहीं कर सकते हो। कृपया यह बकवास बंद करो।" आलोक ने कहा।

"उसके पास एक मुद्दा है।" मैंने सहमति देते हुए कहा। लेकिन मुझे भी पूरी तरह से नहीं पता था कि वह मुद्दा क्या था?

"क्या तुम लोग सिर्फ एक मिनट के लिए मेरी बात सुन सकते हो? तुम्हें कुछ नहीं करना होगा।" रेयान ने कहा।

"जरूर।" मैंने कहा।

"हमें इस जगह पर रहते हुए तीन साल हो गए हैं न! और हमें क्या मिला है?" रेयान ने कहा।

"अरे, यह system कैसे ख़राब है? इन सबके बारे में तुम वापस मत शुरू हो जाओ, रेयान! सीधे अपने मुद्दे पर आओ।" आलोक ने कहा।

"मैं आ रहा हूँ मैं आ रहा हूँ।" उसने कहा, यह अहसास करते हुए कि उसके पास कोई धैर्यवान श्रोता गण नहीं थे। उसने अपनी जेब से एक sheet निकाली-दो A4 size की sheet एक साथ जुड़ी हुई-और उसे घास पर बिछा दिया। दो पत्थरों को paper weight की तरह इस्तेमाल किया। उसने पनपनाते हुए शुरुआत की, "सज्जनो, यह इसी building का नक्शा है। सारे professors majors के papers test से एक हफ्ते पहले ही तैयार और प्रिंट कर लेते हैं, लेकिन हमारे चेरियन एक आदर्श व्यक्ति हैं, इसलिए उनके papers तो जरूरत से पहले ही तैयार हो जाएँगे। यह देखो, चेरियन का दफ्तर छठी मंजिल पर है। छत नौवीं मंजिल पर है।"

रेयान का चेहरा बहुत ही गंभीर था, ठीक वैसे ही जैसे आलोक का परीक्षा लिखते समय होता है। यह कोई अनियमित वार्तालाप नहीं था। उसने इन सब बातों पर काफ़ी समय तक सोच-विचार किया।

"मैंने तुमसे कहा था कि यह पूरा विचार एकदम बेकार होगा। तुम हमें यह सब जानकारी कैसे बता सकते हो, जैसे कि हमने 'हाँ' कह दिया हो।" आलोक ने कहा।

लेकिन ऐसा ही है रेयान। वह निश्चय करता है और फिर उसका प्रस्ताव बनाता है, और फिर वह वही करता है जो उसे वैसे भी करना था।

"रेयान, यह सब क्या है, यार?" मैंने कहा।

"जरा मेरी बात सुनो तो सही। हरि, मैं तुम्हें वह 'A' grade दिलवा सकता हूँ जो तुम चाहते हो। जरा सोचो, तुम्हारी प्रेमिका तुम्हें स्वीकार करने में शरमाएगी नहीं। और तुम भी मोटे, तुम्हारी grade शीट पर भी यह 'A' इतना बुरा नहीं लगेगा, जब तुम नौकरी ढूँढोगे।"

"लेकिन यह सब कितना गलत है! बहुत... बहुत गलत।" आलोक ने आपत्ति व्यक्त करते हुए कहा-रेयान की मूर्खता के ख़िलाफ़ मेरी सहमति के लिए मेरी ओर देखते हुए। लेकिन मैं तो वैसे ही नेहा के साथ हाथों में हाथ लिये insti के बगीचे में, जब चाँद निकल आया हो, चलने के बारे में सोच रहा था। क्या मुझे सचमुच में 'A' मिल सकता था?

"यह सब तभी गलत माना जाएगा, अगर हम पकड़े गए है न?" रेयान से तर्क करना बहुत ही मुश्किल था, खासकर अगर उस समय तुम अपनी ख़ूबसूरत प्रेमिका के बारे में सोच रहे हो। हाँ यह एक अपराध तभी है, जब कोई तुम्हें पकड़ता है। नहीं तो यह एक अच्छा इरादा सिद्ध होगा।

"लेकिन..." आलोक ने दोबारा कोशिश की।

"ठीक है, अब मुझे खत्म करने दो।" रेयान ने आलोक को अपनी बात खत्म करने का मौका न देते हुए कहा क्योंकि मैं रेयान की ओर देख रहा था।

"छत नौवीं मंजिल पर है। अगर मैं अपने आपको रस्सियों के सहारे लटका लूँ और फिर चेरियन की खिड़की तक नीचे आ जाऊँ तो फिर मैं उसके कमरे तक पहुँच सकता हूँ। तुम लोग मेरी मदद कर सकते हो, ठीक उसी तरह जैसे हमने हरि को नेहा के कमरे तक पहुँचाया था।"

"क्या तुम पागल हो? नेहा का कमरा आसान था, रस्सी की कोई जरूरत नहीं पड़ी थी। insti नौ मंजिल की है।" मैंने कहा।

"मुझे डर नहीं लगता। मैंने के समय rock climbing की है।" रेयान ने कहा।

"लेकिन क्या होगा, अगर खिड़की खुली न हो?" आलोक ने कहा।

मुझे दिख रहा था कि रेयान को आलोक का प्रश्न पसंद आया। न सिर्फ इसलिए कि रेयान ने उसके बारे में पहले से ही सोचा हुआ था, लेकिन इसलिए भी इसका महत्व था कि आलोक चर्चा में शामिल हो रहा था। लेकिन एक मिनट रुको, क्या मैं इस बातचीत में शामिल था, फिर इसलिए कि यह रेयान का विचार था? लेकिन एक 'A' मिलना अच्छा होता।

"हाँ, खिड़कियों के बारे में क्या करोगे?" मैंने कहा।

"insti की खिड़कियों की कड़ियाँ रबड़ से भी कमजोर हैं। वे उसी तरह की खिड़कियाँ हैं, जैसी कुमाऊँ hostel में हैं। एक ज़ोर का धक्का मारो तो वे खुल जाएँगी।"

"फिर भी, तुम अपने आपको छत से कैसे लटकाओगे?" मैंने कहा।

"मैंने कहा न, मुझे डर नहीं लगता।"

"अगर हमें किसी ने देख लिया तो?" मैंने कहा।

रेयान की यही बात है। वह होशियार तो है ही, उसके साथ-साथ निडर भी है। यह पौरुषाभिमान बात को चौपट कर सकता है-अत्यधिक आत्मविश्वास की वजह से।

"हमें कोई नहीं देखेगा। " रेयान ने कहा।

"हाँ बिलकुल। तीन लड़कों का insti की छत से लटकना आम बात है न।

institute सुरक्षा को कोई फर्क नहीं पड़ने वाला न!" आलोक ने आपत्तिजनक तरीके से हँसते हुए कहा।

"मोटे, उस समय बहुत अँधेरा होगा।" रेयान ने कहा।

"लेकिन हमसे कुछ आवाज हो सकती है, या हमारी हरकत सुरक्षा जीप से देखी जा सकती है। याद रखो, हम छत पर नहीं होंगे, बल्कि साइड पर से लटक रहे होंगे। शायद हम दिख जाएँ।"

"चलो यार..।" रेयान ने परेशान होते हुए कहा।

"बहुत ही ख़तरनाक है। भूल जाओ इसके बारे में।" आलोक ने घास को तोड़ते हुए कहा। मुझे भी अपना सिर हिलाना पड़ा। और इसके अलावा रेयान का इस तरह से bungee jumping करने के ख़याल से ही मेरे पसीने रहे थे।

"ठीक है, तो क्या तुम्हारे पास कोई अन्य अच्छा तरीका है?" रेयान ने तंग आते हुए कहा।

"फिर भी, तुम आगे क्या करने वाले थे?" मेरी जिज्ञासा मुझ पर हावी हो गई।

"ठीक है, ये हैं अगले कदम।" रेयान ने कागज़ की ओर इशारा करते हुए कहा-

"पहला, सामने वाली दाहिनी दीवार की लाइट जलानी है। दूसरा, एक मोहर बंद भूरे बैग को पूरे कमरे में ढूँढना है। तीसरा, सील को चाकू से खोलना है और majors के paper की एक कॉपी बाहर निकालनी है। चौथा, एक मोमबत्ती और नई सील का इस्तेमाल करके बैग को वापस सील-बंद करना है। पाँचवाँ, वहाँ से जल्द-से-जल्द भागना है।"

"घुसने की प्रक्रिया के बाद आगे का काम आसान है।" आलोक ने कहा, "लेकिन शायद हम घुस नहीं सकते। चलो, अब चलते हैं। मुझे भूख लग रही है।"

"शायद एक रास्ता है।" मैंने कहा।

"क्या?"

"उसके दरवाजे से। उसके दफ्तर के मुख्य दरवाजे से।" मैंने कहा।

"कैसे? ताला तोड़ कर? हाँ क्यों नहीं! तुम तो जानते हो कि आवाज की वजह से ऐसा करना असंभव है और उसे अगले दिन पता चल जाएगा।" रेयान ने कहा।

"नहीं, ताला तोड़ने की जरूरत नहीं है। सिर्फ चाबी का इस्तेमाल करके सावधानी से अंदर घुसना।" मैंने कहा।

"चाबी! पर तुम्हें उसकी चाबी कहाँ से मिल जाएगी?" आलोक ने कहा।

"नेहा की गाड़ी की चाबियों के गुच्छे से। उसके पिता के दफ्तर की चाबियाँ उसके गुच्छे में रहती हैं।" मैंने कहा।

सब लोग पाँच सेकंड के लिए चुप हो गए। यह शांति मेरी होशियारी की दाद के लिए थी।

"वाह! मेरे ख़याल से फिर तो तुम्हें सिर्फ चाबियों की चोरी करना है।" रेयान ने कहा।

"क्यों न उन्हें आधा घंटे के लिए चुपचाप निकाल लिया जाए और उनकी नकली चाबियाँ बनवाई जाएँ?" रेयान ने कहा।

"मेरे ख़याल में यह ठीक है; लेकिन यह उतना आसान भी नहीं है। पर किया जा सकता है।" मैंने कहा।

मैं अपनी होशियारी पर आत्मसन्तोष दिखाते हुए हँसा। चेरियन का दफ्तर अब एक खुला दरवाजा था।

"हरि, तुम तो एक हीरा हो, यार। यह तो बहुत ही अच्छा विचार है।" रेयान ने कहा। उसने संशोधित विचार को फिर से सोचा। इस समय तो यह काफ़ी आसान लग रहा था, और हमने अब इसके बारे में बात करने में काफ़ी बहुत समय नष्ट कर दिया था। अब हम इससे पीछे नहीं हट सकते थे।

"तो हम रात में ऊपर जाएँगे, वैसे ही जैसे छत पर vodka पीने के लिए जाते हैं। लेकिन हम छठी मंजिल पर रूकेंगे और चेरियन के दफ्तर पर छापा मारेंगे।" रेयान ने कहा।

"छापा नहीं, सिर्फ चाबी घुमाएँगे और अंदर घुस जाएँगे।" मैंने कल्पना में चाबी घुमाते हुए कहा।

"हमें इस operation को एक नाम देना चाहिए। कुछ अच्छा सा, कुछ ऐसा जिससे किसी को शक भी न हो और आसान भी हो।"

"ऐसा कुछ, जो हमारी त्रस्त तकदीर को घुमा दे।" मैंने कहा।

"हाँ इसे घुमाने वाला operation बुलाया जा सकता है- operation operation." रेयान ने कहा।

और उस चमकते हुए बगीचे में अपनी सूर्य-सी चमकती हुई आँखों के साथ हमने एक साथ मिलकर कहा, "operation operation!"

मेरे जीवन का सबसे लंबा दिन : 1

कहते हैं कि आपके जीवन में कोई भी दिन इतना महत्त्वपूर्ण नहीं हो सकता; लेकिन मैं आपको बताऊं कि operation operation मेरे IIT के दिनों का सबसे यादगार और सबसे लंबा दिन था। हर क्षण मेरे दिमाग में हर घटना इतनी जीवंत हो जाती है, जैसे लगता है कि कल ही की बात है। यही वह दिन था, जिसने हमारे जीवन को बदल दिया, या कम-से-कम हमको बदल दिया।

operation operation के लिए कोई तारीख निश्चित नहीं थी। ऐसा सोचा था कि जिस दिन हमारे हाथ में खास चीज होगी, उस दिन ही हम इसको कर देंगे। majors में एक सप्ताह से भी कम समय था, इसलिए हमें विश्वास था कि चेरियन ने अब तक paper तैयार कर दिया होगा। और उन प्रश्नों के उत्तर ढूँढने के लिए भी तो हमें कुछ समय चाहिए था न। इसलिए जितना जल्दी हो सके उतना ही अच्छा है।

11 अप्रैल operation operation का दिन, वह दिन जो नेहा के साथ डेट के साथ शुरू हुआ। मुझे तभी समझ जाना चाहिए था, जंब मुझे नेहा ने बताया कि उसके टखने में मोच आ गई है।

"क्या?" मैंने फोन पर कहा, "मैं तुमसे मिलने के लिए तरस रहा हूँ। आज मना मत करना। इसके बाद majors शुरू हो जाएँगे।"

"लेकिन हरि, मैं दस कदम भी नहीं चल सकती। क्या हम फिर कभी और नहीं मिल सकते?"

"क्या मैं तुमसे सिर्फ आधे घंटे के लिए मिल सकता हूँ? मैं घर आ जाऊँ तो कैसा रहेगा?"

मुझे मालूम था कि नेहा की माँ उस दिन घर पर नहीं होंगी। वह ग्यारह तारीख थी। उस दिन वह पैदल मंदिर गई होंगी। इसलिए नेहा उस दिन मिलने के लिए सहमत हो गई।

"घर? पागल हो गए हो क्या? अगर तुम्हें किसी ने देख लिया तो?"

"तीसरा साल खत्म हो रहा है, क्या तुम अब इतना डरना छोड़ सकती हो?"

"लेकिन.."

"और अगर मुझे 'A' grade मिला तब, वैसे भी तुम मेरा परिचय कराने वाली हो, ठीक?"

"ठीक है, लेकिन सिर्फ आधे घंटे के लिए। और ठीक 11:30 पर आ जाना, क्योंकि मैं दरवाजा खुला छोड़ूँगी।" उसने कहा।

"बहुत अच्छा, तो मिलते हैं।" मैंने चैन की साँस के साथ फोन नीचे रखते हुए कहा। उस दिन मुझे उससे सिर्फ मिलना था या उसकी कार देखनी थी।

"सब ठीक तो है?" मुझे कुमाऊँ छोड़ते समय रेयान ने पूछा।

"बिलकुल। दो घंटे बाद मिलता हूँ।" मैंने कहा।

"श-श, शांत, जल्दी से अंदर आ जाओ।" नेहा ने धीरे से कहा।

"यहाँ कोई नहीं है।" मैंने कहा।

"तुम सनकी हो। आज ही मिलने की इच्छा क्यों हुई?" नेहा ने मुझे अपने कमरे की तरफ़ ले जाते हुए कहा।

"हाँ तुम्हें पता है, तीसरा साल खत्म हो रहा है और majors आदि..।" मैंने कहा। मेरी आँखें कमरे में चारों तरफ़ चाबी रखने की जगह ढूँढ रही थीं।

"तो?" नेहा ने कहा।

"तो मैंने सोचा, परीक्षाओं से पहले तुमसे मिलना शुभ होगा।" उसकी तरफ़ बेड पर बैठते हुए मैंने कहा।

"वाह, कितना romantic है!" उसने कहा, "मैंने सोचा, मेरा loafer मेरी लालसा में है और मेरे लिए मरा जा रहा है-और बहुत कुछ..."

"हाँ मैं था।" मैंने कहा और उसे गले लगाने के लिए आगे झुका। यह सच था। मैं हमेशा उसकी लालसा में था। वह सुंदर लग रही थी। सूजा हुआ टखना पूरी गुलाबी और क्रेप पट्टी से लिपटा हुआ था। वह सुंदर दिख रही थी।

"ouch, धीरे से।" मुझे बिस्तर पर धकियाते हुए उसने कहा, "मुझे मालूम है, तुम्हें किस चीज की लालसा है।"

"क्या?" "मेरा शरीर, मैं नहीं।" उसने नाक हवा में ऊपर की तरफ़ किए हुए कहा।

अंतर क्या है? मैंने सोचा। कभी-कभी लड़कियों को समझना काफ़ी मुश्किल हो जाता है।

"यह सच नहीं है।" मैंने कहा, यह अंदाजा लगाते हुए कि यही सही उत्तर होगा।

"यहाँ आओ।" उसने मुझे बुलाया और चुंबन किया।

"माँ कब वापस आएंगी?"

"दो घंटे में। तुम जानते हो, समीर भैया की तारीख...।"

"हाँ, मुझे पता है, आज ग्यारह है। पता है नेहा, मैं तुमसे इसके बारे में पूछना चाहता था।"

"किसके बारे में?"

"इसके बारे में मैं रेयान से बात कर रहा था।"

"तुमने समीर के बारे में रेयान से बात की?"

"नहीं, सिर्फ बात कर रहा था कि उसका देहांत कैसे हुआ। तुम्हें पता है, रोज़ साथ घूमना आदि।"

"तो?"

"तो रेयान ने एक बात बताई, एक अच्छी बात।"

"वह क्या?"

"कि जो मई की गरम सुबह घूमने जाता है...।"

वह चुप हो गई। मुझे अपनी बाँहों में से छोड़ दिया और अलग बैठ गई।

"नेहा!" मैंने प्रेरित किया।

"हरि।" उसने कहा और सिसकने लगी, "हरि मैं तुम्हें बताना नहीं चाहती थी, लेकिन बताना पड़ेगा।"

"क्या?"

"रुको।" उसने कहा और अपनी अलमारी खोलने के लिए गई। चमकीले, रंग-बिरंगे कपड़े दिखाई पड़े, कुमाऊँ के आम लड़के के कपड़ों से जरा अलग तरह के। नेहा ने मोड़ा हुआ एक paper बाहर निकाला।

"इसे पढ़ो।" उसने कहा।

मैंने पेज खोला और मेरी भौंहें ऊपर उठ गईं। उस पर समीर के हस्ताक्षर थे-

प्रिय नेहा,

मेरी छोटी बहन, मैं आज भी तुम्हें उतना ही प्यार करता हूँ जितना कि तब जब तुम्हें पहली बार अपने हाथों में पकड़ा था, जब तुम पैदा हुई थीं। मैं उस दिन गर्वित था और हमेशा रहूँगा।

नेहा, तुम एक बात को गोपनीय रख सकती? जब तुम्हें यह पत्र मिलेगा, तब शायद मैं इस दुनिया में नहीं होऊंगा। लेकिन तुम्हें यह बात समझनी होगी कि इस दुनिया में किसी को भी इस पत्र के बारे में पता न चले।

मैंने तीन बार IIT में प्रवेश पाने की कोशिश की और हर बार पिताजी को निराश किया। वे इस सच्चाई से ऊपर नहीं आ सकते कि उनका बेटा भौतिक, रसायन और गणित नहीं समझ सकता। मैं यह नहीं कर सकता नेहा इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैंने कितनी मेहनती की, मैंने कितने साल पढ़ाई की या मैंने कितनी किताबें पढ़ी। मैं IIT में प्रवेश नहीं पा सकता। और पिताजी की आंखों में भरे दर्द को नहीं देख सकता।

उन्होंने अपने जीवन में हज़ारों IIT छात्र देखें हैं और यह नहीं देख सकते कि उनका अपना बेटा यह क्यों नहीं कर सकता। अच्छा नेहा, वे उन छात्रों को देखते हैं, जिन्होंने यह कर दिखाया। वे उन हज़ारों छात्रों को नहीं देखते जो यह नहीं कर सके। उन्होंने मुझसे दो महीने तक बात नहीं की। मेरे ही कारण वे माँ से अच्छी तरह बात नहीं करते। मैं क्या कर सकता हूँ? अपने मरने तक कोशिश करता रहूँ या बस मर जाऊँ?

यदि किसी को यह पता लग गया कि मैंने आत्महत्या की है तो माँ शायद जीने योग्य नहीं रहेंगी। लेकिन मुझे किसी को बताना था-और मैं तुम्हारे अलावा किसे बताता। मैं तुम्हें प्यार करता हूँ, नेहा। तुम उन्हें बता देना कि मैं घूमने गया हूँ।

तुम्हारा आत्मीय भाई,

समीर

“यह क्या मुसीबत है!” मैंने पागलपन सा महसूस करते हुए कहा। ऐसा नहीं होता कि तुम एक आत्महत्या पत्र हर अपने अपने हाथों में पकड़ो।

“यह सच है। मुझे कभी भी तुम्हें यह नहीं बताना चाहिए था। लेकिन मैं तुम्हारे इतनी क़रीब हूँ और तुमने इसकी खोज-बीन शुरू कर दी और..” वह फूट कर रोने लगी।

“सुनो, अब शांत हो जाओ। ” मैंने अपने आपको ज़्यादा और उसको कम कहते हुए कहा। उसने पाँच मिनट बाद रोना बंद कर दिया और मैंने उसे एक गिलास पानी दिया। ‘

“तुम जानना चाहती हो कि मेरी मौखिक परीक्षा में क्या हुआ?” शायद वह इस बात पर हँस पाएगी, मैंने सोचा और कहा, “रेयान ने मुझे दो-तीन पैग vodka पिला दी।”

नेहा ने अपना सिर ऊपर उठाया और चीखी, “वह तुम थे? पिताजी ने बताया था। वह तुम थे?” उसने मुझे तकिए से मारना शुरू किया। वह फिर हँसने लगी। वह सुंदर लग रही थी, और मैं उसकी सुंदरता को निहारने के लिए वहाँ हमेशा के लिए बैठ सकता था; लेकिन मैं तो आज एक मिशन पर था- operation operation के लिए चाबी प्राप्त करना।

“रुको, इससे चोट लगती है।” मैंने बैड पर उसकी तरफ़ खिसकते हुए कहा।

“मेरे पास मत आना, पियक्क्ड़, loafer! तुम्हें पता है, पिताजी उस दिन दो घंटे तक विचारमग्न रहे।” वह इतना ज़ोर से हँस रही थी कि उसे एक हाथ से अपना पेट दबाना पड़ रहा था।

मैं उसके पास बैठ गया। वह मौखिक परीक्षा के बारे में बात करने लगी। मैं धीरे-धीरे उसका हाथ सहलाने लगा। उसने जरा भी विरोध नहीं किया।

“हरि, मैं एक ऐसे आदमी की दोस्त हूँ जो अपनी मौखिक परीक्षा देने के लिए शराब पीकर गया था; जबकि मेरे पिताजी का office यहाँ से एक किलोमीटर से भी कम की दूरी पर है।” उसने कहा और हँसी, “यह कितना विचित्र है!”

“सच?”

“हाँ।” उसने कहा।

“आराम से, नेहा।” मैंने कहा, अबोध कलाई के एक और चक्र के डर से।

“क्या तुम बाहर जाना चाहती हो?”

“नहीं, क्यों? तुम्हें यहाँ अच्छा नहीं लग रहा?”

“अच्छा लग रहा है। बस, एक सिगरेट पीना चाहता हूँ।” मैंने कहा।

“ओह, हाँ मैंने सुना है, तनाव में सिगरेट बहुत relax देती है। कृपया मेरे लिए भी एक लाना।” उसने कहा।

“पर तुम तो सिगरेट नहीं पीती हो!”

“इस वक्त जरूरत है। जल्दी करो, मुझे एक कश लगाना है।”

मुझे अवसर नजर आया। तत्काल कार्यवाही करनी थी,” क्या मैं तुम्हारी कार ले जा सकता हूँ?”

“क्यों? तुम्हें रेयान का scooter नहीं मिलेगा?”

“नहीं, वह squash के लिए जाएगा। क्या मैं ले जा सकता हूँ?”

“ठीक है, चाबियाँ fridge पर रखी हैं। लेकिन जल्दी आना।” खड़े होकर उसने मेरी शर्ट उठाते हुए कहा।

‘हे, वह मेरी shirt है, जो तुम पहन रही हो।” मैंने इशारा किया।

"मुझे पता है। मुझे यह अच्छी लगती है। यह इतनी ढीली है और एक छोटी सी नींद लेने के लिए अच्छी है।" उसने कहा और नींद आ जाने का बहाना किया।

"नेहा, बेतुकी बात मत करो। मैं बाहर कैसे जाऊँगा?"

"मेरी t-shirt पहन लो।" उसने आलस्य भरे अंदाज में कहा।

"यह गुलाबी है और बहुत कसी हुई भी है। क्या तुम पागल हो?"

"नीचे के कमरे की अलमारी से पिताजी की एक शर्ट ले लो।"

"नेहा, पागल मत बनो।"

"हरि, तुम अभी जाओ और मेरे लिए सिगरेट लाओ। तुमने मुझे थका दिया है।"

उसने कहा और मेरे ऊपर एक तकिया फेंककर मारा।

यह सोचते हुए कि यदि मैं professor चेरियन की कार और लड़की ले सकता हूँ तो उसकी शर्ट भी ले सकता हूँ; मैंने उसकी अलमारी से एक सफेद shirt निकाल ली-बिलकुल plain, सिर्फ बाँह पर 'DC' का चिह्न बना था।

मैंने fridge पर से चाबियों का गुच्छा उठा लिया। छह चाबियाँ थीं, उनमें से एक जरूर चेरियन के आफिस की होगी।

"बस!" घर से बाहर निकलते हुए मैंने अपने आपसे कहा।

मैं खाली सड़क पर गाड़ी चला रहा था, क्योंकि दोपहर थी। गरमी के कारण लोग घरों के अंदर ही बैठे थे। मैं सीधा चाबी बनाने वाले की दुकान पर जिया सराय गया।

"कौन सी?" दुकानदार ने कहा।

"छह-की-छह।" मैंने कहा।

जब दुकानदार ने नई चाबियाँ बनानी शुरू कीं, तो मैंने सिगरेट का एक पैकेट खरीद लिया। जो मैंने सोचा था, यह उससे भी आसान निकला। मैंने एक सिगरेट जलाई और नेहा से फिर लिपटने के सपनों में खो गया। यह मेरे जीवन का सबसे अद्भुत दिन था।

चाबियाँ जल्दी ही बनकर तैयार होने वाली थीं। मैंने नई चाबियों का गुच्छा अपनी जेब में डाला और institute के गेट से वापस campus की तरफ़ कार लेकर चला।

जैसे ही मैं faculty housing की तरफ़ मुड़ा, मेरे सामने एक साइकिल जा रही थी। मैं पागल हूँ बेवकूफ हूँ एक सनकी झटके के साथ मैंने सोचा। जैसे ही मैंने horn बजाया, साइकिल सवार ने मेरी तरफ़ मुड़ कर देखा। वे professor चेरियन थे।

मेरे जीवन का सबसे लंबा दिन : 2

तुम्हारी ज़िंदगी में कभी ऐसा समय आता है, जब तुम इतने भयभीत हो जाते हो कि तुम चिल्लाना चाहते हो, और कभी-कभी बहुत भयभीत हो जाते हो और ऐसा लगता है कि तुम जैसे जम गए हो। मेरा मतलब है कि तुम एक बर्फ के डिब्बे में जीवाश्म जैसे बन जाते हो और फिर कभी जीवित नहीं हो पाते। जब professor चेरियन अपनी साइकिल से उतरे और मेरी ओर बड़े, या अपनी गाड़ी की तरफ, तब मैं बिलकुल जम सा गया था।

वे मेरे पास आकर खड़े हो गए। मुझे शायद गाड़ी से बाहर निकल जाना चाहिए था; लेकिन मैं इतना डरा हुआ था कि एक इंच भी हिल न सका। मुझे अपने दिल की धड़कन साफ सुनाई दे रही थी, जो कि चेरियन के शब्दों से तेज थी।

"यह मेरी गाड़ी है।" उसने कहा।

ठीक है, मैंने सोचा-दस में से दस। मैं इस स्थिति का सामना कर सकता हूँ मैंने अपने आपसे कहा और साँस लेने की कोशिश की। "हाँ Sir." मैंने कहा।

"तुम कौन हो और मेरी गाड़ी में क्या कर रहे हो?" उन्होंने अगला प्रश्न पूछा।

"सर, मैं तो सिर्फ गाड़ी घर वापस, सर..." मैंने कहा, शायद उतना ही बेवकूफ दिखते हुए जितना मैं दिख रहा था।

चेरियन ने अपनी साइकिल सड़क के किनारे खड़ी की और मोम के पुतले का रोल (अभिनय) छोड़ते हुए मैं गाड़ी से बाहर निकला।

"क्या तुम मेरे घर जा रहे थे?" चेरियन ने गाड़ी के आगे का दरवाजा खोलते हुए कहा। हाँ अब वह गाड़ी चलाने वाले थे। क्या मैं घर जा सकता हूँ?

"हाँ Sir."

अचानक उनकी भौंहें तन गईं।

"मैं तुम्हें जानता हूँ। तुम एक छात्र हो, है न? तुम्हारा नाम क्या है?"

"हरि, सर!" मैंने कहा। इस बात की ख़ुशी थी कि उसने उस चीज के बारे में पूछा जिसका मुझे यकीन था।

"तुम वही हो न, जो मेरी मौखिक परीक्षा में अजीब ढंग से पेश आ रहे थे?"

मैंने अपना सिर अपराध-भाव से हिलाया।

"अंदर आओ।" चेरियन ने कहा।

मैंने चुपचाप आगे का दरवाजा खोला और गाड़ी में उनके साथ बैठ गया। उन्होंने गाड़ी चलाई।

"तुम्हें चाबी किस ने दी?"

मैं उस आख़िरी शब्द पर उछल पड़ा। मैंने अपनी पैंट की जेब को बाहर से छुआ।

हाँ duplicate चाबियाँ अभी भी वहाँ थीं।

मुझे अब कुछ सोचना पड़ेगा-और कोई कारण कि मैं उनकी गाड़ी क्यों चला रहा था, सिवाय उनकी बेटी के लिए सिगरेट खरीदने के।

"नेहा, Sir." मैंने जानबूझकर थोड़ा रुक कर कहा।

"तुम नेहा को जानते हो?" professor की भौंहें ऊपर चढ़ गईं।

"सर, मैं उससे सड़क पर मिला। गाड़ी का Tyre puncture हो गया था।"

"तो?" चेरियन ने कहा।

"सर, मैं वहाँ से गुजर रहा था, इसलिए मैंने मिस्त्री की दुकान तक गाड़ी को धक्का देने में मदद की। उसे वापस जाना था और इसलिए मैंने गाड़ी घर वापस लाने की पेशकश की।"

चेरियन शांत थे। क्या वह मेरी बात मान गए थे? मेरे ख़याल से वे मान गए क्योंकि उन्होंने गाड़ी स्टार्ट की और धीरे-धीरे चलाने लगे।

"तुमने ऐसी पेशकश क्यों की?"

"बस, मैं मदद करना चाहता था।" मैंने शालीनता से अपने कंधे उचकाए जैसे कि मैं दिन भर अच्छे कामों को ढूँढता फिरता हूँ।

"और तुम्हारी कोई class नहीं थी?"

"एक खाली period था, Sir."

"बेवकूफ लड़की!" चेरियन ने ज़ोर से कहा, "गाड़ी किसी भी अनजान व्यक्ति को दे देती है। मुझे उससे इसके बारे में बात करनी पड़ेगी।"

मैं चुप रहा। मेरे दिमाग में अब एक नया विचार उभर आया कि क्या नेहा ने अपने कपड़े पहन लिये होंगे? यदि मुझे दस सेकंड मिल जाते चेरियन के उसे मिलने से पहले। या क्या मैं वहाँ से गायब हो सकता था?

चेरियन ने गाड़ी अपने घर में खड़ी की।

"सर, क्या मैं अब जा सकता हूँ?"

"नहीं, अंदर आओ। इस बेवकूफ लड़की को तुम्हारा धन्यवाद तो करना चाहिए कम-से-कम। वैसे तो मैं अपने घर के आसपास तुम जैसे लड़कों को फटकने भी नहीं देता।"

"ठीक है, Sir." मैं अब उसकी बात पूरी तरह समझ गया। चेरियन ने घर की घंटी बजाई। नेहा ने सिर्फ एक बैडशीट लपेटे हुए दरवाजा खोला।

"क्या तुम..।" फिर उसने अपने पिता को देखा, "पिताजी।" नेहा ने अपनी आँखें मिचमिचाते हुए और बैडशीट को अच्छी तरह ओढ़ते हुए कहा। जरूर यह सिहरन एक सिगरेट से भी ज़्यादा थी।

"अपनी चाबियाँ madam!" मैं जल्दी-जल्दी बोल रहा था, "चिंता मत कीजिए मैंने आपका puncture ठीक करा दिया है और आपकी गाड़ी वापस ले आया हूँ।"

"हूँ।" उसने मेरी तरफ़ देखा।

"नेहा, क्या तुम पागल हो गई हो? तुमने कपड़े क्यों नहीं पहने हुए हैं?" चेरियन ने अपनी आवाज को धीमा रखने की कोशिश करते हुए कहा, सिर्फ इसलिए क्योंकि मैं वहाँ खड़ा था।

नेहा ने फिर आँखें झपझपाई-अपने कमरे में गायब होने से पहले संभवत: कपड़े पहनने के लिए।

"यह मेरी बेटी पागल है। आओ बैठो।" चेरियन ने कहा।

"Sir, हमने गाड़ी को बीस मिनट तक धक्का लगाया, वह शायद थक गई होंगी।" मैंने कहा।

नेहा पिता की अच्छी लड़की वाला सलवार-कमीज पहनकर वापस आई। उसके हाथों में पानी के गिलास लिये एक tray थी।

जब चेरियन पानी पी रहा था तब मैंने दोहराया, "मैं अभी तुम्हारे पिताजी को बता रहा था कि कैसे तुम्हारा टायर puncture हो गया और मैंने तुम्हारी कैसे मिस्त्री तक ले जाने में मदद की और फिर इसे (गाड़ी) वापस यहाँ ले आया। यहाँ वापस आते समय सर मुझे रास्ते में मिल गए।"

"ओह!" नेहा ने एक समझदार लड़की का भाव व्यक्त करते हुए कहा।

"तुम एक अनजान व्यक्ति को अपनी गाड़ी कैसे सौंप देती हो?" चेरियन ने पूछा।

"मुझे माफ करना, पिताजी।" नेहा ने कहा और सोफे पर बैठ गई।

"Sir, क्या अब मैं जा सकता हूँ?" मैंने कहा।

चेरियन ने आधा सिर हिलाया-और मैं घर से बाहर था। मैं जितना हो सकता था उतनी तेजी से चलने की कोशिश कर रहा था।

"हरि!" चेरियन चिल्लाया, जब मैं दरवाजे पर था। मैं डर गया और मुड़ा।

"हाँ Sir."

"तुम्हें पता है कि तुम चालाक नहीं हो।" उन्होंने कहा।

मैं हमेशा से ही कम grades वाले छात्रों के प्रति चेरियन के तिरस्कार के बारे में जानता था। लेकिन मुझे नहीं पता कि वह इसके बारे में इतने निष्कपट हैं।

"सर, मैं जानता हूँ। सर मैं... मैं और मेहनत से पढ़ूँगा।"

"मेरा मतलब यह नहीं था।"

"Sir?"

"तुम जानते हो, मैं भी एक जमाने में छात्र था। और मुझे चारों साल दस GPA मिले।"

"मैं जानता हूँ Sir!"

"अगर तुम यह सोचते हो कि तुम मेरी बेटी के साथ छेडछाड़ कर सकते हो और मुझसे बच जाओगे तो तुम गलत हो।"

मैं चुपचाप खड़ा रहा।

"तुम मेरी मौखिक परीक्षा में पीकर आए थे और अब मैं तुम्हें अपनी बेटी के साथ मसख़री करते हुए पाता हूँ वह भी मेरी गाड़ी में और मेरी शर्ट पहनकर।" चेरियन ने कहा और मेरा collar पकड़ लिया-"तुम सावधान रहो हरि, सावधान! यह IIT है, न कि कोई घटिया regional college. पहले मौखिक और अब मेरी बेटी। मेरी बेटी!"

"सर, आप जैसा सोच रहे हैं वैसा नहीं है।"

"तुम मुझे मत बताओ कि क्या सोचना है। मैं जानता था कि मेरी बेटी इन दिनों भटकी हुई है। हे भगवान! और वह भी तुम्हारे जैसे निकृष्ट व्यक्ति को लिफ्ट दे रही है। तुम मेरे घर और मेरी बेटी से दूर रहो। बस, दूर रहो, समझे?"

"अच्छा, Sir." यह आशा करते हुए कि चेरियन मेरा collar छोड़ देगा, मैंने कहा। मैं अब निस्तेज हो रहा था।

"ठीक है। मैं नहीं चाहता कि लोग इस बारे में कोई बात करें, इसलिए इस विषय में दोबारा बात नहीं करूँगा। लेकिन तुम उससे दूर रहो और अपने course पर ध्यान दो। क्योंकि insti में एक बार भी अगर तुमसे कोई गलती हुई तो मैं तुम्हें पूरी तरह से बरबाद कर दूँगा।" चेरियन ने कहा। उसका चेहरा लाल हो गया था।

"सर, मैं दूर रहूँगा। अब मुझे जाने दीजिए।" मैंने निवेदन करते हुए कहा।

उन्होंने मेरा collar छोड़ दिया। उनकी उँगलियाँ अभी भी काँप रही थीं। मैं उनके दरवाजे से बाहर निकला और कुमाऊँ की ओर दौड़ा। यह मेरी ज़िंदगी की सबसे तेज दौड़ थी। मैं सिर्फ एक बार रुका, जब मैं चेरियन की साइकिल के पास से गुज़रा। मुझे नहीं पता कि मुझे क्या हुआ था। मैंने मुड़ कर देखा कि वहाँ आस-पास कोई नहीं है और फिर साइकिल के दोनों टायरों में से हवा निकाल दी। वह दानव इसी का हकदार था। और इससे शायद उसे यह विश्वास हो जाए कि इस दुनिया में टायर puncture

होते हैं।

"हो ही नहीं सकता, यार।" मैंने हांफते हुए कहा, जब मैं रेयान के कमरे में पहुँचा।

"क्या नहीं हो सकता? क्या तुम्हें चाबियाँ मिलीं?" रेयान ने कहा।

मैंने अपना हाँफना थोड़ा कम करने की कोशिश की। "क्या हुआ?" रेयान के कमरे में आते हुए आलोक ने पूछा।

"बरबादी, बरबादी हुई।" मेरी धड़कन थोड़ी कम हुई और मैंने उन्हें पूरी कहानी बताई।

रेयान हँसने लगा। वैसे तो वह बहुत ही हिम्मत वाला है, लेकिन मैंने उससे यह उम्मीद नहीं की थी। चेरियन वहाँ थे और उन्होंने मेरा collar पकड़ रखा था और मुझे बरबाद करने की धमकी दी।

"रेयान, यह मजाक नहीं है।" मैंने कहा।

"सच में।" उसने कहा और ज़ोर से हँसते हुए बोला, "फिर क्या है? चेरियन की शर्ट, नेहा बैडशीट पहने। professor तो एकदम पागल ही हो गया होगा।" रेयान थोड़ा और हँसना चाहता था-"काश, मैं वहाँ होता!"

"चुप रहो, यार यह तो और परेशानी हो गई।" आलोक ने कहा।

"कैसी परेशानी? तुम चाबी तो लाए हो न?" रेयान ने पूछा।

मैंने अपना सिर हिलाया और चाबी के गुच्छे को बाहर निकाला।

"तो अब भी हम यह सब करने वाले हैं?" मैंने कहा।

"क्यों नहीं! चेरियन को इसके बारे में कैसे पता चलेगा?" रेयान ने कहा और चाबियों के गुच्छे को अपने सामने ऐसे घुमाने लगा जैसे कि वह कोई लुभावने अंगुरो का गुच्छा हो।

"मुझे पता नहीं। मैं घबराया हुआ हूँ रेयान, मैं सच में बहुत घबराया हुआ हूँ।"

"आराम से, यार। तुम एक ही दिन में मानसिक आघात और दहशत से गुज़रे "हो।" रेयान ने फिर से हँसते हुए कहा।

"हरि सही कह रहा है। हमें operation operation पर दोबारा विचार करना चाहिए।"

"बकवास।" रेयान ने कहा, "इससे हमारा केस और भी मजबूत हो गया है। हरि की आख़िरी उम्मीद यही है कि वह majors में बहुत अच्छा करे। ऐसा करने पर ही वह professor चेरियन को विश्वास दिला सकता है कि वह इतना बुरा नहीं है।"

"धन्यवाद रेयान।" मैंने कहा।

"अरे, कोई बात नहीं, हरि। आज तुम्हें थोड़े झटके मिले; लेकिन तुमने काफ़ी अच्छे से सँभाल लिया। professor चेरियन को जो चाहे, सोचने दो।"

"मैं सोच रहा हूँ कि वह नेहा के साथ क्या करेगा?" मैंने कहा।

"उसके बारे में तुम कुछ नहीं कर सकते, क्या कर सकते हो? और कम-से-कम आज तो नहीं। हम पहले majors का paper ले आएं उसके बाद दूसरी बातों के बारे में सोचेंगे।"

"तुम्हें नेहा से कुछ दिनों के बाद ही बात करनी चाहिए। चिंता मत करो, चेरियन इसे दबाने की कोशिश करेंगे। वे नहीं चाहेंगे कि लोगों को इसके बारे में पता चले। और वे इस तरह के पिता नहीं लगते, जो अपनी बेटी से इन सब बातों के बारे में बात कर सकें।" आलोक ने कहा और अपना हाथ मेरे कंधे पर रखा।

"हम दोस्त हैं, यार। अब बस शाम तक का इंतजार करना है। याद रखो cooperate to dominate." रेयान ने कहा और हम दोनों ने हाथ मिलाए।

दो घंटे बाद, ठीक पाँच बजे। आलोक के घर से फोन आया। हम रेयान के कमरे में बैठे ताश खेल रहे थे।

"आलोक, जरूरी फोन है।" नीचे खड़े चौकीदार ने चिल्लाते हुए कहा। आलोक ने अपने ताश के तीन पत्ते फेंक दिए।

"क्या हुआ?" मैंने कहा।

"मुझे नहीं पता। शायद मेरी बहन की शादी की तारीख तय हो गई हो।" उसने सीढ़ियों से जाते हुए कहा।

"नीचे चलते हैं। अगर यह सच है तो हम मोटे से दावत लेंगे।" रेयान ने आलोक के पीछे जाते हुए कहा।

"हाँ माँ हाँ मैं ठीक हूँ। क्या हुआ, तुम दुःखी लग रही हो?" आलोक ने कहा। रेयान एवं मैंने एक-दूसरे की तरफ़ देखा और संदेह प्रकट करते हुए अपने कंधे उचकाए।

"सच में? क्या? मेरा मतलब है कि वे ऐसा कैसे कर सकते हैं?" आलोक ने कहा। उसका चेहरा मुरझा गया था। रेयान और मैं वहाँ से पीछे हट गए। इस बार दावत नहीं मिलने वाली।

"पिताजी को क्या हुआ? माँ ज़ोर से बोलो, फोन में कुछ सुनाई नहीं दे रहा है। क्या हुआ? कुछ खा नहीं रहे हैं? कब से?" आलोक ने कहा और फोन कट गया। फोन ख़राब हो गया था।

वह वहीं टेलीफोन बूथ में ही बैठ गया। कमजोर लकड़ी का बॉक्स उसके वजन से हिलने लगा।

"क्या तुम यह मान सकते हो?"

"क्या? यह फोन पूरे हफ्ते से ऐसे ही परेशान कर रहा है।" रेयान ने कहा।

"लड़केवालों ने रिश्ता तोड़ दिया।" आलोक ने कहा।

ज़ोर

"क्यों?" मैंने कहा।

"वह दहेज का एक भाग अभी चाहते थे, ताकि लड़का न भाग जाए (या उसे रोक कर रखा जाए)। माँ ने कहा कि वह कर्ज के लिए आवेदन करेंगी; लेकिन उसमें कुछ समय तो लग सकता है। उस दौरान उन्हें एक और रिश्ता मिल गया और सबकुछ खत्म हो गया। साले, घटिया लोग!" आलोक ने कहा।

"यह तो बहुत बुरा हुआ। तुम इस तरह के परिवार में अपनी बहन की क्यों शादी करना चाहते हो?" मैंने कहा।

"मैं नहीं जानता। सारे लड़के वालों के परिवार एक जैसे होते हैं। पिताजी बहुत दुःखी हैं और उन्होंने खाना-पीना छोड़ दिया है। घर में सब उलट-पुलट हो रहा है और यह फोन भी ख़राब हो गया।"

"यह शायद अच्छा ही है कि फोन ख़राब है। वैसे भी तुम क्या कर लेते? चलो, अब उठो, ऊपर चलकर बात करते हैं।" रेयान ने आलोक को सहारा देते हुए कहा।

हम ऊपर गए और कुछ देर तक चुप रहे। आखिरकार रेयान ने चुप्पी तोड़ी।

"छह बज गए।" उसने कहा, जैसे कि कोई don अपने साथियों से कह रहा हो, 'चार घंटे और। हम रात को दस बजे अपने operation के लिए कुमाऊँ से निकलेंगे।'

मैंने अपना सिर हिलाया, शायद ही उसकी बात सुनते हुए। मैं सोच रहा था कि नेहा इस समय क्या कर रही होगी?

"रेयान!" आलोक ने कहा, "मैं इस समय चिंतित हूँ।"

"किस बारे में?" रेयान ने कहा।

"मैं इस operation के बारे में चिंतित हूँ। पहले हरि चेरियन से मिला है, फिर दीदी का रिश्ता टूटा है और शायद पिताजी दोबारा बीमार हो गए हैं। अब वे खाना नहीं खा रहे हैं। मेरा मतलब है कि जरूरी तो नहीं कि हम यह करें, क्या करना पड़ेगा?"

"एक मिनट रुको अब।" रेयान ने खड़े होते हुए कहा।

"तुम्हारी बहन के रिश्ते का इससे क्या लेना-देना? और तुम्हारे पिताजी बिलकुल ठीक हो जाएँगे।"

आलोक अविश्वास के भाव के साथ चुप रहा।

रेयान ने मेरी ओर देखा और फिर आलोक की ओर दोबारा देखा। वह कमरे में चहल-कदमी करने लगा और दोबारा बोलना शुरू कर दिया, "लेकिन मुझे यह बताओ, क्या यह समय उचित है यह सब चर्चा करने के लिए? हमने निर्णय ले ही लिया था। देखो, हमारे पास चाबियाँ भी हैं।"

उसने गुच्छे को अपने हाथ में घुमाया।

"लेकिन रेयान, हमें यह जोखिम लेने की अभी कोई जरूरत नहीं है।" आलोक ने कहा।

"कोई जोखिम नहीं है। बस चार घंटे में paper हमारे पास होगा, कहानी खत्म।"

"हरि, तुम क्या सोचते हो?" आलोक ने कहा।

"एक मिनट रुको।" रेयान ने अपनी आवाज में उत्साह लाते हुए कहा।

"क्या तुम इसे मजबूर करोगे?"

"हरि, क्या यह मोटा वही करना चाहता है, जो इसने पहले semester के बाद किया था?"

"शांत हो जाओ, रेयान।" मैंने नेहा के साथ बिताए हुए आख़िरी लमहों के बारे में सोचने को रोकते हुए कहा, "तुम चिल्ला क्यों रहे हो?"

"तो फिर मोटे को अपना मन बनाने के लिए बोल दो।" रेयान ने कहा और नीचे बैठ गया। फिर उसने एक सिगरेट जलाई और एक कश मारा।

"नहीं, मैं तुम लोगों से अलग नहीं होना चाहता, यार।" आलोक ने कहा।

"या चाहता है कि यह यहाँ रहे और हम सारा काम करें, ताकि इसे paper फ्री में मिल जाएँ?" रेयान ने कहा।

"देखो, यह मेरे बारे में क्या सोचता है? यह मेरे ऊपर विश्वास नहीं करता।" आलोक ने कहा।

"शांत यार!" मैंने कहा, "मेरे ख़याल से हम सब बहुत परेशान हैं। हमारे पास चार घंटे हैं, जब तक कि insti खाली नहीं होता। हमारे पास चाबियाँ हैं। हमें paper चाहिए। अगर हम यह करेंगे तो साथ में करेंगे, है न?"

"हाँ।" रेयान ने कहा।

हमने आलोक की तरफ़ देखा।

"हाँ।" आलोक ने रेयान से दस गुना कम आवाज में कहा।

"और हमने जोखिम के बारे में सब सोच लिया है?" मैंने रेयान की ओर देखते हुए कहा।

"हाँ, बिलकुल।" उसने जवाब देते हुए कहा।

"बस, फिर हमें यह कर देना चाहिए। और आलोक, तुम्हारी दीदी को दूसरा अच्छा लड़का मिल जाएगा। अगर अब नहीं तो, शायद तब जब तुम्हें नौकरी मिल जाएगी, तब तुम शादी के लिए खर्चा कर सकोगे। इतनी जल्दी क्या है? ठीक है न?" मैंने आलोक की ओर देखते हुए कहा।

"ठीक है।" आलोक ने कहा। उसकी आवाज अब पहले से अधिक आत्मविश्वास से भरी थी।

"दोस्त।" मैंने दोनों की ओर देखते हुए कहा।

"हाँ बिलकुल।" रेयान और आलोक ने एक साथ कहा।

"मैं तुम्हारे साथ हूँ।" आलोक ने कहा।

"अच्छा। अब हम अगले कुछ घंटे चुप रहते हैं।" मैंने नेहा के बारे में सोचते हुए कहा।

हम लगभग तीन घंटे तक चुप रहे। आलोक ने बीच में अपने पिता के बारे में चिंता जाहिर की। लेकिन हमने उसे परेशान न होने के लिए कहा, क्योंकि उसकी माँ ऐसी स्थितियों का पहले भी सामना कर चुकी थीं। हम खाना खाने mess में नहीं गए। हमें यह लगा कि वहाँ बैठे लोग हमारे दिमाग में चल रही बातों को पढ़ लेंगे।

"दस बज गए।" रेयान ने कहा और हम उछल पड़े, जैसे ही घड़ी में दस बजे।

मेरे जीवन का सबसे लंबा दिन : 3

हम अपनी मौजूदगी का कोई सबूत नहीं छोड़ना चाहते थे। कई सालों में पहली बार हम insti रेयान के scooter के बजाय पैदल गए। हम चुपचाप hostel के बगल से गुजर रहे थे-हाथ में किताबें लिये, जैसे कि हम आधी रात पढ़ाई के लिए library में जा रहे हैं।

"तो तुम्हारे माता-पिता ने तुम्हारी बहन के लिए इतनी जल्दी रिश्ते देखने क्यों शुरू कर दिए? उसकी उम्र क्या है?" मैंने फुसफुसाते हुए बहुत ही डरे हुए कहा।

"तेईस वर्ष। मेरे ख़याल से उन्हें लड़का तभी देखना चाहिए जब मैं काम करने लगूँ। मेरे लिए कर्ज लेना तब ज़्यादा आसान होगा।" आलोक ने कहा।

मैं उससे सहमत था।

"मगर मुझे नौकरी मिले तब न! मेरे जैसे बेकार five pointer के लिए ज़्यादा नौकरी नहीं हैं।" उसने कहा।

"शायद इस 'A' से तुम्हारी कुछ मदद हो जाए।" मैंने कहा।

"शऽऽ..." रेयान ने कहा, जैसे ही हम insti building में पहुँचे।

हम जरूरत से ज़्यादा सावधान थे। हमने insti के एक कोने को चौकीदारों को देखने के लिए छाना। लेकिन वे इस समय कभी भी lobby के आस-पास नहीं घूमते थे और हम अपने vodka सेशन के लिए कई बार ऊपर जा चुके थे। फिर हम अलग हो गए और हमने building के चारों ओर देखा। वहाँ कोई नहीं था।

चेरियन का दफ्तर छठी मंजिल पर था। सीढ़ियों पर तो कम-से-कम उजाला था। हम हर सीढ़ी खत्म करने के बाद ज़ोर से गिनते थे-

"... और छह। हम पहुँच गए चारों। हम यहाँ से बाहर जाएँगे और चेरियन का दफ्तर दाहिनी तरफ़, सातवाँ दरवाजा।" रेयान ने कहा।

हम छठी मंजिल पर चलने लगे। पूरे corridor में उजाले के लिए एक bulb जल रहा था।

"D.C. चेरियन, विभागाध्यक्ष।" रेयान ने चेरियन के कमरे के बाहर लगी नेम प्लेट को पढ़ते हुए कहा। आलोक मेरे पीछे छिप रहा था, जब रेयान ताले को पटक रहा था।

"चाबियाँ।" रेयान ने अपना बायाँ हाथ आगे बढ़ाते हुए कहा।

मैंने चाबियों का गुच्छा निकाला, उन्होंने ऐसे आवाज की जैसे रेडियो चला हो।

"शांति बनाए रखो।" आलोक ने कहा।

"तुम इतना डरना बंद करो, मोटे। कोई नहीं जानता कि हम यहाँ हैं।" वह मुझे खिझा रहा था।

"रेयान, सही चाबी ढूंढो, यार।" मैंने कहा।

"मैं कोशिश कर रहा हूँ। लेकिन यहाँ इस गुच्छे में एक हज़ार चाबियाँ हैं। रुको, यह वाली; नहीं, यह वाली; नहीं, यह... हाँ मुझे लगता है, यह है।"

"क्या यही है?" आलोक थोड़ा परेशान दिख रहा था।

रेयान ने कुंडी एक ही बार में खोल दी। दरवाजे को लात मारकर खोल दिया। तो यही था IIT, दिल्ली के mechanical engineering विभाग के अध्यक्ष का स्थान, जो अब हमारा था। रेयान ने दीवार में ढूँढ कर light जला दी।

"तुम क्या कर रहे हो?" आलोक ने पूछा।

"फिर हम कैसे ढूंढेंगे, मोटे। बस शांत रहो। हमें कोई नहीं देख सकता। अपना समय लो और ढूंढो। मैं कुछ और भी ढूँढना चाहता हूँ।"

"क्या?"

"मेरे लूब medical का प्रस्ताव। चेरियन साले ने उसे अपने दफ्तर में कहीं दबा दिया और फिर वह वहाँ से कहीं नहीं गया। professor वीरा ने मुझे बताया है कि उसकी एक कॉपी उसकी टिप्पणी के साथ यहीं-कहीं होनी चाहिए।"

"ठीक है, रेयान। क्या पहले हम paper ढूँढ सकते हैं?"

"लेकिन हम शुरूआत कहाँ से करें?" आलोक ने चेरियन की दराज में रखे ढेर को देखते हुए कहा, "इस तरह से तो पूरी रात लग सकती है।"

"भूरे रंग के बैग, जिन पर लाल मोम की सील (मोहर) हो उसको ढूंढो। वह हमेशा paper के समय सील खोलते हैं।" हमने समय बचाने के लिए दराज आपस में बाँट लिये और सबकुछ ढूँढना शुरू कर दिया। मैंने journals देखे, administrative कागज़ात देखे, course की क्रम सूची देखी और समय-तालिका देखी। बीस मिनट तक हमें कुछ भी हासिल नहीं हुआ था।

"कुछ मिला?" मैंने पूछा।

रेयान और आलोक ने असहमति जताते हुए अपना सिर हिलाया।

दस मिनट बाद रेयान पीछे हट गया और चेरियन की कुरसी पर बैठ गया।

"क्या, क्या हुआ?" मैंने कहा।

"मैंने अपने shelf ढूँढ लिये। उनमें कुछ नहीं मिला। लेकिन मुझे मेरा लूब प्रस्ताव मिल गया। वह कहता था, इस medical की कोई लाभोन्मुखी व्यावहारिकता या विद्या संबंधी कोई उपयोगिता नहीं है।"

"वैसे मुझे भी यहाँ कुछ नहीं मिल रहा। क्या तुम मदद करना चाहते हो?" मैंने कहा।

"लाल सील और भूरा बैग। indam majors, गोपनीय। क्या आप लोग इसी को ढूँढ रहे हैं?" आलोक ने कहा और बैग हमारे सामने हिलने लगा।

हम उछल पड़े।

"मोटे, यही है यार।" रेयान ने कहा।

"हाँ।" मैंने कहा और हमने एक-दूसरे से हाथ मिलाए।

"मुझे तो विश्वास ही नहीं हो रहा है।" आलोक ने कहा।

"वह इसलिए क्योंकि तुम मुझ पर भरोसा नहीं कर रहे थे। लेकिन हमारे पास अभी भी काम बाकी है। इसलिए रुको, जब तक मैं इस सील से निपटता हूँ।" रेयान ने अपनी जेब से सामान निकालते हुए कहा। एक blade, मोमबत्ती, लाइटर और कुछ मोम बैग को दोबारा बंद करने के लिए।

"यार, तुम तो पूरी तैयारी के साथ आए हो।" आलोक ने राहत भरी मुस्कुराहट को न रोक पाते हुए कहा।

"तुम क्या चाहते हो? मुझे थोड़ा समय दो।" रेयान ने blade अपने अँगूठे व उँगली के बीच में पकड़ा और काम पर लग गया। उसने धीरे-धीरे सील को blade से बहुत ही सफाई से खोल दिया।

"तुमने यह सब कहाँ से सीखा?" मैं प्रभावित था। "मैं इंजीनियर बनने के लिए पढ़ाई कर रहा हूँ। यह सब सीखना इतना मुश्किल नहीं है। अब चुप रहो।" रेयान ने कहा।

"कितनी देर?" आलोक ने कहा और वह चेरियन के सामने वाली कुरसी पर बैठ गया।

"दस मिनट। चुप रहो, नहीं तो मुझसे paper का हिस्सा फट जाएगा।" रेयान ने कहा। दो मिनट बीत गए। मैंने आलोक की ओर देखा, जो अपने चेहरे को छुपाए बैठा था। मैं बता सकता था कि वह अपने घर के बारे में फिर से सोच रहा था।

"मुझे उम्मीद थी कि पिताजी जल्दी ठीक हो जाएँगे। अगर वे ठीक से नहीं खाएँगे तो अधिक बीमार हो सकते हैं। काश, मैं कुछ कर सकता!"

अगर हम आलोक के परिवार का खाने के प्रति रुझान देखें तो, मुझे पक्का विश्वास है कि वे दोनों बीमार पड़ जाते, अगर खाना नहीं मिलता।

"चिंता मत करो, यह किसी की गलती नहीं है। अगर तुम मुझसे पूछो तो लड़के वाले बहुत ही घमंडी हैं।" मैंने उसे दिलासा देते हुए कहा।

"वे सब एक जैसे ही होते हैं। मैं बस पिताजी का हाल-चाल पता करना चाहता हूँ। लेकिन कुमाऊँ में वह फोन काम कर रहा हो तब न!" आलोक ने कहा।

"हो गया।" रेयान ने कहा, जैसे ही उसने सील को कम-से-कम नुकसान के साथ खोला। उनके अंदर थीं सौ नई sheets. majors paper की नई copy.

"वाह, ये तो paper हैं। लाओ, मुझे देखने दो।" मैंने कहा।

"नहीं। मैं तुम लोगों को जानता हूँ। तुम लोग अभी यहीं इस पर चर्चा करने लगोगे। मैं इसे अपने पास रखता हूँ जब तक हम यहाँ का काम खत्म नहीं कर लेते और यहाँ से बाहर नहीं निकल जाते।" रेयान ने कहा।

"और क्या बाकी है?" आलोक ने कहा।

"मुझे नई सील लगानी है। तुम्हें क्या लगता है, मैं यह मोमबत्ती क्यों लाया हूँ।" रेयान ने कहा।

"फिर भी, मुझे लगता है कि तुम्हें अभी समय लगेगा बंद करने में।" आलोक ने कहा।

"जल्दी करो, रेयान।" मैंने कहा।

"चुप रहो।" उसने कहा, जब उसने मोम की एक ताजा बूँद को मोमबत्ती में गरम किया। वह एक कुशल कारीगर, जो अपने काम में माहिर हो, जैसा दिख रहा था।

"सुनो हरि, चेरियन के दफ्तर में फोन है न?" रेयान ने कहा

"हाँ वो रहा वहाँ।" मैंने कहा, उन किताबों की तरफ़ इशारा करते हुए जहाँ फोन रखा था।

"शायद मुझे यहाँ से जल्दी से एक फोन कर लेना चाहिए।" आलोक ने कहा।

"सच में? क्या तुम थोड़ी देर रुक नहीं सकते?"

"तब तक बहुत देर हो जाएगी। वैसे भी मुझे पिताजी का हाल पूछना है बस। और हमारा काम भी पूरा हो गया है।"

"ठीक है।" मैंने सहमति जताते हुए अपने कंधे उचकाए।

आलोक खड़ा हुआ और फोन के पास चला गया।

"मेरे ख़याल से तुम्हें बाहर की लाइन के लिए 9 लगाना पड़ेगा।" मैंने कहा।

"अब तुम लोग क्या कर रहे हो? क्या तुम चुपचाप नहीं बैठ सकते?" रेयान ने गुस्सा करते हुए कहा, जैसे ही उसने पिघली हुई मोम को नई सील से हटाया।

"सिर्फ एक मिनट के लिए घर पर फोन कर रहा हूँ। तुम्हारा काम खत्म होने तक इंतजार करना मुश्किल है।" आलोक ने कहा।

"क्या तुम बाहर से फोन नहीं कर सकते?" रेयान ने कहा, "क्या तुम एक रुपया भी खर्च नहीं कर सकते, कंजूस?"

"सिर्फ एक मिनट चाहिए। तुम अपनी सील पर ध्यान दो।" आलोक ने नंबर मिलाते हुए कहा।

उसका नंबर जल्दी ही लग गया और यह स्पष्ट था कि उसकी माँ आलोक के फोन का ही इंतजार कर रही थीं। आलोक ने ज़्यादा बात नहीं की, उसकी माँ अपनी दु:ख भरी ज़िंदगी और उसकी दीदी के दुर्भाग्य के बारे में बता रही थीं।

रेयान पुरानी सील के निचले हिस्से पर ताजा सा मोम लगाता जा रहा था। मैं रेयान के लूब प्रस्ताव को पढ़ कर अपना समय बिताने की कोशिश कर रहा था। यही वह समय था, जब फोन के तार हम पर भारी पड़ गए।

तब मुझे यह नहीं पता था, लेकिन insti फोन system इसी तरह काम करता था। हर professor के कमरे में एक फोन होता है, जो कि IIT नेटवर्क का हिस्सा होता है। इसका इस्तेमाल खासकर आंतरिक नंबरों को मिलाने के लिए किया जाता है। बाहरी नंबरों को मिलाने के लिए नेटवर्क कुछ बाहरी लाइनों से जुड़ता है। 9 दबाने पर आंतरिक फोन एक बाहरी लाइन के लिए कहता है और campus की टेलीफोन लाइन को बदल देता है। टेलीफोन एक्सचेंज इसे स्वचालित ढंग से बदल देता है। हर व्यस्त लाइन के लिए स्विच board पर लगा एक छोटा-सा लाल रंग का bulb जलने लगता है। हर बार जब कोई बाहरी लाइन के लिए कहता है तब वह लाइट हरे रंग की हो जाती है। यह control room institute के सुरक्षा दफ्तर में है, जो कि insti building की निचली मंजिल पर है। एक नाइट ऑपरेटर और एक guard वहाँ बैठते हैं-ज़्यादातर अपनी ड्यूटी के दौरान बातें करते हुए या सोते हुए। तो एक छोटा लाल bulb छठी मंजिल में से किसी एक फोन पर जल गया और फिर वह लाल bulb हरे रंग का हो गया। रात को इस समय professor चेरियन अपने कमरे में क्या कर रहे हैं? guard ने हैरानी जताई। ऑपरेटर के पास यह विकल्प था कि वह फोन पर होनेवाले वार्तालाप को सुन सके, और उसने ऐसा ही किया। यह professor चेरियन नहीं हैं। यह तो एक माँ की आवाज थी, जो किसी आलोक नाम के आदमी को अपनी बेटी की दु:ख भरी कहानी सुना रही थी। सुरक्षा guard ने अपना walkie-talkie निकाला और गश्त लगाने वाले guard को चेरियन के कमरे को देखने को कहा। गश्त वाला guard एक और guard के साथ छठी मंजिल पर आया। दुर्भाग्यवश, जैसा मैंने कहा, हमें इन सबके बारे में तब नहीं पता था।

"कुछ पन्नों पर टिप्पणी लिखी है।" मैंने कहा।

"सब बकवास। चेरियन इस medical को मौका ही नहीं देना चाहता था। मैंने कार्य-क्षमता के सुधार के परिणाम सिद्ध करके दिखाए हैं। वह इसे व्यावहारिक न होने की वजह से कैसे बंद कर सकता है? वह बकवास, ouch!" मोम की बूँद उसकी उँगली पर गिर गई।

"चिंता मत करो, तुम सील पर ध्यान दो। और तुम जल्दी करो, आलोक।" मैंने कहा।

दो guards आए और हमारे दरवाजे के बाहर खड़े हो गए। वे वहाँ दो मिनट से खड़े होंगे, जिससे पहले कि उन्होंने हमारा दरवाजा खोला। एक जली हुई मोमबत्ती, पिघला हुआ मोम, professor की कुरसी पर कोई बैठा हुआ, कुछ बिखरे हुए कागज़। वहाँ जो हो रहा था, उसको समझने के लिए उन guards का शिक्षित होना जरूरी नहीं था।

आलोक भय से जड़वत् हो गया और उसके हाथ से फोन नीचे गिर गया। उसकी माँ को लगा होगा कि फोन फिर ख़राब हो गया। वास्तव में हम सभी मरे समान हो गए थे। मैं भी अपनी कुरसी पर जम गया और मुझे नहीं पता कि कैसे क्या बोलना है; लेकिन रेयान ने सोच लिया कि पहले क्या बोलना था। "ओह! guard साहब। hello, अंदर आइए। मैं आपको सब समझाता हूँ।" उसने जितना हो सके उतना शांत होने की कोशिश करते हुए कहा।

"तुम कौन हो?" "guard साहब," रेयान ने खड़े होते हुए और अगर जरूरत पड़ी तो वहाँ से भागने के लिए तैयार होते हुए कहा। आलोक और मैं भी उसके पीछे आ गए। किसी भी तरह के अचानक मिलने वाले निर्देश के इंतजार में।

"हमारे पास मत आओ।" guard ने कहा, "हम professor को अभी बुला रहे हैं।"

"अरे नहीं guard साहब, हमारी बात तो सुनिए।" रेयान ने दरवाजे के पास जाते हुए कहा। अब यह स्पष्ट था कि हमें वहाँ से भागना पड़ेगा।

guard ने हमारे इरादे को समझ लिया था। शायद वह बहुत ही डरा हुआ था। वह पीछे हट गया और उसने हमें कमरे के अंदर बंद कर दिया। हमने उसे दरवाजे पर कुंडी लगाते हुए और अपने साथ वाले guard को professor व मुख सुरक्षा अधिकारी को बुलाने के लिए कहते हुए सुना। रेयान ने guard को दोबारा बुलाने की कोशिश की; लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। हम वहीं थे, तीनों मध्य रात्रि में छठी मंजिल पर चेरियन के दफ्तर में बंद।

हमने मुँह से एक शब्द भी नहीं निकाला, सिर्फ एक-दूसरे के चेहरों को देखा। हम सिवाय इंतजार के और कुछ नहीं कर सकते थे। मेरे जीवन का सबसे लंबा दिन खत्म ही नहीं हो रहा था।

मेरे जीवन का सबसे लंबा दिन : 4

मैं अपने भीतर ही चला गया समय के उस छोटे काल में, जिसमें पहले चेरियन के दफ्तर का दोबारा दरवाजा खुला और हमारे भाग्य का फैसला हुआ। सब चुपचाप बैठे रहे और रेयान व आलोक ने जो भी कहा, उसकी उपेक्षा की अगर उन्होंने कुछ कहा तो। हमारे साथ आगे क्या होगा, इसके दृश्य मेरे सामने आने लगे। कल सुबह तक सभी professors कुमाऊँ और अन्य hostel में रह रहे छात्रों को हमारे बारे में पता चल जाएगा। professor चेरियन के दफ्तर से majors paper चुराते हुए पकड़े गए कोई छोटी बात नहीं। शायद insti के director भी इस खास मौके पर आएं। अगर चेरियन चाहे तो वह हमें गोली से उड़वा दें; लेकिन जो भी हो, वह हमें आसानी से नहीं जाने देंगे। वह क्या कहते हैं उसे? अनुशासन समिति या disco; जो छात्र अनुशासन तोड़ते हैं, उनका भाग्य बताने के लिए। अचानक five pointer GPA मुझे अच्छा लग रहा था। यदि मैं सिर्फ इस जगह से एक साधारण नौकरी के साथ पास होकर निकल जाऊँ तो यह सब खत्म हो जाएगा। लेकिन अब तो इस GPA को बनाए रखना और डिग्री लेना भी मुश्किल लग रहा था। क्या चेरियन नरमी से पेश आएँगे, अगर हम उनके सामने गिड़गिडाएँगे? क्या हम यह मानने से मना कर दें कि हम यहाँ चोरी करने आए थे? क्या हम सबकुछ मान लें और माफी मांगें? क्या हम कुछ मिनटों के लिए वापस उस समय में जा सकें और आलोक को वह फोन करने से मना कर सकें? क्या मैं फिर यह दिन दोबारा जी सकता हूँ?

ये फालतू प्रश्न मेरे दिमाग में खरगोश की तरह इधर-उधर घूम रहे थे। मैंने एक लंबी साँस ली; हमें इन कुछ पलों का सामना करना था।

"कोई आया है।" रेयान ने कहा और हम खड़े हो गए।

कुंडी खोली गई और लगभग दस लोग कमरे के अंदर आए। मैंने दो सुरक्षा guards और मुख सुरक्षा अधिकारी को उनकी वरदी से पहचाना। एक दूसरा आदमी, जो उनके साथ था, वह था टेलीफोन ऑपरेटर। मैं जानता था, उसने insti की वरदी पहनी हुई थी। ये कुछ बेवकूफ आज के हीरो बन गए थे।

और फिर mechanical engineering विभाग के दो professor भी थे। professor वीरा भी वहाँ थे। और हाँ वहाँ वह आदमी भी था जिसके दफ्तर में हमने अल्पकाल के लिए डेरा डाला था - professor चेरियन। वह अचंभित खड़े थे, यह सोचते हुए कि उनके दफ्तर में इतनी आसानी और सफाई से कैसे घुस गए? वहाँ पर IIT के नामी लोग आए हुए थे, ज़्यादातर पाजामों में थे। लोग ज़्यादा गुस्सा हो जाते हैं, अगर उन्हें उनके पाजामों में तंग किया जाता है।

guard ने सभी को अंदर आने के लिए कहा-हम पर नजर रखते हुए अगर हमने दोबारा भागने की कोशिश की तो।

"तुम?" चेरियन ने सीधा मेरी ओर देखते हुए कहा। वह भी सोच रहा होगा कि सुबह उसकी बेटी और शाम को उसका दफ्तर। मुझे भी गुस्सा आता, अगर एक दिन में कोई मेरे इस तरह पीछे पड़ा होता तो।

"तुम लोग यहाँ क्या कर रहे हो?" professor वीरा ने कहा, शायद यह जानते हुए कि हम वहाँ क्या कर रहे थे। guard ने सभी को वह सब बताया, जो उसने हज़ारों बार देखा; मोमबत्ती, सील और majors के paper। शायद professor वीरा हमें एक अच्छा झूठ बोलकर वहाँ से भागने का मौका दे रहे थे।

हमने कुछ नहीं कहा, यह आशा करते हुए कि चुप्पी हमें बचा लेगी।

"नकल सर, majors paper चुरा रहे थे। मेरे guards ने इन्हें पकड़ लिया।" मुख सुरक्षा अधिकारी ने कहा, इतना गर्वित होते हुए जैसे कि उन्होंने किसी आतंकी के गुट का पता लगा लिया हो।

"तुम मेरे दफ्तर से paper चुरा रहे थे? तुम अंदर कैसे घुसे?" चेरियन ने सीधे मुझसे पूछा।

"तुम इसे जानते हो?" किसी एक professor ने चेरियन से पूछा। "ज़्यादा नहीं। मैंने इसे class में देखा है, एक बहुत ही कमजोर छात्र है। dean शास्त्री! क्या आप जानते हैं कि यह मेरी मौखिक परीक्षा में पीकर आया था? मैं इसे उसी समय से जानता हूँ हरि कुमार, है न?"

मेरा ख़याल है कि चेरियन हमारी सुबह की मुलाकात को अन्य professor को नहीं बनाना चाहता था।

"और बाकी तुम्हारे नाम क्या हैं?" dean ने पूछा। "आलोक गुप्ता, Sir. कुमाऊँ hostel, mechanical engineering।" आलोक ने कहा।

"रेयान ओबेरॉय, ठीक वैसा ही।" रेयान ने कहा।

"क्या तुम सोचते हो कि तुम ज़्यादा smart हो?" dean ने कहा।

"नहीं Sir. इसीलिए तो हम paper लेने आए थे, Sir." रेयान ने कहा।

थप्पड़! dean ने रेयान को थप्पड़ मारा। मैं उनसे सहमत था। यह समय रेयान की इस तरह की टिप्पणी के लिए सही नहीं था।

थप्पड़! थप्पड़! इससे पहले कि मुझे यह पता चलता कि क्या हो रहा है, dean ने आलोक और मेरे मुँह पर भी थप्पड़ जड़ दिए।

मैं क्या बताऊं, यह कितना शर्मनाक था। professor, सुरक्षा अधिकारी और चेरियन-सब हमारी ओर घूर रहे थे, जब हमारे चेहरे लाल हो गए। लेकिन हम चुप रहे। मैं गुप्त रूप से यह आशा कर रहा था कि वे हमें थप्पड़ मारें और हम सारी बातों को भूल जाएँ। अगर मारना ही सजा थी तो चाहे जितना मार लें। लेकिन कृपा करके disco न करें और हमारे कैरियर के साथ न खेलें।

"तुम लोग अपराधी हो। क्या तुम यह सोचते हो? तुम अपराधी हो। पुलिस को बुलाओ।" चेरियन ने कहा। उनका पूरा शरीर काँप रहा था, जैसे कि उन्हें ही थप्पड़ लगे हों।

वह फोन की ओर जा रहे थे तब professor वीरा बोले, "चेरियन सर, एक मिनट। इससे पहले कि आप पुलिस को बुलाएँ यह बात बहुत ही बड़ी बन जाएगी।"

"यह एक बड़ी बात है!" चेरियन ने ज़ोर से चिल्लाते हुए कहा। हमें थप्पड़ मारो चेरियन, मैंने सोचा। मैं जानता हूँ कि वे ऐसा करना चाहते थे, खासकर मुझे।

"dean शास्त्री, आप ही इन्हें समझाइए। पुलिस को बुलाने का मतलब है कि यह किस्सा अखबारों तक जाएगा। मेरा मतलब है कि क्या आप वास्तव में चाहते हैं कि IIT का नाम ख़बरों में गलत कारणों की वजह से आए?" professor वीरा ने तर्क करते हुए कहा।

"हूँ..!" dean शास्त्री ने अपने हाथ मलते हुए कहा।

"Sir, हमारे पास insti में ऐसी सब चीजों से निपटने के साधन हैं, हैं न? पुलिस बिना रिपोर्ट के तो नहीं आएगी।" professor वीरा ने कहा।

"वीरा शायद ठीक कह रहे हैं। मैं इन बदमाशों की वजह से IIT के नाम पर कीचड़ नहीं उछलने दे सकता।"

इस स्थिति में भी लगा कि 'बदमाश' शब्द बहुत ही सुखद और मजाकिया था। मैं मुस्कुरा रहा था।

"सर, मैं भी IIT का नाम ख़राब नहीं करना चाहता। लेकिन मैं चाहता हूँ कि ये लड़के सजा भुगतें। क्या समझते हैं ये अपने आपको!" चेरियन ने कहा।

"मैं सहमत हूँ कि यह काफ़ी बेहूदा हरकत है। हम इनके कैरियर के बारे में इतनी आसानी से फैसला नहीं कर सकते। हमारे पास इनसे निपटने के साधन हैं; लेकिन उसका इस्तेमाल बहुत ही कम होता है। इन्हें disco में ले जाओ।"

उसके आख़िरी शब्द को सुनने के बाद अब काँपने की बारी हमारी थी। शायद हमारी चुप्पी इतनी अच्छी साबित नहीं हुई। कुछ करो चतुर रेयान, मैं कहना चाहता था, लेकिन वह चुप खड़ा रहा। सिर्फ आलोक ने कुछ किया। वह अपने ही साधारण ढंग से रोने लगा।

"Sir, please Sir! हम बहुत ही शर्मिन्दा हैं। हमें माफ कर दीजिए Sir." उसने कहा।

"और कोई बहस नहीं। इन छात्रों का स्तर हर साल गिरता जा रहा है। हम तत्कालीन disco में बात करेंगे कल!" dean ने घोषणा करते हुए कहा।

"dean Sir, आप प्रवेश परीक्षा में इनकी बुद्धिमत्ता तो देख सकते हैं, लेकिन इनकी ईमानदारी की परीक्षा कैसे लेंगे?" मुख्य सुरक्षा अधिकारी ने कहा। उस रात उसकी उपलब्धियों के लिए शायद उसे कम श्रेय मिला।

अगली सुबह कुमाऊँ hostel के नोटिस board के आस-पास भीड़ जमा हो गई। एक छोटे से कागज के टुकड़े पर, जो कि एक बैंक चेक के साइज के बराबर होगा, एक छोटा नोटिस लगा था, जो कि लंबे वार्तालापों की शुरुआत के लिए काफ़ी था।

"यह सूचना देने के लिए है कि आज रात दस बजे mechanical engineering विभाग के conference room में एक अनुशासन समिति बैठेगी। मीटिंग का agenda है कि यह तय करना कि हरि कुमार (कुमाऊँ), आलोक गुप्ता (कुमाऊँ) और रेयान ओबेरॉय (कुमाऊँ) के द्वारा 11 अप्रैल को किए गए आरोपित अनुशासनिक उल्लंघनों पर आगे क्या तय किया जाए।"

हम तीनों नोटिस board के पास आने के लिए भी बहुत ही शर्मिन्दा थे। हम भीड़ में से जितना जल्दी हो सकता था, निकल गए ताकि कोई हमसे प्रश्न न पूछे।

"क्या हुआ?" अनुराग ने कहा, "ज़्यादा classes छोड़ रहे थे क्या?"

"ऐसा करने से disco नहीं बैठाया जाता। और कोई बात होगी।"

"मुझे लगता है कि कोई बड़ी बात है। वे disco एक दिन में ही रख रहे हैं।" एक कुमाऊँ नाइट ने कहा।

"हाँ वह भी रात में। कुछ तो mechanical engineering विभाग से संबंधित है।"

हमने हमारे कुमाऊँ के होशियार साथियों को खुद ही यह जानने के लिए छोड़ दिया कि क्या हो रहा है। हम नीचे गरदन किए campus से बाहर निकल गए। नेहा की बदौलत मैं ऐसी कई जगहें जानता था, जहाँ हमें कोई नहीं ढूँढ सकता था। ice-cream पार्लर मुझे एकदम सटीक जगह लगी। आलोक सीधा काउंटर पर गया और तीन strawberry कोन के साथ वापस आया।

"रेयान, तुम्हारे पास पैसे हैं? मेरे पास कुछ नहीं है।" आलोक ने ice-cream देते हुए कहा।

"मोटे, तुम्हें अभी भी खाना सूझ रहा है।" मैंने कहा।

"यह तो सिर्फ ice-cream है, यार। बस ध्यान बँटाना चाहता हूँ। तुम तो जानते ही हो कि पिछली रात मैं दो सेकंड भी नहीं सोया।"

"मैं भी नहीं।" मैंने कहा।

"तुम्हें क्या लगता है, वे क्या करेंगे?" आलोक ने कहा।

"शायद indam में हमें 'F' दे दें।" रेयान ने कहा।

"क्या F! मुझे कभी भी एफ नहीं मिला। हमें course को दोबारा देना पड़ेगा।" आलोक ने कहा।

"मैं जानता हूँ। लेकिन यह ज़िंदगी का अंत नहीं है।" रेयान ने कहा।

"क्या तुम लोग सपना देख रहे हो? वे लोग एक disco रखेंगे, इतने सारे professor के साथ सिर्फ हमें एक 'F' देने के लिए!" मैंने कहा।

"सर, यथार्थ में वापस आओ। disco बहुत ही कम मिलता है। और जब वह मिलता है तो कोई दया नहीं दिखाता है।"

"तो वे क्या कर सकते हैं?" आलोक ने कहा।

"हमें कॉलेज से निकाल सकते हैं, या सामान्यतः वे एक साल या एक semester के लिए निलंबित कर सकते हैं।"

"बाहर निकाल देंगे?" आलोक ने काँपते हुए कहा, जैसे कि ice-cream ने उसे ठण्डक दे दी हो।

"वे बाहर नहीं निकालेंगे। ऐसा कभी नहीं हुआ है। उन लोगों के साथ भी नहीं हुआ था, जो तुम जानते हो, कोक की बोतल घुसाते हुए कहाँ पकड़े गए थे।" रेयान ने कहा।

"वे तुम्हें एक साल या semester के लिए बरखास्त कर सकते हैं और तुम्हारे कैरियर को बरबाद करने के लिए यह काफ़ी है। उसके बाद तुम नौकरी ढूँढने की कोशिश करना जरा।" मैंने कहा।

"पूरे एक semester के लिए? तो फिर हम क्या करेंगे?" आलोक ने कहा। ऐसा लग रहा था जैसे वह अभी नींद से जाग रहा हो।

मैं चुप रहा। रेयान ने अपना strawberry कोन खत्म कर दिया और tissue paper को सीधा कूड़ेदान में फेंक दिया।

"कुछ बोलो यार, क्या होगा अब?"

"खुद ही समझ जाओ, मोटे। एक या दो semester में तुम्हारी grade शीट पर कोई grade नहीं होगा। उस पर शायद 'निलंबित' की मुहर लगा देंगे। एक लड़के के लिए यह बहुत ही अच्छा तरीका होगा, नौकरी के लिए वार्तालाप शुरू न करने का, क्यों?" रेयान ने कहा।

"मुझे नहीं लगता कि कोई तुम्हें नौकरी देगा। अमेरिका की कंपनियां इस सबको बहुत ही गंभीरता से लेती हैं। MBA कॉलेज में भी admission नहीं मिलेगा। वे भी साक्षात्कार में यही पूछेंगे।"

"दूसरे शब्दों में, हमारी जिंदगियाँ बरबाद हो चुकी हैं।" मैंने कहा, यह देखते हुए कि मैंने अपनी ice-cream को छुआ तक नहीं था। कोन बहुत ही गल गया था। मैंने उसे रेयान की ओर बढ़ा दिया-कूड़ेदान में फेंकने के लिए।

"और तुम लोग इन सबके बारे में इतने शांत हो! इसके बारे में तुम इतने शांत कैसे हो सकते हो? सोचो, मेरे माता-पिता पर क्या बीतेगी? दीदी का क्या होगा?" अपनी कुहनियों को मेज पर रखते हुए तथा अपने बाल खींचते हुए आलोक ने कहा। फिर उसने अपना चेहरा छिपा लिया अपने आंसुओं को छिपाने के लिए।

"कौन कहता है कि मैं इन सबके बारे में शांत हूँ?" रेयान ने कहा और खड़ा हो गया। उसकी आवाज इतनी तेज थी कि उसने काउंटर पर बैठे-सोते हुए आदमी को भी जगा दिया।

"शांत रहो और बैठ जाओ। यहाँ insti के आदमी हो सकते हैं।" मैंने कहा।

"भाड़ में जाएँ लोग, भाड़ में जाए insti और भाड़ में जाए यह मोटा, जो सोचता है कि सिर्फ इसे ही रात भर नींद आती और यही भविष्य के बारे में सोचता है। जागो मिस्टर आलोक, यह रोने और बाल खींचने का समय नहीं है। दस घंटे बाद हमारा disco है और शायद हमें यह सोचना चाहिए कि हम उन professor को क्या जवाब देंगे।"

"ओह, अच्छा।" आलोक इस बार खड़ा हो गया। मेरे ख़याल में खड़े होकर चिल्लाना ज़्यादा आसान है। "ओह, अच्छा मिस्टर रेयान!" आलोक ने कहा, "तो तुम हो, जो अपने दिमाग के साथ नीति के बारे में सोचना चाहते हो। मैं कहता हूँ भाड़ में जाओ तुम और भाड़ में जाए तुम्हारी नीति! क्या हुआ operation operation का?"

मेरे लिए उन्हें चुप कराना मुश्किल था। शायद उन्हें इसकी जरूरत थी। "operation operation! तुम मुझसे यह कह रहे हो कि वह ख़राब नीति थी? किस छोटे बच्चे को अपनी माँ से बात करनी थी?" रेयान ने कहा।

"ओह, अच्छा। और इतिहास में ऐसा कोई IIT इन नहीं है, जो किसी professor के दफ्तर में घुसपैठ करता है? कुछ नहीं होगा। मेरे बेशर्म गधे, कुछ नहीं होगा।"

वे पाँच मिनट तक बहस करते रहे, जिसके बाद मैं रोने लगा। वे एक-दूसरे में व्यस्त थे। वैसे मैंने भी नहीं सोचा था कि यह disco मुझ पर इतना हावी हो जाएगा। मैं आलोक की तरह रो रहा था। यह बहुत ही शर्मनाक था; लेकिन इस वजह से उन्होंने मेरी तरफ़ देखा तो।

"अब तुम्हें क्या हुआ?" रेयान ने कहा।

"कुछ नहीं, बस तुम दोनों चिल्लाना बंद करो। इससे कुछ फायदा नहीं होगा। इस समय हमें एक-दूसरे की जरूरत है।"

"यह सही कह रहा है। बैठ जाओ, मोटे!" रेयान ने कहा। हम अब अगले पाँच घंटे बैठे रहे। हमने दो बनाना toffee cones, एक mint chocolate chip और तीन raspberry delights को खाते-खाते अपनी ज़िंदगी बचाने के बारे में बहस की

या सोचा। उम्मीद बहुत कम थी, लेकिन हमसे जो हो पाता, हमें करना था। हमारी नीति बिलकुल भी रचनात्मक नहीं थी; हमारी नीति थी-ईमानदार होना, शांत रहना और दया की भीख माँगना। हम शाम छह बजे कुमाऊँ पहुँचे, जहाँ मेरे लिए professor वीरा के कम-से-कम छह संदेश थे। वे हमसे disco से पहले मिलना चाहते थे। हम उनसे नौ बजे मिलने के लिए तैयार हो गए।

"तुम duplicate क्या बनाकर लाए थे?" professor वीरा ने फिर से पूछा।

जो कहानी हमने उन्हें बताई, उससे वे पूरी तरह से अचंभित थे।

"चाबियाँ Sir, जिया सराय से छह रुपए में।" मैंने कहा।

professor वीरा कुरसी पर आराम से बैठ गए और हँसने लगे। "यह तो अविश्वसनीय है। मैंने IIT में ऐसा कभी नहीं सुना है। तो रेयान, तुमने सोचा कि तुम विभाग के अध्यक्ष के कमरे में ऐसे ही जा सकते हो और paper चुराकर एक 'A' ला सकते हो?"

"हाँ Sir." रेयान ने विनम्र आवाज में कहा।

"और हरि, तुम गए और इन चाबियों को नेहा से चुपके से ले आए जो तुम कहते हो कि तुम्हारी प्रेमिका है, इसलिए ताकि तुम उसके पिता के कमरे में चोरी कर सको?"

"यह सही है, Sir." मैंने कहा।

"और तुम आलोक, तुम इनके इस मूर्खतापूर्ण plan में शामिल हो गए?"

"ये मेरे दोस्त हैं, Sir." आलोक ने कहा।

मुझे यह कहना पड़ेगा कि यह कथन मुझे छू गया। एक पल के लिए मैं हमारे साथ हुई इन सभी बातों को भूल गया और ख़ुश हो गया कि आलोक के लिए यह कारण काफ़ी था।

"तुम लोग मूर्ख हो। तुम जानते हो कि तुम महा मूर्ख हो।" professor वीरा ने कहा। वे काफ़ी रूखे नजर आ रहे थे, लेकिन हमें वे पसंद थे और इसके अलावा वे सही थे।

"सर, हम लोगों ने क़रीब-क़रीब काम खत्म कर लिया था। आलोक ने एक फोन.. " रेयान ने कहा।

"क़रीब-क़रीब काम खत्म कर लिया था?" professor वीरा ने बीच में रोकते हुए कहा, "क्या यह सब इतना मायने रखता है? तुम सोचते हो कि मैं तुम्हें मूर्ख इसलिए बुला रहा हूँ कि तुम पकड़े गए?" professor वीरा की आवाज अब और कठोर हो गई थी। वह गुस्से से लाल हो रहे थे।

"तुम रेयान ओबेरॉय, मैं सोचता था कि तुम हमारे सबसे होशियार छात्रों में से एक हो। तुम्हारा लूब medical किसी भी छात्र की तरफ़ से आए काम से बेहतर था। मुझे तुम्हारे काम से कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन तुम इतने बेवकूफ हो कि तुमने अपनी grade शीट पर एक मामूली से अक्षर के लिए अपने भविष्य को दाँव पर लगा दिया।"

रेयान ने अपना सिर झुका लिया।

"और तुम तीनों पक्के दोस्त हो। लेकिन तुममें से एक भी इस मूर्खता को करने से नहीं रोक पाया। तुम जानते हो कि चेरियन तुम लोगों को जेल में फेंकवा देते।"

"सर, हम उनसे माफी माँगेंगे, Sir. शायद वे दयालु हो जाएँ।" आलोक ने कहा।

"दयालु? यह disco है, mother Teresa का घर नहीं। तुमने चेरियन का चेहरा देखा था?" professor वीरा ने कहा।

हम तीनों चुप हो गए। हम professor वीरा के दफ्तर में लगी घड़ी की आवाज सुन सकते थे। साढ़े नौ बज रहे थे।

"तो disco से तुम्हारी दलील क्या है? दोषी या निर्दोष?" professor वीरा ने कहा।

"दोषी। उन्होंने हमें रँगे हाथों पकड़ा है, Sir." मैंने कहा।

"हूँ हूँ। मेरे ख़याल से सबसे पहले तुम्हें बाहर निकाल देने वाले तर्क को अपने रास्ते से निकाल देना चाहिए।" professor वीरा ने कहा।

"आपका मतलब है कि वहाँ कोई मौका है!" आलोक ने कहा।

"ज़्यादा नहीं, अगर चेरियन हाथ धोकर पीछे न पड़े तो। तुम चाबियों के बारे में क्या कहोगे?" professor वीरा ने कहा।

"मैं नेहा को इस मामले में नहीं लाना चाहता। मैं सोच रहा हूँ कि मैंने सोचा कि हम कहेंगे कि हमने बहुत सारी चाबियाँ इकट्ठी की थीं और फिर हमने सबको लगाकर देखा और उनमें से एक काम कर गई।" मैंने कहा।

"तुम सच क्यों नहीं बताते? तुमने मुझे तो सबकुछ बता दिया।" professor वीरा ने कहा।

"मैं नहीं चाहता कि नेहा को पता चले।" मैंने कहा।

"सुनो लड़को, मैं यहाँ तुम्हारी मदद करने की कोशिश कर रहा हूँ। मेरे ख़याल में तुम बहुत बड़ी मुसीबत में हो; लेकिन अगर तुम बातों को कुछ घुमा-फिरा के बता सकते हो तो शायद तुम्हारी मुसीबतें थोड़ी कम हो जाएँ।"

"जैसे कि क्या?"

"सबसे पहले, हमें कोशिश करके सजा के कुछ अन्य विकल्प बताने चाहिए। मैं वहाँ रहूँगा। तुम्हें यह सुझाव दिया जा सकता है कि course में एक 'F', सबके सामने माफी और सौ घंटे के लिए समाज-सेवा।"

"समाज-सेवा क्या है?" रेयान ने कहा।

"बस, campus में थोड़ी मदद करना-साइकिल पार्क की पुताई या पेड़ लगाना, इस तरह की चीजें।" professor वीरा ने कहा।

"मुझे इन सबसे घृणा है।" रेयान ने कहा।

"चुप रहो, रेयान। यह ठीक है। आप आगे बोलिए Sir." मैंने कहा।

"दूसरे, मैं चाहता हूँ कि तुम कहानी को कुछ अलग अंदाज में पेश करो। मुझे झूठ बोलना बिलकुल पसंद नहीं; लेकिन इसके अलावा तुम्हारे पास कोई चारा भी नहीं है। तो बजाय यह कहने के कि तुमने अलग-अलग चाबियाँ लगाने की कोशिश की, यह कहो कि नेहा ने तुम्हें चाबियाँ दीं।" professor वीरा ने कहा।

"क्या?" हम तीनों ने एक साथ कहा।

"सुनो, अगर तुम यह कहते हो कि तुम नेहा को जानते हो और किसी वजह से वह अपने पिता से नाराज थी और उनसे बदला लेने के लिए उसने तुम्हें चाबियाँ दीं, तो यह घटना व्यक्तिगत हो जाएगी। disco committee सोचेगी कि तुमने जान-बूझकर यह नहीं किया। मुझे नहीं पता, शायद वह इस बात को अनसुना कर दें; लेकिन तुम्हें यह जोखिम लेना चाहिए।"

"जब नेहा को पता चलेगा तो वह क्या सोचेगी!" मैंने कहा, "इसका तो सवाल ही नहीं उठता कि हम यह करें।"

"एक दु:खी प्रेमिका, एक कलंकित डिग्री और कॉलेज के बाद कोई नौकरी न मिलने से तो बेहतर है।" professor वीरा ने कहा।

"professor वीरा ठीक कह रहे हैं, हरि!" रेयान ने कहा, "तुम चेरियन के परिवार को इसमें शामिल करोगे तो शायद वे पीछे हट जाएँ। आख़िरी चीज यह होगी कि तुम उनकी बेटी के प्रेमी हो।"

"लेकिन इससे तो पूरी दुनिया को वैसे ही पता चल जाएगा।" मैंने कहा।

"तुम्हें पूरी कहानी बताने की जरूरत नहीं है। सिर्फ यह कहो कि नेहा तुम्हारी थोड़े दिनों से दोस्त है। मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि चेरियन फिर इसके बारे में विवाद नहीं करेंगे।" आलोक ने कहा।

"आलोक, तुम भी यही सोचते हो कि यह सही रास्ता है?" मैंने कहा।

"हाँ हमें अपनी जान बचानी है न! आओ, बचाव के लिए यह अंतिम नीति है, अंतिम बचाव के लिए।" आलोक ने कहा।

इस कहानी से सहमत होने के लिए मैं अपने आपसे घृणा कर रहा था। नेहा क्या सोचेगी, जब वह सुनेगी कि मैंने क्या कहा? कि उसने चाबियाँ देकर मेरी मदद की? शायद वह मुझसे हमेशा के लिए घृणा करने लगेगी। घड़ी में दस बज गए थे, विभागीय कमेटी room में जाने का अब समय हो गया था।

प्रेम अब द्वितीयक या गौण हो गया था।

मेरे जीवन का सबसे लंबा दिन : 5

IIT का disco नाचने वाले disco से मुश्किल और अलग होता है। यहाँ रोशनी फीकी है, कमरे में मौत जैसा सन्नाटा होता है और अधिकतर बूढ़े लोग होते हैं। क़रीब दस professor अर्द्ध वृत्त आकार में बैठते हैं, जबकि आरोपित छात्र कमरे के एकदम बीच में बैठते हैं। professor हर तरफ़ (दिशा) से छात्रों पर प्रश्नों की बौछार करते हैं। हमारी जगह की बदौलत हम उन सबसे एक जैसे फासले पर होते हैं। वह वस्तुतः एक कोर्ट room का ज़्यादा प्रभावशाली design है, मेरे ख़याल से indam से प्रेरित होकर।

dean शास्त्री ने हमें हमारी जगह लेने के लिए कहा। सह-संचालक थे dean शास्त्री, doctor वर्मा और professor चेरियन। professor वीरा अन्य सात प्रोफेसरों में से थे, जिनका महत्व कम था। उनमें से कई जँभाई ले रहे थे, शायद उन्हें रोज़ इस समय सोने की आदत थी।

जाहिर है, उनके छात्रों के लिए तो, जिन पर assignment का एक और सैट लाद दिया गया होगा, रात अभी शुरू हो रही होगी।

"अनुशासन समिति की सुनवाई अब शुरू की जाए अन्य सह-संचालको!" dean शास्त्री ने कहा।

"तुम अब शुरुआत कर सकते हो।" director और professor चेरियन ने कहा। मेरे ख़याल में इस औपचारिकता की वजह से वे अपने आपको अत्यधिक शक्तिशाली समझ रहे थे।

क्या होगा, अगर मैं आज खामोश रहा? मैंने सोचा और मेरे पूरे शरीर से पसीने छूट गए। सभी professors ने स्पेशल disco file खोली, जिसमें पिछली रात के हादसे को पूरा वर्णन था। रेयान ने मेरी घबराहट को देख लिया। यह हैरानी की बात है कि जो तुम्हें अच्छे से जानते हैं, वे सबकुछ पहचान जाते हैं।

"हरि!" उसने फुसफुसाते हुए कहा।

मैंने उसकी ओर देखा।

"मैं जानता हूँ कि तुम किस वजह से चिंतित हो। याद रखो, यह मौखिक परीक्षा नहीं है। अगर तुमने अपनी जुबान यहाँ नहीं खोली तो तुम एक शून्य से भी बड़ी मुसीबत में होगे। तुम समझ रहे हो न?"

"हाँ।" मैंने कहा।

"और मैं तुम्हें एक बात बता देना चाहता हूँ जिसे मानने से मैं घृणा करता हूँ तुम एक दमदार घोड़े हो, यार।" रेयान ने कहा।

"क्यों?"

"वह यह कि तुम भरी दोपहर में उसके घर गए और उसकी इकलौती बेटी से मिलकर आए। ऐसा मेरे दोस्त, एक सच्चा हीरो ही कर सकता है।" रेयान ने कहा।

"तुम्हें ऐसा लगता है?" मेरा सिर ऊँचा हो गया।

"हाँ मैं ऐसा सोचता हूँ। मैं तुम्हें सलाम करता हूँ यार। तुम्हारे जैसा दोस्त पाकर मैं बहुत ही गर्वित महसूस कर रहा हूँ।" रेयान ने कहा।

मैं खुशी से खिल उठा।

"छात्र एक-दूसरे से बात न करें।" dean शास्त्री ने कहा और file से ऊपर देखने लगे।

"माफ करना, सर!" मैंने कहा। रेयान और मैंने एक-दूसरे की ओर खुशी से अँगूठा दिखाया कि मैं इन बूढ़ों के प्रश्नों का जवाब तो आसानी से दे सकता हूँ।

"मिस्टर हरि कुमार, यहाँ file में ऐसा लिखा है कि कल रात तुम अपने दो दोस्तों के साथ professor चेरियन के आफिस में पाए गए। क्या यह सच है?" dean शास्त्री ने कहा।

"हाँ Sir." मैंने कहा।

"रेयान ओबेरॉय, हमें मालूम हुआ है कि सुरक्षा guard ने एक मोमबत्ती, मोम, सील और मेजर paper के लिफाफे को तुम्हारे हाथ में पाया था। क्या यह सच है?"

"हाँ Sir." रेयान ने सहमति देते हुए कहा। "आलोक गुप्ता, हमें पता चला है कि पिछली रात professor चेरियन के फोन से तुमने ही फोन किया था।"

आलोक ने हामी भरते हुए अपना सिर हिलाया।

"क्या तुम लड़को! अपने को इस घटना का दोषी मान रहे हो?" director ने कहा।

"हाँ सर, हम उत्तेजित हो गए थे!" मैंने कहा।

मैं अपने इस तरह से प्रश्नों के उत्तर देने पर आश्चर्यचकित था।

अन्य प्रश्न स्वभाव में कुछ शब्दाडंबरपूर्ण थे और थोड़े नैतिकता से भरे थे। मुझे अब वह सब याद भी नहीं है, वह ईमानदारी और चरित्र के बारे में थे। हमने अनेक बार माफी माँगी। आख़िरकार उन्होंने वह प्रश्न पूछा, जिसका हम इंतजार कर रहे थे।

"तुम मेरे दफ्तर में घुसे कैसे?" professor चेरियन ने कहा।

"हमारे पास चाबियाँ थीं, Sir." रेयान ने कहा।

"तुम्हें चाबियाँ कैसे मिलीं?" वे बौखलाए हुए लग रहे थे।

"सर, हम सर.." मैंने कहा और फिर चुप बैठ गया। नहीं, मुझसे यह नहीं होगा।

"हरि की दोस्त नेहा ने हमें चाबियाँ दी।" रेयान ने पूर्ति करते हुए कहा।

"नेहा कौन है?" dean शास्त्री ने पूछा। "नेहा चेरियन professor चेरियन की बेटी है। मैं उसे पिछले तीन महीनों से एक दोस्त की तरह जानता हूँ।" मैंने कहा।

कमरे में शांति छा गई और dean शास्त्री व director वर्मा के चेहरे ढीले पड़ गए। वे अब professor चेरियन की ओर घूम गए जैसे कि अब वे निशाने पर हों। लेकिन यह disco की आचार-संहिता नहीं थी।

"क्या जो तुम कह रहे हो, उस पर तुम्हें पक्का यकीन है?" dean शास्त्री ने कहा।

"जी हाँ। वह अपने पिता से नाराज थी और उनसे बदला लेना चाहती थी। उसने हमें चाबियाँ दीं और हम उत्तेजित हो गए।" मैंने कहा।

उसके बाद और ज़्यादा प्रश्न नहीं किए गए। लेकिन किसी तरह हर professor अपने पास बैठे आदमी से बात करना चाहता था। बाकी के सोए हुए सात professors भी अब जाग गए। यह केस अब एक साधारण रँगे हाथों पकड़े गए केस से ज़्यादा रोमांचक हो गया था। चेरियन ने dean शास्त्री और director के कानों में कुछ फुसफुसाया।

dean शास्त्री ने सहमति से अपना सिर हिलाया और एक घोषणा की-"हमारी छात्रों से पूछताछ खत्म हो गई है। मुझे लगता है कि अब हमें समिति के साथ अच्छी तरह विचार-विमर्श करना होगा इस महत्त्वपूर्ण फैसले को लेने के लिए। इसमें शायद थोड़ा समय लग सकता है, शायद दो घंटे भी। लेकिन जब हम इससे निपट जाएँगे, तब हमारा अंतिम फैसला सुना दिया जाएगा। कोई अपील नहीं, कोई दलील नहीं। छात्र अब जा सकते हैं।"

dean शास्त्री ने हमें कमरे से बाहर जाने का इशारा किया। हम disco room से बाहर निकल गए और campus lawn में आ गए।

"तुम्हें क्या लगता है कि यह ठीक हुआ?" आलोक ने कहा।

मैंने अपने कंधे उचकाए। नेहा की याद मुझे परेशान कर रही थी।

"किसको पता? यहीं पास में इंतजार करते हैं।" रेयान ने मध्य रात्रि की गीली घास पर बैठते हुए कहा।

"इसमें कई घंटे लग सकते हैं।" मैंने कहा।

"वैसे भी हमारे पास और क्या है करने के लिए? लेकिन यहाँ नहीं, insti की छत पर चलते हैं।" आलोक ने कहा।

मुझे insti की छत पर जाने का सुझाव अच्छा लगा। वही एक जगह है, जहाँ हम इस समय सबसे सुरक्षित महसूस करेंगे, क्योंकि कुमाऊँ जाना भी इस समय मुश्किल होगा। वहाँ सभी की आँखें हम पर होंगी।

"लेकिन हमें कैसे पता चलेगा कि उनका काम खत्म हो गया?" रेयान ने कहा।

"हम नीचे देखते रहेंगे। corridor की लाइट जली है। जब वे बाहर आएँगे तो हमें खुद ही दिख जाएगा।"

"ठीक है, चलो ऊपर चलते हैं।" रेयान ने कहा।

हम insti की building की छत पर बैठे थे-एक-दूसरे से पाँच feet दूर, एक काल्पनिक त्रिकोण के किनारे पर।

चाँद कुछ ज़्यादा ही दु:साहस से चमक रहा था, जो कि उसकी सिर्फ परावर्तित रोशनी है। उस दिन कुछ अलग-सा लग रहा था। नेहा को इस मामले में लाकर मैं अपने आपसे घृणा कर रहा था। वास्तव में मैं एक धोखेबाज होने के लिए अपने आपसे घृणा कर रहा था। और बाकी सब चीजों के लिए भी-चाबियों को duplicate कराने के लिए सहमत होना, operation operation का हिस्सा बनना और अपनी ज़िंदगी को ऐसे मोड़ पर ले आना। मैं यहाँ तक कैसे आया? मैं अपने स्कूल के पूरे समय तक topper था। इसी से तो मैं IIT में आ पाया! लेकिन अब मैं एक कम अंक प्राप्त करनेवाला क्यों हूँ five pointer, एक धोखेबाज मध्य रात्रि में insti की छत पर बैठा हुआ, अपने भविष्य से अनिश्चित?

यह बड़ा विचित्र है कि कैसे तुम्हारा दिमाग इन सब प्रश्नों से भर जाता है। भाड़ में जाए उत्तर देना भी तो दिमाग का ही काम है। तो फिर वह अपनी मुश्किलें खुद ही क्यों नहीं हल करता? मैंने निश्चय किया कि मेरे कहने का कोई अर्थ नहीं है। दो निद्रा-रहित रातों से कोई मदद नहीं मिली। लेकिन प्रश्नों का दिमाग में उठना रुक ही नहीं रहा था।

मैंने अपने दोस्तों की तरफ़ देखा। दोस्त? वैसे ये क्या होते हैं? यह आलोक कौन है? और इसमें मैं क्या कर सकता हूँ कि उसका बाप अधमरा है और उसकी बहन की शादी बिना पैसे के नहीं हो सकती? फिर मैंने रेयान की ओर देखा। हाँ बना-ठना, smart और आत्मविश्वासी। वह आदमी, जो अपने आप में दृढ़ है, वह पूरी दुनिया से लड़ सकता था। उसे तो चेरियन से बदला लेना था। अब इसकी क्या जरूरत थी? अब यह नहीं लगता कि उसके सारे विचार असल में इतने smart होते हैं। मैं उसकी बात क्यों सुनता हूँ और आलोक की नहीं? और अब सब इतने चुप क्यों हैं?

मैंने अपना सिर झुकाया रेयान की swiss घड़ी में समय देखने के लिए सुबह के तीन बज गए थे।

"चाय?" रेयान ने अपने हाथ मलते हुए कहा।

"नहीं, मैं तो वैसे ही पूरी तरह से जागा हूँ शुक्रिया।" मैंने कहा।

"हाँ मैं भी ठीक हूँ।" आलोक ने कहा।

चाय। बस रेयान इस समय, सिर्फ इतना ही कह पाया। जो हमारे लिए महत्त्वपूर्ण था उन सबको अपने से दूर करने की क्षतिपूर्ति के लिए caffeine के घूँट पीना।

"यहाँ काफ़ी ठण्ड है। " रेयान ने कहा।

मैंने सहमति में अपना सिर हिलाया।

हाँ रेयान, यहाँ बहुत ठण्ड है। असल में, दिल्ली की इस रात में दिसंबर जितनी ठण्ड है, मैं यह कहना चाहता था। लेकिन तुम्हें

पता है, मुझे वह महसूस नहीं हो रही है। इस समय हम पर क्या बीत रही है। कुछ घंटों में हम IIT से बाहर फेंक दिए जाएँ और फिर हमें न तो अच्छी शिक्षा मिल सके, न नौकरी। लेकिन मैंने दूसरा जवाब चुना।

"हाँ लगभग पाँच डिग्री होगा।" मैंने कहा।

आधा घंटा बीत गया। रेयान खड़ा हुआ और छत के कगार तक पहुँच गया। नौ मंजिल की ऊँचाई, यह insti की सबसे ऊँची जगह है। लेकिन फिर भी वहाँ कोई मुँडेर नहीं थी, क्योंकि छत पर जाना मना था। एक कदम-और रेयान भारहीन होकर नीचे गिरने के आख़िरी पल का आनंद ले सकता था। वह कगार पर खड़े होकर झुककर नीचे देखने लगा। फिर उसने अपना एक पैर आगे की ओर बढ़ा दिया।

"तुम क्या कर रहे हो?" आलोक ने कहा।

हाँ तुम आख़िर कर क्या रहे हो, रेयान? मैंने सोचा। क्या हमने अपनी ज़िंदगी कगार पर काफ़ी नहीं जी ली? क्या हमारा जीवन पहले ही बरबाद नहीं हो गया है? क्या हम disco के परिणाम का इंतजार ध्यान केंद्रित करके शांति से नहीं कर सकते?

"वापस आ जाओ।" मैंने उसे बुलाते हुए कहा।

वह मुड़ गया।

"यह बहुत ही ऊँची है।" धीरे-धीरे वह पीछे हटने लगा और जहां हम बैठे थे वहाँ आ गया।

हाँ वह ऊँची है। हाँ, वहाँ ठण्ड है। और कोई अन्तर्दृष्टि वाले कथन सर, मैंने सोचा।

आदमी में अगर किसी चीज की कमी है तो वह है मुश्किल समय में चुप रहना। आलोक और मेरे पास तो कोई शब्द नहीं थे, जबकि रेयान thermodynamics और अंतरिक्ष संबंधी अवस्था पर अपनी टिप्पणियाँ दे पाया। नेहा से एकदम अलग, जिसके पास हर मौके पर बोलने के लिए सही और सटीक शब्द होते थे। लेकिन इसके बाद नेहा अब कभी नहीं होगी, खासकर आलोक ने जैसे कहा 'बचाव की आख़िरी नीति', उस नीति को disco interview में इस्तेमाल करने के बाद। नेहा अब मेरे साथ नहीं रही-मेरा पेट अंदर से खाली जैसा लग रहा था। मैं स्वयं को बहुत डरा-सा महसूस कर रहा था। अब जब यह हकीकत मुझे समझ में आती है तो मैं यहाँ पर हूँ अपने दो सबसे घनिष्ठ मित्रों के साथ-एक मुझे उस कॉलेज से बाहर फिंकवाएगा, जिसमें आने के लिए मैंने दो साल मेहनत की और फिर आने के बाद तीन साल तक इसे झेला और दूसरे ने मेरी प्रेम कहानी, चाहे जैसे भी है, उसका भी अंत कर दिया।

"तुम्हें लगता है कि शायद disco में नरमी बरती जाएगी?" आलोक ने कहा।

"यह अनुशासन समिति है, कोई मजाक नहीं। तुम जानते हो कि disco कभी भी किसी से मजाक नहीं करता।" मैंने कहा।

disco क्या नाम है, मुझे इस समय भी विचित्र लग रहा है, जब मैं उसके बीच में हूँ।

रेयान ने हम दोनों की ओर देखा।

"यह सब एक बुरा विचार था।" उसने कहा।

शुक्रिया, रेयान। यहाँ बहुत ठण्ड है, यह बहुत ऊँचा है और हाँ operation operation एक बुरा विचार था। बस ऐसे ही प्रत्यक्ष कथन देना जारी रखो।

साढ़े चार बजे हमें नीचे से कुछ आवाजें सुनाई दीं। कुछ scooter स्टार्ट हो रहे थे, अब थके हुए professor घर लौटना चाहते थे। यही हमारे लिए इशारा था, नतीजा आ चुका था।

"आओ यार, हमें भाग कर नीचे चलना होगा।" मैंने कहा।

"हाँ चलते हैं। professor वीरा वहाँ होंगे।" रेयान ने कहा।

"मैं यहीं रहूँगा। तुम मुझे वापस आकर बता देना।" आलोक ने कहा।

"बस नीचे आओ, मोटे।" रेयान ने कहा।

"नहीं, जब professor बताएंगे तो मैं उनका सामना नहीं कर पाऊंगा।" उसने कहा।

"ठीक है फिर। चलो चलें, हरि।" रेयान ने कहा।

हम भाग कर सीढ़ियों से नीचे उतरे। ज़्यादातर professors जा चुके थे। dean शास्त्री, चेरियन और वीरा वहाँ खड़े थे।

"professor वीरा सर!" रेयान ने पीछे से उनके पास आते हुए कहा।

"रेयान!" professor वीरा ने कहा, "एक second रुके।"

professor वीरा ने चेरियन व dean शास्त्री से कुछ और मिनट बात की। जल्दी ही उन्होंने एक-दूसरे को शुभ रात्रि कहा। चेरियन अपनी गाड़ी में चले गए उस गाड़ी में जिसकी वजह से यह सब हुआ।

"सर!" मैंने कहा।

"रेयान और हरि, तुम दोनों को निकाला नहीं जा रहा है।" professor वीरा ने कहा।

"सच? तो फिर क्या निर्णय हुआ?" मैंने कहा।

"हमने घंटों बातें कीं। हमारे विचार अलग-अलग थे; लेकिन आख़िरकार disco ने यह निर्णय लिया कि तुम लोगों को एक semester के लिए निलंबित किया जाए।"

"सर!" मैंने कहा।

"मैंने बहुत कोशिश की। लेकिन disco किसी पर भी नरमी नहीं बरतता। तुम एक semester खो दोगे, जिसका मतलब है कि तुम्हारे पास चौथे वर्ष के course खत्म करने के लिए एक आख़िरी semester ही है। और तुम्हें indam में 'F' मिलेगा और तुम्हें इसे दोबारा करना होगा। और final वर्ष में medical को मत भूलो। इस समय insti के नियम के हिसाब से तुम इतने सारे course का भार नहीं ले सकते।" professor वीरा ने कहा।

"तो हमें अपने courses अगले साल करने होंगे। और हमें नौकरी के interview के लिए भी नहीं बैठने दिया जाएगा।" मैंने कहा।

"मुझे दुःख के साथ कहना पड़ रहा है, लेकिन हाँ। मैंने professor चेरियन से निलंबित semester में कुछ medical credit देने के लिए बात की। मैंने पूछा कि क्या तुम लोग मेरे साथ काम कर सकते हो, तो उन्होंने सीधे मना कर दिया। निलंबन मतलब पूरा निलंबन।"

"सब खत्म हो गया। हमारी grade शीट बरबाद हो गई है। हमें कोई नौकरी नहीं मिलेगी। और हमें एक अनुपयोगी डिग्री के लिए एक और साल रुकना पड़ेगा।" मैंने कहा। रेयान चुप रहा।

"मैं माफी चाहता हूँ कि यह सब इस तरह से हो गया, यारो!" professor वीरा ने हमारे कंधे थपथपाते हुए कहा। वे हमारे सामने से अपने scooter से चले गए। कुछ देर और exhaust के धुएँ के बाद वे वहाँ से जा चुके थे।

हम insti की छत पर चले गए जहाँ आलोक हाथ जोड़े इंतजार कर रहा था। शायद वह पूजा कर रहा था, या शायद उसे ठण्ड लग रही थी।

"एक semester के लिए निलंबित। indam में 'F' one course पूरा करने के लिए अगले साल तक रहना होगा।" रेयान ने आलोक को संक्षिप्त में बताते हुए कहा।

"क्या?" आलोक ने अपने ध्यान से बाहर निकलते हुए कहा।

"professor वीरा ने कोशिश की, हमें बाहर फेंके जाने से बचाया। लेकिन फिर भी, यह हमारे लिए बहुत बुरा है। मुझे नहीं पता कि हम क्या करेंगे।" मैंने कहा।

हम दोबारा नीचे बैठ गए। सुबह के पाँच बज गए थे। दिन निकलने में एक घंटा ही शेष रह गया था।

आलोक बिना कुछ कहे खड़ा हो गया। मैं चाहता था कि वह कुछ कहे, क्योंकि वह बहुत ही परेशान हो गया था। वह छत की उस कगार पर जाकर खड़ा हो गया, जहाँ एक घंटे पहले रेयान खड़ा था।

"तुम सही थे, रेयान। यहाँ ऊँचाई है।" आलोक ने कहा।

"तुम ठीक तो हो, आलोक?" रेयान ने कहा।

"हाँ तुम सोचते हो कि क्या तुम्हीं छत की कगार पर खड़े हो सकते हो?" आलोक ने पूछा।

"नहीं, बस वापस आ जाओ। हम नीचे चलते हैं। अब बहुत हो गया।" रेयान ने कहा।

आलोक ने नीचे देखते हुए जवाब दिया, "पहली बार रेयान, मैं तुमसे सहमत हूँ। सच में, अब बहुत हो गया। मैं सोचता हूँ कि मैं बस नीचे चला जाऊँ।"

आलोक की आवाज में कुछ गड़बड़ थी। मैं उसकी ओर देखने के लिए पीछे मुड़ा-वह सीधा खड़ा था, फिर एक बार कूदा और फिर सीधा नीचे। आधे सेकंड के अंतर में वह आँखों से ओझल हो गया था। गुरुत्वाकर्षण ने अपना काम बखूबी कर दिया था।

मेरे जीवन का सबसे लंबा दिन : 6

इससे पहले मैं कभी ambulance के अंदर नहीं गया था। और उसके अंदर का माहौल काफ़ी दिल दहलानेवाला था। जैसे कि किसी अस्पताल को कहा गया हो कि अपने पूरे सामान के साथ चलो। instrument catheter, drips एवं दवाइयों का एक डिब्बा और उसके आस-पास दो बैड थे। मेरे व रेयान के खड़े होने के लिए भी जगह नहीं थी और जबकि आलोक को अच्छे से फैलाकर लिटा दिया गया था। मेरे ख़याल से जिसकी 23 हड्डियाँ टूटी हों उसे एक बैड तो मिलेगा ही। चादरें, जो वास्तव में सफ़ेद थीं, लेकिन अब आलोक के खून से पूरी लाल हो गई थीं। आलोक वहाँ वह ऐसी हालत में लेटा था कि उसे पहचानना भी मुश्किल था, उसकी आँखें फटी थीं और जीभ उसके मुँह से बाहर निकल रही थी किसी नकली दाँत वाले बूढ़े की तरह। doctor ने हमें बाद में बताया कि उसके आगे के चार दाँत टूट गए।

उसके हाथ-पाँव अचेत हो गए थे, ठीक उसके पिता के दाहिने हिस्से की तरह। उसका दाहिना घुटना इस तरह मुड़ा था, जिसे देखकर ऐसा लग रहा था कि आलोक के अंदर हड्डी ही नहीं थी। वह एकदम स्थिर था।

"अगर आलोक ठीक हो जाता है तो मैं अपने इन मूर्खतापूर्ण दिनों के बारे में एक किताब लिखूँगा।" मैंने कसम खाई। इस तरह के अजीब वायदे आप तब करते हैं जब आपका दिमाग बिलकुल परेशान होता है और आप पचासों घंटों से सोए न हों।

ambulance हमें AIIMS तक ले गई। दिल्ली का सबसे बड़ा अस्पताल। खून और निद्रा-रहित दो रातों ने मुझे सन्न कर दिया था। मुझे नहीं पता किस ने ambulance बुलाई और किस ने यह अस्पताल चुना। शायद वह सुरक्षा guard था। मेरे आस-पास सभी लोग जल्दी में काम कर रहे थे। AIIMS के emergency वार्ड में ज़्यादा medical पेशेवर थे। यह एक सरकारी अस्पताल था, इसलिए लोग ज़्यादा थे और सर्विस कम थी। उनको हरकत में लाते हुए रेयान उनमें से कुछ पर चिल्लाया।

"नौ मंजिल?" stretcher चलाने वालों में से एक ने कहा, शायद यह सोचते हुए कि इतने भारी वजन को ICU में ले जाने का कोई मतलब भी है क्या?

doctors ने हमें बाहर जाकर इंतजार करने को कहा। मैं इंतजार करते-करते थक गया था। मैं बाहर लकड़ी के एक stool पर बैठा था। अंदर ज़िंदगी और मौत से लड़ रहे रोगियों के रिश्तेदार मेरे आस-पास बैठे थे-माएँ, बेटियाँ, बेटे और पिता। मैंने नींद से लड़ने की कोशिश की, लेकिन काम नहीं बना।

रेयान ने मुझे दोपहर बारह बजे उठाया। मेरे बदन का पूरा हिस्सा जकड़ गया था।

"वह बच जाएगा। doctor ने बताया है कि उसकी हालत ख़राब है, लेकिन वह बच जाएगा।"

"क्या? कैसे? मेरा मतलब है, सच में?"

"हाँ मतलब वह अपने पिछले भाग पर गिरा था, ठीक फव्वारे के अंदर, जो कि insti building के पास था। क्या तुम यह मान सकते हो? doctor ने कहा कि उसके मोटे पिछवाड़े और पानी की छह इंच की परत ने उसके झटके को कम कर दिया।"

भगवान का शुक्रिया कि आलोक मोटा शरीर का था। और भगवान का शुक्रिया कि उन्होंने insti building के पास वह बेकार फ़व्वारा बनाया। उसके पैरों में ग्यारह fracture, हाथों में दो इतने भी बुरे नहीं थे। यह देखा जाए कि मोटा कितना खाता है, वह शायद अपनी हड्डियों को वापस पा लेगा।

"मैंने सोचा कि वह मर जाएगा, मैंने सच मैं सोचा कि वह मर जाएगा।" मैंने कहा और रेयान को गले लगाया और फिर मैं रोने लगा। मुझे पता नहीं कि मैं उस समय आलोक की तरह क्यों रोने लगा। यह काफ़ी शर्मनाक था, लेकिन अस्पताल में यह चलता है।

"क्या वह जगा है?"

"नहीं। लेकिन वह इसलिए क्योंकि वह पिछले दो दिनों से नहीं सोया है। चलो, उसके पास चलते हैं।" रेयान ने कहा।

हम ICU के अंदर गए और आलोक को सोते हुए देखा।

"रोगी को आराम करने के लिए समय चाहिए।" नर्स ने कहा और हमें चुप रहने को कहा। हम ICU से निकले और कुमाऊँ के लिए बस पकड़ी।

बस में वापस जाते हुए रेयान मेरी ओर मुड़ा, "तुम जानते हो हरि, मोटे के मुझ पर कई उधार हैं।"

"सच में?" मैंने कहा।

"अगर वह नहीं होता तो शायद मैं five तक पहुँचने के लिए भी पढ़ाई नहीं करता।" रेयान ने कहा।

रेयान ने जो कहा, मेरे ख़याल में वह सही था। एक वही था जो हमें किताबों की तरफ़ ले जाता था। और अब वह वहाँ लेटा था और हमारे पास अब पढ़ने के लिए कोई किताब नहीं थीं।

"तुम्हें लगता है कि वह ठीक हो जाएगा?" रेयान ने कहा

"वह ठीक हो जाएगा, रेयान! वह ठीक हो जाएगा।" मैंने कहा और रेयान को गले लगाया। पहली बार हिम्मत वाला रेयान अंदर से टूटा.हुआ महसूस हो रहा था। उसने मुझे और ज़ोर से गले लगाया।

"मुझे माफ कर दो, हरि।" रेयान ने कहा और उसकी आवाज ऐसे सुनाई दे रही थी जैसे वह आंसुओं से लड़ रहा हो।

"मुझे माफ कर दो।"

"कोई बात नहीं। हम इन सबसे जरूर बाहर निकलेंगे।" मैंने कहा।

हम सभी को आराम चाहिए था और हमारे पास समय था-चार महीने, दुनिया भर का आराम करने के लिए।

रेयान के विचार

मैंने अब बरबाद कर दिया। मोटा वहाँ ICU में अपनी ज़िंदगी से लड़ रहा था। यह सच में एक दुर्भाग्य था, हैं न? यह operation operation एक बड़ी गलती थी-जाहिर है बाद में सूझी अकल की बात। यह सबकुछ ठीक हो सकता था अगर मोटे ने एक रुपया बचाने के लिए यह फोन नहीं किया होता या उससे भी अच्छा कि वह आता ही नहीं। और कुछ नहीं तो उसमें इतनी तो अकल होनी चाहिए थी कि वह कूदता नहीं। क्या बात है आलोक, या हरि के साथ? वे कब बड़े होंगे?

अब तुम कहोगे कि मैं यह नहीं मानना चाहता कि यह मेरी गलती थी। रेयान सबको दोषी ठहराएगा-अपने माता-पिता, अपने दोस्त, अपने कॉलेज, या भगवान को भी-अपने सिवाय किसी की भी। वह ऐसा लड़का ही जो हर चीज में आनाकानी करता है। मैं उसे दोषी नहीं ठहराता। तुम हरि, हरि का संस्करण पढ़ रहे हो। वह बुरा आदमी कैसे हो सकता हैं, हैं न? आख़िरकार हरि तो सिर्फ फूहड़ ढंग से बोलने वाला IITian है, जो अपने grades और ज़िंदगी को सही दिशा नहीं दे पा रहा हैं। वह बहुत सरल और खोया-खोया है-निराशा से प्रेम में है, दिखने में एकदम आकर्षणहीन, अपने साथियों को साथ रखना चाहता है, मौखिक परीक्षा में हकलाता है-वग़ैरह, वग़ैरह। इस बेचारे की हालत पर सिर्फ दया जाती ही हैं, है न!

क्या तुमने कभी यह जाना हैं कि इस Mr. sorry के ऊपर भी एक परत है जो वह उतारना नहीं चाहता और और जिसे वह अपनी-हाँ, यहाँ मूल शब्द है-अपनी किताबों में! जैसे कि वह कभी अपने माता-जीता के बारे में नहीं बताता। या शायद आपको लगे कि कैसे उसकी मौखिक परीक्षा ख़राब हो गई। उसकी कहानी बताए-माफ करना, लेकिन ऐसा नहीं होगा। या फिर वह हमेशा आलोक के परिवार का मजाक क्यों उड़ाता है-मेरा मतलब है कि वह विचित्र है; लेकिन क्या आप संवेदनशील नहीं कहेंगे?

नहीं, लेकिन वह इन सबके बारे में नहीं बताएगा। शायद मैं इन सबके बारे में थोड़ा बता सकूँ "ज़्यादा लिखूँगा और वह सीधा सबकुछ काट देगा।" लेकिन उससे पहले मैं आलोक के बारे में बात करना चाहता हूँ। यार, तुम नौ मंजिल से नहीं कूदते, अगर कुछ पागल बूढ़ों ने तुम्हारे ऊपर disco न किया होता या फिर तुम उस गाड़ी के लिए किसी बेकार आदमी को खरीद पाओगे। वह इतना बेवकूफ क्यों है? अगर वह इतना पागल था तो उसे मुझे धक्का दे देना चाहिए था।

तुम जानते हो, तुम जो चाहो सोच लो; लेकिन मुझे आलोक पसंद है। हाँ, हम लड़ते हैं, झगड़ते हैं और कभी-कभार मुझे उसके रटने तथा उसके रोने से घृणा होती है। लेकिन आख़िर में वह आदमी वह एक निस्स्वार्थ ज़िंदगी जी रहा है। वह असल में quiz में कोई ऊँचा औसत नहीं चाहता। वह एक IITian भी नहीं होना चाहता (लेकिन वैसे भी कौन बनना चाहता है)। यह सब वह सिर्फ अपने परिवार के लिए कर रहा हैं। जैसे वह बारह साल की उम्र से ही अपने पिता की सेवा कर रहा है, किताबों, दवाइयों और दुखों के उस कमरे में बंद रहकर। इसी वजह से यह कभी बड़ा नहीं हो पाया। इसलिए वह सोचता है कि बीस साल की उम्र में रोना ठीक है।

और इसी वजह से उसने कभी मौज-मस्ती नहीं की। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह नहीं चाहता। तुम्हें क्या लगता हैं कि वह हमारे साथ क्यों बना रहा? या फिर वह वापस क्यों आ गया? क्योंकि एक समय पर उसने यह माना कि वह वेंकट जैसा नहीं था। वह सिर्फ एक लड़का था, जो कि एक कलाकार बनना चाहता था, लेकिन बन नहीं पाया। और वह एक ऐसा लड़का था जिसके पास ज़िंदगी में असली दोस्त नहीं थे-लेकिन वह उन्हें चाहता था। और जब मैंने उसे भयंकर ragging से बचाया, जो उसके साथ रोज़ नहीं होता था। इसलिए वह मेरे साथ बना रहा और मेरे साथ लड़ा और मुझे गाली दी और मुझसे घृणा की। लेकिन इस दौरान वह अपने आपसे लड़ रहा था, गाली दे रहा था और अपने आपसे घृणा कर रहा था। मैंने उसकी भावनाओं को हिला दिया-किसी को हर हाल में अपने माता-पिता की देखभाल करना जरूरी नहीं था, किसी को system की मानना जरूरी नहीं था, किसी को मौज-मस्ती का बलिदान करना जरूरी नहीं था। मैंने उसके ऊपर प्रभाव डाला, उसने प्रतिरोध किया; लेकिन उसके साथ उसे वह पसंद भी आया। और फिर मैंने उस पर थोड़ा और दबाव डाला, और थोड़ा, तब तक जब तक मैंने कुछ ज़्यादा ही कर दिया। भगवान, कृपा करके उसे बचा लेना।

लेकिन हरि? उससे मैं कुछ सवाल पूछना चाहता हूँ। जैसे कि अपने माता-पिता के बारे में बताओ, हरि? क्या उस पर कोई अध्याय नहीं बनने वाला? और तुम्हारे पिता क्या सेना में कर्नल हैं? तुम्हारे घर में क्या नियम हैं-कोई TV नहीं, कोई संगीत नहीं, ज़ोर से हँसना नहीं ये सब सिर्फ अनुशासन के लिए, है न?

और तुम्हारी माँ-जो इतने दिनों तक चुप रह जाती थीं, ठीक है न? ओह, एक मिनट रुको, मुझे इन सबके बारे में बात नहीं करनी

हैं (और उस belt का क्या, जो तुम्हारे पिता अपनी अलमारी में टांगते हैं? क्या तुम अब भी उसके बारे मैं सपना देखते हो हरि? उन्होंने तुम्हें वापस जवाब देते से मना किया था। अगर तुम अपने बड़ों को उलटा जवाब दोगे तो तुम दंडित होगे कठोरतापूर्वक। क्या मौखिक का समय हैं? क्या तुम्हें अब भी दर्द होता है, हरि?

ठीक है मुझे लगता हैं कि मैं अब बात कुछ ज़्यादा बढ़ा रहा हूँ। हरि ठीक है, उसके ऐसे कुछ विवाद हैं, जिनके बारे में वह बात नहीं करना चाहता। और सिर्फ इसलिए कि कोई एक किताब लिख रहा हैं तो वह सब कुछ बता दे। आख़िरकार यह किताब IIT के बारे में है-वह जगह जहाँ लोग अपना भविष्य बनाते हैं। पुरानी बातों को दोबारा उठाने का क्या मतलब?

तो मैं IIT पर वापस आ जाता हूँ। हरि (उसके अंदर उतनी vodka जितना यह सहन नहीं कर सकता) ने मुझे दोस्ती पर अपने विचार बताए थे। उसने कहा "रैयान, तुम बेवकूफ हो, जो अपने दोस्तों के लिए इतनी कुरबानी देते हो। कुछ बातों में आलोक भी ऐसा पागलपन अपने परिवार के लिए दिखाता है। तुम दोनों वास्तव में क्या चाहते हो, उसे भूल गए हो।"

अत्यंत गंभीर क्यों? तो मैंने पूछा कि क्या उसे पता था कि उसे क्या चाहिए? और उसने सहमति में सिर हिलाया।

"तुम्हें क्या चाहिए?" मैंने पूछा।

"तुम्हारे जैसा बनना।"

"क्या? मैंने ठीक से सुना नहीं।

"मुझे नेहा चाहिए।" उसने कहा और बेहोश हो गया।

तो यहाँ माजरा क्या है-यानी दूसरों के लिए जीना तो नहीं चाहता, लेकिन दूसरों जैसा बनना चाहता हूँ?

मैं कहता हूँ वह एकदम उलझा हुआ है।

काजू बरफी

हमारे निलंबित semester के दो महीने बीत गए थे, जब आलोक कुमाऊँ वापस आया। उसके खाँचे (plaster) अभी भी लगे हुए थे और doctor ने कहा कि अब तो उतर भी जाएँगे, उसके बाएँ पैर में हमेशा के लिए थोड़ा दर्द रहेगा। अपनी ज़िंदगी को दोबारा पाने के लिए थोड़ा हर्जाना तो भरना ही पड़ा मेरे ख़याल में, जिसका मतलब था कि आलोक ज़िंदगी भर उस रात को जो हुआ, उसे भुला नहीं पाएगा।

हम उससे रोज़ अस्पताल मिलने जाते रहे, क्योंकि वैसे भी हमारे पास करने को कुछ नहीं था। हम कभी भी उस semester में घर जाने की बात नहीं करते थे। हमें पता था कि हमें कुमाऊँ में ही एक-दूसरे के साथ रहना था। कोई हमसे ज़्यादा बात नहीं करता था। अगर कोई करता भी था तो वह अंदर की कहानी जानना चाहता था-हमने क्या किया, disco कैसा था, आलोक क्यों कूदा वग़ैरह-वग़ैरह। इसलिए हमें अपने कमरों में रहना और अपने बाहर जाने के कार्यक्रम को सिर्फ़ अस्पताल जाने तक ही रखना भाता था।

आलोक ने हमसे यह वायदा कराया कि उसकी कूदने वाली घटना को उसके परिवार से छिपाकर रखेंगे। उसकी हड्डियां धीरे-धीरे ठीक हो रही थीं। एक और महीने में वह थोड़ा-थोड़ा चल कर bathroom तक जा सकता था और अपने आपको bathroom में दूसरे लोगों की मौजूदगी से शरमाने से बच सकता था। वैसे तो doctor ने हमें दोबारा गिरने के बारे में बात करने से मना किया था, लेकिन रेयान स्वयं को पूछने से नहीं रोक पाया, "पागल हो क्या?" लेकिन आलोक चुप रहा। professor वीरा भी दो बार अस्पताल गए थे। वे हमारे हौसले बढाते थे, यह कहकर कि वह हमारे आख़िरी semester में हमारे credit पूरा करने में अथवा course दिलाने में पूरी मदद करेंगे। उन्होंने असफलता पूर्वक professor चेरियन से क्षमा या दया के निवेदन के लिए भी बात की।

professor वीरा आलोक का स्वागत करने कुमाऊँ भी आए "तो शेर, आ गए अपनी गुफा में वापस!" उन्होंने कहा।

आलोक मेरे बैड पर बैठा हुआ था। उसका धड़ तकियों के सहारे आरामदायक अवस्था में था।

"सर, आपने यहाँ आने की तकलीफ क्यों की?"

"कोई बात नहीं।" professor वीरा ने खारिज करते हुए कहा और अपने बैग में से एक डिब्बा निकाला, "ये लो, मिठाई खाओ, आलोक के कुमाऊँ वापस आने और किसी और वजह की ख़ुशी में।"

आलोक ने डिब्बे की तरफ़ देखा और professor वीरा के हाथों से खींच लिया। जब खाने की बारी आती है तब मोटा सब औपचारिकताएं भूल जाता है। डिब्बे में काजू बरफी थी, उसकी मनपसंद।

"आपको यह लाने की तकलीफ नहीं करनी चाहिए थी, Sir." उसने कहा। उसकी आवाज मिठाई के तीन पीस मुँह में होने के कारण दब गई थी।

"बस मजे करो, यार। तेरह टूटी हुई हड्डियाँ और दो महीने में घर, यह तो जश्न मनाने की बात है।" professor वीरा ने आलोक का सिर सहलाते हुए कहा।

हम आलोक की वापसी से भी बहुत ख़ुश थे और अब काजू बरफी के डिब्बे से भी। लेकिन आलोक एक सेकंड के लिए डिब्बा छोड़े तब न।

"सर, मिठाई लाने का दूसरा कारण क्या था?" रेयान ने पूछा।

"हाँ बिलकुल। मेरे पास तुम लोगों के लिए अच्छी खबर है।" आख़िरकार professor वीरा ने कहा।

"क्या चेरियन एक और disco करना चाहता है।" रेयान ने कहा।

"शांत रहो, रेयान।" professor वीरा ने कहा, "मैं जानता हूँ कि तुम लोगों के लिए यह समय बहुत ही मुश्किल भरा है। लेकिन इस बार मैं सीधा dean के पास गया था।"

"क्या?" आलोक और मैंने एक साथ कहा।

"तुम्हें वह लूब medical याद है? professor चेरियन ने आगे के अनुसंधान की स्वीकृति कभी नहीं दी; लेकिन मैं dean के पास गया कि हम professor चेरियन के प्रति सूचना के अनुसार अपने प्रस्ताव का पुनरीक्षण करके दोबारा जमा करेंगे।"

"मैं उनके किसी भी पुनरीक्षण पर काम नहीं करनेवाला।" रेयान ने कहा।

"क्या अब तुम शांत रहोगे, रेयान? सर, लेकिन हम दोबारा क्यों जमा करेंगे।" मैंने कहा।

"यही तो मेरा विचार है। अगर वह हमें दोबारा जमा करने की सहमति देते हैं तो यह सिद्ध करने के लिए कि हमारे lubricants उपयोगी हैं, इसके लिए हम और अनुसंधान करेंगे। इस तरह प्रस्ताव की स्थिति में हम थोड़ा और अनुसंधान करेंगे।" professor वीरा ने कहा।

"और?" रेयान ने तिरछी नजर से देखा।

"और इसका मतलब है कि तुम लोग वह प्रयोग करने में मदद कर सकते हो। मैंने dean से पूछा कि क्या वह तुम लोगों को प्रयोगशाला में पहले किए हुए काम को पुनरीक्षण के काम के लिए सहमति देंगे, क्योंकि यह तुम्हारे समय का बेहतर सदुपयोग होगा? और ख़ुशी की बात यह है कि dean मान गए हैं।"

रेयान ने डिब्बा आलोक के हाथों से छीन लिया, मिठाई के दो पीस लिये और बैठकर एक सिगरेट जलाई।

"क्या मुझे कोई समझा सकता है कि इस सबका क्या लाभ होगा? हम इतना काम करेंगे बिना किसी लाभ के।" उसने कहा।

"ऐसा करने से हमें शायद लाभ हो।" professor वीरा ने रेयान के मुँह से सिगरेट निकालकर फेंकते हुए कहा, "एक तो तुम अपनी grade शीट की कमी को बाद में समझ सकते हो, और मुझे पता नहीं, लेकिन अगर उन्हें प्रस्ताव पसंद आ गया तो तुम्हें अगले semester में काम के लिए अच्छे grade प्रदान किए जाएँगे।"

"सच?" आलोक ने कहा, "आपका मतलब है कि हम अन्य छात्रों की तरह ही चार साल में डिग्री पूरी कर लेंगे?"

"ऐसा लगता है कि आपने इन सब में काफ़ी सोच-विचार किया है।" मैंने कहा।

"चेरियन ऐसा कभी नहीं होने देगा। मैं इस बात में नहीं पड़ने वाला।" रेयान ने कहा।

"शायद वे न करें। लेकिन अगर काम अच्छा है और dean को पसंद आया तो क्या पता चलता है? कम-से-कम हमारे पास खाली समय में करने के लिए कुछ है तो सही।"

"हमारे पास बहुत कुछ है खाली समय में करने के लिए।" रेयान ने कहा।

"रेयान, क्या तुम professor वीरा से अच्छे ढंग से बात कर सकते हो?" मैंने कहा। किसी तरह disco ने मेरा रेयान के प्रति रवैया बदल दिया था। अब मेरे लिए उसे वह बात कहना, जो उसे सुनना पसंद नहीं, कहना आसान हो गया था।

उसने भी ज़्यादा बहस नहीं की।

"कोई बात नहीं, हरि। रेयान स्पष्ट रूप से insti की किसी भी चीज पर भरोसा नहीं करता; लेकिन लड़को, यह तुम्हारे लिए आख़िरी मौका है। और अगर तुम लूब प्रस्ताव पर और ज़्यादा काम करोगे तो क्या पता, इस बार हमें शायद कोई प्रायोजक मिल जाए!"

"सर ठीक कह रहे हैं, रेयान। और हम इसे तुम्हारे बिना नहीं कर सकते। यह तुम्हारा medical है।"

"क्या तुम लोग यह वास्तव में करना चाहते हो?" रेयान ने कहा

"हाँ।" आलोक और मैंने कहा।

"लेकिन एक शर्त पर।" रेयान ने कहा।

"वह क्या?" professor वीरा ने कहा।

"मुझे बाकी बची काजू बरफी मिले तो।" रेयान ने कहा।

"दस बजे मेरे lab में कल से शुरू करेंगे।" professor वीरा ने जैसे ही कहा, हम खिल-खिला कर हँसने लगे।

नेहा-इस नाम ने मेरी रातों की नींद उड़ा रखी थी। यह सच है कि मेरी engineering की डिग्री विषादपूर्ण स्थिति में है। यह सच है कि हमने पूरा दिन professor वीरा के lab में गुलामों की तरह शायद उद्देश्यहीन एक ग्रीस को दूसरी ग्रीस में मिलाते रहते थे। यह सच है कि मुझे मेरी grade शीट में ख़राब grades मिलेंगे, जिस वजह से मुझे ढंग की नौकरी भी नहीं मिल पाएगी; लेकिन इनमें से कोई भी बात इतनी परेशान नहीं करती जिस वजह से मुझे अनिद्रा हो जाए। वास्तव में चार महीने की छुट्टियां अपनी नींद पूरी करने के लिए काफ़ी थीं। लेकिन एक इनसान, जिसकी आवाज, सुगंध, चित्र, अनुभूति हर रात मेरे बगल में आ जाती और जिसने मेरा सोना मुश्किल कर दिया था, वह थी नेहा।

मैंने उसे किसी एक 11 तारीख को फोन करने की कोशिश की। पर उसने दो मिनट. में ही फोन काट दिया, यह कहते हुए कि उसे मुझसे ऐसा करने की उम्मीद नहीं थी। मेरे ख़याल से जिसे वह loafer बुलाती थी, उससे वह काफ़ी उम्मीदें रखती थी।

मैंने तुरंत दोबारा फोन किया और निष्फलता से यह बताने की कोशिश की कि यह विचार मेरा नहीं था और कैसे उसे मानना मेरी कितनी बड़ी भूल थी।

"तुमने मेरा इस्तेमाल किया है, हरि। जैसे कि अन्य लोग करते हैं, तुमने मेरा इस्तेमाल किया।" उसने कहा। अन्य लोगों की तरह! वैसे वह कितने आदमियों के साथ रह चुकी थी, मैंने सोचा।

मैं तो सिर्फ majors का paper चुपके से निकालने की कोशिश कर रहा था। ठीक है, मेरा चाबियों का duplicate बनाना गलत था; लेकिन मैंने सिर्फ इसलिए किया, क्योंकि ऐसा करना सुविधाजनक था। किसी भी तरह रेयान, दूसरा कोई उपाय ढूँढ ही लेता। मैंने उसे यह बताने की कोशिश की। लेकिन उसने कहा कि तुम आदमियों को कभी समझ में नहीं आएगा, है न? मैंने सोचा कि उसे भी समझ में नहीं आ रहा था; लेकिन मैं अब भी उससे पागलों की तरह प्यार करता था।

"और तुमने disco को यह बताया कि मैंने तुम्हें चाबियाँ दीं। मैंने हरि? तुम्हें पता है, पिताजी अब तक उस बात को सच मानते हैं।"

मैं ख़ुश था कि चेरियन ने उस बात का यकीन किया। नेहा कैसे समझेगी? अगर उन्हें पता चलता कि हमने चाबियाँ duplicate बनवाई हैं तो हम उन असली अपराधियों जैसे नजर आते। शायद हम असली अपराधी थे। लेकिन वह मुद्दा नहीं था। यार, लड़कियों को समझाना इतना मुश्किल क्यों होता है? क्या वे सब भूलकर आगे नहीं बढ़ सकतीं? क्या मुझे कुछ गलत बात कहनी चाहिए जो वे सुनना चाहती हैं?

"नेहा, मैं जानता हूँ कि मैंने वे सारी चीजें कीं। लेकिन एक स्तर पर वह मैं नहीं था। वह तुम्हारा हरि नहीं था।" मैंने कहा। जाहिर है, मैंने जो कहा उसका कोई मतलब नहीं था। लेकिन लड़कियों के साथ यही परेशानी है। तुम उन्हें उलझाने वाली कोई भी बात करो और वे मान जाती हैं।

"फिर क्यों हरि, क्यों?"

"मैं नहीं जानता। क्या मैं तुमसे सिर्फ एक बार मिल सकता हूँ?" मैंने कहा।

"बिलकुल नहीं। सबकुछ खत्म हो चुका है।" इसके बाद उसने फोन काट दिया।

इसका मतलब था कि मुझे एक और महीने इंतजार करना पड़ेगा या और तीस निद्रा-रहित रातों को झेलना पड़ेगा।

फिर अगली 11 तारीख आई और मैं नेहा को फोन करने के लिए स्वयं को रोक नहीं पा रहा था।

मैं सुबह दस बजे उठा। आख़िरकार 11 तारीख, मैंने अपने आपसे कहा और तुरंत अपने कमरे से बाहर आया। मुझे फोन जल्दी करना था। और इस बार सोच-समझकर अच्छी बातें करनी थीं। मैं नीचे उतर रहा था तब मैंने एक बूढ़ी औरत को ऊपर जाते हुए देखा। किसी की माँ मैंने सोचा; लेकिन मैं यह सोचना बंद नहीं कर पा रहा था कि वह काफ़ी देखी-समझी लग रही थी। फिर मुझे ध्यान आया कि यह तो आलोक की माँ है।

"hello aunty! मैं हूँ हरि।" मैंने कहा।

"अरे, हरि बेटा! तुम सब कहाँ हो? मुझे hostel आना पड़ा, क्योंकि आलोक दो महीनों से घर नहीं आया। वह ठीक तो है?" उन्होंने हांफते हुए पूछा।

"हाँ आलोक ठीक है, aunty। वह एक medical में व्यस्त है।" आलोक से न मिलने देने का तरीका सोचते हुए मैंने कहा।

"uncle नीचे auto में बैठे हैं। उसे जल्दी बुलाओ, हम सब उसके लिए चिंतित हैं।" उन्होंने कहा।

"हाँ aunty, जरूर।" मैंने ऊपर भागते हुए कहा।

आलोक अपने बेड पर बैठा मैगजीन पढ़ रहा था और chips खा रहा था। रेयान उसके पास बैठा था, एक अश्लील मैगज़ीन हाथ में लिये। उसके सिगरेट के धुएँ से आलोक का पूरा कमरा भरा था।

"क्या तुम लोग पागल हो? सुबह-सुबह धुआँ और अश्लील तसवीरें देख रहे हो?" मैंने कहा।

"तुम इतने चिंतित क्यों हो रहे हो? जब हम तरो-ताजा हैं तो क्यों न सबसे बेहतरीन चीजें की जाएँ।" रेयान ने कहा।

"आलोक, तुम्हारे माता-पिता यहाँ आ गए हैं!" मैंने कहा।

"क्या?" आलोक ने कहा और उसके हाथ से chips नीचे गिर गए।

"हाँ, तुम्हारी माँ सीढ़ियाँ चढ़ रही हैं। वे काफ़ी गुस्से में हैं और काफ़ी चिंतित भी; क्योंकि तुमने फोन नहीं किया।"

"तुम्हारा मतलब है कि वे यहाँ आ रही हैं?" आलोक ने सिगरेट का धुआँ हटाने के लिए अपने हाथ हिलाते हुए कहा।

"हाँ और मुझे लगता है, अब वह तुम्हारी टूटी हड्डियां देखने वाली हैं।"

"नहीं। " आलोक चिल्लाया।

"बस, अपने बिस्तर में ही रहो। हम तुम्हारे पैर चादरों से ढक देंगे।" रेयान ने अश्लील मैगजीन आलोक के गद्दे के नीचे छिपाते हुए कहा।

"ऐसा नहीं हो सकता। उसके पिता नीचे इंतजार कर रहे हैं अपने इकलौते बेटे का।"

मैंने कहा और chips खाने लगा। उन दोनों को परेशान होता देखना काफ़ी मजेदार था।

"बकवास!" आलोक ने अपने तकियों को ठीक करते हुए कहा।

"और मुझे लगता है कि तुम्हें गालियाँ थोड़ी कम करनी चाहिए।" मैंने कहा।

आलोक की माँ ने एक मिनट बाद दरवाजा खटखटाया। यह आश्चर्यजनक है कि एक मिनट में कितना काम हो सकता है। रेयान ने ash tray और vodka की बोतल बाहर फेंक दी। उसने मेज पर course की किताबें और assignment भी सजा दिए। सारे गंदे कपड़े एक अलमारी में छिपा दिए।

"hello माँ! आपको यहाँ देखकर अच्छा लगा।" आलोक ने कहा।

"आलोक, मैं तुमसे बात नहीं करूँगी। तुम हमें पूरी तरह से भूल गए हो।" आलोक की माँ ने मिठाइयों के डिब्बे मेज पर रखते हुए कहा। मैंने सोचा कि क्या उन डिब्बों पर आक्रमण करना अभी ठीक होगा?

"मैं व्यस्त था।" आलोक ने कहा।

"चुप रहो। दो महीने हो गए हैं। तुमने उस दिन से फोन नहीं किया, जब से तुमने पिताजी और दीदी के रिश्ते के बारे में बात की थी। क्या हुआ? तुम हमारी समस्याओं के बारे में बात नहीं करना चाहते?"

"नहीं माँ। professor वीरा का एक assignment है, वह हम सबको काफ़ी व्यस्त रखता है।" आलोक ने कहा।

"मेरा बेटा बहुत ज़्यादा काम करता है।" आलोक की माँ ने मेरी और रेयान की ओर देखते हुए कहा। "तुम लोगों को बीच-बीच में आराम करना चाहिए। आख़िर तुम्हारी नौकरियाँ अब सिर्फ एक semester दूर हैं।" उन्होंने कहा।

रेयान और मैं मिठाई के डिब्बों को घूरते हुए मुस्कुराए। कृपा करके aunty, एक बार तो खाने को कहो।

"आलोक तुम्हें अगले हफ्ते घर आना ही होगा। देखो, पिताजी भी सिर्फ तुम्हारे लिए इतनी दूर auto से आए हैं।"

"आपने auto लिया! उसमें तो सत्तर रुपए लगते हैं।" आलोक ने कहा।

"तो, तेरे पिताजी कैसे आते? और अब तो जल्दी ही मेरा बेटा नौकरी करने लगेगा।"

आलोक की माँ ने कहा, "और हरि, तुम लोग लड्डू क्यों नहीं खा रहे हो?"

रेयान और मैं उनका वाक्य पूरा होने से पहले ही डिब्बों पर टूट पड़े।

"माँ लेकिन फिर भी।" आलोक ने कहा।

"चुप रहो। देखो, दीदी ने भी तुम्हारे लिए नई jeans भेजी है। तुम्हें पता है, उसने यह अपने जेब खर्च से पैसे बचाकर खरीदी है।" उन्होंने एक भूरा पैकेट देते हुए कहा।

"शुक्रिया माँ! मैं इसे किसी खास अवसर के लिए रखूँगा।" आलोक ने कहा।

"लेकिन इसे एक बार पहनकर देख लो, चलो उठो।" आलोक की माँ ने कहा।

"नहीं माँ मैं बाद में पहन लूँगा।" आलोक ने कहा।

"क्या बाद में? हम अभी साइज बदल सकते हैं। आलसी मत बनो। उठो, अगर ठीक नहीं आई तो?" आलोक की माँ ने उसका पैर हिलाते हुए कहा। मुझे यकीन है कि उसे दर्द हुआ होगा।

"नहीं, माँ।" आलोक ने अपने दाँत दबाते हुए कहा।

"उठो।" आलोक की माँ ने ज़ोर डालते हुए बैडशीट उसके ऊपर से उठाते हुए कहा। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था। क्योंकि आलोक के दोनों पैरों और कूल्हों पर plaster अभी भी लगे थे। उसके पैरों पर वे निशान दिख रहे थे, जहाँ डॉक्टरों ने टांके लगाए थे। यह सब हम भी नहीं देखना चाहते थे।

"हे भगवान!" आलोक की माँ ने कहा और उनका चेहरा उनके हाथों के साथ नीचे गिर गया।

"माँ, please." आलोक ने कहा, उन्हें दूर धकेलते हुए और यह आशा करते हुए कि वे यहाँ आतीं ही नहीं।

आलोक की माँ की हालत ऐसी हो गई जैसे कि उन्हें उबकाई आ रही हो। रेयान को उन्हें दोबारा कुरसी पर बैठाने के लिए सहारा देना पड़ा। मैंने उन्हें एक गिलास पानी दिया।

"यहाँ क्या हो रहा है? कोई मुझे बताएगा?" उन्होंने कहा।

रेयान ने मेरी ओर देखा। अब हमारा कमरे से बाहर जाने का समय आ गया था।

"हम नीचे जाते हैं। हम uncle को hello कहेंगे और यह कह देंगे कि आलोक lab में है। ठीक है, aunty?"

उन्होंने अपना सिर सहमति से हिलाया। उनकी आँखों में आँसू आ गए। क्या उनके परिवार में कोई भी पुरुष अपने पैरों पर खड़ा हो सकता था?

"शांत रहो, माँ। यह सिर्फ एक scooter accident..."

आलोक ने कहा, जब हम दरवाजा बंद करके जा रहे थे। मुझे निश्चित पता था कि उन्हें पता चल जाएगा कि वह झूठ बोल रहा है। एक scooter accident, जिसमें रेयान और मैं एकदम ठीक हैं, इसे मानना काफ़ी मुश्किल था। हमने उन्हें आधे घंटे बाद अपने आँसू पोंछकर जाते देखा। हम auto के पास ही खड़े थे आलोक के पिता के साथ बातें करने की कोशिश करते हुए। वे काफ़ी ख़ुश लग रहे थे। शायद वे अपने असाधारण तरीके से बाहर घूमने का आनंद ले रहे थे।

"आलोक व्यस्त है?" उन्होंने अपने होंठ बंद करते हुए कहा।

"हाँ उसका एक महत्त्वपूर्ण medical है।" आलोक की माँ ने auto में बैठते हुए कहा।

"बाय aunty!" रेयान और मैंने हाथ हिलाया।

"वापस रोहिणी, मैडम?" auto driver ने auto चालू करते हुए कहा।

"नहीं, मुझे mechanical engineering विभाग ले चलो।"

"aunty!" हमने एक साथ कहा।

"कुछ बातें ऐसी होती हैं, जो एक माँ समझ जाती है, जिसके बारे में शायद उनका बेटा बात नहीं करना चाहता। मैं घर जाने से पहले तुम्हारे professor वीरा से मिलना चाहती हूँ।" उन्होंने कहा और auto वहाँ से चला गया।

"उन्हें पता चल जाएगा। उन्हें disco के बारे में पता चल जाएगा।" मैंने रेयान का कंधा हिलाते हुए कहा।

"तो उन्हें लगने दो पता। वह उनका अधिकार है।" रेयान ने अपना हाथ मेरे कंधे पर रखते हुए कहा।

आलोक की माँ के जाने के बाद हम नाश्ते के लिए sussies चले गए।

"आज मुझे अपना फोन करना है।" मैंने कहा।

"क्या वह तुमसे बहुत गुस्सा है?" रेयान ने कहा।

"वह एक महीने पहले तो थी। वह मुझे याद तो करती होगी, है न?" मैंने कहा।

"मुझे नहीं पता कि यह जरूरी है क्या, लोगों को याद करना; लेकिन उस बारे में कुछ करना नहीं।" रेयान ने कहा और अपनी jeans की जेब से एक भूरे रंग का लिफाफा निकाला। sussies ने एक प्लेट पराँठा परोसा। रेयान ने चिट्ठी को मेज पर रख दिया और गरम पराँठे को तोड़ कर खाने लगा।

"यहाँ आलोक के बिना आने और खाने में कितना अंतर है। खाना खाने की पागलों की तरह कोई जल्दी नहीं है।" रेयान ने कहा।

"क्या यह चिट्ठी घर से आई है?" मैंने कहा।

"अगर तुम ऐसा कहते हो तो। वे कहाँ हैं अब 'ला' या कहाँ!" रेयान ने कहा।

"तुम्हारे माता-पिता तुम्हें कितनी बार पत्र लिखते हैं?" मैंने कहा।

"पहले हफ्ते में एक बार, फिर दो हफ्ते में एक बार। अब वे महीने में एक बार लिखते हैं।" रेयान ने अपने पराँठे के हर टुकड़े पर ढेर सारा मक्खन लगाकर खाते हुए कहा।

"क्या तुम इन पत्रों का जवाब देते हो?" मैंने कहा।

"नहीं, अगर वह एक कोरियर पत्र न हो तो। उस स्थिति में जब चिट्ठी पहुँचाने वाला आदमी मुझे उसी समय कुछ वाक्य लिखने के लिए कहता है।"

"तो यहाँ मामला क्या है, रेयान? मेरा मतलब है कि वे विदेश में रहकर पैसा कमाने की कोशिश कर रहे हैं तो तुम उनके ख़िलाफ़ क्यों हो?"

"मैं उनके ख़िलाफ़ नहीं हूँ। मैं बस उनसे विमुख हूँ। मुझे एक और पराँठा चाहिए।"

"चुप रहो। ऐसा कैसे हो सकता है? मेरा मतलब है कि ऐसा कैसे हो सकता है कि तुम उनके सारे पत्र जमा करके रखते हो? मैंने उन पत्रों को देखा था। कई सौ थे तुम्हारी vodka की बोतलों के पास।"

रेयान ने खाना बंद कर दिया-"वे बहुत ही दुर्बोध हैं। मैं उनके बारे में बात नहीं करना चाहता।"

"तुम मुझे नहीं बताओगे?"

"वह बहुत ही अजीब है। मेरे boarding स्कूल खत्म होने के बाद मैं उन्हें कहता रहा कि हमें साथ में रहना चाहिए। लेकिन उनका अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार उसी समय ज़ोर पकड़ रहा था और उन्हें जाना पड़ा। मेरे ख़याल में जो मैं चाहता था वह उन्होंने कभी नहीं सोचा। यह ठीक है कि मुझे dollars में cheque मिलते हैं, धन्यवाद। लेकिन मुझे ये सब हम तुम्हारी कमी महसूस करते हैं, वाली बकवास से माफ करो। अगर तुम याद करते हो तो उसके बारे में क्या कर रहे हो?"

"क्या तुमने उन्हें disco के बारे में बताया?" मैंने कहा।

"क्या तुम पागल हो?" रेयान ने कहा।

"तुम जानते हो, IIT के बाद तुम उनका व्यापार में हाथ बँटा सकते हो। मेरा मतलब है कि तुम राह तो जानते हो कि हमारी नौकरी की क्या स्थिति होने वाली है। लेकिन तुम्हें चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।"

"इसका तो सवाल ही नहीं उठता।" अपने हाथों को ज़ोर से खींचते हुए रेयान ने कहा, "कभी नहीं। मैं पराँठे की दुकान खोल लूँगा, कुली बन जाऊँगा, गाड़ियाँ धो लूँगा; लेकिन उनके साथ कभी नहीं जाऊँगा।"

"वे तुम्हारे माता पिता हैं।"

उसने मेरी ओर हेय दृष्टि से देखा, "तो बहुत-बहुत धन्यवाद! मैं आलोक के पास वापस जा रहा हूँ। तुम अपनी प्रेमिका के साथ अच्छा समय बिताना।"

"रेयान, क्या तुम अपने लूब medical को त्याग सकते हो. जब वह सफल होने ही वाला हो?" मैंने कहा।

"क्या?"

"जवाब दो।" मैंने कहा।

"यही तो एक अच्छी चीज है, जो मैंने IIT में की है। वह मेरा दीवानापन है, मेरा-खून पसीना है और मेरा विश्वास है। नहीं, मैं उसे कैसे त्याग सकता हूँ।"

"शायद यह poultry व्यापार तुम्हारे माता-पिता के लिए तुम्हारे लूब medical जैसा है।" मैंने भी साथ में उठते हुए कहा।

उसने चिट्ठी उठाई और वहाँ से चला गया।

"इसका जवाब देना, रेयान।" मैंने सड़क के उस पार से चिल्लाते हुए कहा। उसने पत्र अपनी जेब में दोबारा रख लिया।

"नेहा, क्या तुम हो?" मैंने कहा, जबकि मुझे पूरा विश्वास था कि वही थी।

"हरि!" उसने कहा। उसकी आवाज से यह बात छिप नहीं पाई कि वह मेरे फोन का इंतजार कर रही थी।

"इससे पहले कि तुम फोन नीचे रखो, क्या मैं कुछ बातें कह सकता हूँ?" मैं काफ़ी विनम्र था।

"मैं तुम्हें बहुत याद करता हूँ और तुमसे प्यार करता हूँ। मैं तुम्हारे इतना क़रीब था और फिर मैंने सब बरबाद कर दिया। मुझे तुम्हारे पिताजी के course में 'A' चाहिए था। मैंने सोचा, मैं उन्हें प्रभावित कर पाऊंगा। किसी तरह हमने अपने मूर्ख दिमागों में यह operation operation सोचा। उन्होंने हमारे ऊपर disco किया, हमारी ज़िंदगी ख़राब कर दी। अब तुम भी मुझसे बात नहीं करना चाहती...।" मेरी आवाज अब धीमी हो गई।

"हरि!"

"क्या?"

"मैंने भी तुम्हें बहुत याद किया।" वह रोने लगी।

काश, मैं भी रो सकता! लेकिन उसके उन शब्दों ने मुझे ख़ुश कर दिया। मैंने स्वयं को भाग्यशाली माना और अपनी ख़ुशी को नियंत्रण में करने की कोशिश की। गंभीर आवाज बनाए रखो, मैंने अपने आपसे कहा।

"ओह नेहा, मत रोओ।" मैंने कहा, शायद उसे थोड़ा और रुलाने के लिए। मैं बता नहीं सकता कि जब एक लड़की यह कहकर रोती है कि उसने तुमको याद किया, तो कितना अच्छा लगता है।

"मैं यह नहीं कर सकती, हरि। मैं तुम्हें नहीं भुला सकती। तुमने वह सब क्यों किया?" उसने कहा।

"मैं बता सकता हूँ। क्या हम मिल सकते हैं-सिर्फ दस मिनट के लिए?" मैंने कहा।

"क्या हमें मिलना चाहिए? मेरा मतलब है कि पिताजी ने मुझसे कसम ली है कि मैं तुमसे कभी नहीं मिलूँगी। " उसने कहा।

अब क्या करें? मैंने ऐसे कुछ तर्क शील आधार के बारे में सोचने की कोशिश की, जिससे कि पिताओं से किए गए वादों को तोड़ा जा सके। लेकिन मेरे दिमाग में कुछ नहीं आया।

"मैं तुम्हें याद कर रहा हूँ नेहा।" मैंने कहा।

"मैं भी तुम्हें याद कर रही हूँ। क्या तुम दो बजे ice-cream पार्लर पर आ सकते हो?" उसने कहा।

"हाँ क्यों नहीं; लेकिन एक शर्त पर।" मैंने कहा।

"क्या?"

"इस बार हम strawberry नहीं खाएँगे। मुझे chocolate ज़्यादा पसंद है।" मैंने कहा।

"चुप रहो, हरि।" उसने अपनी हँसी को छिपाने में असफल होते हुए कहा। लो, मैंने कर दिया। आंसुओं से हँसी तक सिर्फ एक ही फोन में। और उसके साथ एक छोटी सी date भी तय कर ली। मैं उस पब्लिक फोन बूथ पर ख़ुशी से नाचने लगा, जिससे कि दुकान पर खड़े ग्राहकों को लगा जैसे मैंने कोई lottery जीत ली है।

"तो फिर मिलते हैं।" मैंने कहा और फोन रख दिया। मैंने सिक्के को अंदर जाते हुए सुना। एक रुपया खर्च करने का कितना अच्छा परिणाम था!

नेहा ice-cream पार्लर में दो घंटे तक रही। जिन दस मिनट के लिए वह आई थी, उससे बारह गुना ज़्यादा। अंत तक, मैंने उसे सबकुछ बता दिया था। वह ज़्यादा देर तक दुःखी न रह पाई। मेरे ख़याल में, ऐसा इसलिए हुआ कि मैंने strawberry भी खरीदी और chocolate भी, या फिर इस वजह से कि वह मुझे देखकर बहुत ख़ुश थी। हमने अगली मुलाकात की तारीख एक सप्ताह बाद की तय की और जल्द ही हम अपनी अगली डेट को पिछली वाली तय करने के चक्कर पर वापस आ गए। इस प्रकार मेरे खाली semester को बिताने में मेरी मदद हो जाती थी। हम दिन में आठ घंटे professor वीरा की lab में काम करते थे, कभी-कभी दस या ग्यारह भी। रेयान और ज़्यादा समय तक काम करता था, सोलह घंटों तक भी। उसने अनुसंधानों के लिए अपने scooter को पूरी तरह खोल डाला, जिस वजह से हमारे लिए insti में आने-जाने की समस्या खड़ी हो गई थी। एक महीना तो आलोक ने बैसाखियों का प्रयोग किया और उसके बाद धीरे-धीरे लँगडा कर चलता था। professor वीरा को दूसरा नया प्रस्ताव बहुत पसंद आया। वे dean को समय-समय पर हमारी प्रगति के बारे में बताते रहते थे। वे अभी एक खाली grade शीट या अन्य credit के बारे में बात नहीं करते थे; लेकिन हम जानते थे कि जब तक हम medical खत्म नहीं कर लेते, तब तक तो कोई मौका नहीं है। हमने professor वीरा को अंतिम draft semester खत्म होने से एक सप्ताह पहले ही दे दिया। वह दो सौ पृष्ठ का था, जो रेयान, आलोक और मेरी तरफ़ से था।

"वाह! यह तो काफ़ी बड़ा प्रस्ताव है। " professor वीरा ने कहा।

"यह लगभग सारा-का-सारा अध्ययन था। हमने optimum mix को वैसे भी छोड़ दिया है।" रेयान ने कहा।

"मैं जानता हूँ कि यह एक प्रस्ताव से भी बढ़ कर है।" professor वीरा ने पन्ने पलटते हुए कहा, "मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि चार महीने इतनी जल्दी गुजर गए।"

"मुझे भी। मेरे ख़याल से, अब फिर से कक्षाओं में जाने का समय आ गया है।" मैंने कहा।

"और बहुत सारी कक्षाएं। इस बार अधिकतर credits हैं और अब मैं कोई class नहीं छोड़ने वाला।" आलोक ने कहा।

"मैं भी नहीं, ठीक है न रेयान?" मैंने कहा।

"हाँ मैं भी साथ में आऊँगा।" रेयान ने कहा, "तो professor वीरा अब हम सब इस बाकी बचे समय का क्या करें?"

"चलो, देखते हैं।" professor वीरा ने प्रस्ताव को अपनी मेज़ पर रखते हुए कहा, "मुझे एक बार इसे पढ़ने दो। वैसे ज़्यादा संशोधन नहीं हुए तो मैं इसे ऐसे ही जमा कर दूँगा। तुम लोगों ने बहुत अच्छा काम किया है और अब तुम लोग एक सप्ताह के लिए छुट्टी ले लो, इससे पहले कि तुम्हारा काम से लदा semester शुरू हो।"

"और credit व grade sheet, Sir?" आलोक ने ख़ुश होते हुए कहा।

"वह बाद में, लड़को। वह सब इस प्रस्ताव की स्वीकृति पर निर्भर है। ज़्यादा आशाएँ मत रखना, लेकिन हम कोशिश करेंगे।" professor वीरा ने कहा।

हम अपने तीन महीने के काम को छोड़ कर उनके दफ्तर से बाहर आए। उससे शायद हमारी कोई मदद नहीं हो, लेकिन उसमें हमने अपनी सारी मेहनत लगा दी थी। अंतिम semester 5 जनवरी को शुरू होने वाला था। अब से सिर्फ एक सप्ताह बाद और उसके छह दिन बाद 11 तारीख को नेहा के साथ मेरी डेट थी, जब वह पूरा दिन खाली थी। काश, वह मुझे दोबारा घर आने दे! मैंने सोचा।

पत्र का रहस्य

हमें final semester का पहला दिन उतना ही खास लग रहा था जितना कि institute में पहली class। हम आठ बजे की class के लिए साढ़े छह बजे उठ गए। रेयान नहाया और फिर उसने प्रसाधन किया, अपने बालों को बड़ी ही सावधानी से कंघा करने के लिए बीस मिनट तक लगा रहा।

फिर भी हम class शुरू होने से पहले पहुँच गए। यह professor सक्सेना की refrigeration और air conditioning या RAC की class थी। वे एक वरिष्ठ professor थे और ऐसे संकेत थे कि विभाग का अगला अध्यक्ष बनने की दौड़ में उनका नाम सबसे आगे था। लेकिन ऐसा तभी होता, अगर चेरियन को कोई और जिम्मेदारी मिलती, retired हो जाता या फिर मर जाता। लेकिन यह सब शीघ्र होने वाला नहीं था, इसलिए professor सक्सेना final वर्ष के छात्रों को चीजें कैसे ठण्डी रखनी हैं, पढ़ाने में ही संतुष्ट थे। हम class में आनेवाले सबसे पहले छात्र थे और वे पहले से ही class में थे।

"आओ, आओ, स्वागत है।" professor सक्सेना ने कहा, "यह तो एक आश्चर्य है। किसने सोचा होगा कि चौथे वर्ष के छात्र class के लिए जल्दी पहुँचेंगे।"

मेरे ख़याल में वे सही थे। final semester में लोग नौकरी के interview और MBA के दाखिले की तैयारियों में ज़्यादा व्यस्त रहते हैं। हमने तो यह जानने की भी कोशिश नहीं की थी कि इस बार कौन-कौन सी कंपनियां रंगरूट भरती कर रही थीं, क्योंकि हमें नहीं पता था कि हमें इस साल डिग्री मिलेगी या नहीं।

"good morning, Sir." रेयान ने कहा। हमने सबसे आगे की सीटें लीं। हम चार महीनों के बाद एक class room में बैठ रहे थे। black board इससे पहले कभी इतना अच्छा नहीं लगा था। मैंने सोचा कि class कब शुरू होगी।

"तुम्हारे नाम क्या हैं?" professor सक्सेना ने पूछा।

"मैंने ये नाम सुने हैं।" उन्होंने हमारे नाम सुनने के बाद कहा। उनके माथे पर सिलवटें आ गईं, जैसे ही उन्होंने कुछ याद करने की कोशिश की।

"Sir, पहला semester हमारा disco हुआ था। आप उस कमेटी का हिस्सा थे।" रेयान ने कहा।

"अरे हाँ।" professor सक्सेना ने कहा, "हाँ वह चेरियन वाला मामला, तो यह तो कई महीनों बाद तुम्हारी class होगी।"

हमने दृढ़तापूर्वक अपने सिर हिलाए।

"अब सब समझ में आ गया। तो तुम्हारी स्थिति क्या है? क्या तुम समय पर डिग्री पाओगे?" professor सक्सेना ने कहा। मैं यह स्पष्ट रूप से नहीं कह सकता कि उनकी आवाज में सचमुच की चिंता झलक रही थी या class से पहले वह अपना समय व्यतीत कर रहे थे।

"हमारे पाँच credit कम हैं, Sir. वैसे तो हमारा यह semester पूरी तरह courses से लदा हुआ है।" आलोक ने कहा।

"कितने courses हैं तुम्हारे पास?"

"छह।" मैंने कहा।

"वाह! ज़्यादातर final semester में छात्र दो करते हैं। और उसमें भी वे बहुत कम class में आते हैं। तुम लोग पूरा दिन classes में रहोगे।" professor सक्सेना ने कहा।

"हाँ Sir, और कोई चारा नहीं है।" मैंने कंधा उचकाते हुए कहा।

"क्या तुमने professor चेरियन से credit के बारे में बात की?" professor सक्सेना ने कहा।

"professor वीरा हमारे लिए कोशिश कर रहे हैं। " मैंने कहा।

"हूँ। फिर भी, यह system बहुत ही निर्दयी है। देखो लड़को, तुम्हारे कम GPA के साथ भी तुम्हें आराम से नौकरी मिल जाएगी। इस बार बहुत सारी software companies आई हैं। लेकिन इस disco से शायद तुम्हारी पूरी डिग्री ख़राब हो जाए।" professor सक्सेना ने कहा।

अगले कुछ मिनटों में कई और विद्यार्थी धीरे-धीरे करके आए। मेरे ख़याल में class में हम दस थे, जबकि इस course में तीस से ज़्यादा हैं। मुझे याद है कि दूसरे और तीसरे वर्षों में हम आठ बजे की class में आते भी नहीं थे। लेकिन इस समय मैं याद करने के लिए नहीं रुक सकता था।

"third law of thermodynamics." professor सक्सेना ने उठ कर black board की ओर जाते हुए कहा।

रेयान, आलोक एवं मैंने अपने पैन निकाले और अगले एक घंटे में professor ने जो भी कहा, हमने वह सब लिख लिया।

final semester शुरू होने के दो सप्ताह बाद मैं नेहा से मिला। पहली बार मुझे एक डेट पर पहुँचने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। मुझे सप्ताहांत पर पाँच assignment खत्म करने थे और आनेवाले माइनर टेस्ट के लिए notes दोहराने थे। मैं किसी भी course में फेल नहीं होना चाहता था और किसी तरह मेरे अंदर IIT में मेरे आख़िरी दिनों में पढ़ने की उत्सुकता जाग उठी थी। लेकिन नेहा के साथ डेट की तो बात ही कुछ और थी, इसलिए अब अपने ergonomics assignment की शीट को जोड़ते हुए मैं ice-cream पार्लर की ओर भागा।

"बीस मिनट देर से! क्या तुम जानते हो कि तुम बीस मिनट देर से हो?" नेहा ने कहा।

"माफ करना, लेकिन ये assignment..."

"मुझे आज जल्दी वापस जाना है। पिताजी के बड़े भाई और उनका परिवार खाने पर आ रहा है। पिताजी उनके लिए व्यवस्था करने में लगे हैं। और तुम कब से इतने assignment करने लगे हो?" उसने अपने हाथ अपने कूल्हे से नहीं हटाए।

"मुझे नहीं पता। मैं और जोखिम नहीं लेना चाहता। क्या मैं तुम्हारे लिए एक ice-cream ला सकता हूँ?"

"नहीं, शुक्रिया। तुम्हारा इंतजार करते-करते मैंने एक खा ली है। चूंकि आज मेरे रिश्तेदार आ रहे हैं. अतः बहुत सारा खाना होगा। और मैं घटाना चाह रही हूँ।" उसने कहा।

"क्या घटाना चाह रही हो?" मैंने पूछा।

"अपना वजन।" उसने कहा।

"सच में? क्यों, तुम तो बहुत अच्छी दिख रही हो?" मैंने कहा।

"सवाल ही नहीं उठता। मेरे कॉलेज की अन्य लड़कियों को देखो। वह सब छोड़ो, यह बताओ, आजकल क्या कर रहे हो?" उसने कहा।

"classes, classes और classes. हर रोज सुबह आठ से छह तक। फिर library में और तीन घंटे। फिर assignment व revision लिए और दो घंटे। मैं दीवाना-सा हो रहा हूँ। लेकिन क्या करूँ? इससे पहले इतना काम कभी था ही नहीं।"

"और रेयान व आलोक क्या कर रहे हैं?" उसने पूछा।

"वे भी मेरी तरह इतना ही काम कर रहे हैं। पर हमारे credits फिर भी कम रह जाएँगे।" मैंने कहा।

"तुम्हारा C2D क्या हुआ, वो अब cooperate to dominate...।"

"वह सब बकवास था। ऐसे काम नहीं होता है, नेहा। मैं जानता हूँ ऐसे नहीं होता है। मैं इस समय शायद बहुत व्यस्त हूँ लेकिन काफ़ी कुछ सीख रहा हूँ। मैं सिर्फ assignment को नकल करके system को हरा नहीं रहा हूँ। बातें system को हराने की हैं ही नहीं।"

"वाह, मेरा loafer तो एकदम गंभीर हो गया है। तो फिर क्या बात है?" उसकी आवाज में काफ़ी परिहास नजर आ रहा था, जो कि अच्छा समझा जा सकता है।

"बात है ज्ञान की और system का ज़्यादा-से-ज़्यादा लाभ उठाने की, अगर उसमें गलती भी हो तो भी। और हमेशा उस रेयान की बात सुनना जरूरी नहीं है।" मैंने कहा।

"तुम तो smart बनते जा रहे हो। मैं अपने loafer को याद कर रही हूँ।" उसने कहा।

मैं चुप हो गया. और उसकी आँखों में देखा। मैं एक ही झटके में उठा और उसके होंठों का चुंबन लिया।

"हरि, क्या तुम पागल हो? यहाँ लोग मुझे जानते हैं।" उसने कहा।

"बस, तुम्हें याद दिलाने के लिए कि तुम्हारा loafer अब भी वही है।" मैंने कहा।

"हाँ ठीक है। वह जाने दो, देखो, मैं क्या लाई हूँ।" उसने कहा और अपने बैग में से कागज़ का एक टुकड़ा निकाला।

"यह तो तुम्हारे भाई का पत्र है।" मैंने कहा।

"हाँ, उसका आखिरी पत्र। मैं चाहती हूँ कि तुम इसे रखो।" उसने कहा।

"क्यों?" मैंने कहा। यह एक बड़ा अजीब तोहफ़ा था।

"मुझे नहीं पता। पिताजी मुझ पर अब विश्वास नहीं करते। और आजकल वह अकसर मेरे कमरे की तलाशी लेते हैं। मैं नहीं चाहती कि उन्हें यह पत्र मिले।"

"सच में? क्या वे तुम्हें बहुत परेशान कर रहे हैं?" मैंने कहा।

"ज़्यादा नहीं। मैं बस उनसे ज़्यादा बात नहीं करती। लेकिन मैंने उन्हें तुम लोगों के बारे में बातें करते सुना है।"

"क्या? कहाँ?"

"मैं तुम्हें बताऊं तो क्या तुम यह पत्र रखोगे?"

"तुम जानती हो कि मैं रखूँगा। तो उन्होंने क्या कहा?"

"कुछ दिन पहले dean शास्त्री घर आए थे। वह किसी प्रस्ताव के बारे में बात कर रहे थे।"

"लूब medical।" मैंने कहा।

"हाँ वैसा ही कुछ। professor वीरा ने उन दोनों को एक-एक कॉपी दी थी। dean शास्त्री उसे देखकर काफ़ी प्रभावित थे।"

"तुम्हारे पिता ने क्या कहा?" मैंने कहा।

"मुझे नहीं लगता कि तुम्हें वह सुनना चाहिए।"

"नहीं, मुझे बताओ।" मैंने चिल्लाते हुए कहा।

"उन्होंने कहा कि वह एक ठीक-ठाक प्रस्ताव था। लेकिन उन्होंने dean शास्त्री से उन छात्रों पर विश्वास न करने को कहा। उन्होंने कहा कि क्या पता? उन्होंने एक बार अपराध किया है, शायद उन्होंने इस प्रस्ताव को बनाने में भी धोखा किया हो। उन्हें बस उनके credit चाहिए और बस इतना ही कहा।"

"एकदम बकवास। तुम जानती हो नेहा, हमने कितनी मेहनत से वह काम किया था!"

"मैं जानती हूँ। लेकिन उन्होंने ऐसा ही कहा। dean शास्त्री ने उन्हें थोड़ा और सोचने के लिए कहा।"

मैंने उस पत्र को मेज पर रख दिया। मैंने उसे खोलकर बिछा दिया, यह थे समीर के आख़िरी शब्द। ऐसा व्यक्ति, जो IIT में दाखिला लेने की अपने पिता की चाहत से इतना तंग आ गया कि उसने मौत बेहतर समझी। मैंने सोचा कि अगर अपने ऊपर से ट्रेन गुजर जाए तो कितना दर्द होगा।

"कृपया strawberry के दो brick देना।" मैंने पीछे एक आवाज सुनी।

"hello चेरियन साहब! क्या हुआ, बड़े मेहमान आ रहे हैं आज रात?" काउंटर पर खड़े लड़के ने कहा।

"हाँ, मेरा भाई कनाडा से आ रहा है। उसे ice-cream बहुत पसंद है।" मैंने professor चेरियन की आवाज सुनी। मैं मेज पर जम-सा गया था, ठीक उसी तरह जैसे फ्रिज में रखे सारे tests. नेहा भी जम गई। हम उनके बिलकुल विपरीत बैठे थे और पार्लर से बाहर नहीं भाग सकते थे। मैं अंदर-ही-अंदर यह प्रार्थना कर रहा था कि वे हमें न देखें। लेकिन यह चेरियन थे। steel counter के फ्रेम में दिखा प्रतिबिंब उनके लिए काफ़ी था।

"नेहा!" वह हमारी ओर मुड़े। मुझे लगता है कि उनकी चिल्लाहट सुनकर पार्लर की सारी ice-cream पिघल गई होगी।

नेहा ने कुछ नहीं कहा। मैं भी नहीं हिला। मैंने याद किया, जब आख़िरी बार चेरियन को देखा था। जब वह disco के अध्यक्ष थे। क्या वे मुझे फिर से बरबाद कर देंगे? मैंने तो अब तक ice-cream भी नहीं order की थी।

चेरियन आया और मेरे पास बैठ गया। मेरा दिल ज़ोर-ज़ोर से धड़कने लगा, जैसे कि वह मेरा शरीर छोड़ कर पार्लर से बाहर जाना चाहता था।

"तुम्हारे पास हिम्मत है। तुम साले rascal, तुम्हारे पास बहुत हिम्मत है!" चेरियन ने मेरी ओर घूरते हुए कहा।

नेहा ने अपना गला साफ किया; लेकिन चेरियन ने उसे चुप रहने का इशारा किया।

"Sir, मैं बस.. Sir.. बस मुझे कुछ.. सर, बस यह मुझे यहाँ अचानक मिल गई।" मैंने कहा, एक ही समय पर बोलते और सोचते हुए।

"क्या तुम मुझे दोबारा बेवकूफ बना रहे हो?" चेरियन ने अपना हाथ मेज पर मारते हुए कहा। उनका वह हाथ उस खुले हुए पत्र पर गिरा, जिससे पत्र थोड़ा सा फट गया।

"पिताजी, सावधानी से।" नेहा ने उनके हाथ को दूर हटाते हुए कहा।

"यह क्या है?" चेरियन ने कहा।

नेहा ने अपनी हथेली खोली और पत्र को ढक लिया।

"कुछ नहीं। कुछ नहीं, पिताजी।" उसने कहा।

"क्या है यह, rascal?" चेरियन ने मेरी ओर देखते हुए कहा। उसका हाथ अभी भी पत्र पर रखा हुआ था।

"मेरी बेटी को फँसाने के लिए प्रेम-पत्र लिखते हो। मैंने तुमसे अपनी बेटी से दूर रहने के लिए कहा था न। तो एक disco तुम्हारे लिए काफ़ी नहीं था।"

"यह समीर का पत्र है।" मैंने कहा।

"हरि, चुप रहो।" नेहा ने तुरंत कहा। मुझे नहीं पता कि मैंने ऐसा क्यों कहा। लेकिन मैं उसे नहीं दोहराऊँगा।

"क्या कहा इसने?" चेरियन ने कहा।

नेहा और मैं चुप रहे।

"अपना हाथ हटाओ, नेहा।" चेरियन ने कहा और उसकी ओर गुस्से से देखा। नेहा ने अपने हाथ पीछे कर लिये, उन्हें अपने चेहरे पर आँसू पोंछने के लिए लाते हुए। चेरियन ने पत्र उठाया और खामोशी से पढ़ने लगा।

चेरियन ने अपने संयम को बनाए रखने की कोशिश की; लेकिन उसकी आँखें छोटी हो गईं और उसकी उँगलियाँ काँपने लगीं। उसने पत्र को एक बार फिर पढ़ा और फिर एक बार-और फिर एक बार और। ice-cream के दो brick, जो उसने खरीदे थे, अब पिघल रहे थे और मेज पर एक तालाब बना रहे थे। लेकिन चेरियन के दिमाग में बन रहे तालाब की हमें और चिंता हो रही थी। उसने अपना चश्मा उतार दिया और फिर उसकी आँखों ने कुछ ऐसा किया, जिसके बारे में नहीं सोचा जा सकता। हाँ यह था हमारा विभागाध्यक्ष, मेरी ज़िंदगी का उत्पीड़क और अब उसकी आँखें नम हो गई थीं। दो मोटे-मोटे आँसू कोने से निकल आए। और मैं था वहाँ चेरियन परिवार के साथ बैठा, जब वह रो रहा था। मैं चाहता तो उनका साथ दे सकता था, लेकिन मैं वह नहीं करना चाह रहा था। और वैसे भी, समूह में रोने के लिए ice-cream पार्लर एक अच्छी जगह नहीं थी।

"पिताजी, आप ठीक तो हैं न?" नेहा ने अपने आँसू पोंछते हुए कहा।

उसके पिता अब फूट-फूट कर रो रहे थे। एक बड़े आदमी को इस तरह रोता देख बड़ा अजीब लग रहा था। मेरा मतलब है कि तुम उम्मीद करते हो कि वह तुम्हें रुलाएँगे। काश, रेयान यहाँ होता!

"चलो, घर चलें, पिताजी।" नेहा ने उठते हुए कहा।

चेरियन ने स्वयं को अपनी बेटी को सौंप दिया। मैंने नेहा को ice-cream का बैग थमा दिया, जो अब एक syrup जैसा हो गया था। उसके पिता पत्र को बार-बार चूम रहे थे।

वे पार्लर से बाहर चले गए और मुझे नेहा के साथ अगली डेट तय करने का मौका नहीं मिला। लेकिन मैं अपने को भाग्यशाली मान रहा था कि मैं चेरियन से हुई मुलाकात से बच गया। नेहा गाड़ी की driving seat पर बैठी। उसके पिता आगे की सीट पर अब भी बैठकर रो रहे थे।

“सर, क्या आप उस ice-cream के पैसे देने वाले हैं?” काउंटर के पास खड़े लड़के ने मुझसे पूछा।

"तुम्हारा मतलब है कि चेरियन रो रहा था। मतलब सच में रो रहा था?" रेयान मेरी बात का यकीन नहीं कर रहा था।

"फूट-फूट कर रो रहा था, यार! चेहरे पर हाथ रखे। ढेर सारे आँसू बह रहे थे। पर अफसोस, मुझे दो brick ice-cream का पैसा देना पड़ा।"

"यह देखने योग्य था। मैं उसे दोबारा देखने के लिए चार के पैसे दे सकता हूँ। हाँ वह भी दुःख भोगते हैं, हाँ!" रेयान ने नाचते हुए ख़ुशी जताई।

"यह मजाक नहीं है, रेयान। वह पूरी तरह स्तब्ध हो गया होगा।" आलोक ने कहा।

"तो? यह मेरी समस्या नहीं है। लेकिन मैंने अवसर गँवा दिया। काश, मैं वहाँ होता!" रेयान ने कहा।

"तो फिर अब हम कल के लिए assignment करें? क्या कल RAC की class है?" मैंने पूछा।

"हाँ है।" आलोक ने कहा, "तो प्रस्ताव के बारे में क्या चल रहा है?"

"मुझे नहीं पता।" नेहा ने बताया कि चेरियन नहीं चाहता। अगले हफ्ते professor वीरा से बात करते हैं।"

"तुम्हें पता है, कंपनियां आ भी गई हैं। मैंने नोटिस board पर देखा। software में काफ़ी नई कंपनियां आई हैं।" आलोक ने कहा।

"उन्हें देखने से कोई फायदा नहीं। अगर हमें credits नहीं मिले तो, उसके बारे में सोचने के लिए पूरा साल होगा।" मैंने कहा, जैसे ही हम assignment करने के लिए नई शीट निकाल रहे थे।

मैं उस रात चार बजे सोया। पत्र पढ़ने के बाद चेरियन का जो चेहरा हो गया था वह मेरी आँखों के सामने घूम रहा था। जरूर वह थोड़ा अजीब था, जैसे कि रेयान ने कहा। लेकिन वह काफ़ी दुःखी था। चेरियन जैसा कठोर आदमी ऐसा कैसे हो सकता है? ये कठोर लोग आख़िर किस चीज के बने होते हैं? और जैसे नेहा अपने पिता को वहाँ से ले गई, वह उससे बहुत प्यार करती होगी। और चेरियन भी अपने बेटे से बहुत प्यार करता होगा, तब भी जब उसने उसे इतना त्रस्त कर दिया कि उसे अपने आपको मारना पड़ा। क्या सभी माता-पिता अपने बच्चों से प्यार करते हैं? रेयान का क्या? क्या वह अपने माता-पिता को प्यार करता था? क्या वे उससे प्यार करते थे?

और फिर, मैं उठ बैठा। सुबह के चार बजे एक पत्र लिखने की चाह हुई। शायद सुबह जो बरबादी एक पत्र ने मचाई थी, उससे मैं काफ़ी प्रभावित हो गया। मैं कुमाऊँ से निकला और computer सेंटर गया। चौबीस घंटे खुले रहनेवाले सेंटर में छात्र अपने resume पर काम कर रहे थे। नौकरी के interview होने वाले थे। हाँ लेकिन हमारे लिए नहीं।

प्रिय मम्मी-डैडी,

मैं रेयान आपका बेटा। माफ कीजिए कि मैं यह सब लिख रहा हूँ। आज रात बस मुझे यह लिखना ही था कि मेरी ज़िंदगी में क्या चल रहा है। और जो चल रहा है, उसमें सब अच्छा नहीं है। लेकिन अगर मैं आपको नहीं बताउंगा तो किसे बताउंगा...?

मैं क़रीब दो घंटे तक लिखता रहा। ज़्यादातर मैंने जो लिखा, उसका कोई अर्थ नहीं था, लेकिन मैंने बहुत सी चीजों के बारे में लिखा। हमारे GPAs. के बारे में हमारे disco के बारे में, हमारे कलंकित grade शीट के बारे में, professor वीरा के बारे में, और हमारे अटके हुए लूब medical के बारे में। मैंने यह भी लिखा कि कैसे वे मुझे प्यार नहीं करते थे। इसलिए मुझे अपने साथ नहीं रखते थे। मुझे पता था कि मैं जो कर रहा था, गलत था। रेयान बनकर उसकी ज़िंदगी की कहानी और उसके रहस्यों को लिख रहा था। अगर उसे पता चल गया तो वह मुझे मार डालेगा। लेकिन मैं दिन निकलने तक लिखता रहा। मैंने सोचा कि यह मैंने अच्छा काम किया, रेयान से तो बेहतर ही। जब मैंने आख़िर में प्रिंट लिया तो वह दस पन्नों का था। रेयान के हस्ताक्षर की नकल करना आसान था, और वैसे भी उसके माता-पिता उस पर तो शक नहीं करेंगे। मैंने उनका पता रेयान के कमरे से चुरा लिया था। उस पत्र को भेजने में तीस रुपए का व्यय आया।

"तुम कहाँ से आ रहे हो?" रेयान ने दिन निकलने के बाद मेरे कमरे में आने पर कहा।

"कुछ नहीं, बस थोड़ी दूर टहलने गया था।" मैंने कहा।

डैडी से मुलाकात

सक्सेना को उस दिन अपनी class भंग करनी पड़ी। एक चपरासी ने उन्हें एक समाचार दिया, जिसे उन्होंने पढ़ा और class की ओर घूमे।

"हरि, रेयान और आलोक कौन हैं?" उन्होंने पूछा, यह जानते हुए कि हम आगे की seat पर बैठे थे।

हमने अपने हाथ ऊपर किए।

"professor चेरियन के कमरे में जाओ। वे तुमसे इसी समय मिलना चाहते हैं।"

मैंने शांत रहने की कोशिश की; लेकिन मेरा दिल ज़ोर-ज़ोर से धड़क रहा था। क्या यह हमारे लूब medical का अंत होगा? क्या चेरियन एक और disco करेगा? क्या वह मुझे पुलिस के हवाले कर देगा, सिर्फ इसलिए कि मैंने नेहा के लिए ice-cream खरीदी? क्या उसे लगा होगा कि मैंने उन bricks के लिए भी पैसे दिए थे? विसंगत बातें मेरे दिमाग में आती जा रही थीं, जब तक कि हम चेरियन के कमरे में नहीं पहुँचे, जहाँ मैंने देखा कि एक नया ताला लग गया था।

अंदर professor शास्त्री और professor वीरा professor चेरियन के साथ बैठे थे। किसी ने हमें बैठने के लिए नहीं कहा।

"तुम लड़कों से class छोड़ कर बुलाने के लिए हम माफी चाहते हैं। लेकिन हमने सोचा कि जब तक हम साथ हैं तो तुमसे कुछ बात कर लें।" dean शास्त्री ने कहा। ये professors हमेशा समस्या से क्यों घिरे रहते हैं? मैंने सोचा। पर हमने पूरी गंभीरता एवं शांति बनाए रखी।

"हमने तुम्हारे professor वीरा के साथ किए काम को देखा है और तुम्हारे प्रस्ताव को भी देखा है, और हमें यह पता चला है कि तुमने अपने निलंबित semester में इस पर काम किया है।" dean शास्त्री ने कहा।

हमने professor वीरा की ओर देखा।

"हाँ सर, इन्होंने मेरी lab में तीन महीने तक काम किया है। " professor वीरा ने कहा।

"अब professor वीरा ने यह अपील की है कि सातवें semester की अनुपस्थिति को हम अनुसंधान कार्य के रूप में देखें, बजाय अनुशासनिक कारणों के। क्या यह उचित है?" हमने अपने आपसे वायदा किया था कि हम उस कमरे में एक शब्द नहीं बोलेंगे। यह एक आसान सवाल था, लेकिन हमें अब और परेशानियां नहीं चाहिए थीं।

"dean शास्त्री को जवाब दो।" professor वीरा ने हमसे कहा।

"हाँ Sir." आलोक ने कहा।

मैंने कभी भी चेरियन की आँखों में नहीं देखा; लेकिन उसकी चुप्पी हिम्मत तोड़ देनेवाली थी। सबसे प्रमुख व्यक्ति कुछ क्यों नहीं कह रहा है?

"तो मेरे ख़याल में तुम्हें एक साफ grade शीट मिल जाएगी, ठीक है!" dean शास्त्री ने कहा।

आलोक, रेयान और मैंने सहमति से अपने सिर हिलाए।

"वैसे इन मामलों में आख़िरी निर्णय तुम्हारे विभाग के अध्यक्ष के हाथ में है। और तुम लोग यह अच्छी तरह जानते हो कि तुम्हारी गलतियों को माफ करना इतना आसान नहीं है। लेकिन इस बार professor चेरियन तुम्हारे सातवें semester को एक अनुसंधान semester दिखाने के लिए सहमत हो गए हैं।"

"क्या?" हम तीनों ने एक साथ कहा। कभी-कभी अच्छी खबर भी झटका दे सकती है।

"हाँ, professor चेरियन मान गए हैं। मुबारक हो, तुम लोगों ने अच्छा काम किया है।" professor वीरा ने कहा।

तब मैंने पहली बार चेरियन की ओर देखा। उसका चेहरा अभी भी स्थिर था, जैसे कि वे इस कमरे का भाग ही न हो। इसे क्या हुआ? मैंने सोचा कि शायद कोई नशीला पदार्थ लेने के बाद इसने अपना होश खो दिया है। जो भी कारण हो, मैं कमरे से तुरंत भागना चाहता था, इससे पहले कि वह अपना निर्णय बदल दे।

"धन्यवाद सर, बहुत-बहुत धन्यवाद!" आलोक ने कहा।

"धन्यवाद Sir. क्या अब हम जा सकते हैं सर?" मैंने कहा।

"हाँ-हाँ जरूर। हम भी जा ही रहे थे।" dean शास्त्री ने कहा। वे और professor वीरा उठने लगे।

"वैसे यह semester कैसा चल रहा है?" dean शास्त्री ने पूछा।

"ठीक चल रहा है, सर; लेकिन हमारे पाँच credit कम हैं।" मैंने जवाब दिया।

"किस चीज में कम हैं?" dean शास्त्री ने पूछा।

"हमारे पास चार वर्ष में अपनी डिग्री खत्म करने के लिए समय है, इसलिए हम किसी भी नौकरी या दाखिले के लिए नहीं जा सकते।" मैंने कहा।

"तो क्या तुम लोगों ने पूरा course-भार लिया है?" dean शास्त्री ने कहा।

"हाँ Sir. हमारी classes बहुत हैं।" रेयान ने कहा।

"यह फिर से एक विभागीय मुद्दा है। इसीलिए मैं कहता हूँ कि इन लड़कों को अनुशासन नहीं तोड़ना चाहिए और इस तरह के झंझटों से दूर रहना चाहिए।" dean शास्त्री ने कहा और कमरे से बाहर चले गए।

professor वीरा ने मेरे कंधे थपथपाए और वहाँ से चले गए।

"धन्यवाद सर!" मैंने चेरियन से कहा। मुझे नहीं पता कि मैंने ऐसा क्यों किया। शायद मैंने सोचा कि बाहर जाने से पहले यह शिष्टाचार अच्छा रहेगा।

"हरि, क्या तुम एक मिनट के लिए रुक सकते हो?" professor चेरियन ने पहली बार कहा।

"हाँ जरूर।" मैंने कहा। आलोक और रेयान ने कमरे से बाहर जाते हुए मेरी ओर सरसरी नजर से देखा।

"बैठो।" चेरियन ने अपने सामने रखी कुरसी की ओर इशारा करते हुए कहा, वे दरवाजे पर ताला लगाने के लिए उठे।

इसने मुझे रुकने को क्यों कहा? क्या यह मुझे जान से मारने वाला है?

"तो तुम्हारे पाँच credit कम हैं, क्यों?" चेरियन ने कहा। यानी उसके कमरे में लोगों ने जो कहा था, वह उसने सुना था।

"हाँ Sir." मैंने कहा।

"तुम जानते हो, अगर मैं इस semester में professor वीरा के साथ इस medical पर काम करने की अनुमति दे दूँ तो हम तुम्हें lab के credits दे सकते हैं।"

अब इसका क्या मतलब था-'अगर मैं अनुमति दूँ'? क्या चेरियन मुझे याद दिला रहा था कि मेरा भविष्य पूर्णतः उसके हाथों में है? बिलकुल, वह तो मैं जानता हूँ Sir. अभी तो मैं एक साफ grade शीट मिलने पर उत्साहित हूँ। शायद कुछ समय बाद मुझे नौकरी भी मिल जाए। क्या अब मैं जा सकता हूँ?

"तुम क्या सोच रहे हो?" चेरियन ने पूछा।

"कुछ नहीं, Sir. " मैंने अपने ख़यालों से बाहर आते हुए कहा।

"मैंने कहा कि मैं तुम्हें lab credit दिला सकता हूँ; लेकिन यह तभी हो सकता है यदि तुम इस semester में इस medical

पर काम करने को तैयार हो। मैं जानता हूँ कि तुम बहुत व्यस्त हो।" चेरियन ने कहा।

क्या चेरियन का दिमाग पूरी तरह से फिर गया है? यह क्या कह रहा है? यह मेरी डिग्री को बचाने में मेरी मदद कर रहा था। अगर मैं थोड़ा अधिक काम करने को तैयार हूँ तो। यह भी कोई पूछने की बात है! मैं पाँच अतिरिक्त credit पाने के लिए अगले चार महीने lab में रहने को भी तैयार हूँ। अपनी डिग्री समय पर पाने के लिए मैं lubricants भी पीने को तैयार हूँ।

"मेरे ख़याल में हम lab में थोड़ा अधिक कार्य कर लेंगे।" मैंने कहा।

"अच्छी बात है, मुझे professor वीरा से बात करने दो, फिर देखते हैं कि वे तुम्हारे लिए क्या कर सकते हैं। अगर सब ठीक रहा तो इस semester में हम तुम्हें पाँच credit दे देंगे।"

"हम सबके लिए सर? मेरा मतलब है, आलोक और रेयान भी?"

"हाँ बिलकुल।" professor चेरियन ने कहा।

"धन्यवाद सर!" मैंने अपने माथे से पसीना पोंछते हुए कहा। यह पल मुझे हकीकत से दूर लग रहा था।

"धन्यवाद हरि!" चेरियन ने मुझे जाने को कहा।

"किसके लिए?" मैंने कहा।

"कुछ नहीं। मेरे ख़याल से तुम्हें अब professor सक्सेना की class में वापस जाना चाहिए और नौकरी के interview के लिए तैयारी करनी चाहिए।" चेरियन ने कहा।

"अवश्य Sir." मैंने कहा।

"और interview में वैसा व्यवहार मत करना जैसा मेरी मौखिक परीक्षा में किया था।"

चेरियन ने कहा और हँसने लगे। मैंने उनकी हँसी में द्वेष-भावना को परखने की कोशिश की; लेकिन वह निष्कपट लग रही थी। उनके साथ मैं भी हँसने लगा।

"ठीक है, Sir. " मैंने कहा और उनके कमरे से निकला।

हमने disco के बाद से शराब कम पीने का वायदा किया था, लेकिन चेरियन की यह खबर बहुत बड़ी थी और आनंद मनाने के योग्य थी।

"दूसरी बोतल खोलो।" आलोक ने कहा, "आज मैं तुम्हें कह रहा हूँ रेयान, दूसरी बोतल खोलो।"

"आराम से मोटे, हमें अब भी assignment व lab में काम करना है, और उन interview को मत भूलो।" मैंने कहा।

"कैसे? हरि, तुमने यह कैसे किया?" रेयान ने अब पूरी तरह टल्ली होते हुए कहा।

"मैंने कुछ नहीं किया। मैंने सोचा कि वह पागल हो गया है। लेकिन उसने यही कहा।" मैंने अपने कंधे उचकाते हुए कहा।

"तुम्हारा जवाब नहीं, यार।" रेयान ने कहा, जब वह मेरी तरफ़ आया और मेरे गाल को चूमा। मुझे बिलकुल पसंद नहीं, जब वह ऐसा करता है।

"आलोक, अगला interview कौन सा है?" मैंने रेयान को दूर हटाते हुए पूछा।

"ठीक है यार, तो।" आलोक ने कंपनियों की सूचना-पत्रिका से भरी file निकालते हुए कहा। "हम five pointer हैं, याद है? तो इनमें से कई कंपनियां हमें नहीं लेंगी।"

"मुझे फर्क नहीं पड़ता, यार। मुझे वैसी नौकरी के बारे में बताओ, जो हमें ले लेगी।" रेयान ने कहा।

"software। यह इस साल का सबसे नया sector है। वे समूह में सब लोगों को लेते हैं। उनकी चयन-प्रणाली में GPA का उतना महत्व नहीं है।" आलोक ने कहा।

"मुझे software पसंद है।" रेयान ने दृढ़तापूर्वक कहा।

"interview कब है?" मैंने कहा।

"तीन हफ्ते बाद एक अच्छा मौका है। क्या कहते हो तुम? हम सभी को उसके लिए आवेदन करना चाहिए? क्या पता, हम सब साथ में हों।" आलोक ने कहा।

"हम जरूर साथ में होंगे।" मैंने कहा और अपना गिलास उठाया।

"पाँच credits के लिए cheers." हम सब ने एक साथ कहा।

सुबह छह बजे अलार्म बजा। interview का वह बड़ा दिन आ गया था। उस semester में पहली बार हमने अपनी सुबह की तीन classes छोड़ी। पिछले कुछ हफ़्तों में हमने जबरदस्त मेहनत की, क्योंकि हमारे ऊपर पहले से चौदह घंटे प्रतिदिन काम का भार और उसके ऊपर तीन घंटे professor वीरा की lab का अतिरिक्त भार आ गया।

आज software की कंपनियों का interview था। हमारे जैसे कम GPA वाले छात्रों को नौकरी मिलने का यह अच्छा अवसर था।

"उठो मोटे, interview के लिए ढंग से तैयार होना पड़ेगा।" मैंने चिल्लाते हुए कहा।

"क्या हमें नौकरी मिल जाएगी?" आलोक ने कहा।

"अगर तुम बिस्तर पर पड़े रहोगे तो नहीं मिलेगी।" रेयान ने उसकी चादर खींचते हुए कहा।

IITian इस interview के लिए काफ़ी तैयारी करते हैं। चार साल में पहली बार मैंने टाई पहनी। यह एक अजीब टाई थी, काले रंग की थी, जिस पर नारंगी धब्बे थे या इसका उलटा था, मैं भूल गया। लेकिन पिछले साल एक सीनियर ने भी इसे पहना था और कुमाऊँ में रहनेवाले इसे भाग्यशाली मानते थे। रेयान को एक नई सिल्क की टाई अपने माता-पिता से मिली थी। पिछले कुछ हफ़्तों से उसके उपहारों की संख्या बढ़ गई थी। मैंने सोचा कि उनको मेरा पत्र मिल गया होगा।

रेयान के scooter में अब इंजन नहीं था, इसलिए हमें institute तक auto लेना पड़ा।

हम पैदल चल कर अपनी पैंट और कमीज की creeze को ख़राब नहीं करना चाहते थे, जैसा कि रेयान ने बताया।

'technosoft software interview यहाँ'-insti building में एक साइन लगा था। वहाँ हम क़रीब पचास थे। सभी मेरे बैच से इस तरह तैयार होकर आए जैसे हम किसी शादी में जा रहे हों।

"वास्तव में हमारे आधे बैच को पहले ही नौकरी मिल गई थी। हमारे जैसे under performer के लिए यह सबसे अच्छा मौका है।" आलोक ने कहा।

मैंने यह सोचने की कोशिश की कि किस दिन से मैं उस शब्द 'under performer' से इतनी अच्छी तरह से संबंध रखने लगा। क्या वह समय था जब हमने अपनी पहली quiz ख़राब की? या हमारा पहला GPA? या फिर disco? मेरे ख़याल में हमने काफ़ी सारी चीजों को ख़राब किया है, जिस वजह से हम अब इस club का एक भाग हैं।

हम तीनों में से रेयान का interview सबसे पहले था, उसके बाद आलोक और फिर मैं। interview से पहले हमने एक अभिवृति टेस्ट दिया। उसमें बड़े ही आसान IQ प्रश्न थे, जो कोई भी IITian एक बोतल vodka पीने के बाद भी उनका जवाब दे सकता है।

"interview ही प्रमुख है। वे लोग वही निर्णय लेते हैं।" आलोक ने कहा। हमने अपनी grade शीट जमा की। सातवें semester का स्थान खाली था, जिसमें 'research absence' छपा था। बाकी के semester काफ़ी साधारण थे, काफ़ी सारे 'C' और 'D'।

"शुभकामनाएँ रेयान।" आलोक ने रेयान को गले लगाते हुए कहा।

"जरा बचाकर, creeze ख़राब मत करो।" रेयान ने चेताते हुए कहा।

वह बीस मिनट के बाद बाहर आया।

"कैसा था?" आलोक ने कहा।

"पता नहीं। मेरे ख़याल से ज़्यादा अच्छा नहीं था। उन्होंने सिर्फ़ मेरे कम grades के बारे में पूछा और मैं यह क्यों करना चाहता हूँ यह सब।" रेयान ने कहा।

"तो तुमने क्या कहा?" मैंने कहा।

"बस जो भी हो। देखते हैं, क्या होता है।" उसने कहा।

आलोक बीस मिनट के लिए अंदर गया। उसके बाहर आते ही मुझे जाना था।

तीस साल के एक आदमी ने कमरे में मेरा स्वागत किया।

"हाय, मैं हूँ कमल देसाई। तुम हरि हो, है न?" उसने कहा।

"हाँ Sir. " मैंने कहा।

"बैठो, बैठो। और मुझे 'सर' मत कहो, मुझे 'कमल' बुलाओ।"

मैं चुपचाप बैठ गया। कमल मेरी file को पढ़ने लगा और फिर grade शीट पर आकर रुक गया।

"हूँ.. five point forty eight मिलाकर, क्या हुआ?" उसने मेरी आँखों में देखा।

यही वह समय था, जब मुझे घबराहट का दौरा पड़ना चाहिए था। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। मुझे पता नहीं क्यों, लेकिन जब से मैंने रेयान का plan fail होते, आलोक को कूदते और चेरियन को रोते देखा है, दुनिया में कोई भी चीज अब मुझे डराती नहीं है।

"मैंने अपना पहला semester काफ़ी ख़राब किया था, सर.. मेरा मतलब कमल। और IIT में अगर पहली बार चूक गए तो वापसी करना बहुत मुश्किल होता है।"

"यह तो काफ़ी रोमांचक है। पहले semester में क्या हुआ?" कमल ने पूछा।

"पता नहीं। शायद कॉलेज की ज़िंदगी जीनी चाही। मेरे ख़याल में, IIT उस तरह का कॉलेज नहीं है।" मैंने कहा।

"हाँ IIT कुछ अलग है। तो मुझे बताओ, क्या तुम्हें IIT पसंद है?" कमल ने पूछा। यह काफ़ी पेचीदा प्रश्न था। ऐसा प्रश्न मुझसे कभी किसी ने नहीं पूछा था। मैंने सोचा था कि मैं जल्दी बता दूँ कि कैसे मैं यहाँ बिताए हर पल से घृणा करता हूँ; लेकिन मैं ऐसा नहीं कर पाया। मैंने अपना पहला दिन याद किया-वह दिन, जब रेयान ने मुझे बाकू और उसकी कोक की बोतल से बचाया था। चार साल, और जल्दी ही मैं इस जगह को हमेशा के लिए छोड़ने वाला हूँ। क्या यह जगह मुझे पसंद-आई?

"मुझे पता नहीं। मेरे साथ ऐसी बातें हुई हैं, जिन्हें मैं भुला देना चाहता हूँ। लेकिन मैं अपने प्रिय मित्र से यहीं मिला और आशा करता हूँ कि यह जगह मुझे एक नौकरी दिलवाएगी।"

कमल हँसने लगा। मुझे ऐसा लग रहा था कि दस साल पहले वह भी यहाँ का छात्र था। मैंने सोचा कि उसके समय में उसका क्या GPA रहा होगा। IIT की यही बात है। आप लोगों को देखते हैं और यह सोचते हैं कि उनका GPA क्या था। आप उनका मूल्यांकन करने की कोशिश करते हैं, जो अच्छा नहीं है।

कमल ने उसके बाद कुछ और सवाल किए जैसे कि मेरी रुचि software sector में क्यों है? यह भी कोई पूछने की बात है! मैं उस हर sector को पसंद करूँगा, जो मुझे नौकरी देगा और यह मेरा आखिरी मौका था।

"तुम्हारे साथ बात करना बहुत दिलचस्प रहा। अभी के लिए बस इतना ही।" कमल ने मुझे बाहर छोड़ते हुए कहा।

"तुम्हारे साथ बात करना बहुत दिलचस्प रहा!" मैंने इस वाक्य को तीन बार अपने दिमाग में दोहराया। अब इसका क्या मतलब था। यह कहने का विनम्र तरीका कि मैं अजीब था? या मेरे लिए कोई अवसर नहीं था? या मेरी एकदम बेकार resume file? या वह सचमुच प्रभावित हो गया?

हमने परिणाम आने के लिए एक घंटा और इंतजार किया। और यह जब आया तो मैंने महसूस किया कि शायद इस बार मेरा भाग्य कुछ चमत्कार दिखाने जा रहा था।

"हरि, तुम्हें और मुझे नौकरी मिल गई। तुम्हें मुंबई में offer मिला है और मुझे दिल्ली में।" आलोक ने मेरी कमीज खींचते हुए कहा।

मैं सन्न रह गया और अगले पाँच मिनट तक उसे जवाब नहीं दे पाया। छात्रों के एक झुंड ने, जो नोटिस board की ओर भागे जा रहा था, मुझे धक्का सा दिया। मैं अपने ख़यालों में खोया हुआ था। अब से कुछ दिन पहले तक मैं अपने पाँच credit खत्म करने के लिए एक अतिरिक्त साल बिताने और कलंकित grade शीट लेने वाला था। लेकिन अब मेरे पास एक रास्ता था और एक नौकरी भी थी।

"मुझे नहीं मिली।" रेयान ने कहा।

जरूर कोई गलती होगी। आलोक और मुझे नौकरी कैसे मिल सकती है, जबकि रेयान को नहीं मिली?

"क्या हुआ?" मैंने कहा।

"मुझे नहीं पता। हटो, यार!" रेयान ने हमसे दूर जाते हुए कहा।

"वह कहाँ जा रहा है?" आलोक ने कहा।

"मुझे नहीं पता। " मैंने कहा।

कुछ पलों के लिए मैं अपनी खुद की नौकरी भूल गया। रेयान को नौकरी नहीं मिली? वही तो सबसे रचनात्मक, आत्मविश्वासी व smart है। वह वह था, जो मैं हमेशा बनना चाहता था। क्या हुआ, अगर उसे insti में सबसे कम grades मिले थे, लेकिन यह रेयान है, हैलो!

"हमें नौकरी मिल गई, हरि। महीने के छह हज़ार।" आलोक ने कहा।

"हूँ! और हाँ!" मैंने कहा, रेयान के प्रति अपनी चिंता को थोड़ी देर के लिए भूलते हुए। तो अब हम सिर्फ five point something नहीं रहे, अब हम five point कोई बन गए हैं।

आलोक ने उस रात अपने माता-पिता से दो घंटों तक फोन पर बात की। मेरे ख़याल से उसने उन्हें पूरा-का-पूरा प्रस्ताव पत्र सुना दिया। उसकी माँ ने पूरा-का-पूरा पैकेज लिख लिया-मूल वेतन, यात्रा भत्ता और हाँ, सबसे जरूरी medical लाभ। आलोक बहुत ही ख़ुश था।

मैं अब तक थोड़ा सन था। जब आपके साथ कुछ अच्छा होता है तो आपको ऐसा लगता है कि कुछ विचित्र हो रहा है। जैसे कि यह सब एक सपना हो। जैसे कि techno soft का कमल देसाई मुझे फोन करेगा कि यह सब मजाक था। और फिर मेरी नौकरी मुंबई में थी।

“क्या हुआ तुम्हें? तुम उत्साहित नहीं लग रहे।” आलोक ने फोन बूथ से बाहर निकलते हुए कहा।

“मैं..मैं। लेकिन यह मुंबई में है। नेहा का क्या होगा?” मैंने कहा।

“उसके बारे में क्या? IIT के बाद भी तुम उसके साथ रहोगे?” आलोक ने निश्छलता से पूछा, जैसे कि वह सिर्फ मेरे यहाँ के course का हिस्सा हो।

“क्यों नहीं!” मैंने अपनी उँगली को बूथ की ग्रिल पर रखते हुए कहा।

आलोक ने अपने कंधे उचकाए। उसके साथ बात करना अर्थहीन था। वह शायद हमारी नौकरी से मिलने वाले dental लाभ के बारे में बात करता।

“रेयान कहाँ है?” आलोक ने पूछा।

“मेरे ख़याल से, वह lab गया है। उसने कहा कि वह professor वीरा से बात करना चाहता है।” मैंने कहा।

“मैं आशा करता हूँ कि उसे भी कोई नौकरी मिल जाए। मेरे ख़याल से, मेरे ख़ुश न होने का यह भी एक कारण है।”

“उसके लिए यह इतना आसान नहीं होगा। उसका GPA सिर्फ five point जीरो वन है और वह class में आख़िरी है। उसके लिए कहीं भी नौकरी मिलना मुश्किल है।” आलोक ने कहा।

“लेकिन वह इतना मेधावी है। मेरा मतलब है कि पूरा-का-पूरा लूब medical उसी का है।”

“GPA का अपना महत्व है।” आलोक ने कहा और वहाँ से चला गया।

एक महीने बाद भी रेयान को कोई नौकरी नहीं मिली। हमारा semester काफ़ी जल्दी आगे जा रहा था, खासकर इस वजह से, क्योंकि हम सब काम खत्म करने में बहुत व्यस्त थे। रेयान कंपनियों में आवेदन करता रहा, लेकिन उसे दो जगह से ही इंटरव्यू के लिए बुलावा आया। class के आख़िरी छात्र को नौकरी मिलना हमेशा ही मुश्किल रहता है। उस हिसाब से अगर उस दिन कमल देसाई ईमानदारी से नहीं परखता तो शायद आज मैं भी रेयान की स्थिति में ही होता।

"तुम लोगों को हार नहीं माननी चाहिए रेयान। तुम्हें कोशिश करते रहनी चाहिए।" professor वीरा ने कहा, जब हम lab में थे।

रेयान के scooter का इंजन पूरे जोरों से दौड़ रहा था। आज के मिश्रण की बहुत ही अजीब दुर्गंध थी, जिससे पूरी lab में बदबू भर गई थी। मैं आशा कर रहा था कि यह हमारे final lubricant का optimal मिश्रण न हो।

"मैं ऐसा नहीं कर सकता, professor वीरा। इससे काम नहीं बनने वाला।" रेयान ने इंजन के निकास से निकल रहे धुएँ को देखते हुए कहा।

"हाँ तुम ऐसा कर सकते हो। लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि तुम सिर्फ एक software कंपनी की नौकरी करने से ज़्यादा बड़े कार्य को अंजाम देने के लिए बने हो।" professor वीरा ने कहा।

"आपके कहने का क्या मतलब है?" रेयान ने कहा।

"मेरा मतलब है कि तुम्हें अनुसंधान के क्षेत्र में काम करना चाहिए। एक software कंपनी की नौकरी में क्या रखा है? तुम बस विदेशियों की जगह सस्ते व कम पैसे में खरीदे गए ठेका मजदूर हो। रेयान, क्या तुम्हें वास्तव में ऐसा लगता है कि तुम वहाँ ख़ुश रहोगे?"

"मैं तो हूँगा। " आलोक ने कहा।

"मैं रेयान से पूछ रहा हूँ। तुम लोग दोस्त हो, लेकिन तुम क्या करना चाहते हो, वह जरूरी नहीं कि एक जैसा हो।" professor वीरा ने कहा।

"जैसे कि क्या? मैं और क्या कर सकता हूँ?" रेयान ने पूछा।

"क्या तुम मेरे RA बनकर काम करना चाहते हो?" professor वीरा ने कहा, "research असिस्टेंट। मैं तुम्हें दो साल का contract दिला सकता हूँ। ज़्यादा पैसे नहीं मिलेंगे, लगभग महीने के दो हज़ार। लेकिन तुम campus में रह सकते हो और lubricant पर अपनी research जारी रख सकते हो।"

मैंने रेयान का चेहरा देखा। दो हज़ार रुपए उसके चेहरे पर साफ लिखा था, हमारे वेतन का एक-तिहाई। क्या रेयान इसे स्वीकार कर पाएगा?

"यह मात्र एक सुझाव है। " उन्होंने आख़िर में कहा।

"यह एक बेहतरीन सुझाव है। और अगर हमें एक निवेशक मिल जाए जो तुम्हारे उत्पाद को अपना व्यापार बनाना चाहता हो तो क्या पता तुम कितने सफल हो जाओ।" professor वीरा ने कहा।

रेयान ने मेरी ओर देखा। मुझे ऐसा लगा कि जैसे वह चाहता है कि मैं उसके लिए निर्णय लूँ। मुझे उसके बारे में जितना करना चाहिए था, उससे कम सोचा, लेकिन अपना जवाब दिया।

"मुझे लगता है कि तुम यह करके काफ़ी ख़ुश रहोगे, रेयान और मुझे यकीन है कि एक दिन तुम्हें इसके लिए कोई-न-कोई निवेशक जरूर मिलेगा।" मैंने कहा।

"इस उत्पाद के लिए मैंने बाजार को कम-से-कम 10 करोड़ का आंका है। मुझे पता नहीं, लेकिन शायद तुम्हें लगभग 20 प्रतिशत की royalty मिलेगी। हाँ यदि पहले हमें factory में निवेश करनेवाला मिल जाए।" professor वीरा ने कहा।

"मैं यह करूँगा। " रेयान मुस्कुराया, "मैं आपका RA हूँ Sir."

"यस!" मैंने कहा और उसे उत्साहित किया।

"तो मेरे ख़याल से अब हम सब नौकरी-पेशा हैं।" आलोक ने कहा, "क्या अब हम पार्टी कर सकते हैं?"

"बिलकुल, तुम्हें पार्टी करनी चाहिए। लेकिन vodka पर नियंत्रण रखना।" professor वीरा यह कहकर हँस रहे थे।

यह दीक्षांत समारोह का दिन था, आधिकारिक तौर पर IIT में हमारा आख़िरी दिन। हम अंत तक संघर्ष करते रहे, लेकिन अंतत: हमने कर दिया। हमने अपने आख़िरी semester के सभी courses पास कर लिये, lab कार्य खत्म कर लिया और हम सबको कोई-न-कोई नौकरी मिल गई। चार वर्षों में एक IITian इतने की तो उम्मीद करता ही है; लेकिन हमारे लिए यह किसी चमत्कार से कम नहीं था। पिछले कुछ दिनों में मैंने नेहा से बहुत ही कम बात की थी। मैंने एक बार तब फोन किया था जब मुझे नौकरी मिली थी-और वह रोई थी, क्योंकि (अ) वह मेरे लिए बहुत ख़ुश थी, (ब) क्योंकि मेरी नौकरी मुंबई में थी।

यह मालूम करना कि लड़कियाँ कैसे दो अलग कारणों के लिए एक ही समय पर रो सकती हैं, मुश्किल था। लेकिन मैंने उस पर ज़्यादा दबाव नहीं डाला। उसने यह भी कहा कि अगर हम कुछ दिनों के लिए न मिलें तो अच्छा होगा, क्योंकि अगर professor चेरियन को पता चला तो वह फिर से आग बबूला हो जाएँगे। ईमानदारी से कहूँ, तो मुझे यह ठीक ही लगा (वैसे मैंने उसके लिए बहुत बड़ा उपद्रव मचाया) उन सब courses के साथ। मैंने चेरियन को तब से नहीं देखा था, जब से उसने मुझे माफ कर दिया था। लेकिन आज मैं उसे दोबारा देखूँगा। विभाग का अध्यक्ष पास करनेवाले बैच के लिए भाषण देगा। हम उस पास होनेवाले बैच का हिस्सा थे और यह अपने आप में गर्व की बात थी। आलोक, रेयान और मैंने अपना स्नातक गाउन पहन रखा था। हमेशा की तरह रेयान सबसे अच्छा दिख रहा था।

"मैं आगे नहीं बैठूँगा। हम आगे सो नहीं सकते।" मैंने विरोध करते हुए कहा, जैसे ही हम दीक्षांत हॉल में पहुँचे।

"नहीं, यहाँ यह हमारा आख़िरी दिन है। मैं सबकुछ देखना चाहता हूँ।" आलोक ने ज़ोर डालते हुए कहा।

"तो फिर तुम अपने चश्मे का नंबर बदलवा लो।" रेयान ने कहा।

आलोक ने बहुत ज़ोर डाला कि हम पहली पंक्ति में बैठे और हम मंच के सामने बैठ गए। हमने मेहमानों की गैलरी की तरफ़ मुड़ कर देखा।

"वह रही मेरी माँ और दीदी। देखो, पिताजी भी वहाँ हैं।" आलोक ने wheel chair की तरफ़ हाथ हिलाया।

"तुम्हारे माता-पिता भी यहाँ आए हैं, है न?" मैंने रेयान से पूछा।

"हाँ वे कल रात ही आए हैं। मैंने उन्हें न आने के लिए कहा था, लेकिन वे फिर भी आ गए। देखो, वे बैठे हैं तीसरी पंक्ति में।" रेयान ने थोड़ा गर्व से कहा।

हाँ वे थे। वहाँ तीन सौ अन्य छात्रों के माता-पिता के साथ उस बड़े दीक्षांत हॉल में सभी बैठे थे, बहुत ही गर्वित।

मैंने नेहा को देखा। वह अपने पिता के साथ आई थी, अन्य शिक्षकों के परिवारों के साथ बैठी थी। मैंने उसकी ओर हाथ हिलाया और दस अन्य professors ने वापस मेरी तरफ़ हाथ हिलाया।

"बैठ जाओ, हरि। अब कार्यक्रम शुरू होने वाला है।" आलोक ने मुझे नीचे खींचा।

professor चेरियन मंच पर आए। सब शांत हो गए और दीक्षांत हॉल एक मकबरे जैसा शांत हो गया।

"good morning। mechanical engineering विभाग का अध्यक्ष होने के नाते मैं आप सभी का इस कार्यक्रम में स्वागत करता हूँ। आज इस देश को होनहार mechanical इंजीनियरों को सौंपते हुए हमें गर्व हो रहा है। मैं यह भाषण पिछले दस वर्षों से हर वर्ष देता आ रहा हूँ।"

professor चेरियन ने पानी का एक घूँट भरते हुए कहा।

"दस वर्ष। वास्तव में यह आदमी बड़ा ही अनुभवी है।" आलोक ने फुसफुसाते हुए कहा।

"एक के बाद दूसरी class को यातनाएं देने के लिए।" रेयान ने कहा।

"श-श.." मैंने कहा।

"और हर साल मैं एक जैसा ही भाषण देता हूँ-अपने सबसे अच्छे होनहार छात्रों को मुबारकबाद देते हुए और यह बताते हुए कि भविष्य में भी कैसे उन्हें उपलब्धियां हासिल करनी चाहिए। वास्तव में मैं भाषण पिछले वर्ष के भाषण को देखकर ही बनाता हूँ। लेकिन इस बार मैं कुछ अलग करने वाला हूँ। इस बार मेरे पास कोई लिखित भाषण नहीं है। मैं बस एक कहानी सुनाना चाहता हूँ।"

यह सुनकर लोगों में थोड़ी हलचल सी हुई। कोई भी यह सोच नहीं सकता था कि चेरियन कहानी सुनाएगा। toppers के नाम बोलो, सबको अपनी शुभकामनाएँ दो और कहानी खत्म। लेकिन यहाँ क्या हो रहा है?

"एक समय की बात है, जब IIT में एक छात्र था। वह बहुत ही होनहार था और यह सच है कि चार साल के बाद उसका GPA 10.00 था। उसके बहुत ही कम दोस्त थे, क्योंकि इतना GPA बनाए रखने के लिए दोस्तों के लिए समय नहीं होता।"

वहाँ बैठे लोग कर्त्तव्यनिष्ठा के साथ मुस्कुराए।

"लेकिन उसके सहपाठी जरूर थे। सहपाठी, जो यह होनहार लड़का सोचता था कि उससे कम smart हैं, ऐसे सहपाठी जो स्वार्थी थे और बहुत सारा पैसा कमाना चाहते थे या बिना मेहनत किए USA जाना चाहते थे। और उसके सहपाठियों ने बिलकुल वैसा ही किया। वे MNC में काम करने चले गए या कुछ विदेश चले गए। कुछ ने USA में अपनी कंपनियां खोल लीं। अधिकतर computer और software की। याद रहे, यह आज से बीस साल पहले की बात है, तब computer एक नई चीज थी।"

professor चेरियन दोबारा पानी पीने के लिए रुके।

"इसकी बात का मतलब क्या है?" आलोक ने कहा।

"मुझे नहीं पता। मैंने तुमसे कहा था कि हमें पहली पंक्ति में नहीं बैठना चाहिए। अब हम सो भी नहीं सकते।" रेयान ने कहा।

"लेकिन वह होनहार लड़का वहीं रह गया, क्योंकि उसके कुछ सिद्धांत थे। वह अपनी शिक्षा को स्वार्थ और व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं इस्तेमाल करना चाहता था। वह देश की सेवा करना चाहता था। वह अनुसंधान (research) करना चाहता था। इसलिए IIT में ही रह गया। लेकिन IIT में एक research medical को BMW पास कराना टेलीफोन की खोज करने से भी ज़्यादा मुश्किल है।" professor चेरियन ने कहा और भीड़ में बैठे शिक्षक मुस्कुराने लगे।

"इस प्रकार वह होनहार लड़का निराश हो गया। लेकिन वह फिर भी कोशिश करता रहा; लेकिन एक professor बनने से ज़्यादा यहाँ कोई और कुछ नहीं पा सकता। दस साल बीत गए जब उसके कॉलेज के दोस्त उससे मिलने आए। उनमें से एक का GPA सेवन point something था और उनकी अपनी software कंपनी थी। कंपनी का कुल व्यापार 20 करोड़ डॉलर हो गया था। एक और दोस्त एक बहुराष्ट्रीय toothpaste कंपनी का प्रमुख था और वह एक BMW कार में आया। लेकिन इन सबसे उस सिद्धान्तवादी लड़के को कुछ फर्क नहीं पड़ा।

"जैसा कि आप लोगों ने अनुमान लगा लिया होगा कि वह होनहार लड़का मैं ही हूँ। और उस समय मैंने सोचा कि इससे क्या फर्क पड़ता है कि दूसरों ने व्यक्तिगत लाभ के लिए ज़्यादा पाया है। मैं अब भी वही था जिसका GPA बेहतर था। किसी वजह से मैंने यह निर्णय लिया कि मेरे बेटे को भी IIT में जाना चाहिए। मैं चाहता था कि वह भी हमारे परिवार की महान बौद्धिक परंपरा को बनाए रखे। महान बौद्धिक परंपरा-मैं ऐसा ही कहता था। लेकिन यह मेरा अहंकार था। मेरा बेटा एक वकील बनना चाहता था और गणित से घृणा करता था। उसके गणित से घृणा करने के कारण मैं उससे घृणा करता था। मैंने उस पर इतना दबाव डाला जितना मैं class के छात्रों पर डालता हूँ। पहली बार प्रवेश पाने में वह असफल हो गया और मैंने उसका जीना दूभर कर दिया। फिर वह दूसरी बार भी असफल हो गया और इस बार मैंने उसकी ज़िंदगी और मुश्किल कर दी। फिर वह तीसरी बार भी असफल हो गया-और इस बार उसने अपने आपको ही मार डाला।"

वहाँ बैठे लोगों के मुँह खुले-के-खुले रह गए। छात्र और शिक्षक गण आपस में फुसफुसाने लगे।

"आप सब जानते हैं कि मेरी एक बेटी है। लेकिन मेरा एक बेटा भी था, जो पाँच साल पहले एक ट्रेन दुर्घटना में मारा गया। उस समय हमने सोचा कि यह एक दुर्घटना थी; लेकिन यह.." चेरियन ने समीर का पत्र बाहर निकालते हुए कहा, "यह है मेरे बेटे का पत्र, जो मुझे कुछ सप्ताह पहले ही मिला। जिस दिन वह मरा, उसने मेरी बेटी को यह पत्र लिखा था। उसने अपने आपको इसलिए मार डाला, क्योंकि वह IIT में नहीं जा पाया। उसने अपने आपको मेरी वजह से मारा।" चेरियन ने कहा और कुछ देर

के लिए चुप हो गए। उन्होंने अपना चश्मा उतार दिया और अपनी आँखें पोंछीं। लोग इतने शांत थे कि हम चेरियन की रोने की आवाज सुन सकते थे।

"यह तो रो रहा है।" रेयान ने कहा।

"मैंने तुमसे कहा था न। यह तो उस दिन के मुकाबले कुछ भी नहीं है।" मैं रुक गया, क्योंकि चेरियन दोबारा बोलने लगा।

"मैं आप लोगों से माफी चाहता हूँ कि आप सबके इतने ख़ुशी के मौके पर मैंने इतनी दर्द भरी कहानी सुनाई। मैंने अपने आपसे कहा कि अगर मैं अपनी गलती सबके सामने मान लूँ तो शायद मेरा बेटा मुझे माफ कर देगा। और मैं इस class के उस छात्र को धन्यवाद देना चाहता हूँ जिसकी वजह से मुझे यह सच्चाई मालूम हुई। और वह है मेरी बेटी का boy friend हरि। वह यहीं बैठा है, सबसे आगे की पंक्ति में।"

"वाह!" आलोक और रेयान ने एक साथ कहा। सभी की आँखें मेरी ओर मुड़ गईं। मैं अपनी ज़िंदगी में कभी भी इतना शरमिंदा नहीं हुआ था। ऐसा अत्यधिक प्रचार मैं नहीं चाहता। मैं यह आशा कर रहा था कि इस बारे में वे कुछ नहीं कहेंगे, लेकिन उन्होंने कहा-"अब मैं आप सबको इस हरि और इसके दोस्त आलोक एवं रेयान के बारे में कुछ बताना चाहता हूँ। ये हैं, जिन छात्रों को कम GPA मिलते हैं उनको मैं यहीं बुलाता हूँ। और इनके कम GPA है-five point कुछ, कम हैं, है न?" चेरियन ने मजाकिया ढंग से कहा।

"मेरी बेटी ने उस पत्र के साथ हरि पर ज़्यादा भरोसा दिखाया। वह मेरे ख़िलाफ़ गई, मुझसे झूठ बोली और उससे मिलने के लिए मेरी उपेक्षा करती रही। कही-न-कहीं यही दस GPA वाला professor, जो आपके सामने खड़ा है उससे कहीं-न-कहीं गलती हुई है, बहुत बड़ी गलती।"

मैं पीछे होकर बैठ गया और चेरियन की बातों को ध्यान से सुनने लगा। मुझे दुःख हो रहा था और पहली बार यह लग रहा था कि चेरियन के पास भी भावनाएँ हैं। "और तब मैंने यह अहसास किया कि GPA से एक अच्छे छात्र बनते हैं, लेकिन एक अच्छे इनसान नहीं। यहाँ हम छात्रों को उनके GPA से आँकते हैं। अगर तुम्हारा GPA नौ है तो तुम बहुत अच्छे हो और अगर तुम्हारा GPA पाँच है तो तुम बेकार। मैं इन कम GPA वाले छात्रों से इतनी घृणा करता था कि जब पहली बार रेयान ने lubricant पर research प्रस्ताव जमा किया तो मैंने उसे बिना पढ़े ही खारिज कर दिया। लेकिन इस लड़के में कुछ तो बात है। मैंने प्रस्ताव दूसरी बार देखा। मैं इतना कह सकता हूँ कि जो भी निवेशक इस प्रस्ताव में निवेश करेगा वह मालामाल हो जाएगा।"

research

"तुमने सुना, हरि?" रेयान ने कहा।

मैंने सहमति से सिर हिलाया।

"तो, मेरा तुम सब छात्रों से, जो अपने भविष्य की खोज में हैं, उनसे यही कहना है। सबसे पहले अपने आप में विश्वास रखो और GPA या नौकरी में तरक्की-इन सबसे ही स्वयं को न आँको। इन सबसे ज़्यादा महत्त्वपूर्ण है जीवन में तुम्हारा परिवार, तुम्हारे दोस्त, तुम्हारी अपनी अंदर की इच्छा और तुम्हारा लक्ष्य। और इन सबसे कैसे तुम निपटते हो, वे ही तुम्हारे एक अच्छा इनसान होने के grades हैं।

"दूसरी बात, दूसरों के बारे में जल्दी धारणाएँ मत बनाओ। मैंने सोचा कि मेरा बेटा बेकार था, क्योंकि वह IIT में नहीं आ पाया। मैं तुमसे कहता हूँ कि मैं एक बेकार पिता था। IIT में आना एक अच्छी बात है, लेकिन अगर तुम नहीं आ पाए तो यह दुनिया का अंत नहीं। तुम सभी को गर्व होना चाहिए कि तुम्हारे पास IIT का बिल्ला है। लेकिन इस वजह से अन्य institute से आए लोगों के insti बारे में गलत धारणा मत बनाओ, सिर्फ यही इस institute की वास्तविक महानता को दरशा सकता है।"

लोगों ने ज़ोरदार तालियों के साथ स्वागत किया।

"और आख़िर में, अपने आपसे ज़्यादा गंभीरता से पेश न होना। इन सबका ज़्यादा दोष हम professors पर जाता है। जीवन बहुत छोटा है, इसलिए उसका आनंद लो। campus की ज़िंदगी का सबसे बेहतरीन हिस्सा होते हैं वे दोस्त, जो तुम बनाते हो। और उन्हें ज़िंदगी भर के लिए अपना दोस्त बनाओ। हाँ मैंने कहानियाँ सुनी हैं। कभी-कभी मुझे लगता है कि मेरा भी कोई दोस्त होता, चाहे उसकी वजह से मेरा GPA भी ख़राब हो जाता। रात में insti की छत पर vodka पीना कितना अच्छा लगता होगा!"

लोगों ने खड़े होकर चेरियन का अभिनंदन किया। तालियों की गड़गड़ाहट और ज़्यादा होती गई।

"ऐ आलसी, उठो अब।" रेयान ने मेरे कंधे को इतनी ज़ोर से हिलाते हुए कहा कि मेरा सपना टूटा और फिर धुँधला कर गायब हो गया-एक ख़राब टेप की तरह।

"क्या?" मैंने अपनी आँखें मलते हुए कहा।

"हाँ मैं हूँ। हरि, मुझे यह बताओ कि इतनी मेहनत करके IIT में प्रवेश के बाद अपने दीक्षांत समारोह को बरबाद करके कैसा लगता है?"

यह तो रेयान की घमंडी आवाज थी।

"क्या.. क्या समय है?" मैंने अपनी गरदन अलार्म घड़ी की ओर घुमाई। उसमें सुबह के सात बज रहे थे, बाहर तेज धूप थी।

"ऐसा लग रहा था कि तुम्हारी घड़ी भी यहाँ से तंग आ गई है। ग्यारह से भी अधिक बज चुके हैं। हम दोनों अपने दीक्षांत समारोह में नहीं जा पाए क्योंकि हम सोते ही रहे।" रेयान ने कहा।

मैं बिस्तर से उठा और बाहर बालकनी में गया. hostel बिलकुल खाली था। क्या बकवास है! मैं अपने स्नातक डिग्री समारोह के दिन सोता ही रहा। इसका मतलब चेरियन सच में नहीं रोया।

"बदमाश!" मैंने कहा, रेयान के शब्द भंडार से चुराते हुए "बदमाश क्या, इसका मतलब यह है कि वह हमें हमारी डिग्री नहीं देंगे?"

"अरे हाँ बिलकुल वे देंगे। बस इसका मतलब है कि हम वहाँ नहीं थे, जब बाकी class से चेरियन ने हाथ मिलाया होगा और उनके माता-पिता ने तालियाँ बजाई होंगी।"

मैंने सोचा कि पहले मैं अपने दांतों में ब्रश करूँ या पहले sussies जाकर कुछ खा लूँ।

"sussies। " रेयान ने मेरा दिमाग पढ़ लिया। यार, एक डिग्री पाने के लिए चार साल की मेहनत और जब उसे लेने का समय आया तो रेयान और मैं अपने पाजामे में बैठकर पराँठे खा रहे थे। सचमुच, मैं इस डिग्री का हकदार नहीं हूँ।

"हरि, क्या तुम्हें पता है, पिताजी मेरे lubricant medical में निवेश करना चाहते हैं। वह professor वीरा के संपर्क में हैं।" रेयान ने कहा, जब ससी हमारी ओर घूर रहा था। वह भी जानता था कि हमें भी हमारे दीक्षांत समारोह में होना चाहिए था।

"यह तो अच्छी बात है।"

"यह सब बकवास है। मैंने उनसे कह दिया कि मुझे उनका पैसा नहीं चाहिए।" रेयान ने कहा।

"क्या तुम पागल हो?"

"और सोचो, फिर उन्होंने मुझसे क्या कहा? उन्होंने कहा कि वे सोचते थे कि उस पत्र के बाद मैं ठीक हो गया होऊंगा।" रेयान ने कहा।

"कौन सा पत्र?" मैंने चेहरा गंभीर बनाए रखने की कोशिश करते हुए कहा।

"यह पत्र।" रेयान ने कहा और एक मोटे लिफाफे को बाहर निकाला, "और सोचो, मैंने कवर पर क्या देखा?"

हाँ यह तो वही था। तीस रुपए की टिकट, जो मैंने लगाई थी, उस पर मौजूद थी।

"तो तुमने उन्हें पत्र लिखा था।" मैंने अभी भी ऐसा दिखाते हुए कहा कि जैसे मैं कुछ नहीं जानता था।

"ठीक है मिस्टर हरि, अब नाटक बंद करो। तुमने इसे टाइप करने में इतनी मेहनत की, लेकिन पता लिखते समय थोड़ा सावधान होना चाहिए था। तुम्हारी लिखावट को मैं आसानी से पहचान सकता हूँ।" रेयान ने कहा।

"क्या?" मैंने कहा। मैंने इस बारे में सोचा नहीं था।

रेयान उठा और उसने मुझे मुक्के मारने का नाटक किया।

"तुम गधे, तुम इतने भावुक कब से हो गए?" उसने कहा। जब मैं उसके मुक्के से बचने की कोशिश कर रहा था। हम ज़ोर-ज़ोर से हँसने लगे। मैंने उसकी आँखों में देखा। वह गुस्सा ही था, शायद थोड़ा ख़ुश भी था। लेकिन जल्दी ही वह थोड़ा गंभीर हो गया। हाँ रेयान कभी भी यह नहीं मानेगा कि वह यह चाहता था।

"तुम्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था।" उसने कहा।

"ठीक है, शायद उस दिन मैंने ज़्यादा पी ली होगी। पर मैं यह सोचता हूँ कि तुम्हारे माता-पिता काफ़ी अच्छे हैं। और वैसे भी यह एक अच्छा medical है। तुम्हारे पिता शायद इससे काफ़ी पैसा कमा लें। मैंने सोचा कि मुझे इस बात पर ध्यान देना चाहिए।"

"मुझे यकीन है कि वह ऐसा करेंगे। professor वीरा ने उनका पैसा मंजूर कर लिया है।"

"professor वीरा जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं।" मैंने समझदारी से कहा।

"आलोक कब वापस आएगा? तुम्हें लगता है कि हमने काफ़ी कुछ खो दिया?"

"सब दीक्षांत एक जैसे ही होते हैं। चेरियन nine pointer को medal देता है, जबकि five pointer अतिरिक्त की तरह पीछे से अपनी डिग्री लेते हैं।" रेयान ने अपने कंधे उचकाते हुए कहा।

मैंने दूर से एक परछाई लँगडाते हुए अपनी ओर आती देखी।

"आलोक!" मैंने चिल्लाते हुए कहा।

"तुम बेवकूफ लोग यहाँ बैठकर पराँठे खा रहे हो, जबकि देश को इंजीनियर का पूरा एक बैच दिया गया है।" आलोक ने कहा।

"ठीक है, जो भी हो मोटे, तुम्हें यह चाहिए या नहीं?" रेयान ने संकेत करते हुए अपनी प्लेट आगे बढ़ाई।

"हाँ जरूर। चेरियन का वह भाषण सुनने के बाद तो मुझे चाहिए ही।" आलोक ने अपनी जीभ बाहर निकालकर अत्यधिक थकान दरशाते हुए कहा।

"मम्मी-डैडी कहाँ हैं?" रेयान ने कहा।

"लंच के लिए उन्हें professors club में आमंत्रित किया गया है। मैं तुम लोगों को ढूँढने आया हूँ।" आलोक ने कहा।

"क्या चेरियन ने काफ़ी बातें कीं? तुम्हें पता है कि मैं उसके बारे में सपना देख रहा था।" मैंने कहा।

"सच में? पर मैं सोचता था कि तुम सिर्फ उसकी बेटी के बारे में सपने देखते हो।" रेयान ने चिढ़ाते हुए कहा।

"चुप रहो।" मैं आलोक की ओर घूमा, "तो क्या कहा उसने?"

"ज़्यादा कुछ नहीं। बस, वही बकवास कि IITian सबसे अच्छे होते हैं। लेकिन हाँ एक बात जरूर कही। " आलोक ने कहा।

"क्या?" रेयान और मैंने एक साथ पूछा।

"यह कि हमें इस system पर एक नजर डालनी चाहिए। कभी-कभी दबाव बहुत ज़्यादा हो जाता है। टेस्ट कुछ कम और medical ज़्यादा आदि। मैंने कुछ ज़्यादा ध्यान से नहीं सुना-मैं थोड़ा-थोड़ा सो रहा था।" आलोक ने कहा।

"अरे, तुम पागल हो क्या? काम की बात भी नहीं सुनी।" रेयान ने अपनी कुरसी पर दोबारा आराम से बैठते हुए कहा।

"हाँ, क्यों नहीं। कम-से-कम IIT के आख़िरी दिन मैं समय पर तो पहुँच गया।" आलोक ने सदाचारिता से कहा।

'आख़िरी दिन' आलोक के ये शब्द मेरे दिमाग में गूंजने लगे। कब से हमें यह खत्म होने का इंतजार था, और आख़िरकार यह खत्म हो गया। शायद उतने स्टाइल में नहीं, शायद खड़े होकर अभिवादन और मैडल के साथ नहीं; लेकिन हमारे पाजामों में सड़क के किनारे पराँठे खाते हुए ही सही, लेकिन हमने कर दिखाया। हाँ हम तीनों भी अब IIT से स्नातक थे। वे नहीं शायद,

जो 'time magazine के कवर पर आएं लेकिन कम-से-कम हम उत्तर जीवी तो कहलाए जाएँगे।

"हाँ यह खत्म हो गया।" मैंने अपने आपको बताने की कोशिश की, लेकिन एक स्तर पर मुझे बुरा भी लग रहा था।

"तो फिर क्या सचमुच यह अंत है?" रेयान की आवाज मेरे दिमाग में गूंजने लगी।

"हाँ, यह अंत है। अब अपनी-अपनी दुनिया में जाने का समय आ गया है, जैसा उन्होंने दीक्षांत समारोह में कहा।" आलोक ने कहा।

"मैं सोच रहा था कि काश, मैं कभी नेहा से मिला ही न होता! उससे अलग होने में बहुत दुःख होगा।"

"क्या तुमने नेहा से बात की?" रेयान ने मेरा चेहरा पढ़ते हुए पूछा।

"मैं बात करूँगा। हम आज रात मिल रहे हैं।" मैंने कहा।

"क्या चेरियन को पता है?" आलोक ने कहा।

"मुझे नहीं लगता।" मैंने कहा। वह थोड़ा-थोड़ा नरम जरूर पड़ गया था, लेकिन मेरा और नेहा का साथ होना उसे अभी भी स्वीकार नहीं था।

"और हमारा क्या..?" रेयान ने कहा।

हमने एक-दूसरे की ओर देखा। यह तो बहुत ही मुश्किल होने वाला था। ऐसा क्यों है कि जब IIT में बुरी चीजों का अंत होता है तो उसके साथ-साथ अच्छी चीजों का भी अंत हो जाता है। hostel को छोड़ना और अपने दोस्तों को हर दिन न देख पाना बहुत बड़ा कष्ट था।

"हम दोस्त रहेंगे-हमेशा-हमेशा के लिए।" मैंने फिल्मी स्टाइल में कहा और उन दोनों को गले लगाने के लिए उठ खड़ा हुआ।

"बस, बस यार, यह एक सभ्य संस्थान है।" रेयान ने कहा और हम हँसते हुए दोबारा अपनी जगहों पर बैठ गए।

यह आख़िरी मौका था जब हम IIT में एक साथ थे। इसके बाद हमारी जिंदगियाँ बदल गईं। लेकिन मैं उन सब में अब नहीं पड़ना चाहता। आख़िरकार यह एक IIT की किताब है।

और मुझे नहीं पता था कि मेरे व नेहा के बीच क्या होने वाला था। मेरा मतलब है कि अब मैं बता सकता हूँ कि क्या हुआ, लेकिन मैं उस सब में भी नहीं पड़ना चाहता।

ही उस रात हम मिले और हमने कहा कि हम एक-दूसरे से बहुत प्यार करते हैं-और भी ऐसी अनेक बातें। हमने व्यावहारिक चीजों के बारे में बात की, जैसे हम एक-दूसरे से संपर्क कैसे करेंगे और हमने एक वायदा किया कि हम एक-दूसरे से हमेशा-हमेशा मिलते रहेंगे।

लेकिन हमेशा एक लंबा समय होता है, IIT के चार वर्षों से भी लंबा। आज और हमेशा के बीच बहुत कुछ हो सकता है और ऐसा होगा-लेकिन यह इस किताब में बताने वाली बात नहीं है। दीक्षांत समारोह खत्म हो चुका था। हमारा सामान बाँधा जा चुका था।

आलोक ने दिल्ली में अपनी नौकरी शुरू कर दी। उसे तंग करने के लिए अब मैं और रेयान नहीं थे, इसलिए उसने अपने आपको नौकरी को समर्पित कर दिया था, जिसके कारण उसकी software कंपनी ने उसे छह महीने के लिए USA भेज दिया। उसके USA के assignment ने उसको dollars में छात्रवृत्ति दिला दी, जिस वजह से एक ही बार में उसके परिवार के सारे दुःख समाप्त हो गए। एक उत्तम श्रेणी की नई गाड़ी 'गुप्ताज' में आ गई। अब मैं उसकी बहन से शादी करने के लिए मुग्ध हो रहा था। आलोक के पिता को अब एक नर्स मिल गई थी और उसकी माँ नौकरी छोड़ कर private tuition लेने के बारे में सोच रही थी। मेरे हिसाब से उन्हें अपने आपको व्यस्त रखने के लिए नौकरी करना आवश्यक था, लेकिन मेरी बात कौन सुनता है?

रेयान professor वीरा के साथ काम कर रहा था और अपने पिता से मिले धन को दिल्ली से दो घंटे की दूरी पर स्थित स्थान पर निवेश कर रहा था। निर्माण का काम करने के लिए आस-पास के गाँव वालों को नौकरी पर रखा गया था, उनमें कुछ लड़कियाँ भी थीं। वह जो बदमाश है, वह वहाँ उन्हें देखने जाता है। मेरे ख़याल से वह रूपकँवर नाम की लड़की को दूसरों से

ज़्यादा चाहता है-और मेरे ख़याल से कोई हादसा होने ही वाला है।

मैं मुंबई चला गया, ज़िंदगी की बाकी जिम्मेदारियों की तरह उससे घृणा करता था। मुझे भीड़-भाड़ वाले शहरों में रहना पसंद नहीं और मैं नेहा से दूर भी नहीं रह सकता था। पहले तीन महीनों में मेरी आधी तनख्वाह एक कबूतर खाने जैसे मकान, जो शहर के अंत में था, में चली गई। और बाकी सारी नेहा को फोन करने में।

हाय! मैं उसे बहुत याद करता था-उसके बाल, उसकी हँसी, उसकी आँखें, मेरा हाथ पकड़ना और बाकी सबकुछ। हाँ यह सच है कि मैं आलोक और रेयान को भी याद करता था, लेकिन इतना नहीं। मैं उसके लिए लालायित था।

उसने अपना fashion design का कोर्स खत्म कर लिया और उसे एक local designer के यहाँ काम करने का प्रस्ताव मिल गया। लेकिन वह यहाँ मुंबई में कुछ काम ढूँढने की कोशिश कर रही है। काम बन जाना चाहिए क्योंकि यह शहर बहुंत ही fashion वाला है। फिलहाल, मैं अगले महीने दिल्ली जा रहा हूँ आलोक की दीदी की शादी में। हम सब वहाँ होंगे-आलोक, रेयान, नेहा और मैं। और अभी मैं इस बारे में सोचने से ही काम चला रहा हूँ। आप जानते हैं, यह थोड़ा अनोखा सा है कि मैं IIT से पास तो हो गया, लेकिन मेरी आत्मा अभी भी वहीं है। शायद hostel में, corridor में या sussies में या insti की छत पर।